



० में नासा० क्षुनसाममें माळे मामें ने मासुना

न्गरःळग

र्श्वास्य	1
ह्रिया याविया था	11
ळॅब्र'रेग्।'र्र'व्यर्'म्।	21
सळम्	
क्रूट हेर दर्। क्रूब मुना विव र्डे अ दर्भ विश्व भी मा	73
सक्रम्	127
वनरःग्रथः केवः सॅं प्रां विगाया से प्राये वरः प्रवे वहिगा हेवा	133
सक्दा	173
वस्यावसूर्तेनामान्ता यमास्य सम्मान्त्रा	
व्हेगं हेना	175
सळम्	213
नेशमंदिमाब्द देंबा	217
मळम्	251

न्गार क्या

नेयायर ध्रियायायि ळ दारेया	252
শळव्।	291
পৃথ্যমন্ত্র, ইপ্রাম্পা	292
सक्रम्	327
गुवःश्चित्रित्रेवायप्तरा देवायास्त्रुवःश्चीःस्वर्भागाययःया	328
सकत्	359

त्र मुन्यस्य भूत्रसर्वे स्वत्या वित्र स्वत्यस्य स्वत्य स्वत्य स्वत्यस्य स्वत्य स्

शेर-श्रून-न्यर-व्रह्य-न् ग्रुह्य-वर्शेन-न्ययःग्रीश

รุ่มเลี้มเลิงเหลี่มเมเลี้มเลเราที่มเลเรา ผู้รุ่มเลิงเมราร์เล็นเลี้ม รุ่าสู่เลเรา marjamson618@gmail.com

७७। ।ह्यान्त्रनाडेनाविंग्नवे क्षेत्रनी प्रदेना हेन।

सहर्तास्त्री यक्षियान्तरान्स्त्रायहेत् क्षा सर्क्ष

श्रॅं व भी दा

७७। | ८४ : क्रंब : देवा : त्यः के दः श्रु दः ग्रु अ : अ हो दः । दि : के अ : प्रेंब : सवाक्ते न ने ना वदारे वे ना सर विशुर द्वारे नु सारे न न दर नु क्व रे ना नी नेशन्तर्दर्वयानदेगायरप्रमुन्तर्मेगारान्ता यत्रसेसेसेरे (BBC) वह्राश्चीरावाश्चरावश्चरायाः १वरायाः हेशाशुःवाव्यान्धरानेवाः रादेः र्र्स् नः नेन प्रमा केमा त्या ना स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य शुअ दुवे देर वार्य क्व देवा य दर खूव र क्षेर ही केंवाय वर् क्रेर व न्दानर्गे सेदान्य स्वाराध्या हिंदा नर्गे सेदान्द स्वाया प्राप्त ने सेदा स्वाया शुःदशःकुत्रःतुः र्वतः देवाः पदेः तश्रशः क्वेदिः द्युतः वतशः द्राः वितः देवाः वीः यवि इदे अन्ते। इस यविया है ज्या भन्न प्राम्य महेन के सह विश्व है स नुवास नसूत ग्री सह्वा प्रज्ञा स्वाम स्वाम मिना सम् प्रवाम पर्मे वा सम् धेव'यद्। दश'र्क्षव'रेगा'गे। क्रेंर'या नश्र या विवाश वा वन व व राष्ट्र राष्ट्री ळ्वःरेगःगेर्रार्द्र्यःल्ट्राव्यव्याय्यायः हेः धेवःयः ह्रेग्रयः यर्द्रायः वनामा हिमा स्ट्री स्वर देना मी या गुवर हुँ द देना या पाद द वर्शे पासे देन से विश्व से मार्थ हो। रेव बराया भुग्रामा केव गार वर्ष वे वर्षा या वर्षा यह सामित वि वि दि । न्वायी वरार्शने श्रूरायाई ने जुः धुवा ही क्वर नेवा वी श्रे क्वर विवा वे क ह्याद्यार्से दे दिस्याप्ययारिया प्राप्ता विष्या हेता सुना स्वापा हो। न्द्रभःरेगाम। नगरः इते ळवः रेगान्द्रभेस्रभः निस्रभः रेगामः र्शेग्रभः धेव। दरे ने अ धेव दर देवा गवस श्रु र नहर ग्री सर गवि वे वर कें अ वी सुन्व वाया केव नर मी अध्वन मदे क या नश्या हैं कुव र न न हिंदा नेन'वर्ने'ते'सु'नवे'विर'न्रा ह्याझ'रन'ग्री'सर्ग्रीम्थ'ळेन्'सूर'ळ्या ग्रेन यश्राग्री विनायेत वेंना सुदे तें ना चरान उश्राग्री वहेना हेत र् नेंद्र ग्री वर यदे म्याया विवास्त्रेन या प्रते स्वेया प्रति मुल्य स्वेता प्रता दे प्रदि एपुन रेट में या नश्या विवाश गुरा परि पन्नश मु धिता

न्त्रीत्रःधेवाःग्रदःलेशःसंदेःश्रापशःन्वदःष्ठिनःसरःनःविवाःसेन। १६३० वर्षा चलाखेला सु.जम्.चरुश्राग्री.बरारी.पचील.चर्षेरामी.कुरायीश्रास्त्रीता र्विट वी व्याप्त के या की प्रचीया पर्वेट हैं यो या या है : स्रेप या वे या प्रचे प्रचेता धेगायदे हे ज्ञायमाय विगारेदा देवे वह दुर्वित वी मावह के मादह हेर र्यश्राभी क्षेर् स्वामी के क्षेर वार सर यर यर स्वास्त्र व्यास्वर विश्व के स्वीर वी सोट सेवा शर्धित रहेया वहें ता विद्वा विद्वा से ता स ८८.२.जमार्यक्रामक्षरमाश्चरा मुस्यामावियातास्मरमार्नरार्चरा यावरासदे वित्रदेव योगायदे र द्वी र देश ग्री दे सूर सूर से द से दार कुः सळदः विगादेः १६५६ वॅर-८ नडदः व्याप्तः सः व्याप्तः स्वाप्तः वि वटः ५ राष्ट्रीवः धीवा राष्ट्रीः प्रायः श्रुवः र्खनः श्रुवः विवा ग्रुवः श्रीः राष्ट्रवा वाटः श्रूवः राष्ट्रवः ळव देगा नी वहिमा हेव छी ने शार्थेव वर्ळे वा स्रेना वा सातु न साते हिंदा नुवर। रन्दर्केशनक्रुन्यिवेग्यंविग्विग्रहेंद्रिंग्यविश्राद्येशरायां नियाका होत् होता होया सम्भित्र के का तरी या है। दि साध्य या अपने अः तिकः वशः दिर्यानः धीवः नया शेययः श्वायः ने श्वरः वयः ग्रारः के दः यः र्कें र न श्वाय द्वारी भी या शुरा

दशःर्वे दिःदगदःव्याः व्याः श्रेष्ट्रायः वेदः । विवाः वी । व बदः ह्यः । अः देः वः विगान्द्राष्ट्रवन्तुः श्रेस्रयन्त्रीय्यायदे स्त्रेद्रास्य स्त्रयः स्त्रयः स्त्रयः स्त्रयः स्त्रयः स्त्रयः स्त्रयः ८शः र्वतः रेगाः यः र्रेः श्रूरः ५८। र्वतः रेगाः यः ५८ः श्रुवः ५ः ४८ः वर्ग्यायः ग्रीशः ग्री मार्शे द माद्र शाया मार्दे द प्रके ग्री द स्थे द स्थे द स्थे प्रवासी मार्गि स्था क्रि. रैगाने के अख्याया ये दायर गार्ने र हो दाधे वा ये क्या हो या हो दा हो दा ब्रुन'य'न्रा हिन्'ग्रेशक्र्व'नेग्'य'य'यह्रास्येयस्य वर्ष्यने प्रदेशः वर्देशः ग्रेन्या देन्य वा का क्वाराया या या या या वित्रा वित्रा के वा सेन्य है या यसः द्वेत् नुषः र्रेट्। देन् द्वेर न्त्री देश त्रात्र स्वा स्व देश व्या त्य दे द्वट द्वट ने विषयः वर्त्र भा हो दारा के 'हे का प्रमास स्थाप हो स्थाप के हा हो दार के भा ५८.क्ष्य.म्या.याट.लुव.म्या.प्रा.प्रा.विय.स्रा.यस.प्रम.त्र्य. म्बर्भाख्यासादर्केषाविना हो दासरावस्त्रासदे मद्यामी धिदाकेसादेरा नहेत्रत्राळत्रिनायार्गे स्रायदिशाने न्यते माने नर्ळे न नुना मायाने ळवःरेगाःगोःवळेषःवेनःग्रेशःवरःयदेःवरेनःळुषः।वगःवेगःवेरःवह्नयः धेव न अवत्या हे या हु या अवा र्श्वेव न ज्ञेव हो द रहें या देया सम् न द रहें व मदे विन वहुमानी वर्ष अप्ताप्त के ता विश्व अप्ते मान्य विषय के प्राप्त विषय के <u>বূর্</u>

८ दे । पा ले वाहे रा से ८ ग्री कुषा ही ते रे ८ ए सुपारा लेवा पी त सूर्य रा मुयाप्तराग्री अवदासळ्सस्यायासार्देशासराद्रात्राग्रुवात्रसाराही सव रहन श्री भी अ र्थों व निहें ने अ श्री न प्रवे रहन ने वा प्रवे श्री न प्रवे अ म यासेस्रयात्रातात्रात्रात्राकेत्राकेत्राचेत्रसाद्धेत्। वात्राक्रताद्येत्राचीः स्नात्रासा स बुद रावे द्वर में अरवह सम्बोद रवे रहे अरहे दाय खूद रावे हिंग अरविया यद्वेशःशुःशुःराद्रःश्वरःत्रयाःगेःभ्रवशःश्वरः। नरःवियाःत्रः वृतःवियाः गहेशःग्रेःळ्दःरेगःसशःसदःढ्दायःयद्येयः वःग्रेनःवर्नेनःसवेःन्नःस्रारेः श्रेन देव मार्से दे हिंदिन सार्वेद न विवादित वनवा वी से मार्थेद स्थादित क्रिंत गुःश्रुं न पदे अपदर्शे न से इससामित माने माना धेन परि दें साम हैन ग्री स ब्रॅग्-नुग्राराषुः नश्रुवः यः न्या ने यः व्यवः श्रीः वन्यः श्रीरः वन्याः यविष्ययः

 वद्यामा नेट्रिन्न अविदेश्वेत्र क्रिन्न क्रिन क्रिन्न क्रिन्न क्रिन्न क्रिन्न क्रिन्न क्रिन्न क्रिन्न क्रिन्न

द्रश्वाम्यश्वाद्द्वाहेत् क्री नेशह्त्वाश्वाद्वा स्वाद्वा स्वाद्व स्वाद्वा स्वाद्व स्व स्वाद्व स्व स्वाद्व स्व स्वाद्व स्व स्वाद्व स्वाद्व स्व स्व स्वाद्व स्व स्

वर्डे अवश्चा अध्याद्या विश्व क्ष्या विश्व क्ष्य क्ष्या विश्व क्ष्य क्ष्या विश्व क्ष्य क्षय विश्व क्ष्य क्षय विश्व क्षय विश्य क्षय विश्व क्षय

नेनायने क्रिंयामाने क्रिंयान्तर श्रेयान्तर श्रेयामाने स्वाप्त स्वाप्त

न्वे विन ग्री त्यम दमा समय न्वें न्वे न्यु मेर् विन मेर् वे न्या के न्यम यान्यानार्केर्यान्यार्वित्। येययार्देव्येनायात्रार्व्यत्रेनावात्रात्रा र्सिन्। देवःग्रम्। ननेवःमःवर्स्धियःनवेःन्स्रेग्रमःध्ययःक्रुन्यःकेवःनेःग्रहेगः अर्द्ध्र अः शुः पॅर्ट् प्रस्थः बर्वा वर्दे वादिशः विश्व विष्य विश्व विष র্বশংশংশংশ্বংশ্বর্শ্বর্বারাম্প্রীন্ত্রের্বার্শ্বীর্বংশ্বর্বার্শ্বর্বার্শ্বীর্বং धेवा ळ्वःरेगः १८ से समार्थितः रेगः पाष्ट्रिमः बुदः वर्षे वः स्त्री सार्वे पा श्रेदे देग्राश्र भेराधें द दर नेरास्त त्या सम्बन्ध मार्थ स्वाप मेर्से द धररम्भायदेवार्याचेदार्क्षेवा भ्रवाधरायदार्ख्याचराचीः में राजसूराया नहेव'वर्ष'ळव'रेग'८८'र्भेष्रष्र'र्देव'रेग'प्रष्र'दर्शे'रासेदे'रेग्र्ष'शे न्वीयास्तिन्द्राचने व्यवसायास्त्रायसायेग्यास्ति व्यवसायनेग्या नश्चनः श्वनः प्रवे से नान्य वाष्ट्री मान्य प्रमानी प्रदेश हेत वा नत्र'मदे'रूर'हेर्'ग्रे श्रूर'वर्रे'नश्रूर'व्यात्र्यात्र्यात्रेर'र्षेर्यात्रात्र'या वदःसदेः क्रें शः र्रोषा अर्थः प्यासदः सेन्। क्रवः देषाः यः दें स्वदः ववः प्रवः प्रवः प्रवः प्रवः प्रवः प्रवः प याश्वर र के र राये क्व रेवा यो इ नये ने श द्यापया र र हे र ग्री प्रहेवा हेव क्षुःकुंवावरात्रात्राचेवाचेतात्र्वीं भारावे सुवासाववान्वाचेता कुंधिवा

षोः शृतेः र्क्ष अः श्वाया अः वार्ष्ठ अः स्वेरः श्रे अ अ अः र्दे तः सेवाः सः प्रदा्या अः स्वेरः सेवाः स्वाः स्व

मदेव्हराक्ष्यायाक्षाव्याव्याव्याक्ष्याक्ष्याद्या क्ष्याक्ष्या क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र ननःग्नारः अरः विगाः गीशः क्रवः रेगाः गीः यहे गाः हेवः क्षुः क्रुं यः यः वे विश्वशः यदिशः होत्रपन्ने न् न् न् प्याने सामान्य स्थान्य स्थाने सामाने स न्वीं शः स्रोति वार श्रुवारा नेवि सम्रवास्ये प्रवस्य स्वास्य स त्राधराष्ट्रियासाधिरसासुःयासयाधासीस्त्रित्यात्रा क्षेत्रासीसे से साम्रा ळव्र देवा या क्षु ळुवा हे विवा पिंदा सेदाया सा क्षेत्र या सा स्टा हुट वी वह सा श्चिर्य्यादार्के श्रेवे वर्के मान्यादेयाया हेन्याया हेन्याया हिन्याय दिनाय दिन वर-रु-रश-विं हिंग्रायनि यायहिंगाहेव क्षुः छ्या बेर कु त्येवा ने ने गार्थेर कें। वसेवावगुररेगायाद्या देशागुरारेगाया विवर्षेश fquantum नेत्रायः भुगमः रेगः या या राह्य नेया यो याया हो। त्रुन पं लिया धेवा से समार्दे व देया पा त्या लिया यसू मानमा भ्रमा प्रमा पर प्रमा व र्श्वे द्राप्त विष्ठा विष्ठा विष्ठा के विष्ठा के विष्ठा के विष्ठा बूट गुरु पर्या राज्य के देवा व्यवदा क्षेत्र वर्षेत्र खेता क्षेत्र व्यवस्थि वर प्रवेश यहेगा हेत कग्रास्त्र या श्री इसामावगा हे रामा प्राप्त स्वाप्तरे गुनःसबदःस्वार्थःसःकृतु। ळॅदःसेवाःवीःभेर्षःग्रःवार्थसःसःविवाःदरःनश्रुदः व्यानर्डेयानश्चुराद्राधरामुयान्द्रिराद्र्येयायाययार्थारेरोद्री देवावदी

दरे दशेम् राष्ट्रया के दास्रे विद्या से दानी मानदा वमाना की ना हु के नदे न्वर् न्वर् न्वर् विवा के ना त्या के ना त्या के निवा के नि रेरःळवःरेगः १८ वटः ळे अःगविशः ग्रेः अळवः विषः रेगः पवेः गविरः स्यायः यार्क्ने माप्यहें दाके प्रवेश्वा ना ने दान के प्रवेश के विगायारेता दरे हो र ह्वें र हें र वर्षे प्यया हार्से र वें हुन परे रे पर्व के नया अन्य रेर ग्वर रें व व न्य वे अ वे अ नर न न र न यर द्वाय पर पेंद शेता त्रुन'नश्रुव'श्रुव'रा'न्द'र्विद'वी'यश'र्देवाश'ह'शे'वेद'वी'शे'व्दर' ∫ Jas' Elsner ने निर्धे अपने प्रति के सामिन प्रतासिक सम्मान स्वाप्त सिक्त मिन सिक्त मिन सिक्त सि मंत्रे प्रते प्रते प्रते में भूत श्रुम् प्रत्ये विष्य विषय विष्य में स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं स्वर इससान्त्रीतः भूतः तुःचारः श्रवः श्रवः विष्यायायायाः विष्यते । युः विष्यतः स्वायः रस्य गुरुष्य प्राप्य द्रम्य श्रुम्य हे के लु कु प्येता दे प्रिवेद दे प्राप्त प्राप्त स् यर्वी यह्वा नर वाशुया दुः विंदा वाहे या या क्वा अर्थे र द्रा या द्रो या नयया कुषायर्देवसम्बन्धे कुरावाधिन्य करास्त्रम् सुवासाहे के। स्वाप्य प्राप्त

श्वनायस्त्र श्वर्मा द्र्या स्वर्म स्

हैंन'नबिनसा

३ नित्तानी अर्थे अदः दे त्या दें अळ दः निते क्ये नित्तानी अर्थे अदः दे त्या के व्याप्त के व्यापत के

 मदेरदेर क्षेत्र मी वर्के वर्ष विन वर र र क्षत्र सेवा मी शर वर समुद्र खुवा ना शर वहिमा हेत देवे वट दु रूट हेट ग्री से समार्देव देवा पवे र्श्वेय कुत वसा য়ৢৢৼয়৾৽ঢ়য়য়৽৾ৼয়য়৽য়য়য়৽য়ৢ৾ৼ৽য়ৣ৾ৼ৽য়ৢ৾ৼ৽ড়ৢঢ়৽ড়ঢ়৽ঢ়ড়৾য়৽য়৾ৼ৽ঽঢ়৽ सर्वेट गुर्न देवे श्रेर नद्या या सर्वेद द्या वह साम्नेट दर यो द्यर श्रुवारा के नितं ने या नित्रे क्षे क्षत पर्ने हिन निर्णेत ने निर्ण के से स्था नित्र निर्णा परि नगवःकुःकुःतुवरःधेव। रःर्केवेःवह्रअःब्लीरःवरेःचरेःचर्रःवार्केवःचवेः सबर ब्रुवा वी वावर दें व वदे वा वा विवाय वा स्वार नुहर वदे रहेवा वी । षरः मुरुषः ने वर्षे न सेवे सेवार्य न्य सेवे वे त्य वे स्रास्त्रः सु से न्याय स्रेस्र उत्रावित द्वा वी द्वे रास्रित्व वित्र वित्र स्व द्व दि स्व स्व र यश्वार्श्वेरिविया हुन्दर्स्य स्टिश्वर यश्चर सुनि रेना

ळ्वः रेवाःचीः वदः रुःगुवः श्चें दः रेवाःचाः यः विवाः यदः रुषाःचीः वदः रेवाःचीः वदः रुषाःचीः वदः रुषाःचीः वदः रेवाःचीः वदः रुषाःचीः वदः रुषाःचीः वदः रुषाःचीः वदः रुषाःचीः वदः रुषाःचीः विवाः रुषः वदः रुषाःचीः विवाः रुषः वदः रुषाःचीः विवाः रुषः वदः रुषाःचीः विवाः रुषः वदः रुषः विवाः रुषः वदः रुषः विवाः रुषः वदः रुषः विवाः वि

र्क्ष्यायह्यास्त्रीरावरीःह्रियायाः सूर्याद्रा दे प्रविवादेवे वरायो स्रिवे देयाया ग्री मित्रायान इटानदे टार्के दे पर् भेषा श्रेमायाया भुग्या मेत्र सेनया वशा र रेंदे हें र पर स्रम्य पहें व हो र र रे र वा वह स हो र परे प्याय क्रशाक्षुःतुरःन बुदःनवे १५५ : ने शायानहेत्र त्रशारदः बुदः विश्रशास्त्रेत्र । न्भुःगर्वेगानेन्याकुत्र्र्ययाळग्रायदेन्वे त्य्राय्यायर्न्यहे नुरा ग्रार क्षरगात क्रें र रेगा य ते रळंत रेगा यगा नक्षर हो र य य यहे य न र्षे र य उँ अ व्यय अ र क्रें न में भी अ न न मार्थ में प्रति वर्ष वि न न में अ व्यापने वि या वि न में में प्रति वर्ष के अ बेर्यति श्रे राम्प्राची मर्वेद प्रदेश विमा हिम प्रिमा म्या खुषा प्रदेश मिवे यानवनान् श्री रानहराळवारेनामा श्रीराहराळवारेनामवे ळेंना राष्ट्रे यदिशःग्रीशःगुतः श्रुं दःदेवाः यः यः यदः अदे ः श्रुः श्रूद्रशः श्वेवाः व श्रुद्रः व श्रा विदः क्रिंशर्रिं केर् भी मार्थर हेर् ने या ग्रिंश सह्या प्रश्रिया प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्थिर भी । येत् र्विःग्रम् र्व्वःरेगाःगीःग्रथमःह्नेत्रःभेषःग्रःग्रथः स्वेवःग्रम्थः ञ्चना पर दे द्वा ल नहेत त्र अ हु द न वे वहु ल ल अ न सर न हे द र है अ ग्रवशास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् शेशशर्दिन देवा प्रायादगाय द्या श्चित् प्रदे दिस्या वित्र वात्र या स्वाय ग्रम्य प्रत्र ग्रम्य गर्हित् ग्रम् क्रम्य म्या ग्री यस ग्रिन्य क्रम्य ग्रम् क्ष्यान्य मार्यायायायमः विव शुर नमः मेत्र श्रुमः मित्र मुः यळवः श्रीयः त्याव ने ख़ूर प्याय बिया प्यार प्याय हिंदा की स्था है किया का स्थाय की किया किया की किया की किया की किया किया की किया की किया किया कि किया की किया कि किया की किया किया किया कि किया कि किया कि किया कि किया कि किया

रःक्षॅशःक्षंत्रः देवा देः रदः देवा श्रः यः व्या दिः दर्वे वा श्रेदेः इः वदेः गर्रःश्रेयश्यक्यःश्चेरःदरःवयः धरावः विश्वेशः यदेः विगः वेगः वेरः कुःरेः ययाकेरावावरार्देवावायाकेः वियानेता यह वार्यवे व्याहेता विष्या धरायहेवाधायविवा कवारियाधार्केशायारारेशाधरातुः सराहेतादाराह्ये थेवा देव ग्रम् ने वे वर्शे न से दे व्या परि सह न से सूर नु धेव पर स न हे न धरः तुरुष्त्र प्रावेद्धार्यद्यार्थः क्षत्रः देवा वी वसेवा क्रुरा क्षत्र स्वर् ने में तर्राष्ट्रवर्धिय क्षेया क्रुशा भी गाळग्या श्रुम् ने सेवर्टिश मेवर्ष वी वि देश न स्वाया है। क्य देश वि यो या वि या वि ये वि यो या वि ये व यायमा अभार्क्य देवाची प्रमेया कु भाषा क्षेत्रा वार्ति हा हो हा हो निष्या कवा भा श्रेन्। क्रंवःरेगान्दःवस्यायश्यावे तुयान्त्राक्षःके नवे वया कः धेव। देवः ग्रम्। दे निष्ठेशनर्गेषा श्रेन्दि सूर लेग्या सर होन्दि स्वापार्डेन होन् यानवरवे दः कें वर्वे निया भेषा भरत्या मदे स्रेट हे दर ने या निया है या इर दर्ने य श्री गुत र्रे र विवा वी शक्त रेवा पर दस्य य स्था श्री यवा खेत न्र्रेशलाश्चरशायहिन होन कु ने मानन ने नार्षे ने निमानेना

नन्गानी अर्बेट रहुषाया ह्या के प्रति पर्के निव परि पर्दे अर्बेट वर्रे दर देवे देवे अप्याय अर र विव देवा अर यर वर्डे व पवे अरेव शुरा रेगामित्रवह्याः अन्तिमारेन्। इन्नित्रक्षत्रमार्क्तरेयाः वे श्रिन्ध्यान् श्रूर यवे वहिना हेन प्रा देवे नावे इर नान्य रायवे रहा गुरान्य या ग्री केंग हेर्'र्सुग्राय'यवोष'नन्द्र'यय'यदे' बन'र्से होर्'स्त्र'यदें य'वेन' डिगाधिव विद्या रद ग्रुट विस्रका ग्री केंबा हिन इसका सर्देव सुस ग्री के का ग्री यानहेत्रत्यारीयायाययाहे यान्यया ग्रुयाया विवारेन। नश्नाग्रेते विवारे याम्याद्याद्या स्त्री स्त्राचा प्रमुद्रा हिंगा स्तरि विचा वह्या'वी'र्क्कॅन'क्ष्र'चक्कुन'द्रश्र'क्क् नेया'रा'श्रुद्र'र्सेन'र्द्रया श्राची के निर्मा विद्या हिन म'र्ने 'भेन' हु 'बेन' स' स्व' मदे 'कंन' रेगा' नहगा' न सु न' शे न सु न' रेस' बेगा' धेवा यास्रवरणराने वे नास्रेवे क्वारी मानी स्नामित वे नामित से नामि थॅर्प्सिक्षंत्र सेवानी र्युर्व्यवस्थि। स्ट्रिक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र सेवानी वर्केवा विनःग्रीःनर्नेन्दिवेदन्द्रःगुनःश्रुद्रिन्देगान्द्रः। श्रुःस्याग्यरः गर्हेर्ग्ये देवार्श्वेत्रमा सेससर्देवर्रमाया दे निवेद्या बुवासरद्रसर्देवा मदेःगव्रनः र्देवः सः सँ ग्रायः दर्शे नः सेदेः हिनः र्क्यः से सुनः नः विगाः र्हनः सेन्

क्ष्य-म्यान्त्री विमार्यम्या श्रास्य स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वरत्त स्वर्त्त स्वरत्त स्वर्त्त स्वर्ति स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वरत्त स्वरत्त स्वरत्त स्वरत्त स्वर्ति स्वरत्त स्वरत

र्धेव नार सर र्थेन धेव पर से से से सुर न विना ने शक्त रेना ने पर हैना हेवाक्षाळ्यानेकिनावेशाधिवान्दानेकान्यान्यान्याने ह्रमायद्विता न्वें रायदे पर्देन सुवायहें वायद्वा नर्म संस्था स्वायदे वे स्वादे वायी न्रें अपार्डे नेराख्याया ग्रेप्सान वियानेना नें नार्डे प्रति सुरुष ग्री यवि हर न बुद द्र राष्ट्र ग्राया राष्ट्र दे दे दे हो त्या हो स्व दे त्या हो हो ने स्व दे त्या हो हो हो है । विवार्ष्येन् सेन् न्रासान्वेसाग्रन्। क्षुः स्वायने दे न्रान्यन् सामान्यन र्धेरशाम्बराग्री मनेवायहेव विवारि स्ट्रा मनेवायहेव परी वित्रास्त्री यासानहेत्रामदेः खुया ग्री दिसात्र सामुनामदे प्रदेश हेता हेता विना विना परिना मदे । ळेशपानि नर्रेय पॅट्पा विन यह्मा रेमामी द्युरमावि रे विन यह्मा व्रेन्यस्य क्षत्रम्यायदे र्वेत्रम्ययान्य क्षेत्रस्य श्रित्य वर्षाय द्वेत्र बेर्धित्यायदेवायरावहित्

हिर्यामित्रम्यास्त्रे क्षेत्रस्य स्वीमान बुर स्थित। र स्र स्मी स्ट्रिन र्ख्या वे गडिगासुरशःगडिगायःयरेट्रायदेः कः नर्गे सेटासुगशःग्रीः क्षुः नदेः यदशः र्धेग्रयान्द्राधाः अध्वतः वत्दा दशः भ्रान्यश्वितः देवे। वाग्रान्द्रः हेन् भ्रानः वेन कुः सेवा कुः रूपः ने र्कें रास्त्र व हेन ने वारान्य अवारान्य व्याया र्धित निर्देश ग्री विन के शानिया अर्द्धित सेन परियो सेन निर्मेश विन कु प्येता नन्गानी भू रहेयाया नर्देश स्पेन्यान्य स्थान्य न्रें अभे निर्देश मुख्य ख्राय के विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विषय विषय विषय विषय विषय वहिमा हेत नर्गे द पर में विमा मी श हैं र में त प्राप्त प्र विमा हेत वही नश्चर विटापि से नश्चर प्रेस् स्था स्था के वा अर्द्धर अ श्चे अ वा श्चित्र अ वन्रासेवारविः क्षानवे व्यन्या श्रीवारा विवासेना

प्रविद्या हो नित्र वा स्त्री वा क्षा निवा हो निर्मा की अक्ष की ने निवा का वा के स्त्री निवा के स्वा स्तर हो निवा का वा के स्वा स्तर हो निवा का वा के स्त्री स्तर हो निवा का वा के स्तर हो स्तर हो निवा का वा के स्तर हो निवा का वा के स्तर हो स्तर हो निवा का वा के स्तर हो स्तर हो

गैअर्ट्स्स्यार्ट्स्यार्व्यात्र बुट्ट्यिय्तुः नेअर्ट्ट्रेस्ट्र्य्ययः सुगिर्देट्ट्रिय हेवापळे है। निरावा नर्के यामन हेन हैया हुन वी ही ख़रा हा स्वरा विगा-तु-सर्वेद-नवस्या देगा-स-दूर-गुत-श्चेद-ग्री-देग्रास-श्वेत्र-सर्वेः न्ध्रेन्यान्ययायायायाय्यम् विनानुः सर्वेनः यादिया रमः हिन्यादिनः यदे वर् ने या न्यावन वा नहें वह ना हो ना यदे स्टा हे ना हो हा है ना र्शेवार्यायाः भुवार्या क्रेवार्या क्षेत्रायाः विवारा सुन्द्रायाः स्रायाः र्क्ष अप्तर्मे निर्मा अपि मिन् र्क्ष अपि। श्रु स्वाप्ता गुन श्रु निर्माण कः श्रःश्रॅरः नर्गे ४ रे र्नरः इते श्रःश्रद्धान्यरः ग्रेः ह्याद्युरः ग्रेः वर्शेषानः र्नरः यश्रित्रपर्वित्रश्चेत् दे नश्चित्रश्चित्रश्चर्यो स्वर्धः वर्षे अप्तर्वे नश्चे क्र नर्गे नु अ द अ र र र रे ग अ न भु र न भु द ने र र र्गे अ र र य अ र र भे ग अ धुवानाराधरासेरामदेश्री प्रेरिकाग्री वसुवाककारस्य प्राप्ता सेवाकाह्या ग्राम्य वृत्ता विक्रां नु वहें व मदे वनु ने या की न क्रीन मदे ने या या या के या

चुःषः क्रुँवः कः र्षेदः या स्राध्येवः या निका क्षेत्रः या कष्टे या क्षेत्रः या क्षेत्रः या कष्टे या विष्ये विष्ये या कष्टे या विष्य

दे निवित् दु से स्वा नी निका श्वाह स्व स्व निका स्व नित स्व निका स्व निका स्व निका स्व निका स्व निका स्व निका स्व निका

ळव'ने न'नन'नम्न'य

नहराहेशःसूरःषटःसुँ धुन्यरादे द्वारावे वार्सुद्वाराहे न्वार्या ग्रेन्'मदे'र्से'न्यामन्युर्यासानियामी विसान् स्रोत्रा सयाकेम्मदे ग्रीया यदे रुषा ग्री प्रदेश हेत रु प्रद्युवायका ग्री रुटें का से विया वा टेंका प्रदेश हो र कॅवा'रा'वे'रा'वावरा'ग्री'पर्वेवा'रा'र्पय हुवार्केश'र्वेव'हेरा'व बुर'वदे कु यार-२८। ख.र.श मि.यया.यवश्यंश्रास्ट्राच्युः प्रति। मि.र.र.रे.क्.प्रि. वरेत्। दर्वे वर्ज्ञायार्थे वर्ष्मित्रवर्गे क्रिया वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे भुः बेदः न दुः निवे सर् देश पद्देव ग्रीः विषदेव ग्री अर्भ सर् सं बद्दा वदः के संग्रीः र्स्सेन पाहेर का करान हो दावर्षी न इपाया दाय हे तारे विषय है यो स्वाप्त वर क्रॅशःग्रेः इनदेः सक्रं देन देवा पदेः वाबुदः। वाशुदः द्वादिन रहेवा ह्रीं वहें व न व र गी क्षेत्र क्व विद्रायात्व क्षेत्र ही जिस्यावहें व दुः या जिन् दे नविदःरःयः सळ्दः विनशः ग्रारः विषयः अशः प्रिन्। सळ्दः विनशः विशः रः श्लेतः गहेर्यः र्रेग्राश्रास्या होर्यायत् ही अळत् हेर्वित्रश्राही परिंदा र्केंदे स्मित्रे व्यापात ने निर्देश की भी भी निर्देश मात्र मित्र स्थाय प्राप्त मित्र स्थाय प्राप्त मित्र स्थाय र् हिनाशानाशयान्द्र कुरोरेरी वयाय्ट्रेन प्राञ्चेतास्य स्वार्थित देर स्र्रात्वाकार्योकारात्ता क्ष्रियाय स्राप्त स्राप्

 चतः त्र्या क्षुप्राची देवा क्षेत्र त्रा क्ष्या क्ष

न्द्रंशर्यः ने र्क्कः वित्यका क्षेत्रात्तः वित्रात्तः वित्रत्तः वित्रत्तः वित्रत्तः वित्रत्तः वित्रत्तः वित्रत्तः वित्रत्तः वित्रत्तः वित्रत्त

या कु ग्राम् त्या क्षुम् राम् वर्षे या प्रमा क्ष्म वर्षे वरत मानिक्षारास्रायाः भुः बेराव द्वाना सुराया स्राया न्यान्या न्यान्या स्राया हेशासुरशानेशाहेगारा हुराया भूराभु भेराय दुः गासुसायरा सर्वे दादा न्वेत्रहेते कु ग्राम् न्यात्रा भून्यः मेन्या मेन्या स्ट्रिन् व्यापा स्ट्रिन् व्यापा सेन्या कु नश्चेत्रप्रेरिष्ठ्यश्राश्चित्राक्ष्मश्चर्या वित्रपीश्राष्ठ्रस्थाश्चित्रप्रेत्र व्यः वेद्रव्या भी क्षे कियाया द्राया करा सेद्राया वर्षे या वर्षे या वर्षे या वर्षे या वर्षे या वर्षे या वर्षे य न्वीयायरावयययानीता द्वीराञ्चायरायेवयाहेयावित्वीयान्राव्येवः र्टा श्रेयात्रा प्रंत्री केश भ्राम्य अदे श्रेया न श्रेया विष्युया विष्यु क्रिया मुयामिनाग्री न्द्रयात्रान्दान्त्रीं नार्श्वे राग्री सरामिदान्यरुगायाः नुमा दे निवेद विद्योग रहें मासुग्रम पद्मेया निवेद दे दार निवास मि र्स्नेन नार्शे नाय के त्र तु सर्वे द रहे के द र तु न द स्था पि रे दे ते तु गी र्स्ने न सुना वनवर्त्र हैवे र ने अत्र हिया है र ने स्वाप्त के स्वाप्त है के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप नहरा भुः बेर न दुःगशुअं मशः रहः हेर दर्गेर शः स्वाराः भूनशः वर्तुहः वर्गुरःळनःश्रेन्गीः१अयाः सुन्धयाः सें के श्रें व नार्रे नार्श्वयाः ग्रेयावा के स्वयाः थे। यो यात्य के व विया यववा प्येता देव ग्रामा विष्ट यो हे रागी याव द यो राप क्रेसराने क्राक्टर विवास हैंवारा पर दर्श धर से दर्श मुर से दर्ग भुः बेट न इन् श्रुय परे धुन हिर्से द परे तसुय क्या ग्रे न देश से

याववरळेंदे हिंद्र दे दे दूर हु धुया के दे । हिया के दे र के के या दर । हिंया नक्ष्रक्षेत्रचेत्रचेत्रच्यायायित्रम् विका क्ष्रिया क्ष्रियायविका भेत्र Two Baby Austins from 1927 and a 1931 American Dodge ने ने अया पाने में नकु न क्या में न या क्रियायित्रानित्राचेत्रायायायायात्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचे नुःशुःवनानिर्मः ने में अभीवानम् । देवानम् में मार्थान्यानि अपि यापानकुन्त्रमाञ्चारान्त्रम् स्वतेष्ठ्या भ्राम्यन्ते न्याञ्चरापान नशुर-५-नश्चेग्राय-हे-शुः श्रेन्द्र-नरुःगशुय्य-पर-सुव्य-च-विग-रेन्। धुर्य-रेनः र्रे विवापार्वे न केयार्रे म प्ये न प्रवे क्रम्यायर्वे म वे प्रवे विवापार्थे म विवा ग्रम् अस्तिः द्वीः र्रायः तुः सम्यादियः नर्गेन् त्यस्त्रः सेन्यसः ने रहें नेन् नियाशास्त्रीत्रायद्वायद्वार्ट्यायद्वी स्था नियायद्वीत् मी स्थायद्वीत में अळव केट देवा धर क्षेत्र वाकेर ट्राइ हो क क्षेत्र हो देश वाक प्राप्त कर हो स्ट्री व हो देश हो देश हो है । ळ्याने न्या यहिं राष्ट्रिया ह्या हे सूरा या श्रीना यदे नुया स्वित्या स्वत्या स्वत्या स्वित्या स्वित्या स्वत्या स्वित्या स्वत्या स नःदर्भःनुःश्वःष्यदःग्रयशःर्धेरःइत्। नेदःसदःश्वःनुस्यःक्रसःनेःक्वःसदः र्देश्यक्ष हिन्छ श्रायश्याव्य है । धर्म सेता देव ग्राम ने न्या वीश्राम्य

सर्चर में स्वाप्त प्रमास्त्र स्वाप्त स्वापत स्वाप

स्त्रीं स्तर्ने स्त्रीं त्रम्यावितः भ्रम्यक्ष्वा स्त्रीं स्त्रीं स्तर्भ स्त्रीं स्त्रीं स्तर्भ स्त्रा स्त्रीं स्त्रीं स्तर्भ स्त्रा स्त्रीं स्त्रीं

हिना'सदे'कु:र्क्टॅन'ने'के'वेन'मी'केन'नु'धेन'स'म्यानायय'र्सेन'नेय' रिना'सदे'कु:र्क्टेन'ने'के'वेन'मी'केन'नु'धेन'स्यान्येय'र्सेन'स्या

अन्यः निनाः यः अर्गे व्हें अयात्या देवे अर्मे राया नययः हैं निन्दान धेता इसाश्चानेयादर्गा हैं दे जियाया के नियायाया स्थानिया स्थाना ह्ये अ हे वह वी : क : ११ अ : इस अ : प्रेंटिश शु : रह : यह या हिंदा ग्रम्। न्यायम्यावियान्ते कः विश्वाने किंच करा श्रम् प्यम् प्रम् नवित्रायश्रामा छेत्। त्र्वा कु ने ने ने वर्त । वर्त नश्चेनाया हो दारावे दिवे के नादानी सदार्थे या विस्तायया वर्गे नहीं नाया दारा कुः कॅंद्र पार्हेर नश्चेषायायदे पा ज्ञार कः त्रेंब हे खूः यर कुः केंद्र पेंद्र पादे थे। र्रे ने अप्रास्टित कुर्केन नर्जे अपिन पार्टे में किया अपन्य विश्व कुर्मा निर् भुँव निर्मा निर् वन्यायाची कुर्कें दायदार्थे द्रम्भूवयादार्यो स्टार्थे यार्वे साय्यायदेवे वे नःलटःश्रेश्रश्-निर्। कुःक्टॅर्-देवेःरेग्रश्नायः द्वेशःराः धेत्रः दवरः दरः रुः वस्याः यश्राभी साराया या नामा धरा से पर्या

 यने क्रिं रान्येश्वरायाधीता ही शाशु र्रीता शुवायाया नहेन प्रति र्रीता नहेन क्रॅ्र हो न ख्र हिंदा है न स्ट्रिया में स्ट् ष्यस्र भ्रुवि कः प्रिन्ध स्राने त्या कवा भ्रुवि प्यम्प्य प्रमुवि । भ्रवसादि विवा याक्षांकुर्नरामे वकाधेवामवे न् हिवामिंदाम के निवान्तरा वे । ∫ Heinrich Harrer and Peter Aufschnaiter বুস্ট্রিশ कु'गर'ग्रद्धिगर्थाणे'द्रयग'गे'नर्डेद'वर'वेग'यर्थार्त्र्यार्थ'प नकुन्द्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्चा विन्त्यमाच विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्या विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्या विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्चा विन्त्रमाञ्चा विन् केर १६८५ धेवा ने रेगाने रिये में मार्थ क्या शरी क्या शरी र भ्रायश रेर सेंगा नकृतःक्षेत्रचे न ने र नर्वे नर्वे अ चे न पर मिंद्र मी अ द तथा रेंग्या र अ चुअ श्रुटा टार्क्स्यम् वाचक्रवायटार्स्य वाया ग्रुटार्स्य दिवाग्रहा वह्याम्नीटा न्यवाः केवः वाहेशः सदेः हुरः वः वावः केवः विवाः वीः भ्रें रः वः सञ्जवः श्रिवाशः मितायाम्य अत्रामी के त्यापित स्वर्था मित्र स्वर्था मित्र स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर् र्मेग्नानक्रम् अरासे निर्मा न्यमा केम्मिश्या मिरे हिम्से निर्मा न् चेत्र हेते कुया सं ति रहे महे खूर पते वि ति ते ते के मार्च किया नि क्र नि कर किया है। यारत्राञ्चार्यरञ्जेत्रा देःचलेवःनेद्रावेश्वेत्रःकीःवाव्यावात्र्द्रानेवः रे खू प्राण्वि सु प्र बुद प्रवेश वेदि देश श्री वे Laurence Oliver's film of Shakespeare's Henry V and Charlie

Chaplin's silent movies ने क्रिंग नह्न द्रा कर खे कर से कि क्रिंग नह्न प्राप्त कर से कर से क्रिंग नह्न प्राप्त कर से क्रिंग कर से क्रिंग नह्न प्राप्त कर से क्रिंग नहन्ति कर से क्रिंग निर्माण नि

ब्रिक्ट नाहें र नाहें र नाहें र नाहें र ने निर्मा है र में निर्मा है र नाहें र ने निर्मा ने स्वार्थ के से निर्मा है र नाहें र ने नाहें र नाहे

हेत्र^ॱविगाः स्टः हेट् 'याडेगा सुरु' क्वट्रु प्यविंद्र याहें दः केट् 'याव्र 'या नेशासुरसान दुवारमर दसा क्षत्रायिं र विवारितर मदे ही वेवारा स्वार्थ र विवार राधिवा देव ग्रामा नहन क्रेव छम् ५ विषा श्रुम नश्राम विषय ब्रिंग्रथः ग्रेः क्रिंग्राळगः स्ट्रां क्रद्रशः दिद्रः त्यः यद्याः क्रेंद्रः ग्रेट्रः सावदः वावदः विगाः स्रे प्रवयः राज्याः विशाग्री शास्त्रे प्रवतः प्रवाय स्राय स्राय स्रावितः स्रूरः केतः र्रे भ्रुश रश्याम्त्रिमानेवे क्वा देवा वर्षा श्वा वृत्त वर्षा ने दे वे लेवा क्वें-दृद्रशः सं धिव प्रश्रेष्व सदे न से दि ने या क्वें प्रत्य सह स्यास हुत्। नश्रमार्त्ते दुर्दं अपन्तरहे अपन्नश्रम् अभिना हे र्पार्ट्य रश्र हो अभा धेवा वनवन्नन्म नेश ग्रीश वर्दे कार्मे प्येत् से दार साम नेश सेता नाया हे विंदावी अपने अप्यें दावदादाया है अपाय वहदा अर्थेंदा

देट:रन्यश्राश्ची:र्ह्यद्राची:श्रेःर्ह्यद्रामायःर्ह्यद्रविमाची:श्रद्रायः देने

मैश्राम्य स्वार्षे म्या सुमा देवे वह स्वार्श्वमानी स्वार्थित द्वे क्षेर्ची नियं सिंदित्वर वह साम्चीर नियं नियं के वा पहिरादि हैं राया नियं नियं के वा प्रति सिंदि हैं राया नियं नियं के वा प्रति सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि हैं के सिंदि है के सिंदि हैं के सिंद है धेया यो दिने र्क्षेया या यदा से विया पेंद्र हिटा दे र्क्षेत्र वदा है र्क्षेट र वे र विया प्राप्त का पिनः सरः से विवाद्यवा त्वनः वर्दे रः वह वः व्यायः गुरुः सरः वर्गे वः न १८ विनः सः नक्त्रन्थः वर्षा क्रेंगः नक्ष्वः क्ष्रेवः वेरः वः क्षेंदः वः वः क्षेंदः वः नर्वे नर्वे भा दे निवेद सुरमायिं र निर्देश निर्मा निवेद । ग्रीभा रायाळवारीमान्दावसुयायभाग्रीविमाहेवारे देवदाविमाधेवासदे क्रॅंन सूर विगा हो वर्शें हा वर्ष वर्ष इत्रामी सूनश्रार में दारी विदाय नर्भेश्वासदे हिश्रास्त मिल्टायहेया ही देशात्रा १६५० वेर हि त्वा प्रा १६५६ वॅर्म् म्यारायाक्ष्म्रीरात् सेर्माराया है सेरा हो से स्राया निष् नित्र अन्यानेराकुः अदिन्यमान्युरामेश्वर्तः कुयाननायान्यन् वह्या गुर्भा ने ता दे दे ता दे दे ता विद्या मुद्दा में दे ती विद्या में दे विनःग्री मान्न पद्मर के नदे में अ से य मेर में विना मी नर र सुर ।

द्वे पार्वे त्र हे प्राथ्य है भ्रम्म असे छे त्र प्राय्य है प्राय्य है भ्रम्म असे छे त्र प्राय्य प्राय्य है प्राय्य है भ्रम्म असे छे त्र प्राय्य प्राय्य है प्राय है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय्य है प्राय है प

च्या ग्रिंट् स्वाप्त्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्

१६५६ व्यू र.श्रद्या भिया श्रीत्य त्या त्या त्या त्या त्या हु हो था हूँ दा है। नक्किंत्रिंस्निर्देश्चित्राह्मेश्चर्षात्वाकार्यस्यक्षिण्यास्य नेतिः सहिन्द्वे न्र्रभाविष्ट्रेष्ट्रेर्यरःस्वायःविद्य द्वेयाशुःकुःवारःग्रेश्चेरःक्वेत्रःरेर्यस्वाः वे प्रति क्षेत्र क्षेत्र य प्रतः वीषा य से प्राप्त स्या व्याप्त व से विष्य ही । श्चेत्राचन्याः ग्रहः कयाया वे से त्या क्षवः सेया ची नयस ह्यें स्वतः वेदा विदः म्बार्यक्षेत्रात्रकार्यः यञ्चात्रात्री त्यात्रात्री त्यात्रात्री त्यात्रात्री त्यात्रात्री त्यात्रात्री त्यात्र गिले इर गिवेग्य थेर्। रे निलेंद मिर त्य अर्त न क्रेर है है है है है के देरे विया ग्राम्यक्षेत्रा हे साइवादिस्याया विति हे म्यास्य हुता सदि द्वारा है वर्द्धर मु अदे पाद्य अर्द्ध पार्ट्स हे पाद्य क्षेत्र प्राप्त पाद्य अस्य गुरुप द्रमामालेव.सम्बूटा होमाक्रा प्राप्ता न्या न्या हो त्रामा स्थित हो न्या हो न्या हो न्या हो न्या हो न्या हो न्या ळेत्रसॅ नडर्स्न मु न्यूर मु स्यान्य सामर्थे विया या सु क्रूर र्र् सेंट न धेत्र भ्रम्य भी मान्य मा

नियास्यार्क्षेष्रायास्येरकेषायायाः स्वार्याः स्वरं महिरामिका मुला में पार्टी प्रायेश्वरापा महित्र प्रायेश के स्रायेश में मार्थि हिंदा न्रेंब्रव्यावः वश्यः व्यायम् श्रुणायस्न श्रुणा स्यो वेशः न्रेशः न्रेशः रनशनइन्त्रान्दिक्षे भुन्दिस्यो स्ट्रिन्त्रम् ळ्य. र्रमा. र्र. क्रू. श्रम्भाय वश्य वर्षे. य. श्रेय. वेश. ल्यं. क्रू. श्रम् विष. श्चेया हो दायर प्रवाद प्रवेश शेश शर्दि र देया प्रवेश श्राय प्राया या के वा विया नेत्र अफ्य से प्रप्रां ने Madame Blavatsky and Annie Besant रेशे नितं त्या अप्या वा प्रति से वा या हिंदा सामन किरास नुता र्धेग्रम्भाराधित प्यता वित्र र्के मुम्म वत्र तु प्युव सेत्र से स्वर्ष्ट्र र्थे द्र वर्ष्ट्र व बन्यविद्यत्त्रीयाची के सूर्यत्ते स्त्रीत र्या द्याय स्थाय स्था स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्य वे देव देखा अर पहेन हेन हेना अध्यय अधिर सर द्व लेना मे प्रवस्तर विवस अर्क्केन ह्या अः निया हिं हेवा अः निरा क्रनः रेया अर्केन ह्या अः यरे वे हेन याने रेत्। क्वःरेगावे विनः स्वे इसारा ध्वारावे पर्के वा विनः तर्के वा विनः ने हिन्यम ज्ञूनमाने ने मार्थे ने मार्थे ने मार्थे ने मार्थे न र्धेग्रायान्यस्यानेयावहिगानेवानेवानेवायान्ययान्तरायम्यस्याने सदे दि स्व स्व से मा मी दिर न से प्रसुव स्व स दि से प्रस् मा से में यशः हो : ह्या : पद्या द्युवा करा ही : हे द : करा वर्षा क्रंत : देवा : वी न : खंदे :

वर्ळेषाविनाने साम्बेष्णेनान्त्रमागुनान्या

८ रा भी जावन १ ८ १ भूगा राम के दाया रा के ता साम रा में ना साम रा भून १ एक ता रेगानी क्रेंस त्या क्रोट केंगा न्या केंद्र केंगा निर्मा केंद्र के गिहेशःग्रेःदर्केषःविनःग्रेःश्वेदःश्वेत्रयायाददःश्वेग्रयादेशःहतःविगाःपेदाया र्रे सूर हुर। रशय र्रेज्य रे कें र र्र प्रयम् ज्या विवास र्रेट वी र्षेत्। द्रिःश्रेशःह्रेग्राशः सूरः द्र्या क्ष्यः देगाः गो व्रक्षेत्रः विद्याः देशः देशः द्रशः उदः विया यः विया भुः हो नः पाद्या यहाँ यह या या हे । इस यावया यो दिन ही । विया महन्तिया हो दारा दिन श्री प्यति । या महेन न सामन सामन से साउन विगामी वट र् कें अ देर वशुर न र द्वा अ द्वा के वशुर नर कें वर् द्वा र प्रा डेगा होता श्रॅव द्रमगा परी नित्र सेव दही पहीत होता सर है सारे वे मावसा क्यायाविनायह्यार्केनास्मान्यी। विनायह्यायीरकेनास्यन्याया तुरः नरः अः वर् न क्रुरः र्ह्ने अः त्रेर् खुरः ळे। रः नार्वेरः वर्ळेषः विरारे वे व्यवसः नु:कंत्र:देवा:वी:कु:के:नदे:वेश:मुदे:सुवाश:नश्रूशवद:नु:वकुंदा देव:ग्रूटा विनायह्यायी र्वेद १ द्वेदे १ यहा स्था स्था स्था प्रविचा यी रेद्व र श्री दस र्थे द र र या। ८८.स.स.च्य.कु.मू.च.स.च.मू.स.च.मू.स.मू. क्रू.म.मू.स.स.मू. शुअाग्रीशाबिनाक्षाग्रेनायाके वात्राके व शुअ ग्री हिंदान त्र अ वर्गे हिंग्य हो देग्य अ सर नहेत्र सदे न स्या हिंदे द्वान्यः वक्कुन्त्रः स्वान्यः विवान्यः विवायः व

वरःक्रेंशःवे गाशुरः रवः वसूवः वर्षेशः प्रदः क्रेंगवे । व्युतः क्रेंशः सूवः पवेः क्रॅंश ख्राया रा में दें दें विवा पुर्दे या मुर्या मुद्राया विवास विवास मित्रा मित्र विवास मित्र न-१८ वर के अ भी मालु र र र माशु र र न भी सुर अ सुर है हिंद न र र कुः सळ्दः यसः ग्रुनः पदेः में हिंग्सः यः वेहं सः दः ग्रायः केदः सेद्रा देवः देवः स्यरः श्रद्धाः श्रुशः श्रुशः श्रुषाः केषः केष्ठः श्रुषः त्रुषः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः मः इस्रायः स्टः हेट् ग्री म्यूटः स्ट्रायः धेव सेव वे म्यूयः मार्थः येव'भे' ग्रु'नर'वव'भूय' ग्रुभ'हे'ग्रुए'रनर'ग्री'न्नर'ळॅन्'न्भय'रु'नहर' क्रयश्राश्चित्रः सदिः ग्रायो राश्चीः यग्नारः स्विगः ग्रीया ग्रीयः ग्रायो राषः स्वाराधितः ये दानम्याद्यदावितार्थे हो दायाविता विदायी या के वियाया सुद्याया स्वतः याधिवाधेवाधाराश्चाश्चित्रभेत्राची स्वीताधित्रभाषा विष्ट्रम् । वशःवनाःगर्डेन् ग्रेन् न्वेन् न्वेन् स्वेन् स्वेन स्वेन् म्वेन् म्वेन् स्वेन स्वेन स्वेन स्वेन स्वेन स्वेन स्वेन वर पर्ने न र्ख्य विवा र्कन या धीव सेव न सन सुन स्राचित र विवा र विवा र कि द्राधित्र न्य क्षेत्र के त्राया कृता कृता क्षेत्र त्राधिका क्षेत्र क्

मुँग्रायाववरविगावयान्त्राच्या क्वरनेगान्द्रवरकेयाम्या न्धन् चेन् वन्यामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक्षामिक वह्रमार्स्टिन् भून्ता द्वेते स्ट्रां भी वाषा विना भू होन् मदे वसुवा स्ट्रां हो । वर्षा क्रःश्रेष्यश्यायहेवःवश्याद्येतःग्रम् वरःश्रेश्रश्याग्रीःन्ध्रन्यावेःधेत्रद्येन्यः र्सेवे न क्रेन् न क्रीर या न हेवा या न दा ये पिता होता स्राप्त विता यो स्राप्त न्धन्यामहिन्यम्यमिष्धिन् छेन्। धेवाधन्। स्याधामिष्याधा न्धन् वनश्यी ग्वि इन अर्देव शुअ मी श्रेंन न पहें व या गठे गाय धेवा ळंत्र देगा गो रा ळें रा गा गो रों विया पेंद्र प्रवस से द प्रदा सूत्र त्र दिने वे क्रॅंशने साहेन मान्य क्षेत्र विष्ठी राक्षेत्र मान्य क्षेत्र मान्य क्षेत्र मान्य क्षेत्र मान्य क्षेत्र मान्य क्षेत्र क् नक्षिभावसामिसायोदासान्। क्षत्रिमायोसाक्षेत्रात्रमायोक्षेत्रायाविना वह्नाः क्षें न व्रान्य व्यापने व प्याप्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स वहेंवा ने निर्द्रा है निर्मास सर्द्ध दर्भ स्था निर्देश स्पेन मानु स स्थान स है । स्वार स्थान स है । स्वार स्थान स है । स्वार स है । स <u> ५८.४८.भुजाराम्। याराम्। याराम। याराम।</u> येव चेत्र रार्के अर्के अपायो से विया या हैया न से त्र स्वराधिक सेवा न्दःधेन् सेन्यः देवायः प्रयान्युनः यः न्दः रः ह्येन् नुयः न्या वः नः नुयः र्ययः यरःस्रात्यः न्वरः न्वायाः वेत्रयासदेः वासुरः रतः वेवाः वीः वर्गादेः दर्वायाः नन्द्रम् रूप्तेन्ग्रीयायाद्वेष्याकेर्वे व्यक्षित्रं व्यक्षित्रं व्यक्षित्रं व्यक्षित्रं व्यक्षित्रं व्यक्षित्र ववायाप्यम्। रार्केशने न्देशपेन्यात्रशास्य स्थापेत्रायम् न्याय येव होता देवे ही र वट के अन्दर कव रेवा विहेश या विह हेवे सुरहर अ निवार्षेर्पारात्री श्रिमानदेश्वह्वाः श्रिमानहेवः वर्षान्मेराषेर्पान्यावराः यासुम्य बुद्दानुष्टियावेन द्दा दार्सियायम् हेर्यो नेया गुर्या धुद्दारेटा यान बुदानदे यद्या सुवाया निवा र्वे दाद्विया धेवाया स्थित स्वाय स्थित । नशःगुरुर्वशनक्षुर्वाने त्यर्वा र्सुग्वाने तर्देर् नवि र्सेट्र के अवादिः धेवा

भे वस ग्री मा Newton and Einstein रेय निर्मित मुं सर्वे मुं सर्वे र ग्रीशःकेशान्तिनायदे स्ट्राधित दर्गेशायर नश्याय ते क्रिन्देना नी ह्य-हिंदा हिंदा है स्वाप्त के स्वाप्त है स्व ग्वर्रर्रियम्यम् अदेर्व्या स्वरं देव्या स्वरं देव्या स्वरं से विष् वे.मे.क्र्यारेटाख्यायाण्यी। विट्रक्रियायवार्चेयाया उत्तानेता वदी वहारे र्त्ते.की.लटश.सूश.जेश.शू.रटा.जेश.वी.योशर.त.रटा.टी.जुध.सह.शुश्राश ग्निमानभ्रेत्राचेत्रादेशानिता सेसमान्निमानदेशायान्त्राचित्रा र् जिंद्र संदे में हिंग्य पदर्के या स्ट्रेग प्रमुखा प्रस्ते या सुदा पर से या से या सिंदी पर से या सिंदी दर्भ में रिक्त स्थान ८४१ळवरेनायार्षे ५१ळ५१वर्ने वर्षे क्वेष्ट्रास्त्राम् वर्षे हिन्सी बेट्रा देवर्टे सर द्याद वश्वे क्वं देया यी स्वादि वर्वे नर्गे द र्श्वे साद्या वी वट वया बर से दायदर श्रेदा

वर्ष्यक्ष्यक्षित् क्षेत्र क्ष

देश कुँ व अद्भार्त के व कि कुँ व कु

१६५६ वेदि श्वे त्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत

र्यद्र अभ्याप्त स्थाप्त क्षेत्र स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्य

बर श्रेम्र में र वसे व मिर्टर न श्रेम्र में में कि र में भून श सुर श वशःस्ट हिन्द्रमायः स्रास्थायाः विमार्गे निस्तरः द्रा स्ट हिन् श्रीः निशार्षेत्राधराक्तुशामित्रा ळ्त्रारेगान्दानेतेन्धन् वनशाग्रीःभ्रेत्राया र्रमी ने शक्ति न क्री न पाय व्या भी के न खून माना था के न दे कि न दे न पाय क्रॅंस्'ब्रुग'व्यर्'तेर्'ग्रे'प्रेंर्। व'व'र्थ्ये १६६० वर'र्वर'क्रेंश'स्यायः ८८.क्ष्य.म्या.यम.मी.पत्रीकालश्चात्रत्यम्यम् मी.मी.मी.मी.मी.भी.लूर. मदेरिदे भूरियावशः इरसारायर से नरायदे सर्वे तर्रे वाया के तर्याद ८८ क्षेत्र ५ में अप्तर्भू म मुक्त श्रीमा वर्ष्व पर्म में अप्तर्भ पद्म अप्तर्भ म स्थाप वर्हें सम्भाशी हिंद् नहेद्द सेद संविषा नेद्र हैं सम्भे है क्र हैं मार्थ हैं सम्बे केंद्र-सं-प्येंद्र-सःद्रा विद्रः वीका थे । शुवे केंक्य स्याका ग्री क्षेत्राका यादि हैं। श्चिश

श्चे र नहर श्वे न ग्राम कर श्वे न ग्री न श्वे न न श्वे न स्वे न स्वे न स्व न

इस्यान्त्रियाः स्वार्थः विवार्थः विवार्थः विवार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्

यहार्त्रा विष्टा विष्ट

सरहें वावर क्रेश्वर रेगा ने विराध स्था रेगा ना ना ना निर्मा के स्था ने स्था न

वदायित्रस्य स्वतः हिन्दिया स्वतः या व्याद्वा स्वतः स्

यहेत्वस्यत्र्रिन्छ्यदेन्स्य देन्स्य द

न्यम सुरामी कर्ना या के अप में निष्ठ में मा अप में निष्ठ में मा अप में निष्ठ में मा अप में में मा अप मा

न्मे अर्द्धेन अन्नय अपने वे निर्मु निर्मे के अन्नर केंन्य मेना निर्मे अपन विस् ग्री अ प्यें द र वा अया से रे दा दे प्यद र क्षेत्र से वा वी अ रहुद अवस र हु। विदे ळ'दश'नभ्द'द्र'ग्विट'गे'खुट'ठे'द्रद्र'वेग्'ग्रट'व्रश'येद'हेट्'ग्रे'सेट्रा धिव'धर। अर्देव'शुंश'ग्री'श्रींट'न'द्रम् गुंशळव् नेद'श्रींद'ग्रीद'धन' र्वित्रान्द्रार्थे गहिराग्री वदानु क्वा देवा न्द्रावदार के राया है राया न सुन वनशःग्रीः अवुत्रः कानाः अरः पेन्। यारः सून्। रः स्वैदेः हेतः रेदेः दर्से वदेः विन् <u> नर्रे अः ॲन् गाव्या सुग्रायाया त्र इत्या त्री प्रदेन स्वया न्या या सः श्वेन होनः </u> यम् रः क्षेत्रः वे व्यवस्ति द्वरः वे वादकरः उतः तुः त्युतः व्यवयः वाशुवायः धेशन्त्रत्रान्द्रा धर्म्य श्ले केश ही धेना काया नहेत्र तथा प्रश्नेत्रा । <u>५८। इत्राक्ष्यारी वर्र्या विष्यत्र विषय्त्र वार्ष्या व्यक्ष्यं व्यक्ष्यः विषय</u> र्शन्त्राचना हु नर्गे द सदे सह्ना व्यक्ष दे स्ट हि द क्ष रहें द ख़ स युका स्ट विकाल के स्ट विका

नश्नामान्य स्त्रामिक्ष स्त्र स्त्र प्राम्य स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र प्राप्य स्त्र स्त्र स्त्र प्राप्य स्त्र Bohm नेषः श्रुमा प्रश्चन् ग्रुमा त्रमा प्रस्ते । क्ष्यं प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प गितरावन मुर्भितरमरा वे र्स्टिया येत्र राष्ट्रिया प्रस्ति । व्याप्ति स्वर्ता व्याप्ति स्वर्ता स्वरता स्वर्ता स्वरता स्वर्ता स्वर्ता स्वरता स्वरत १६७६ वॅर-ऍर्रेन-ए.बेर्यामहेयायर्मे भूनयार्ने त्यायार् र्वेगासरसहयाबेटा देसावना हुट केंद्रेनर एस सहयान के सामिन रानेत्राविषाग्राम् स्ट्रिम् सून् गुरा देव में सम्दर्भ श्री या सुन्य स तुर न क्ष्र र श्वें र से प्यर सर वि वि वेदे (McCarthy) रू या ग्री सवर गर्डेन्:भूनश्राक्षःरे:व्याधीरावतुन्। त्रेन्:न्मेश्रात्तृनःववे:वड्वःर्तेवानः विगारेना कें गरमी अहत निश्चार निश्चा कें मही से अपी विश्वाया विवाः भ्रम्यशः नेरः वर्षो रहेवाशा क्रमः रेवाः न्रः भ्रमः प्रम्याः प्रमा श्रेश्वास्त्रम् व न्त्र्यात्र्याः क्ष्वानी प्रदेशाः हेव सु कुषाः हेर स्व ने प्रायाः नक्ष्रा सरहें वापरत्र केंद्रित के क्षेत्र प्रमानस्य रेगा पार्य प्रमान

द्वावाःश्चितः क्रांत्वेवाः हेत्। श्चितः क्ष्यः विवाः हेत्। श्चितः क्ष्यः विवाः हेत्। विवा

र्टाहिट् ग्री केट्र त्यश्चर्ट्श विश्वश्व स्वाप्त स्वा

र्श्वन्थितः श्रव्याचित्रः स्वाधितः स्व

हैंग'नर्डे हेट'य'र्टा क्रंदर्मग'गे क्रेंट्र्यमा हे ज्ञाप्य विग्राय विन्याय ने निर्मान्ध्रुव वया विवान्ध्र न्युया कुष्व सुव स्वीव चीन से जुया मदे नित्र वहें त न्या त्य स्व यार्वे न के व्ये न के नि हो । अ व्ये अ श्रे श्रम् ग्रीशः रुषः प्रत्यः स्रूरः मी रहें शः ग्रुवः स्रुवः यदेः वह्रमः प्रध्यः स्रवः स्रेः वहे वर्ने वर्रदे नगम क्रिंदे न्युन् पदे केंगा नग ग्रुम है क्रिन्दें म विस्रसः देवा पदे वे हिंवास त्य द्युद्ध प्रायत्र । ये दस स्ववस्य से सिंदि विगानि अळे अअर्ड्स्अभेन सेन्। यने देन सून अळेन रेगा यह असी र क्षेट्र-र्रेट्र-रान्ट्रा मल्द्र-ट्रेस्यायदान्क्रिट्र-त्युमि विषयि मेर्नित्र र्रे न दुः धे : हे य खु : द्वे र : वें न : भून य वह य हो र : हे र : ने : धून य के र : रे : विं <u> ५८%। ५५ वर ५७ ४८ मुराधेन</u> अके सासक्षरमा से न ग्री ५ मे १५६ विन ५ हैंग्रायाराईगावहेंदाके नदे सर्द्धार संस्थाने या निदाने हे दिये ने या ळॅट्रायशाय्त्रशार्थेत्।

स्विनाया हे अन्तना हो न्या स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र

त्रेश्वास्तरम्भावि स्वर्षः स्वरं स्वर्षः स्वर्यः स्वर्षः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्षः स्वर्यः स्वर

सक्त्रपालियात्याञ्चाप्रदेशेटानु प्रस्तियात्राक्षात्यात्रात्वात्यात्रात्वात्यात्रात्वात्यात्रात्वात्यात्रात्वात्य सक्त्रपालियात्याञ्चाप्रदेशेटानु प्रस्तित्यात्रात्वात्यात्रात्वात्यात्रात्वात्यात्रात्वात्यात्रात्वात्यात्रात्य क्ष.मु.नडुगामान्मा त्रानदे क्षेटानु निनामार्थेन्याने ने त्रानदे क्ष्रान्य र्भवे में न्यानिव के स्रवे कें न्ये ने स्वार्थ राष्ट्र राष्ट्र मु सक्त नु न में न रा धेवा विंद्रागिष्ठेश उद्दर्श अर्थी विंद्र निवेश इसारा विवा निश्व सेंद्रा ग्रम्। ह्यानवे स्ट्रेम्प्र्याचारा स्ट्रम्य ने से से सामेन्य हिना से प्राचीय से सामे सामेन्य से सामे सामे सामे स सर्वान्यावर्ष हे अरुपुर्वान्याची वर्ष्याची वर्ष्याची देरावि वर्ष सर्स्यहर्भेच्या र्यस्रिं चित्रः हिंत्राया ह्या कार्या गर्नेगराज्ञेन सासे दारास वित्या द्वारा के स्वार्थ से दार्थ के नाम से साम वर्जुर में वर्जी रेंद्र दे है । यर पेवर पदे यह वार्श्वया वर्ज वर्जी वर्ज वर्जी है यर शुर द्वे.सह्गःर्केस.वर्ने र्देव.टर्द्रश.ट्ट.सब्वेय.स.चेश.स्वश्टाताराचारासूट. विगाः भेरा

विनानुःन्नन्त्र। क्रुःसळ्त्रःवर्गिन् स्ट्रम्भःवर्ने विन्दःक्रिस्स्यःछत् देनाःयः विन्दः न्दः न्वनः नः विनाःसः प्येतः स्ट्रम्यः न्येतः स्ट्रेस्स्यः स्ट्रम्यः विनाः क्रियः स्ट्रम्यः विनाः क्रियः स्ट्रम्यः विनाः स्ट्रम्यः स्ट्रम्यः विनाः स्ट्रम्यः विनाः स्ट्रम्यः विनाः स्ट्रम्यः विनाः स्ट्रम्यः स्ट्रम्यः विनाः स्ट्रम्यः स्ट्रम्यः विनाः स्ट्रम्यः स स्वात्त श्रव्यात्त स्वात्त स्व स्वात्त स्वात

र्रेश विंदाया श्रुवा भ्रवशार्थ सर दे वें वित्व दुः वक्तया ने व गुदा सेवा द्रा क्यान्धिनान्त्रः भेवानु के सेना नगरामार्डे त्ययास्यम्या श्री श्रीनामानुना यी यावर देव विया य खें राय सूर हो र भ्रायशा विंद यो रार्कें र य हैं कें नश्रव प्रश्चार्विव वृदे अन्य विष्ट वे के श वृश्च श्वार श्वव पा विवा धेव नरःश्रुयः वुद्रा भ्रान्यः देवे र्वे यः नश्रूरः वदः वे स्यः क्री यः क्रियायः दरः ळवःरेगानरःश्ची प्रवेषानवेषान् नित्रं विनायाः विनावः विनायः विनायः विनायः र्ने निसर रेवि रेट खुवारा ग्री पहेवारा सुवादर। वाडेवा सूट कर सेट रेट ख्यायारी हेत्।या वार बया क्षेर की रर द्वर श्रुर क्षेत्र वार प्याय हा वी. यदशःग्रेःश्वे र्ट्वेषाशःनिषाः सुद्रानश्चेदशः होदः पानठशःग्रेःषावदः देवः श्वेदः र्शेट्य धेवः धटाळवः रेगाः वीः न्ध्रनः वन्धः न्दः वज्ञेषः नवेः ह्रेगः न्याः हेगः यरेर्याहेशःग्रेशःर्मेशःनसूरःग्रुशःराधित्।

नन् प्रत्या स्वाद्य स

क्ष्यः देनाः न्दान्य क्ष्यः भी क्ष्यः भी निष्यः भी निष्

मुन्नःक्ष्मभाष्यःक्षन्। विद्यान्तः क्ष्मः क्षमः क्षमः क्षमः क्षमः क्ष्मः क्षमः क्

रेगामी वर्रे र खुषा विगा कमा या थी शेर हो। वर्रे वा यरे वा यरे वा से साम साम साम से साम से साम से साम साम से साम से साम से साम से साम से साम स धरर्रें निर्वेद्राचेद्राक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षाय्यान्यविष्ट्रम् वहैव वरे न्यावहैव ग्रुयाव शुँ न सेवा या न्या यहे या न शुँ न सेवा या श्रेश्रश्नार्द्रम् निष्मा भी निष्मा न क्रिंगान्यर विवा क्रव देवा वी विवार्वे रूष शु क्रुं र से द्वा यह । क्रॅंश ग्री प्रध्याविदे ष्रिय विषय विषय श्री श्री खुय ग्री क्रेंश रंश या धेर प्रया वरःध्ययः उवः ग्रीः श्रॅरः वः प्रः देवः बरः गीः गवरः देवः श्रॅग्रयः खुर्। ग्रथः र्रेर्न्न वित्र वित्री क्षेत्र मेना नी श्रास्त्र सुस्र सी निर्मेश प्रिन्न वित्र स्त्र नाम श्राम्य स गर्नेग्राम्याव्यायायन्याने नामित्राम्याने म्यान्याने निम्नाम्याने । यहिंग्राचेर्चेरचे भेरा धेर्पा वर्षिय वित्राचित्र

र्वे स्ट्रिश्चरं व्यक्त विदेशक स्ट्रिश्च स्ट्रिं स्ट्

बेन्यम् अर्वेन्य पार्वे अपार्वे वाया के अप्ते वाया अर्वेन्य निर्मा अर्वेन्य विवाय अर्वेन्य विवाय अर्वेन्य विवाय यर अर्वेद न गरिया दुया परिया हित्र सुद न यह विषय स्वयं पर परिया चुदे के अपिके अपे अपे सम्दर्भ स्वर कुंव में अवस्य संविषा धिव में विष्य मिन वर्रे 'ते 'त्रिंग' ख्रे 'वरे वे क्रेर 'त्र्येग' स् स्येर 'सवे 'यरे तरे तर्मर क्रंर 'ख्र 'त्रेग' लिव हो। क्षेत्रा द्वार्थित व क्षेत्रा क्षेत्र त्या व व त्या व व त्या क्षेत्र त्या क्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त वरेवे नेवा नुवे नर नु क्रूर इसाया या वे राजे नेवा नु वरे वे क्रेर नु क्रूर इशासेन्यम् सर्वेद्यान्य प्रियाम्य सेत्। कुः सळ्त्ते ने वियानुः यदिये त्र र् श्रुम् इरार्धिन् प्रम् अर्थेन प्राया श्रीमा न्वनः यथा माववः प्रदे प्रस्या कराः न्वीं अर्थी मेन नुअरम्बर्भ मञ्जानि मिले ब्रम्भ मिले अर्व के निर्मा माञ्चाना हे रें मानम्या इत्रहे व प्ये प्याप्यम रें व र मेना या प्राप्य माना नर्जेन्यन्दर्भेग्रयम्यम्यिन्यदेन्यन्यन्यस्य विवासक्रियाः धरः भेंद्रः द्धं यः वाशुरुशः भेंद्र

न्धन् व्यव्या अत्या क्ष्या विवासी स्थान विवास व

श्चित्र श्चित्र स्वर्ध्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वर्य स्वर्य

त्ते 'खेर'क् रच्यान्य अध्यान्त्र म्यान्त्र क्ष्या मिना हित्य क्ष्या स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्या स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्य स्वापत क्षय स्वापत क्ष्य स्वापत क्ष्य स्वापत क्ष्य स्वापत क्ष्य स्वापत क्ष्य स्वापत क्ष्य

र्कें ग्रायन् ने के त्ये (Chile) व्याधिव विदाय मे सी मुर्जीय बिन् बेन् प्रिन् निम्हित्स्व स्वाप्य स्वर्ते त्यान्य । असी निम्निक्षेत्र स भे क्तर्वे Francisco Varela and Adam Engle गहिरागीरामित्रभ्रमान्या क्यानिम् क्षेत्रप्ति क्षेत्रप्ति । नर्गे से र मी रे द मर या पे र पर्हे पा से र पे र के द रे पा पा पिया है पा अष्ठअ: नु: नर्मु अ: हे। नन्न: ध्वाः गठियाः वी: देटः त्यः नगयाः क्रु: अेन् : प्रदे : वरः ळ्याश्राजी नर्जे सिटा हो दारा दे र सुत्या विया हिरा वशा विटा यहिशा दि सर नडर-र्सेट्य दर्भाने साम्रान्ति स्थानि नेर्स्से साम्रान्ति स्थानि वे क्व देगा में नश्या हिंदे सर्व नहीं र ररा हे र्श हो विन पह्या क्व रेगाः श्रु 'नडरू' त्ये रामु 'न श्रु न प्रेर में 'भूनरू' हिन् नु प्रयम् राप्त विमा रेट्रा व्यायाय प्राप्त स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स नश्चेत्रवश्चात्रेत्रश्चेत्रवात्वित्रवात्व्यः वित्रवाद्यात्र्यः वित्रवाद्यः वित्रवाद्यः वित्रवाद्यः वित्रवाद्य

क्ष्रिःशुः विष्णायेते वदः दुः क्षेत्राया यदुः विषा गी स्ट्रेटः दशः सरः रे यः र्वेषाः सरसर्वेद्यान्द्र। वे देवे व्यत्तु वित्त्र व्या व्यत् वे त्रा वित्ता व्यत् वित्ता वित्त याते सुर्यासी भूयापाद्या अगालेया श्रीता विराभूदाका न्यात स्थारीया र्वित्रायम्ब विवारेता विद्या इस न्धेंत्र न्य केवा नहेंत्र वास्य में विष्य इ८.२.श्रेषायदे। विदार्केश विदायशार्वेट द्यो म्नदास्त ५ विदारेता र्विट्राचीश्वाद्य क्रिंश ग्री अर्क्षद हिट्री वा प्रान्द हिं अ श्रुवा ग्री हिंवा क्रुवा वा दें श्रूरःववः हवः ग्रुरुः विदः ग्रुरुः विदः ग्रुरुः श्रूरः दरः र्श्वेषार्थाः स्ट्रास्ट् नश्रमार्ख्यात्रम्भश्रात्यात्रमेयान्हें न मुश्रा सर रे त्यान्ना क्षे स्न निया भी (Barry Hershey) नडका के 'दारा के नाम कि अपने कि अप यर येन अ पर ५५ १ ले । धे अ पार्ने द र यें द । के द र यें दे । द द द अ अ श्रुव । श्रुव । वदःसंदेःस्रावशःद्वदःसःवदःसेःद्दः। Alan Wallace रिदेःभ्रदः

सूर त्रुव प्रसूत श्रुव राजाहेश ग्रीश राया वर्षे श्रीर प्रदे स्थित प्राप्त स्था वर्षे व स्था व्याप्त स्था वर्षे व स्था व्याप्त स्था व्याप्त स्था वर्षे व स्था व्याप्त स्था वर्षे व स्था व स्था वर्षे व स्था व स्था वर्षे व स्था वर्षे व स्था वर्षे व स्था वर्षे व स्था व स्था व स्था वर्षे व स्था व स्थ

शेशशन्दरक्षे श्रेया मी किया शत्रु भेया अने वे भूतशत्र त्रा श्रिया श शुःळवःरेगागोः न्ध्रनः श्रमशन्मः कुशः चुरः ख्याचीः वें कुशः कः ळदः गोः दें र्श्वेन्द्रप्राचेन्द्रप्राच्चेन्द्रम् में में में निक्षित्रप्राचे क्रिक्ष्य क्रिक्य क्रिक्ष्य क्रिक्ष्य क्रिक्ष्य क्रिक्ष्य क्रिक्ष्य क्रिक्ष्य क्रिक्ष्य क्रिक्ष्य क् वशुरार्धेगा वेराना ने अप्तरे प्राप्त प्राप्त क्षेत्र वा वर्षा विष्ठ विष्ठ रेगायाबुद्दाबेगायी वहिगाहेत क्षुळुषाया स्वाये क्वाय स्वायः विंगा सूद्रायः ८८। वर्गुरःध्रेंगारेशःळंदःरेगाःगेःगेंहिंगशःग्रेःळः वस्रश्रः ४८ व्यासः मुेव चेन या ना चया थीता थें र या ग्रामय भी दिये सर्वेद विमादी द्या रन्याने भु रावे अर्थे क्षेत्र नु वाद्य रन्य श्री हे द कें र वी रहें या प्रथा रेगानामित्रमान्य स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स ग्री'मावि'इ'ळग्रारा'पदी'रेट्। ईगा'सर'८स'सू'पदे'पर्वे'पर्गेट्'ग्री'प्र्यूर' ब्रैंगायरे में नुरार ज्या गुरा दे पर दिय राम सम्बंद रेगा मे रा न्देशः थेन् वार्यायायायी सम्बन्धिया विनाने सबरः भ्रेषः नरः वुसः संसे दः सद्दा नितः देवः वितः देवे वदः दुः

दशः ह्रीं क्रिं प्यत्यायि छं ने ने पान प्रत्यं के प्रत्या के प्रत्ये प्रत्ये

केशः इस्रयः यः द्याः वेरः तुर्यः हे । इसः हें याः सेयः वेदः कें सः स्यायः ग्रीः दें र्यः न्दः ज्ञायानवे श्रु कें न्यायान विनाय वृद्दः न्यायी निक्ष या वेता व्यवस्था स्थार ति सेदे निर्मा गर्डे हिन् सून ने द ख़ग्र म सून के म सह द स सु धॅर्पारी राष्ट्रित्वरार्थे र्यस्थाय प्राचित्र वर्षे क्रान्य राष्ट्रीयारा श्चेन्याबुर्यो पर्यो विनर्से प्यायवेषाय न्या अस्ति शेवे सेर खुग्राया थीः नश्यार्भे तार्मेर् र् भूतार्भे र गुरायात्र रायशालेश में ग्राया थुर द्धवायदीशयदीवाहेवानोदायाँदायाँदायाँदायाद्या देवे श्वेदाहे। वदवाहवाया धिव प्रःश्रेम् श्राचे प्रदेश्केश स्यम् श्राच्या श्राचे प्रदेश स्व व्याप्त स्व व्याप्त विवास विवा श्रेव प्रमः स्वरं ने पा पी शाह्य श्रेषे या श्रुषा श्रेषा श वहें वा वर् ने अवहें व सूर अधी र्से अवावि वरे वे वर र् ज्या मी अ हिर्यासन्त्रुतानन्दान्त्राह्रवान्त्राद्येनयासन्त्रान्तान्त्रीवारानेन्त्राह्रवः यत्यानायाकुरानी नाव्यासूर्या नेना मुजाया देवारे स्मराकुरा वरे र्कें ते अळव हे द देया प्रते पदे व दिव प्रमा हिया प्रवे विदा वदे द्या यो रा वहें वर्धार्ये स्टावेट् ग्री मा बुग्यायद्यारे मा स्वीर हिंग्या शुटा हे अर्कें वा र्केशः क्वारी नित्र दिन् भ्राप्त सिवाया विद्या सिवाया विद्या सिवाया विद्या सिवाया विद्या विद् नवित्रसेस्र में त्र मेगा प्राप्य प्रदेश प्रमागा कु त्यस वर पर प्रमान येव हेर दर्गेश

सर्देव शुस्र देवा प्रश्न विवास होता सुना प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप बिंदार्क्षन्त्रव्हता चेदार्क्षणाया केंद्राक्षणा मुन्ते मान्या निर्देदाया में यर.सूर्यातिरयाश्चेताचेर.वियानायवयाची.ट्र्यालूरावियालीया नीवायी कर्रा दे निविद्य मुद्य म्या स्ट्री नवा त्या प्रमुवा सदे प्रमुव स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित श्चिर्या राष्ट्रिया क्षेत्र स्वापि सार्ध्य विष्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्व यासी स्थाने स्था र्शेट बेर बुराय विवाद वें या देर नहेत खुरायाय सबुत की क्वर देवा वी सदे त्या भुवाया वर्षे वर्गे द हेवा वी हो द त्यय सेवाय देश विस्रय त्यय यायन्यायवे यहे गाहे व विवायया निवय ये निवय विवायया विवाय यशः तुरः नवे अर्दे व शुंश श्रीः ने शः शुः व शरः । इस्रशः ५ ५ ६ वि नः वहु वा कु केव दरक्त देया यो ने अ पेंव की विरुष्ठ शुःवह्या केंगा प्रवे श्रे अकंव शुःगिविः इर वर्हेगा गी व्येन वर्ने ने ने ने स्थर ने मुन्य शशुः क्व रेगा गी नर्जे नर्गे न ग्रुन र्खु व्य प्येमा नर्जे नर्गे न व्यने वे मन्य मान्य व्यन्य विषय

ಸಹಕ್ಕ

यानिया कुन्द्रितः स्थान्य वितायह्या वितायह्या यानिया स्थान्य वित्रायह्या यानिया वित्रायहा यानिया यानिय

वेदः ईटः । Sir Isaac Newton 1643-1727 र् न्डिंदः धुयः नुः श्लेदः क्रंदः रेवाः यायायायायः क्रेदः विवाः श्ले । विदः वीयः व्यायः व्यायः श्लेदः रेवाः यायायायः क्रेदः विवाः श्ले । विदः वीयः व्यायः व्यायः व्यायः श्लेदः यायः व्यायः व्यायः व्यायः याप्तः विदः विवाः यापतः विदः विवाः यापतः विवाः विवाः विवाः यापतः विवाः यापतः विवाः विवाः यापतः विवाः व

रः इतः इः र् ि Dr Rajendra Prasad 1884-1963 रे विरुद्धे कु यार कु अरदः के के इतर रुद्धे अर्जिर विरुद्ध या विष्या कि स्व विस्रक्षः र्हेन्द्रम्था विस्रक्षः स्वाक्षः विद्याः स्वाक्षः स्वाकष्ठः स्वाक्षः स्वाकष्ठः स्वाक्षः स्वाकष्ठः स्वाकषः स्वाकष्ठः स्वाकषः स्वावकष्ठः स्वाकष्ठः स्वाकष्ठः स्वाकष्ठः स्वावकष्ठः स्वावकष्ठ

র্মন্টা f Dr Sarvepalli Radhakrishnan 1888-1975 ব

रःहत्रःहःरः प्राप्तः स्थान्य स्थान् स्थान्य स

र्चे अ'भे। Thomas Merton 1915-1968 र्वे अ'

स्वाश्वायात्र्रात्वेत्रके निर्देशका निर्देशका

सन्त्र (Werner Heisenberg 1901-1976) वहर सन् हुं स्वाहित हैं सन्हें साम् स्वाहित स्वाहित हैं सन्हें साम स्वाहित स्वाहित हैं सन्हें साम स्वाहित स्वाहित हैं साम स्वाहित स्वाहि

र्श्वित्रं विवायि Bohm 1917-1992 रे विद्यं के स्था के

विगायः नेशः धॅराग्रीः येगशः श्रेशः स्याध्री

में 'बेंब्र | fgluon र्व्यायवायात्र मान्यायात्र कार्या के 'हें हें । ह्या इसमाय्ये व्याप्त कार्या के हिया इसमाय कार्या के हिया इसमाय कार्या क

हे ह्या (quark) ह्या अवाहिष्य क्षेत्र क्षेत्र

सर्रे व्या हिंग्या हिंग्या हिंग्या विवासी स्थित स्था हिंग्या हिंग्य हिंग्या हिंग्य हिंग्

क्षेत्र'केत्र'त्रा क्षेत्र'तुन। विविद्धेयात्रेत्र'वयसपीवाय।

७७। । व्यव देवा वी श्रायाश्चर पुरहे द रावे लेश शुन्द लेश प्येंव यानहेत्रत्रात्र्यात्रीरावरेते रास्ति में मिषायान हें यान शुरा हो दाया वर्रे हे से सस भ्वास ह्वें र नवे रहत रेवा वी वित्र हैं स नेवा पीता र्स रन्याके भु मित्र अर्वे क्षेत्र रुक्षिय गुन्दा वित्र हें अ वर्ग्य भुग्य रेग यन्तरमुर्भागुद्रान्यभान्देशावस्थानेषायदेष्ट्रानदेरमुर्बेसायाद्युरार्थेषा वुरा दिंशावस्थानेवायाना इससा ग्रीसान दुराया विगुरार्थेवा नेदे सबर विवानी विश्व अ तु हैं वा अ धर विवाद वित्य हो द हो । ये विवाद व थ्व विट र्स्व न्या होन श्वापित वे त र्हेट वी वह वा हेव न्या वे राह्य न्द्रभार्यन्यान्यास्याय्यायाः म्यान्यास्य स्वर्धन्यायाः स्वर्धन्यायाः स्वर्धन्यायाः स्वर्धन्यायाः स्वर्धन्यायाः रेगाः सः न्दः सळ्तः केनः रेगाः सः स्वानः र्ळेशः से वर्षेनः निवः न् विवः न् विवाने विवाने विवाने विवाने न्वीं अप्याळण्या निया निया अर्कें त्रायविष्या विषय स्वापित विष्या हेत् ही। र्वे हिंग्र ने र नुग्र के तुर्वे र विग वे न र कु वे र र र र पर हिंग्र र पे र र व्याग्ययः सं से द्

यावतःमृतुः मीराग्रीः नेशाल्यारायाशा श्रीटः यपुः वटः क्रूशःग्रीः

द्धयाची स्रामानि धेता वे त्र कुमानि म्यान स्रामान स्राम स्रामान स्राम स्रामान नेवि र्वेन ग्री कुषाळन स्रुपा ज्ञानिक र्वे के निमा ज्ञीन सेव र्वे के पारिका धेवा भूगान्नग्रन्त्राराक्षात्रमेशानीरान्यद्वार्धात्वेगाधेवा भ्रास्ट्रिंगा गुरुपा के के तर्भे होता क्षेट देव में के द्वार में मिर्वेद पाद्या मिर्वेद कुन्निर्द्यायह्रअय्यस्य वन् वित्ते राष्ट्रीयायाधेवानुयाक्षेत्रास्य स्था श्रे माश्रुद्र निवेश्याप्र प्रत्य के वर्षे विष्य मेत्र विद्या है श्रे श्री स्वर्त निव्य स्वर् ८८४ भूग भ्रे अया ने ८ अप १ भूष्य ५ ५ म ५ १ भूष ५ १ भूष १ क्रम्भःहिन्नोन्छेन्छिन्। हिन्हिन्दिन्देवार्थे केन्त्रा सक्वासून् क्रान्टि र्शेना रेवि मु रेना या यावया प्राप्त प्रमुव रेविन या निवास मित्र स्वाप्त रामिन स्वाप्त विनशःत्रादः पदः प्रिन्। श्रृना न्ननः देवः से के द्वीदशः संस्था से शः हो र रेव में के प्रते पेंप्स पर्देव म्व पाळण्या पाप्ता वि ग्रुप्त रेव में के प्रते धेंद्रशःवहें व गार्वे व सर गङ्गे श

में त्र स्थान प्राप्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

धेव'यद्गानिकाक्तुद्दद्दः श्रीद्दा श्रीद्दा श्रीद्दा श्रीद्दा श्रीद्दा श्रीद्दा श्रीद्दा स्तित्ते । भुः सेन् केन केन विना किना किन किन के निन्न के निन्न निन्न निन्न के निन्न निन् न्यास्यार्थं काळ्टायार्थं वर्षाया हो नायान्या सुया ह्याया हे वर्षा विद्या श्रुव रुट र द विया धेवा वि ग्रुट रेव रें र के भ्रुपा त्या शरेट विट स्य न विया थेवा विंद्रमाने नहेंद्र के लेद ले द्राय ख्रव पर्दा वेद्र पर लेवा थेवर पंदेरक वह्रमःविरःवर्देवःमःवर्देवःभ्रान्यःभ्रानःराःविवःहःभ्रुवःभ्राःधेव। ग्रीरःरेवः र्रे के हैं रेग नग विर इस नहें न व्यन परे सक्त केन रेग पर हा न विग धेव'नर'स'न्ना इव'न'न् 'यस'नदे'नन'हेर'हेर्'क्रुन'य'नेव'ह'सानमा बि'नुर'रेव'र्स'के'वे'विर'रर'हेर'ग्रे'शे'रनश्रेग्रे बिंर्श्वु इय'र्र'हेंश' रेगा ला भर मुंगा अ भिर्मा त्राप्त अ अ मिर्मा प्रते स्नुत र मा मा मा मा से त लिया धेवा द्वे ग्वेशक्त्र मुद्दर क्रे अस्वित्र ग्री देवा स्वार्थ म्या विवाय व रार्धेर्यायहें वाववर्ष्वायय्या होरारेवार्ये के प्रायहाया या स्रायहा डिट्य द्रिः श्रे कें त्यः भुग्राशः क्रेत्र कें भें श्रे हें विंदः ग्रीशः हे नशः विंद्र हे शः न्र्रेन्द्रम्थाकेर्स्रे केंग्राम्येन्

प्रयात्यः विवास्त्र विवासः विवास

श्चिर्यः श्चिरः व्यवस्थे न्याये व्यवस्था स्वीयाः स्वायः विष्याः स्वीयः स म्राम्यारव्यात्री क्रुं त्रव्यायाः में यावियाः यो यायव्याः यापाः वियाः यो वापाः वियाः यो वापाः वियाः यो वापाः कुवे ग्वावरा भ्रावरा व र्षे द पादे सर्वे द तु कुर पा विवा पीव पवे पर्दे द रहे वा वहें त'रान्ता वे व्यापिते क्षेत्रे ते क्षाप्तालया क्षेत्र त'न्दे स'रेवि देवारा गडेगामी हो ह्या प्यास्था हिन प्रते ही ह्या प्राविग प्या ही हो प्यास हो । व्यामी केंश्राया सामहेत पर रूप प्राप्त प्राप्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स वहिवा हेव नर्गे द स सेवे सेट खुवाय श्चान हमयय ग्रीय वहिवा हेव नर्गे द स र्शेग्राश्चर्यायम्। व्रामित्रेगुन्यवरादम्भेव्रग्नेग्राबुन्द्र् मिया यी कें या प्रह्में दा के प्रवेश विद्राय स्थार श्रुद्र द्वी या के श्रिया यी द्वार या देवा ८८.८भवा.कुष्र.वाष्ट्रश्राच्यात्रस्य स्थित्राच्यात्रस्य म् विरा क्रम्भायिम्प्रम् उत्राक्षित्र विष्ट्रम् विष्ट्रम् विष्ट्रम् विष्ट्रम् विष्ट्रम् नवे नुरामानियायायने कें किंदासमायने या पित्र विवार्श्वेत वनशःचला द्वःद्वःस्यरःयनयःसःनगःन्वेशःग्रेशःभ्रामाःवद्वःवस्वायःविद्वः निन्ना के नार्य दाया निर्मा दिने प्रति । विष्या सुराय द्या स्या स्या सुराय यार्श्वेर्मु, परामहेर् प्रिं रशामश्चर श्वेर होर पाया अळव विनयार्थे

र्रेवाश्वास्त्रः विद्यान्त्रः प्रत्यान्त्रः विद्यान्त्रः विद्यान्तः विद्यानः विद्यान्तः विद्यानः विद्यान

क्रिंगा चुरा वसे वशुर के दर्श विया भ्रम्म राष्ट्रीर यो प्रिंग १६५० विदे <u> न्इर्ग्वहर्नुक</u>ुक्षेदेन्सम्न्यूर्केन्कुःस्वरस्रस्य वर्षेत्रः त्या कुषाळंत्र स्रमा न्या देव र्रें के या मव्या स्रम्य या देट द्या रें द्र की र् श्चेन्यिकेशयादेःवयाद्याद्यः क्षंन्यात् स्पत्ति स्पत्ति स्पत्ति स्वायः याद्यस्य स्वीयः गिवि निर्देव सन्दर्भ अन्य नेराव हुराय है निर्दे कन श्रेन ही निर्देश पेंति हैं। इयाची द्रगाय द्या देश पदि त्यदार्से निर्देश स्त्र स्त्रीया श्रा स्वर से स्तर हो स नहेव वर्गात्रा क्षेत्र कु क्रेन हे भीव र र भीव या रे वया व व तर या व तर क्र या है र र या रादे मित्र स्वाम्य प्रमाय के सम्मायस्य देन मित्र है मित्र है मित्र ही मित्र १८४४ मेर नरसम्पद्ध निष्ठित स्त्रीत स् नर्हेन्नुःदिः र्केन्न्न्ययः र्ह्ये से पाठेषाः वीयः र्ह्येनः र्ह्ये दः ग्रुयः यः उयायाधेतः वेविश्राची चुरावाद्याता श्रुविताव इसमा

रश्यद्यायते सुर्श्वे द्राया र्श्वे स्थाय सुनादरा हेना दे प्रविदान स्थाय

येदानडरायात्वन् नर्हेदानुगराइगा होन् भूनर्य नेंद्र श्रेन् गत्रिर गोर्य र्श्वेग्रायानेश्वायादळ्याचि क्रवाश्चेत्राग्चे स्थायश्चरानेगा पेता केत्राचेत्र वर-र्-श्लेनश्रान्ते कु-भेते न्यमान्यर-र्-र्-भेशन्यस्य हेर्-निवर्पः ह्रिमा इन्हें केर श्रेंद्र अवर रद्धे द्र भी श्रेंद्र श्रेंद्र रहें र श्रेंद्र श्रे यावशक्तेव में दाष्ट्रिय खुर अयः युः सः क्षें दा ख्रया अदः से दे में दि दिये । व ले अः ग्रीः कुग्राश्चर कुग्राश्चेर पर्देश होर केर क्वेर में रागे केर सबर श्वेर मासर्केन विमा यने ने मेम मार्थिन नयम मार्थिन स्वर्थ मार्थ मार्थिन स्वर्थ मार्थिन स्वर्थ मार्थिन स्वर्थ मार्थिन स्वर्थ मार्थ मार्य मदेष्मभार्ग्धेन्विनाधेना देन्याना नेन्ये सावर्गेन्यन्वेन्न्युभार् वुदःनवेरळनःश्चेद्रशीःदगावःदयःदेशःसदःहेद्रशीःक्वयःविनःनश्चुरःहे। श्चेः ध्याकुःवारायावर्द्दार्वेयानुःविराद्वयाकुयाविवासेन्यवे सुवयावर्ष्या न विवानी वर्कें न क्रेल नर्वे राजुर। वरे वे न र्राचियर दि विस्र के विवानी वावर्याननः देवा प्येव। स्टाक्त्या की स्थेर से सः विना वटा न स्वाया स्वयः। विनायः र्थित्ने। देवन्द्रस्य प्रद्राया स्थानी मान्य स्थानी वर्षिः भृत्युन पार्रे ने विगाने क्षेरि हेर् भी इस पावगा धेन विरा र्रिन्गी पर्के पात्र अपे प्रति पर्दे पा हेत् ग्री के अप्रथम उन् र केंन्य द्ध्यान्दाने न्वापी न्देर्याधेन ग्री पाव्या द्ध्या वराया वि इते । ह्यन पर

स्वार्थित्वा स्वार्थित्वा स्वार्थित्वा स्वार्थित्वा स्वार्थित्वा स्वार्थित्व स्वार्थित्व स्वार्थित्व स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्

हूँ हिंदे ने के स्वाप्त क्षित्र क्षेत्र क्षेत

ग्रान्तिग्राधिव रुप्तावव रुप्त रेवेष या हो प्राप्त । या वा व्यविव हो हु मेव्दर्गानवे व्यापा सेदा देव ग्या र स्था मुन्दर व्यापा प्राप्ति । हैंगश्राश्चा न्येराम इत्रायमिरायमें यह ग्राश्ची वरानु हो से ग गडुरायाचगारो सूगा गुरानराहे सूयायनर विरावसुवायिर आयार्स्नर नर होता कुंगश मुन केट रहा मुन ने ते पहिंग हे व विग मी वह पदि किं वर्ष्याक्षेत्रा ने वहते वहिषा हेत विषा यी तर रश्च विषा सुते हेर रु थि यो । वर्त्रे भे मुन मन्त्र हिन स्ट मे अने न्या र्से मा ग्रह मुन ग्री असे न विव ग्रम्। मर्केशम्बर् द्वंदायायवेषाया वेष्मानम् नुवाश क्रेवाश ग्री प्रिम् रादे कुं अळव भी राळेंदे बर्गार भी रेळें राष्ट्रराय रादे हैं राया रामे विगार् अर्वेदायदा दः के अरो अराम् र्रम् हेर् स्ट कु राम् विगा से दासर নমম'দ্বীমা

द्वाश्वाद्य देन्द्र न्त्र न्त्य न्त्र न्त्य न्त्र न्त्य न्त्र न्त्य न्त्र न्त्य न्त्र न्त्र न्त्य न्त्र न्त्य न्त्य न्त्य न्त्र न्त्य न्त्र न्त्य न्त्र न्त्र न्त

क्री अप्तर् क्षिण्य विष्ण विष

८ व्हें ते कुत पहणा अ ग्री पहे गा हेत सु कुष पत्र के अ प्र प्र शुर त हेव'वर्ने'र्केश'न्र' हुर'न'षशम्बन'र्छर। केंश'न्र' हुर'न'ने'न्ना'ष'र्र वर्षः रदास्यक्षत्रायदे के साम्यस्य स्वतः क्ष्रं व श्रीः क्रुं मे व र द्वार् पर क्ष्रं व र र धेर्क्ष्याचेर्। रटार्र्यात्र्याच्यात्रीयात्रीत्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या त्रशः गुनः धवे : शः र्वेत् : विवा गोशः स्टः र्देशः त्रशः गुनः धवे : वें : र्वेवा : विश्वतः । धरावर्दित्। टार्क्केशकुःवज्ञशाग्रीः गुटावज्ञेवावदेवे वटातु शाद्या वावशा अर्चेत्र वेर्त्वार्क्ट्यायास्ट्रिंशत्र्यात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्या र्रे विवार्षेत् प्रस्प्तस्य स्पर्ता दार्से देश्यम् श्रेत्वर होत् प्राप्ते श्रेत् होत् ग्री:रद्रामु:प्रथेर:पदि:पदि:क्षेत्रा:द्रामुद्राक्षेत्रा:श्रुंगुरु:पदिन्। ८८। र्ह्सेशक्ष्मान्दर्गेन्यवेषायशक्ष्मास्मिष्यम्बर्ग्न्ते।नायनेशः

र्बेट.१५८.ग्री.के.च.उटी.शरश.भिश्व.ग्री.योशेट.रच.लुच.चर.ग्रीयेश. सदै दर्शेषान् १५ द्वां स्वाप्त विदा र्या द्वार विश्व स्वाप्त विदार स्वाप्त विदार स्वाप्त विदार स्वाप्त स्वापत स्व मदेव्याम्ये अळव हेन्ने पाया श्रुप्त अर्वे व में मुस्त श्रुप्त श्री भावे मिया थ्रव मदे क्वें त्र शक्षें महें महें महें महें महिंदा है महें महिंद के महें महिंद के महें महिंद के क्ष्याविद्यी वे कुष्यायद में विया से निष्या से दिन ग्राह्य विद्या से स्वर्ग मिद कुष्या से से मुँग्रायायया लेटायटया मुया ग्री हे या शुःत्र र के या यर र र प्रमेया न-१८ अहर अपन्य की अपन्य द्वार पार्ट के प्रे के अपन्य दें के अपन्य के अपन वेगाः पः केवः रेविः ५ तुः अविः गुनः अववः विदः गी अः ग्रायः गिर् ५ गुरुः प्रसः वर्देन्यन्ना वर्दे ने नेंन्यवे न्य केंश्यो मुन्य समय गर्दे ने विगाधिता र्विट्यो अयह द्रायते पुर्वा अर्क्ने द्राके यदे अळद् हेट्टिया पदि या श्रुट्से अ वैन्तुः अः इन्व भेशन्य भेषान्य भेषान्य दन्तु प्राप्त विन्य देन्य । खु:सबुन्द्रशः र्ह्हें वर्द्ध्यः न्द्रः र्ह्हें नः यहे नः खेने । खेन्। सु:सबुन्द्रम् स्ट्रेन्स्य स्ट्रेन्स्य स्ट्रेन्स्य स्ट्रेन्स्य स्ट्रेन्स्य स्ट्रेन्स्य स्ट्रेन्स्य स्ट्रेन्स्य स

८४.लूट्य.यह्रेय.८८.अक्ष्य.वियम.इसम्य.व.ह्र्य.चेम.वे.इ. क्षेत्रायदेशस्त्रेर्त्वतेत्ववर्द्वत्वाव्यात्यःविवःस्रवःस्त्रेनःस्त्रेर्त्वत्रस्त्रेत् रनशः नुगा दुःषः क्षेः रः नडं न र्हे वः नुः क्षेनशः नशः वें र्रेः नदुः स्रगः नरः रेवेः भ्रम्य शु.श्रेर.ग्री.र्स्य वया श्रेंट.छेट्.ग्री.र्रम्य यात्य स्ट्रंट विम.ह. श्रुट्र नवे में भ्रून अ में न देट्र अट्र प्ट्र के व्यन्त मान्य में मान्य विद्र विवा र्भाटा द्वी क्षाया विया विया विया क्षेत्र होता प्रायों किया का स्था र्भा क्षेत्र इ. कुष्टेन. मृत्यायह्में व. इसायाहे सार्टा ह्मेया हुया यदा में भी सार येग्रथः स्त्रा विंदः इसाम्हिरा हे र हिंदः हे द क्षेत्र के र मारा प्रदास्त्र स्त्रा सुनायः ५.१८८ श्राप्या लुय.लटा ट्रेट.यट.ही.के.ज.प्या.ज.उचील.ही.ट्रेट.ट्रेयूय.

स्वाक्षः श्रे त्विष्णः विवाक्षः विवाक्

नर्यास्त्रव्यस्य स्त्रास्य स्त्राचित्र स्त्राचित्र स्त्राचित्र स्त्राचित्र स्त्राचित्र स्त्राचित्र स्त्राचित्र विगामी क्षेट में हीं हा वें दें गट सर विग या क्रवर मेगा सदे में गर्भ से सर र्रे विवाप्तरक्षेत्र श्रित् गुरुष्य प्रमानहेव वसारसारे साले साले वा हे दाय है। न्द्रमान्यमान्त्रमान्त्रमाम्बर्भित्रम्भ न्त्रम्भ न्त्रम्भ क्रिमान्यमा ग्री र्दर्भवित में अपे र से दे र से दे र से दे र से दे र पा है या पा से दे र पा से दे र पा से दे र पा से दे र विराधराते। विश्व (Copernicus) क्षात्रापात्र विश्व डेगा'मी'पर्ने न र्खुय'न न सबुव संपदी' धेव। क्व सेगा'मी' न हमा'न धुन'न न विनायह्म अराम्याम्यामे स्ट्रिंट हिन् ग्री सेम्यामा निर्मा स्थानी निर्मा यानार रुट विवा मी शायहिवा हेव त्यानहवा न धुन वा बन विवा गुरु छै। क्रिंशः इस्रशः टाक्टिं कुत्वद्याशः शे मिंहिंग्रशः स्थाः भेतः हुः इति। यहेगः हेव'य'न बुद'नवे'द'ळेंवे'नदेव'वहेव'ह्रसम्भान्दान्य'वनाव'रेर'वनाव' नवर धेवा

रम्किन्ग्रीकार्यमाञ्चित्रवर्षिकायहिन्यति कुम्केन्यार्वे के विषाधिन यमः गुरुरमा रटर्रमान्यम् गुनःसरः नमसः सदेः भेट्रः देटः नदेः व्रुट्रः के निना य हैं निन्द दे कें अद्द नुद्द न देश उत् विना य वहुय हैं दश ग्री श ळग्रानेत्र हो न्यानेत्र म्यानेत्र प्राचीत्र स्टार्ट्य व्यान्य स्टान्य स्टाने स्थितः नुः शेःदिरः नवेः हिन् कें शंभीयाः यः श्वें यातृन् ने कें शन्दः शुरः नः रेशः उतः विवायप्रविवार्स्रित्राम् निवर्षाविवार्षाविवार्षा वार्ष्यार्भेर्त्राच्या कैंश इस्र रास्टर मुन्य पेद प्रस्थित के राय प्रदेश स्टर हित सूर्या पर हैं र बिटा स्वानस्याने नवामिन प्रके स्वासित मुन्दि स्वासित स नर्या ग्री कु र पर्यो नर अर्गे व र ग्री कु न ग्री र ग्री कु र ग्री कि र ग्री के र ग्री कि र ग्री यासवरः व्यापी न्ध्रापि वरात् क्षेरि हैर हैर छै। स्राच परि परि यावशः ख्रवार्थाः हैवार्थः धरःवाद्यद्रावाः धेरः धर्यः अध्याद्यस्य । रैवा'म'न्र'गुव'र्श्वेन्'रेवा'म'ययर'यत्रेय'न'विर वन'रेवा'र्थेन्।

सर्पिःश्चायःरिस्यवम्रहर्म्प्युःत्यःविनःक्षःहिरःभूनस्य देःद्वाःवीः वर्ग्या में वार्ष में विवादी के शाह्यश्रायव क्षित हेव वर्ग वीय वी स्टाय विवा अधिव नर रर रें अवश्वा न रावे परें परें परें प्राप्त स्वी प्राप्त स्वी प्राप्त स्वी स्वार्त मार्थ स्वार्त स्वार वर्दे त्यानहेत्रत्र अर्गेर्ट्यो रही तही र त्या खुना अरदे र ना रहा है आत्र अर गुन डेट र्र मुन्न विवा धेव रवि धेर के राव गुर वी धेर वेरा विवर्ष न्द्रभाष्यभार्यवात्रवेष्ठभभार्द्रवाभाषायावित्वर्द्धवात्रवेर्श्चित्रक्षेत्रे व्यवस्तिः वे। ययः केर विरिष्ठेश क्रिंट वी प्यर क्रिंव यः अवीव विर्धा सुन्य से वा केशप्दी प्दर्भागुन श्चें नाया भुग्रामें नाये प्रमास सुग्रामा सुग्रामा स्र न्द्रमाठेमान्यनेत्र विनःस्मार्थाः श्रेश्यन्त्रत्र स्वानीर्थाः गुवः श्रेतः रैगा'मदे'ग्वन्'र्नेन'र्नेन'र्नेन'र्मन्या'गर्डेन'त्य'वे'ग्वेन्य'त्रेन्'री'सेन् गुर्। र्देवर्टे अर् क्वररेगावे वर्शे प्राधित अर्था निवि विवा प्रवासित वर्शे प्र श्रेवे निर्मुनानी इन्नवे नावन नेव निरम्भाना नेव श्रेम श्रिनामा गठिगात्र राज्यस्यात्रः स्ट्रिंद्रासेते त्यत् तदी प्राच्या सक्ष्यात्र स्ट्रिंसा स्ट्रिंगा भेवा धेव ध्या कव देवा दर कव देवा वी भेर वह क्रिया विवादि । वर्ते नःश्रेवे नेग्रानड्या ग्रे नर्यायम् स्वास्त्र स्वास्त्र म्याना ग्रे वर्ते वा नाम्या रशः नेशः हेवाशाया रुशः रवशः हेः नुः पदेः सर्वे। हें दः देदः रवशः ग्री:क्वं देवा वी अर्गयर्थ केवर में विवाय वार्देर खेवर हो दर्वी अरहूर। वेदुःहॅर:दर:सर:विःसे:सेर्'ये: James Maxwell नेपादेशः गर्डि अ'अप्रशाद्याद्यादार्थे अ'गात्रव्यवेत्र अ' ग्रुअ' म्ये 'गाव्य 'वे वे 'द्रि अ' पिस्रकार्त्रमा कें क्रुका ग्री विदार पुर्वे प्राप्त केंद्र क्रिका वहवाराणी में हिवारा नदारा शुरु पाये हिं तरा वहेवा हेत छी नदेश खेंद यावर्यास्यायायायवीयायन्त्रन्त्र्याचेत्राचेत्राचेत्राच्या व्यव्याच्या रेगानन्द्रस्याञ्चन्त्री काञ्चार्से देनान्य सार्वे सान्द्रस्य देवे ग्राप्ते साज्ज्व वे विन्यस्य स्यानिया धिव या या सम्दि होना स्थानियसः र्वित र्हेश दर्गुष श्वाम रेग पदे त्र र र विच पह्या हो र छे । सर है ब्रायर ग्री अर्ट या नित्र प्राप्त मान्य वितर वित्र प्राप्त अर्थ वित्र प्राप्त अर्थ वित्र स्वाप्त अर्थ वित्र स नियायान्त्रायान्त्रियायाचे प्रमुद्धान्यया ग्री क्रिया हेन देया उदा विया शुःष्ट्रिमा हेत्र विमा पुःष्ट्रिमा ष्ट्रिमा हेत्र में हिमाश शुः द्रिभे अर्केत पदी मावि

रु:नवगःवःधुवःश्चेःदेशःवशःदेवःद्यःदुःगवशःभवेःददेशःधेदःगवशः स्यायानवि स्पूर्ते। या ब्यायास्ट्रिं र्या व्याया वर्ष्या र्या नरुराणेत्र विदा नेया गुर्दा नेया यापत् गुर्दा मार्थे मार्थे या गुर्दा मार्थे । निवा देश मुन्नान्द्रापित र्हें अप्याप्याप्य श्वाय देवा प्रया हो द्राय पित्र हैं नदेः ध्याया विकार हो तही दारी का विकार हो । इस विकार हो । नहेव वश गुर नवे भी अ प्येंव वे 'र्नेव न अ नु न नेव पर पर दिव परे र केंद्रे यार्नेट क्टेंद्र याद्वेश हेश सम्पर्तु यहें मर्गेश सम्बन्ध सम्प्रा वद्य विवर्षे आ इस्राम्बिमामीस्यान्दरर्भेदेः नृहस्यापस्य स्मान्दर्भः सुद्राद्वीदः प्यटानुसः लूरी रे.के.वयर.पूर्त्याश्वयत्वीश्वावीश्वरत्रात्ताकेरी पूर्व.हूंश्वरवीया नियास्त्रास्त्रात्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् ख्यायाची न्ये सर्वेद यायर साम्रिया श्रेष्य न्ये विन पहुना केंद्र सुराष्ट्रिया पिस्रश्रा भी वरात्र पाठिया सम्रम् भी में निया प्रमान में साम साम मान ळवःरेगाःगोःनेशःर्षेवःगश्ररःयदेःदरःवस्त्रुवःवशःदर्रशःर्षदःगवशः खुग्रभः नृत्रः। क्षंत्रः नेया वर्त्ते वर्षे वर्ष ठेगासुःसमुद्राद्रस्टियःविनः होदादर्गेश

वदःक्रेंशःग्रेःग्वदःदुःग्वन्दःयःस्यःस्यःग्वदःर्वेदेःदुर्देशः।प्रस्रशः रेगा परे स्वाध्व की क्या नवग ने कें या धुव रेट में विगाय वट परे गल्टानु में ग्राव्याया केवा प्र इटा व्याप्त से स्वाप्ती । ग्रथर:हेर्न्नेश:धॅव्र:देन्प्यावि:यः नव्याव्याद्यःदेश:यर:द्र्याव्याद्यः वेद्र'द्रों भा द्रोर'वा वश्चर'वर्डभ'केव'र्से स'वुर्भ'पदे व्यवदार्वदे ह्या डे.र्र.रेग्। गु.पठशःश्चे.सके८.पवे.क्षे र्याह्रशःपक्तृ८.पर्र.क्षेग्रशःगुरुः रायशर्न्स्थाम् बुम्याम्यस्यद्ति। याधीयवृत्त्रस्य कुन्र्स्नुत्य <u>न्ना कुःधेशःग्रेगः अष्ठनः ग्रेनः श्रेशःन्यः कुरःग्रेशः</u> वर्गायानमः होत्। ह्याध्रवावे ह्यानकृत्रिं वर्ते वर्ते वर्षे स्यानुदानायया ग्राञ्चनारु स्वारु प्रदेश दिवा हेत्र या द्योया नश्च सुरा स्वार्थ ग्राचा इसप्दि न्या दे न्रेसप्य ब्याय ग्री युन क के या झ से ने पी द पर स बन् क कुर र न वर्गे से खुन प्रशायि र न व के से प्राप्त का से प्राप्त के से से प्राप्त के से से प्राप्त के से स्राप्त के से स्राप्त के से से प्राप्त के से से से स्राप्त के से से से स्राप्त के से से से से खुग्रायायः ह्याञ्चर ग्रीः सुराग्रीया यया दिर्याया त्रुव्याया स्विवा ग्रुवा स्नुव्या

हुण:स्रवःस्रवःद्धंवःणःशेः श्रुवा त्वुदः तः हुदः द्दः द्दः द्वाः व्यवः विवाः वीः विवाः विः विवाः विवाः

इस्राम्बनायरीयर्दे स्ट्रिसेन्स्राम्स्रिम्स्य म्यान्स्रिम्स्रिम्स्रिम्स्रिम्स्रिम्स्रिम्स्रिम्स्रिम्स्रिम्स्रिम् अवयःगाल्वतः न्दा भूगाः धर्माः भर्माः अवः यः न्दः चीः च्याः पदेः चान्तः क्षेम्यार्भित्रात्रात्रात्रेयात्रात्र्यम् न्युराग्य्याय्या गुरायात्रेयाय्ये वार्यायाय्याया न्वीरा निरा वात्रवार्वित कु वार की अळव हेन रेवा पवे वसूत वर्षे राया विनः भुः गुरु रहे। गुनः सबदः दर् से दः नरः यः ग्लेटः श्लेटः द्वाः नर्गे ग्लेटः। देः निव रें दिश्चर नुरायि । स्वाया अर्थिय । दर्शन अर्थे दर्शन विवारि दर्शन यास्रयास्त्रम् वास्रास्त्रम् वदाळे सान्ता देवासाय उत्ता हो ह्या हा न्धिन्यान। बारशाउवाम। नेपान्धेनास्यवासाक्षानुः प्रवानवानिकः युन'अवय'निया'त्थ' इ''निवे'न्र्रान्र्रा'न्ध्न्य'न्ध्रन्'ग्रे'चेत्'वरुष'यि अर्द्ध्दर्भःशुःर्धेन्। कुःग्नरःनुःव्हरःर्द्धेशःर्ष्ट्याः अरःन्ररःनःवशःनत्तुरःर्श्वेवः अः <u> ५८.५८.भ८.मी.मूर.मी.यर.क्ष्रा.यर.२.मीया.सी.यर.ज.क्रू.</u> श्रुनः श्रुवाशः इवा द्वेदः नशा नेशः विव द्वः कुषः ददः अळव दे दे देवाः

इस्विते प्रेम सह ५ प्रते के मामहें प्रते से १ प्रते । या माम के नदे वर्षे या के मार्थे भाग्री भाग्री म्या क्षा नदे । ह्या ख्रा मी क्षा पार्वि । র্ষবা'মম'নশ্বর'উদা মর্দর'নবি শ্বীদের্যারী প্রী'র্যার্শ্রী ব্রানী ব্রমামনমা गिर्देशस्त्रा यन्यास्त्रित्रस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रित्रस्त्रम्यस्यस्य नेर रन्य भी अपया न्यर इसमा भी सार्देश विद्य में प्राप्ती यातुर वर्रे वे वे वे न्यून क्षून से नविष्य र्या त्रा विषय विषय विषय क्ष्य विषय क्ष्य विषय क्ष्य विषय क्ष्य विषय क्ष्य नु नश्चुर पिन्यर न नि अर्देन प्रवेश्चेर पेवे नि न र मुंदे नि न र प्रवेश सक्त हिन देवा परे सुरक्ष यावाय केत विवा में देस सुत परे प्रसाद रा मुँग्रायानम्यान्यान्यानम् वर्षेत्रात्त्रम् वर्षेत्रात्त्रम् वर्षेत्रात्त्रम् वर्षेत्रात्त्रम् वर्षेत्रम् वर्यम् वर्षेत्रम् वर्यम् नवे भुः र्रुषा सद के न न सून न हैं या पदि सा न हस्य या पवे सूर्य पान या न र र्धिन्यम्देश ने त्यम्ब्रेग्स्री नुसम्मन्दर्भिन्दरम्यस्यम् विगायान इसमारियमेया केत्रे ते कान्मान् सायमा गुनारिया तुरा विगारेना वरेते वरात् वराये अळव केर ने गाये गुना अवव ग्रेग्या याडेवा'धर'न्या'रु'य बुर'व्याने'य'रेवाय'रवे'स्रर'यावे'यरेर राजेर् ग्रे वित्र प्रमुद्द पुर प्याप्त पातुर प्रदेशक कराय विवा वित्र प्रभूत गुरु से देश वर परि सळव हेर मेगा पा श्चान श्चिम परिव न श्चिम गहेव श्ची या त्र्र्निक्यान्त्रान्त्रित्वेयान्त्रिन्त्र्वायान्त्रित्याः न्त्रान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्य विष्णान्त्र्यान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्यान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्यान्त्रयान्त्यान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्यान्यान्त्यान्यान्त्यान्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्यान

द्धाःस्रवःक्षेःयः चक्चितः व्याः व्याः यत्ते व्याः स्रितः स्रितः व्याः स्रितः स्

दश्ची न्दर्से न्दर्से

८८. भाष्ट्रियायशाचीयार्षपुत्राध्याचीयाः भ्राम्याचीशास्त्राच्या गुनःकरे वन्तायां हिंग्या वार्की सन्ते विना श्रेया भे हिंग है ह्यान्ताये । र्ट्रेंस (Lepton) क्षु तु हुय ख्रव श्री :कः हुय : ख्रां खें दे वि खोय न नि । या क्रवःभ्रम्भन्य। वर्षः यविष्यविष्यं विष्यः स्वरं श्रीः इस्यः यविषाः प्रदर्शेस्यः ग्राच्यायात्री ग्राचार ह्या छ्टा विया छ छ्टा तु पर्वी से श्राचार परे परे दि ए छ या वर्दे क्रिंग्स्य धेत्र त्र द्रो अर्क्षेत्र स्वायाया विवा व्यया के प्यत् क्षेत्र या वायवा र्रे मेर् भेत्रायम् वरमित्र सक्ष्य हिरमेगाम श्रुम्पि पर्केषा विवासे र्ट्रश्राचा बुवाश लीवा ची : चुव : इश ख : क्रें : इस्रश : गुट : वर्ट् : क्रें वाश : वर्ष : चुव : न्वीं अर्धिः कृद्धः यदि दे दे दे दर्म मार्थे :क्ष्यः मे वा वी वा सम्हे दः ने अर्धः ८८.अर्थे व.सूचा ४.४८.२.१.१८.४८.१

श्रुणायी महामित्र में मित्रा सम्मान स्वास्त्र मित्र स्वास्त्र स्वा मदे अळ द हिन्ने मा पा श्चान ळे अ पळे वा विन पने प्या के मा हि से न पन हैं न भून हुया व्यव देन में यो या हुया स्व हे न परे भून या भीना या न है या ग्रम्। नुस्रास्त्रसारे पुर्वित्वरार्केन स्रामिस्र रेगाम्या ह्या स्वारे प्यारक कुर र नर्गे या निर्देश द्याय गुर्याया रेगा प्रदे सू प्र विगामी शास्त्र या शे रें शाद रें द प्र प्र प्र प्र प्र वि प्र सें र मदे स्याक विवाद कें शावसायद हिंवा शासी श्रुवास स्विद्वा कंवा रेगा'म'सर'में विग'गीर्थायरे 'यद्ये मुख'क विग'ग्रथर रु हेर मये रे रे र र र्ट्यक्रग्रास्त्री

सर्वेट्स मुन् वया केर दें सक्र रहे निवे सूर् सें देर निव्य निर्मा श्रॅग'गे'र्क्षेप्रायदिष्ठे होट.र. अयर्ड्र नट र्ह्मण यर श्रुण तस्र रहा सुँग्रयायायाय्यायाय्याय्यावयाः विवाय्याः विवाय्याः सुर्याः स्वायः विवायः र्वेदशक्ते न न्दर्शेया नेषा क्रीं दारि अया कें अर वदा विया से दा या दारें हैं हैं नर-नगद-नर-अ-वन्दि-नर्गेन-भूनश-सुश-र्थि कः क्रन-प्रनर-गशेगः होता हित्रमार्डे ने रावहें न प्रियम्पायम् स्वाप्य प्राप्त विवाधिन प्रवे ळ'वश विंद्र'वे 'इस' पावग' यो 'पावद' देव' याद' एड 'वेया' पेव' रुद्र' केंद्र' भू र्रे रुव विग रेट्। वर र्के अप्टर र्शे अप्यूर र्श्य अप्टे प्र रिव र्हे अ नेता ने प्यर कु अळव ने विंद मी अर्घेट छ्वाया वरी महिशामा अध्या मी र्देश'त्रश'गुन'रावे 'रूर'शळंत् 'रावे 'र्ने श'र्थे न 'ग्नुन्थ' शुन्थ' भिना 'प्रश' येव नुन् गुं सेन नम्म प्येव

ष्यभे दे गावे दे र श्वायय दे वा स्व प्रायय स्व दे त्या प्रायय स्व कि स्व विद्या विद्य

विवाधित। हूँवायहें र के विराहें वाश्वाद्धार विवाधित। विवाधित। के वाया विवाधित। हूँ वाया विवाधित। के वाया विवाधित। वि

र्विट्यिहेश्यद्यास्य भ्रम्पाद्य स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत गी'रु'र्थेर्'र्यदे'दे'र्थे'र्शे'र्श्वेर' Niels Bohr Institute in Copenhagen वर्षेनं नाहेर प्राप्त र नाहिर प्रचेष साधिव परि नाहिर बियाशरातुः क्रूंबः त्य्वः र्व्वः द्वः द्वः प्वावशः भ्रावशः वियाः तः क्रूंनः भ्रावशा दशः क्रूंनः श्चीत्राम्यान्त्र वित्राम्य वित्राम्य वित्राम्य वित्राम्य वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र निट रु अर निरंप थेवा वे से से से र से निरंप निरंप । रेगा'स'न्र्रासदे'सळ्द'हेन्'रेगा'स'गहेर्या'ग्री'नर्गे होर'य'व्या वकर पेंद्र प्राप्त श्रेंद्र के त्या श्रेंद्र द्र या निष्ट विष्ट विष्ट विष्ट विष्ट विष्ट विष्ट विष्ट विष्ट विष्ट र्श्वराग्री अपन्देश विन्यान्य अपन्य विन्यान श्री स्टानिन विन्यान श्री स्टानिन ग्रे स्वान्त्र नित्र नित्र नित्र में दे दे ते नित्र नित्र में नित् डेग्'ब्र्ग्यायात्र्राची'रराव्याचिरावर्ग ब्रिंट्'सेया कुं'सूरारराविवाची'

र्वेस र्शेट (J.J. Thomson) ग्री श र्से 'र्से ग्रांडिन' इत्य ग्रथर:हेर्न्, ग्रुथ:प्रदे:ध्रुथ:शु:नुय:रन्य:न्यु:न्गु:प्रदे:सह्ग्, पु:पे:प्रथ: सरम्बर्गाणी ह्या स्वाप्ति सर्वे प्रति प्रति प्रति । स्वाप्ति स्वाणी स्वाप्ति । ब्रूँबर्यान्ते न्यते वित्राचित्रं मुला स्वतः विवा वी वर्षायर स्वरं निवा विवा स्वरं धरावस्रसाया निष्यस्ति वर्षे वर्ये वर्षे वर यसपीता नुसारनमाहिः भुमिते सर्वे हिन्दुः विवानी वना रे इर न्ध्र-दिः धेशाम्श्रेन-विमानि श्रेन-वार्थि श्रेन-वार्थि श्रेन-वार्थि श्रेन-वार्थि श्रेन-विमानि । (alpha) इससायमेन भूनसासर के न ने न कुन्त्र स्थाप में विरायमाया न्यानियाः क्रियाः होत्रायायरः तुः हेत्। यायेरः होः स्वाध्वाः हेरः वीः से र्मेग् उत्री मेंग् ह्या इस्य सम्मानित वित्र ह्या ध्रत देवे हेट र् ग्राट यर विचायाया धेवायर देवे हो चाउ वाडेवा र्क्षेवाया हो दाया अन्य ह्याश्चिरायार्थराश्ची ह्या ख्वाश्ची हो नरान हरा सूनशा दें सूँ या उवाशी

য়ूँगः ह्यः देः द्वाः विताः वि

द्राचित्रं स्त्रोद्देश्य स्त्रं स्त्त्रं स्त्रं स्त्रं स्त्रं स्त्रं स्त्रं स्

लाम्याश्चात्री स्वात्त्री विचा त्र विचा त्र विचा स्वायः स्वयः स्वय

मानवः र्वेदे न्दर्भदे मुन्यस्य स्थान र्वेदे न्द्र स्थान स्थान र्वेद्र स्थान स्थ

धेव न्या न स्थित विन पाविते वर न प्या प्राप्त विन स्था वि गर्नेट कु ने धिव प कु अळव र र नर्गे द व र न व द हिंद । क्षेत्र गरे न हो द रुदे:न्वेंवर्षे:पिया.हि.नेट.स्वर्थाःशे:न्देशिष्ठरूरःचेयाःसदेःक्रेंस्यः बनः ब्रुॅट नशून अर नर्गेन श्वेषा होन पा वर्षे नड्षाश होन पश रेन न्याय र्छेर वुरा वन र्श्वेर वरे र्कें र्श्वेर सम्बन्दे नुन र्श्वेम सम्बन्धे न मना दश वेंद्र नवे न्द्रें अप्रथम स्वाप्त्रें से नान्ये के न्द्रिन निंद्र के वे अवस्त्रें व अम्बद्धार्यायाः द्वयाः धेवा प्रशाययः द्वर्यायरः यदिः वर्षः द्वरः र्यश्री:र्रेश्वायस्यःर्यायः कः क्रायः विवार्ये र्यी:र्योद्ये विवार्योः सळ्व हेन रेग परे विन ग्विते वर न् पर्द न श्वा परे रे न पर्द न गि प्रिन ८४१र्स्व संदे द्वारा हित्र विकासी सामि स्वार्मी सुन से दिन है का गुनःग्रीः इसःगावगाःगीः र्स्नेरःगिः र्श्वेदः व्यद्याः व्यवादिः ददः वदेः वसः वुर-नदे-सळंत्र-हेर-रेग-मदे-भुग्रा-नश्रुत-दग्रद-भ्रा-भेग-र-ल-र्ह्या-सरम्बर्धन्त्रीत्रस्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र स्त्र यवि.श्रेट्रस्थर्नेट्रस्यश्रःश्चिर्द्रश्चात्रश्चर्त्रयात्राच्यात्र्वात्र्वात्र्वर्त्तेशः गुनःग्रेः इसःगविगः कृतः क्रेंगः एः ग्रुनः पदेः नईन् ग्रुः विगः देवनः विनः क्रुं देः यश्रास्य विवा सेवा दश र्सेन् सेवे दर कुन देर से दर विद वी दवा दर ग्निशःकुन्वह्रअःर्थे ने न्वित्वेत्रविष्यं न्वित्रक्ष्रियः विष्यं विष्यं हैंग नुरुपान्य राज्य राज्य राज्य स्त्री महिंद स्नून राजिद स्नून रहा न

त्रुव सेंद स्था धोव संदे हें या या वा स्था विया सदी सद हिया सद । अ लियाश्वी म्हानित स्टामिन रहें या निया है या सामानित स्वार्थ शुःर्शेट्रनिवेर्र्ट्रनी में हिंग्राह्म स्रमासूट्र सेट्रन् पहिंद्रनिवेर्य देश उदःविवादवीं अप्यदी विद्योदिवा अप्याया श्रुद्या श्रुद्या विवाधितः र्रायाययार्धरानेया षाणियासी वयाग्रीया मुख्यति प्रिया विष्याहिया यहिरामहे से रायुन के स्वाप्त के नाये सामा के स वस्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र वा वी वित्र राष्ट्र वित स्व हो न यावरक्षरायराविवाः अर्द्धर्याः शुःदह्वाः द्वीयः प्राच्यस्त्रा अः ध्येयः श्रेः वयाग्रीशः कुः यळवः हेवः वाविः वर्ने वाहेशः वानहेवः वशः वरः श्रूरः प्रः रुशः ग्री:ळॅत:रेपा'मी'में हिंग्यर'ने पायर'नहे नुयःपेंना

है अ'ग्रार'णर'ले अ'ग्री'सेद्रा दिर'सर'हूँ न् बुर'झूर'नुवर'वदे 'सर्बर'कु र्षित्। व्रे क्षत्रं नेपायश्यके सासक्षत्रासे नित्रं स्थित। सर्वेष्यश्यक्षत्रासे नित्रं सर्वे निर्मे न्या श्रीन्या स्त्रीत् निर्मा स्त्रीत् निर्मे त्या स्त्रीत् स्ति स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्ति स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्ति स्त्रीत् स्त्रीत् स्ति स्त र्विट्यो नश्रम् क्रिन्युन्य अट र्थे लिया लिय यह या क्रिन् सुन क्रुन् वर्ग र र्श्वेन् नुरानेना अके अअक्र असेन् ग्रीन्ने अर्केन न्या स्वानिन केन क्ष्र-अर्ग्गेग्रामदेशस्वरःश्चेन्यान्यःश्चित्रःविषाःषीः वदः दिन्दिः विष्णे श्चरः ववात्यः विद्यान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र रादे में विदेश हैट दु विवा भूवरा विदेश हुत हु विवास सिंह भी धीरा स्वराय कन्याराधित्। सके सासक्त्रासेत् सी निया सिव प्रति सा स्वाप्याया । र्वेग्रायासेन्द्रम्यायः स्वार् स्वार् स्वार् स्वार् प्राय्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स धुव्यव्यक्तियाना ग्रुस्यामिते पुराव्यामेना केवा ग्री प्रमूव पर्वे यानाया केवा पिया.कुर्या.कुं.चित्रत्रा.कूरा.कुं.कं.योश्वर.येश्री हीर.वह्त्रा.धुर.वे.क्रयश भूनशर्थिः रिष्ट्रान दुःवन्शः वेत्रापतेः श्रुरः ने रत्नः भूवः वार्तिरा

ग्री-न्रेश-र्रे-न्ता नर-श्रूदा नुश्रामाशुश्राने में में हिन् ग्रीश ग्रुन हेटा रद कु नदे ह्या य विया क्षेत्र यस वर्दे द य वदे से त नस श्रूर है स्ट कु ब्रुन मदे क देश मार्थ साम्बर्ध की विद्यानस्थ निया स्थित साम्बर्ध कि स्थान स्था न्न-नुः विन्यः विन्यः यहा वरः श्रूदः नृदः नुशः निष्ठेशः वे कः देशः निविः श्रवः ग्री नम् श्रूम पुरा क्रुव श्रीम निवे मम् निवित पुरा निवित स्थित । सर्वे मानश्रू शावी ष्णियासे प्रयामी प्रवासे राज्य प्रयासे के स्वास ग्री अर्ग्वे वार्य क्षेत्र त्या त्यु र र्थे वा से द द द । व्रव से द स्था प्रव रावे वाव रा रेस्रः भ्रमः विरासरा रहेषा सा श्रमः प्रदे । न श्रमः पाविषे : श्रूमः पावि । विषा से न । सा ५८। १ अ.२८. वर. ब्रेट. वे. वंदे. व्यूट. अवर. वा हवा श.व. व्यूट. वी वा वि. रदःनविवःधेवःयःनभूव। यदेःवेःदेवःदर्भःभवाःधःसर्वःनविःग्रयः क्रेंब लिया मेरा

र्शः क्रिंशः च्युत्रः प्रेति क्ष्यः प्रेति क्ष्यः प्रदेश्यः प्रक्षः क्ष्यः प्रक्षः क्ष्यः व्युत्रः वित्रः प्रक्षः वित्रः व

यद्भार्य स्थान्य स्था

है अर्शु अर्गे दर्श सुन्त के न्या के

र्वेग्यः नेतः हुः के।

रशमिन हैं अ इअ गावना हैं गाअ धर प्रम् न रहें न राष्ट्र अ वर पर दे । न्वारार्देगारार्हेग्राराण्चे सेन्यार्थार्थार्थेर ह्या निर्मात्र्यात्र्यात्र्या केंग'डेश'मिंव'र्नेअ'क्य'गावग'र्भु'न'ग्राग्रायाश'केव'रे'केर'रे' Richard Feynman विश्वाभिष्य क्षेत्र स्वा दि में हिंग्या वर्षे से द्राप्त दि स ळ्य.र्या.यी.प्रेश.येष्ट्रं.क्य.यर.यी.क्ष्य.र्या.का.क्या.वर्येका.क्ष.य.य येन् परे मासू नुमायकें वावना क्या वावना परिवे कें वा पर्दे मासे मासे का रेगायी वर्षे स्याकारे द्वारेष्ट्रमाका मुना ग्री के द्वारा दार्के का मुला स्वत श्री ग्रम्भार्यते दे ते भू तुते विष्याम्भारत्ये या निष्या निष्य रेत्। दर्भगावुग्रान्दर्दित्श्चिः इतिः ग्रुनः इरादेः मुखः इर्नः ददः। क्रमशःकुवा धरःवःदेःगहेशःगवरःधेवःर्हेग र्दिवःदेःसरःर्ग्गेगःह्यःदेः क्रमशःकुवःधिवःयःग्रथमः रु:क्रेन्वशःवें श्वेयःग्रावेन्शःहग्रशःविनःश्वितः वर्हेन्दें विं George Thomson रें ब्रंब स्वरं क्रिया हुया ने हुया स्यास्याधीत्रायाहेत्रायात्रयात्रे सेव्याचा वेदयाह्यायाः वितायवे ह्या ह्या रशःश्रःश्रेष्वरादेर्ग्यीःप्रमायः नदेः स्टः नविवः वर्रे में श्रिंदः ववदः। १८६७ वॅर्स्ट्रिंग्डें वेंस्यहें त्रिंग्यहें त्रिंग्यिय स्वाप्य प्राप्य र्ट्रेन ग्रीया ग्रया द्वेन ग्रयान्य प्रायमेया प्रायमित्रया यावर देव दे या अया से हिया अ सुर। विर यो अ से या हुया दे स्व अ सुव न्दः पदः तः स्यः सः रचः ग्रीः दें रस्य स्यः स्यः स्वरः ते विचः वह्याः र्वेदः स्यः यः हैः क्षरास्यात्यसारायास्यास्य स्वर्भेदास्या स्वर्भेतायासारके नदी सेरावः गिहेशाध्वाग्री विनायह्यायी र्कें दाध्ये वदा शेरावा विश्वा विनाय देश बुरादर्गेना बेर् थी रिस्थार्थ विनानी देशाय क्लेंना ह्यारे रे नविदर् वयरशाहे वर्षेता क्रेव देवे क्वा न वें न शासा स्थान राम स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स न्द्रभःर्रे विगामी क्षेट नुष्यम पुष्ट्रम माया है भेर मिया है मारा है भा हैं र्मेग् ह्यारे रे प्रेश्वरायर प्रमुखा ग्री प्रदाये वा स्ट्रेट हु ए स्वास रवा ग्री प्रदा रेशरविःस्ति। देव्यामा सेमापानिश्रामापानिःस्रेशने स्वास्यास्य विगान्यामिकात्यावसेन्भ्रम्या र्मिगान्याम्यस्य स्थान्याम्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान

यहिशामा न मुन्द्र विश्व स्त्र स्त्र

ष्रश्राद्भेराक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रा होत् मुन मदे र्थे हित्र हेना वहित्र र्थेत् मश्रा केना शरद्त्र ल्ना श्रायह क्टास्र संभा से नाम है साथू न ही किंदा से प्रदेश से विद्या मिटा में साम है हेन् ग्री में हिंग्रा वस्र राउन् वन गान विन वह्या मी केंन् सुदे वन् राज्य गिवि नर्डे यात्र अयर्दे ता शुर्या मी अर्हे गिया शुना मित्र हि अर्प गुणा शुना अर रेगा'रावे'क'इसस्यायाकेव'र्'वहिवा वर्ने'वे'र्सेन्'सेवे'त्रेन्'सूरस्य'र्ट्सि समुत्रा र्रेन् सेन् सेन् सेन् स्टिक्ट स्वर्थ सित्र र्रेस द्र्याय पुराश्वर सेवा प्रदे स्य गवना ५८ देवे अळव हे ५ देना यवे श्वाय नश्रव सेनाय या दें यूट नाईं र्वेर्ने हेर् सिव्य विवाधिया असर्हेर्ने विर्म्स समान्य मेरि विर्ने संस्तृता न्वारारियायियायन्वरावेरायारे मारायहेरा हो रास्त्रावेषा धेरा राट्याम्चेयासुः लेया देव्याटार्स्चेट्यो ने वदे व्यार्स्सेव्यार्स्ट्रियास्त्र गर्रें में विगम्रेना

क्रम्थाः कुत्र न्द्राः स्वायः स्वायः विष्यः स्वायः विष्यः स्वायः विष्यः स्वायः स्वयः स्वय

र्नेतः श्चे 'ते 'विन' पहुषा' ग्चेन' पार्से अ'नर्गेषा श्चेन' ग्चेन' प्रदेश्चन' प्रह्या ग्चे' लूटशःश्रीःलीजाम्, हूरा प्राथिता वीया त्राया त्र हेन्दिना सदे श्वाय नमून वही हैं नाय सर्माय दया नाट प्याय स्था नाट क्षेत्र। ह्या ख्रव ग्री का खार्रे दे पावर में त्रा त्र में पाय के या के या विकास में त्रा विकास में या विकास विगाः षें नः धरः अः नश्रअः कें विगयः नवे स्टान विवः विने शनः नुहः गान्तः कैंग्रार्भियामिते स्विद्धित गाया केत्र गिर्देश है। विग्रायामिते के राहित प्राया केत्र गिर्देश है न न्ग्रेयायानग्वापदे कें या हेन् ग्री स्ट कुंग्या कें स्ता शुग्याया सुर मह्या कुत्रः भ्रवः ग्रीः पर्केः प्रवेर श्रीं रः प्रवेर वरः ग्रारः विगाः क्रुप्रशः क्रुवः धेवः परे द्रायः स र्मन द्वा के त्री के त्रा के त दिन्दी त्यायान र श्रून न न ने ने ने स्यायान न सम्या कुन पाहिता गायिव र्कें न ने निवेद नु से साम महिष्य हो विन यह मानी र्कें न सूदे वट.पूर्ट. मेलातवातः लकार्कावाद्यात्वात्र्यात्र्यम् । वाद्यम् वाद्यम् । नरःश्रूरः। नृग्रेयः अन्गनाः प्रदेः के अन्तिनः नाविः यः नवनाः वः देनः ह्यः नेः न्नानुसाम्बेनात्यासेरावादेनात्मकुन्त्रसासामिनसादर्शे से मुन पश्रक्षिशेत्रपदिवेष्टराक्ष्म्यायादाः विदार्थेत्।

द्वे नश्रयास्य से माना विश्वास्य में के मान्य के मान्य में मान्य के मान्य में मान्य मान्य में मान्य मान्य में मान्य मान्य में मान्य मान्य मान्य में मान्य मान्य में मान्य मान्य मान्य में नेशल्हें त्रसूर्याया नुग्राया क्रें तरिंगा वेग्या पापर हें द्रा हो द्री प्राया विगारेता ज्वासेसास्रम्भिति (Heisenberg रिशासेन केंसाहित गिविर न बुर वा क्रेंग हुय विग में गिवर गिविय कर पिहर दिस्य है भूर विग झक्रवार्याराने द्यान् स्वाने देव त्वाया क्रिन्हें वार्यारास्ट स्वाने दे र्'त्र्म् न्राप्ता मूर्या विया यो त्र्या व्या यो क्ष्म न्या ये क्षा विया या कग्रायाने राम्यान् स्वाने वियान्याने वियान्याने देशा से न्रा कम्रा राम्याने प्र क्रिंशः र्रेजाः ह्यः विवाः वादः यावसः व्याद्यः विसः ग्राटः देसः के श्रेतः ग्राटः देसः के स यद्यान् में वार्या वित्रा के निष्य वित्रा में वित्रा वित्र हैंगश्राग्रहाने यादातु व्याद्यात्र वार्षिता वार्या वार्षिता वार्या वार्षिता वार्षिता वार्षिता वार्षिता वार्षिता वार्षिता वार्षिता न्यायी अपने न प्रह्या हो न पर से या हैं में बिया प्रेन प्राप्त क्षेत्र। से या हिया विया मी वित्राया श्री न हिंगाया यस मार्क्षया ने वित्राव्या वित्र वित्राया वित्र वित्र हिंगाया हो न प्रवेश यश्च मुद्दर्गिशः भेटा टः क्षेत्रः देवे गात्रशः गावे भेशः राषादेवे वर्ग्यायः शुँद्र-नेशःह्रेग्राश्चेद्र-प्रदेश्यश्च शुद्र-द्र्मेश देश्वश्चर्द्वर्रेस्य देवर वह्ना ग्रेन मार्स नग्रन खुवा ग्री निर्मे अप्येन मान्य खुना या ने वे निर्मा प्र ब्यायाययाकः न्यान्वाक्यायार्थित। वितायह्या होतायां स्वित्वायते विविद्धारम् विविधारम् विविधारम् विविधारम् विविधारम् विविधारम्

र्देश्विमानेत्। १६६२ व्यविःश्रेश्रश्चात्रः श्चिमानीः स्वायात्रः श्चिमानीः स्वायात्रः श्चिमानीः स्वायाः विमानीः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वायः स्वयाः स्वयः स्वय

वरःमवे गालुरः तुवरः गावरः र्रेवः वरे : ईरः श्रुवः ग्रीः गावरः र्रेवः गार्डः वरः धेवा गुनः अवदः वर्षे अः गा तुग्र अं उत् ग्रीः वहिगः हेवः वर्षे : कः नर्गे : बेरः पर्वे : ह्याद्यास्याग्रीशामुनायाद्या ह्याद्यास्यादे द्वाग्नीः शेशश्रायात्रामहेत्राचराध्याची देशात्रशाच्चा चरायर्पित्। शेशशाद्याया वे द्विम्याम्वर पुष्ट निर्मान सम्मिन् सेस्य द्याप्य सिर्मा ग्राञ्चन्यारु उत्र श्री :कॅ या इसया या प्राया श्री :देया द्वा या श्री ना स्टाया हेन्द्रमासेन्यन्। अवरात्रुवाची नह्वान्धन्तरावात्रुवामा उदार्थीः क्रॅंशक्स्यश्चेत्रप्रेंदिश्येयश्चीक्रःभ्याद्याद्याद्वित्। द्राद्वाता मदेन्तुः अष्वयाद्युर्रानाधेत्। युना अवदादिदे देन्द्रा सुदे खुवा ग्रीन्द्रिया स्त्रिं स्त्राचित्र स्त्रिं स्त्रिं स्त्र स्त्र

इ.चतुः कः वश्वः स्ट्रिंशः सूर्यः विश्वः श्वे व्याः स्ट्रिंशः स्ट्

वहिना हेत वही हैंना वहीं टाके नवे हेत वहोया ही हा ही ना यश श्चार र्थेन केंशनारायराविनाधेवार्राम्यां स्थार्थेयार्टा यर् वेशयहेंवा स्रम्या स्रम् भेष्या प्रक्रमा से प्रवेशके सामे हिर्मे में स्रम्भ स्रम् स्रम् स्रम् गवितः इस्र राष्ट्रा त्या वि श्री सामिति । विषा से दास्य दास्य सामित्र । र् मान्यायि के या भी में राह्मेर से माना देवे हिर सुवा देवे हिर सुवा ये राह्मेर स्थाय से राह्मेर से राह्मेर से राह्मेर से स्थाय से राह्मेर से राहमेर से राह्मेर से राह्मेर से राह्मेर से राह्मेर से राहमेर से र ध्या उदार्थे दासे भेदा हेट ध्या ग्री साध्या उदाया सूट सादि दा हे दास ८८। टे.चब्रि.संयाब्रेगान्नेशाहेंग्रायाहोट्याप्तरास्यायार्थयारु ने व्याप्त के श्रीता व्यान के ताम स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत नुरासर्कें वात्रे देते माराया प्राप्ता मी मो ने हे दे तर्हे माराये विषया र्टावराया वर्डे अविदा मुवाक्षेत्राक्षात्रेया के का क्षेट्राच प्रवास पर्वे अविश्व ल्.कश्चीया.धे.प्रायह्मय.घेट्रायायय.यवश्चायर्भयाय्येट्रायर्भेयाय्येट्रा शेश्चेत्। क्रेंशःग्रेःग्वस्यान्यः न्यः व्यान्यः व्यान्त्रः हेतः

यद्येयाची स्टानिव उद्याणेद स्टान्य स्टान्य स्टान्य वित्र प्राप्त स्टान्य स्टा

न्रेंशाम्यश्चिमान्यदे न्दर्नु न्रेंशाः विन्यान्य स्वायाः श्री हेतः वज्रूरावी मरामित्र विवादि । यो से अमा (EPR) की विवाद वाया महेता वशायायाः केवाकार्याद्या वयायानायनेवा सेटावी यने हिनायासमायाहिन त्रेन्'अषिव्'इस्थर्थ'ग्रे'सेन्'य्थर्ग्युन'र्य'वेग्'थेव्। र्Albert Einstein, Boris Podolsky and Nathan Rosen धे से अर की त्याय पर देने र्डे वा अर विंत र्डे अ द्याय पुरा अर नेवा पर वा पर गहर्ने ने प्रते में वर्ष महत्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त याडेवा नर्जे अर्य प्राप्त ने देवे हिन के अर्थिवा के प्यापा के अर्थी विषय से विवास ववायानाधेवा धाराहिवाधमार्विमानदे क्ष्मात्राचाववाने सम वर्षेराधेन विवर्षेयावगुषान्वायारीयायाविष्याववगावर्ष्यायार्या र्शे सिदे विद्व के सादे विद्या में तिया वी सार्क दायह या सा वुसा नर दु । वया गर्डेन्'होन्'श्रे' श्रुन'द्रवर्ग यद'र्द्ध्व'र्ध्या'र्ध्याया'शु'वर्षेर्न्रनदे'हिन्'र्द्ध्य' यावर्याधेन। ने वर्याक ने स्वतं कुवाय के या ने किटा वर्या मेटा में हो। टा केंद्र

वेदिः खेँ वा वदः खेँ द्रायं द्रवा श्वास्य पादे । प्यसः विविसः यः धेव वदः ह्या श्वास्यः देवे प्याचावव वे दे साम्रमा पुरस्य परिया महिमा परिया प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स रायर खेंद्र प्रदे ह्या झर्म्य श्री प्यादे के दें खेंचा क्र खेंद्र प्रदे प्यादे प्रदे नसूत्रत्रभावित्रप्तिभा यत् छ्वानेटानु क्रिभाषायायात्रिभाष्य स्वा इन्या शेषा वर्षे वाहेश वाहेवा हु श्रेषा वदे रहेश लेवा पेदा साम्र तुर श्रूर । र्वित र्हे अ त्या व प्या अ रेगा अ या वि र य बुद व दिर्म प्रमाय अ रेगा य वे रहे न-रु-दें अळ र-के निरे हेव प्रवेष ग्री रूट निवेद गिरेट वन के विगार्थे न वहर्स्यम् म्हर्त्या अर्थः विष्या विषयः रशक्तरमेगामम्माम्याक्षरकेत्रम्।हिन्वह्याम्चरमे भेवासूनम्भावत्र ख्यायापा नी नेया वित्राया नयया निवाया हो न प्रदेश देशेया हैं गया ग्रथर्थं विगान्र विवर्षं ने केन्न निर्देन प्रस्था बन् कें के निर्देश वदःक्रिंशःग्रेशःतुशःक्ष्रिंशःग्रुवःधेवःयःददः। क्रिंशःगदःविगःधेवःधदःदिःर्वः हेन्'ग्रेश'ग्रुन'स'देवा'सेन्'सर्'हेन्'श्रुन'ग्रुश'सदे'नर'य'सश्रुद'क'र्षेन्'

विसः खेर् । संस्थित । स्वार्थ । विस्तु । विस्तु

हैंगशः स्वरं तुः ने 'विंदः गी 'नगायः देवः धेवः यः नश्नः तुशा स्वरः हैं 'च । वरः

श्री अप्याया है 'दर्शे द्रश्राया है या अपने विद्या विद्या

र्वितः र्हेस त्रायः भुग्रास देगा प्रदे गाय दिन दिन गाय के त गावत विगा यदेरर्देवर्देश्यराष्ट्रस्य विचारी से क्वर विचार केरायह नाया ग्रस्त क्रव देगा स मार सर विगा मी न न र रहे या या विन यह मा मी र्सें र रहे ये वर नर्गिषार्श्वे न होन प्रदेश्चन प्रह्या ही श्वेषा पावि त्या महेव व्या स्वन प्रह्या ही । वेद्रायमादेमास्यायास्याचे विषानी वुमार्से यायमास्यम् स्वानस्य ५८। क्र-त्रह्याची चेरायशार्वित्र महेत्रत्र भागार विगाय चुर शेराय है। सर्वः नुःवशुराश्चीःनेन्। वेवाग्यमः। मर्सिःवेःसर्वम्।स्यान्यमः ग्राञ्ज्याश्वरञ्जी:न्रेस्थर्से व्यक्षःग्रुचःमदे व्यहेग्।हेदःविग्।गी द्रदःवर्ळे चः न्ता नेते भ्रिन्ने स्वाप्ययाने वा संदे प्रस्ताया व्याया उत् भ्री निर्देश र्रे त्यमा गुनामित केता सेते त्यहे गा हेता पूरा नेते । गुना के मायमा गुना निते । क्रुंदे कुद यह या अ ग्री में हिया अ या हे अ हिंद अळ र निदे किंद हें अ यगु थ न्वारारिया प्रदेश देवा हेत सार्थे वित्त देव देव से वित्त दुयायदी महिराया वित्र सम्बद्ध स्थ्रीय हो न स्वर् दुव स्थ्रीय हो न स्वर् दुव स्थ्रीय स्वर् स्थ्रीय स्वर् स्थ्रीय स्वर् स्वर् स्थ्रीय स्वर् स्वरं स्वर् स्वर् स्वरं स्वर् स्वरं स्वरं

षायार्द्रेव द्रा । वार्चेम् देर् नाशुयात्र यात्र प्रदे प्रति प्रति प्राति प्राति प्राति प्राति प्राति प्राति प <u> ५८:वितः देशःवर्गायः भ्वाशः देगाः धवेः गावेः इः गावेशः ५८:वर्षेयः पवेः छदः</u> अरेवारवेरवादर्देवरवादेर्भेर्यायादेश्वराविकात्रीरवर्षेत्रा विगाः भेतः भेः भेः रे वि र अद्भारः स्वाया श्वयाः प्रेया हेते अवसाम स्वार्धितः ग्रीश्वान्त्र विद्या वि <u> न्रॅस्याप्यस्य म्यापायायायाय के प्रसाम्य के न्राम्य के न्राम के न</u> वर् न मिल्या मिल्या के स्वास्त्र मिल्य के स्वास्त्र मिल्या के स्वास्त मिल्या के स्वास् वह्याचेराभ्रवशार्वरार्द्धः अर्देश्वेषः भेवत्वेदा देन् स्वाद्यार्भ्या स्वा वरी निर्मे निर्म म्रायक्रम्वियाची भ्रायक्षात्र्रेय प्रायम्य प्रायम् प्रायम्य प्रायम् प्रायम्य प्रायम्य प्रायम्य प्रायम्य प्रायम्य प्रायम्य प्रायम्य प्रायम्य प्रायम् प्रायम्य प्रायम् प् याद्वीयायमें दाखे। विदार्के सदाके प्रया के या पादा विवा धिवा धादा देश वहीं व वेद्राची खें वद्रायाया महेदायर देव देरेया शुष्त्र व्यव स्थेदायदे । वर्त्रम्

यदे दिर्दर्दर्दे वा दिन्त के वा कि वा कि वा कि वा कि वा कि वा के वा कि व

सळ्य. १८ १ स्वा. संदु. वाल्ट. रिवट. वीट. श्रीटा सर्वाय. सं. श्री. श्रीय. वीय. वालेय. मानिक्रामी क्यामानिना व्यामानि नार्के व्यान्य केत्र में दे वित्र हिन मी हिन मी हिन मी न्दःवर्त्रेयःनवेःगुदःहेनःननेदःगःन्दः। र्हेशःन्दःतुदःनःवस्रशःउन्ःग्रेः केंशन्दर्जुद्राचायश्चाचायवे श्वासदाची विदेगाहेत विवाद केंश होट केंग ग्रवश्ये स्थायदी सः क्रुप्य इत्रार्था ग्री के संकित्र दिया विष्ठ स्थाय स्थापित वहें तरि वर्षायान प्रतर्भे के विश्व के क्रॅंश हेट् स्वाया यहँव यहँव स्वाया स्वया स्वाया स् ध्यानु सुरायदे क्रावर्ष स्वरायन्त्र स्वराया विवाधिता वर्षा ह्या देवा यो रा वशःग्रेःह्यःगुःविगःनक्रेन्यःन्दःह्यःगुःनेशःस्रवयःसरःवशःग्रेःविःर्हेगः नश्चना ने निवेद न्याप्य स्टान्य से प्रकेष न न्या स्वाप्य स्वाप देव ग्रामा देव न्या यनेव यदे याव या ने सानु के या नम् सुमा या या विष्य प्राप्त मान यः रहा मु बुव केट हैं के दि की या बाद द दि चुव स्वी व से दि स न्ना र्रायक्षव्यविर्देशे विवासेन्यवे क्षाव्यक्षा के सान्ना चुराना मसस उट्-ग्री-अवर-व्यानी यात्र अन्यन दे क्रिंट म हेट्-पीत्।

द्वे भू रहे त्य विया या निव सं या है श श्री स्व दिव पदी दि पदी न विगान्द्रिंशाम्बर्धान्येषान्त्रेष्ठान्त्रेष्ठा निम्त्र्या वे तुः र्हेरः वी 'द्रेश विस्रसः रेवा पदे 'द्रो सर्वे दरे सुव तहवासः सुः र्रेटः लरा अवदाविवा मित्र सर उव की वर्षेत्र विवा के वा विवा व नव्या प्रदे । अ : धे अ : श्रे । श्रु श श्रु श श्रु न दे । दे र श र्थे द । या व श श्रु या श श्री । वर्ने अ'ग्राव्य अ'श्रूर्य अर'र्से 'बिग्र'गी'व्र 'र्'र रेटें दे क्रुव 'व्र ग्राय शे 'गें ' हैंग्रायायानुग्रामें दाये हेन्या निराहें याया हैं या वहें गानी वन्याया हैं दायी । ग्रवशननः ने से ५ ५ ५ से १ ५ ६ १ वि १ ६ से १ से १ स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप विवाद विवाद वार्य वार्य वार्य विद्य होता है निविद्य होता है स्वाद है से दिस्स वार्य स्वाद विवाद के स्वाद स्व रेगा'रावे'द्रधे'सर्वेद'वदेश'क'स्रिवे'ग्राद्रश'रेस'तु'गर्वे'चें'हेश'सु'द्रध्या' मदेः ह्याद्यः स्वाक्तेः दृर्देशः विद्यान्य स्थान्य स्थान्यः स्वर् स्वान्ये । स्वर मिन्याम्बदाबिमायळेंदा नियायळेंदा नियायळेंदानिम्मादी से सियाय सिर्माय स न्द्रीयाश्वानःची केन्नु यान्न त्यायन याने संने नित्र त्याय स्वान वित्र ग्रा र र्कें अन्ये अर्कें द्रेने र्के रेने केंद्र ग्री अ ग्रुव प्रदेश कें अ इस्र अ था

नहेव'रावे'भेट्'ळेश'त्रुश्व'ह्यूं'यय'क्रु'भेव'रार्यार्वेद'शे'वा

नुसारन्याननुद्वायदे द्वार्त् हुँदायदे हुँ नात्रीय स्वार्थाय स्वार्थाय गुवः हैं न'न्दः नेव न्याननेव प्रते कें या न्दः वेषः निव हैं न श्रूनः वदः यह न यवः र्वेग्रासः केवः रें व्येत्। विंदः यो स्वास्त्रः देवः या देरसः व्येतः यावसः ख्यायानियात्यार्धेन् प्रवे स्टाहेन् ग्री में मिया इसया श्रेया श्रे र ग्रेन् भूनमा वर्केषाविनाग्री वनमायमा हो ज्ञापारा नेवे कु हिंदा न्या वर्षेत्र यार्ने सूरा हो न न न न सूरा है न हो न सामान्या या विवा होत्रयदे अळव हेत्रे ने वा पा श्चाया हिया वी या चल्ता पा सूरा देव न्या ननेव'रावे'क्षु'र्ख्याची'राव्यक्ष'र्केक्ष'क्ष्रम्थरात्य'र्र्ट कु'त्रुन'रावे'र्टे'र्वे'र्घ'र्ट् ५८। रट.क्ष्मश्राश्ची कु.क्रेव ५८ वर्षेट इ.क्षेट सद्य रट पत्रिव श्री श्रा हेव. नेवे पर्के नवे विन्त्रपर पर्ने इससापसाये व से होन पर वे हो व के वे पा हु र्शेट्ट नियं नुस्ति । स्ति । स

र्धिन् ग्वात्रशासुम् शामित्रः यात्रेन् । विष्याः स्वात्रः विष्याः स्वात्रः विष्याः स्वात्रः । हेव विगानी क्षेर पर क्रें र भ्रानमा ट कें म कें मानमा उर्द में कें मानमा उर्द में मानमा है ने मानमा है मी विन् कें रान्तरे द्वारा ही मिले रा कुत ही मात्र रान्य हैं मारा परि ग्राच्यार्थः वर्षः देवाः प्रवे द्युरः पः विवाः वीः वरः रुः ग्रेरः ग्रीः सेत्। वरिः सूरः र्श्वेर्न्य ने हेत्र से दे पर्वे प्रवेशी स्था श्रीय प्रमा भूत पी ने प्रविव पाहत क्षेत्रायान्यया श्री व्यया श्री व्यापी वित्त प्रत्या वित्र श्री वि हेत्र नर्गे ५ र र रे प्रश्र येत्र र येते सक्त हे ५ र ने ना र ये मुन सव स्थान है । ग्राञ्चन्र्राश्चिः अळ्वःहेवःग्रावेः इस्रायः प्राप्तः प्राप्ते दः भ्राप्ता दः श्रुन हो न दे प्यट के श हम श हो अवस श्रुवा मी स्ट न विद पर हिं वा श मदे पर्केष विन रेगा मी र्चेमा त्रा पर्ने न रहेष में इससा मुन मारा धीता

वहें न्यायाया नु शार्रे वा येना विनाया विनायी किना या ने या नि विनायी किना या ने या नि विनायी किना या निवायी किना विनायी ननेत्रमदेख्रिंशम्बन्धेः श्रेंसम्बिन्यसम्बन्धः सेन् ध्यामेः देसम्बन्धः व्या केर रहा मु मुन परे हें में प्राप्त माने। दे प्राने मु प्रमुभ भू मु माने। इते दें त्रे हुं द्रम्म यद्वें वा विवाहे दायदे वे मात्र के माया मुद्राधिम वर्क्क निर्देश्विम्रम् स्रिया हेन्'ग्रेश'ग्रुन'हेर'रर'कुंग्रश्चन्यदे'केंश'क्यश'ग्रे'ग्रव्यश्चित्र'र क्ष्यायर्देव से प्रमें यापि कु यक्ष्व दे के याप्त चुरान वस्य उर्पाय नर्डेशसासाधित प्रिन्ट्रेश प्रिन्गी नित्र त्रि कालेगा प्रिन्य स्था बन् क्रॅंश-५८: गुर-ता-दे-५वा-वीश-८:क्रॅंदे-हेद-रेदे-५व्कॅं-५दे-ग्रेट्-१यश-वा-क्रुनः श्चिर्द्या गुर्दे द्वर्ष्यस्य देवर्ष्ययः देवर्ष्यस्य विष् निहर्भार्थित। क्रेंद्रान्धेन्यान्वित्यान्वनान्वत्यदिनाःहेवत्यति हेवान्धेन नेविः वरः हेवः केरः वर्त्रेयः नविः क्रुः धैयः हेवः केरः वर्त्रेयः नविः क्रुः वर्त्रयः ग्रीः क्रॅंश हिन् हेना या नहेन न शहेन हेन हिन प्रोया नदे प्रच्या सुर विना भ्रुन ही। थॅर्ग नेवे श्रेरप्र रेकें अर्र हेर्गी श्रे केवे वर र्र हे विषा होर्प र्र है विगानसम्भाषान्य केत्र धित्। ग्रामधित चेत्र त्र ने न्या मीस प्र कें न्य वर्त्रेयानवे के अन्तर्तुरान वस्य उदाया भुग्या में दावेन या ग्री प्रिंत्

वरःसदेः क्रेंदः केदः ग्रीः क्षः चः दरः देरः स्वर्थः ग्रीः दर्देशः विस्रश्रः सेवाः सः याद्वेशःगादेः वटः नुः अर्देवः याश्रयः धेवः पदेः नुर्देशः धेनः यावशः सुवाशः ग्रीः ववायानवे रूटानिव यदे वे वर्षे ना से दे ने साई वासा ग्री समय करा वि नम्यः विना नगवः म्यायन्यः विनेतः मेन्नः विन्यः विना ने प्यट निर्देश पेन पानुश सुवाश ने प्ट केंश है सूर पाठिया समुन सी शर्मे हैंगश हो न कु निर्म हे स्ट्रिम मार हेन हो हैं में स्थाय हिया सह व हो साय हिया कु वि प्येता वर परि क्रेंट हे द ने मार्थ मार्थ न के सामित्र मार्थ खुग्रभाने दि में केंद्र ग्री अ ग्रुच परे कें अ द्दा ग्रुट न स्ट अर्कन प्र प्र मुन मासूरासर्वेदासूदायानमाः कम्राज्ञनायते स्टाहित्यी वेदाकम्रादे नश्चुरः त्रापदि गाः हेत् ग्रीः विष्या अरळ रळं दानः विषा प्रस्थे या ग्रुषा पर्या बन्। वे हिंग्र ने न्या प्रश्न व्हार वि पे व क्र क्र क्र क्र क्र के नि क्र के नि वर्क्कः निवे व्याप्ता निष्ट्रमः हो नः यन् वन निष्ट्रमः ग्रामः हा सामित्र विवार यः क्षन् सं नेवा प्रदे वात्र ने देव विवा धेत प्रदे न्याद न्या केत्र में विने सेवा नर-वदःक्रिंशवदः नदेवः यावेशः ग्रीः इसः नविनाः नीः यसः वसः दर्देशः पेदः ग्रवशास्त्रम्भार्मे म्याप्त्रम्भा न्रेस्याप्रस्य देगापाना स्राप्ति स्रित्रे स्रित्रे प्रस् नवे श्चित्र निर्मा मानव ने विकास निर्माण विकास निर्माण विकास निर्माण न नुग्रास्त्री प्राप्त कर्मा श्री प्रदेश विष्ठा मान्य साम्या सामित्र सामित सामित्र सामित सामित सामित सामित सामित्र सामित सामित सामित्र सामित सामित सामित सामित्र सर्द्धरमायादि । द्या यादिया सम्भाति । स्वीत्र स्वीत् स्वीत् स्वीत् स्वीत् स्वीत् स्वीत् स्वीत् स्वीत् स्वीत् स्व याश्चरः विया नश्चेत् नश्चेतः होत् द्वीश वतः हिंशः हो । यदेवः या विश्वः हो । इस्राम्बनायने क्वारेनानी न्देशावस्रारेना मदे वरान् नर्गेषा हुरि यार वर्त विवा विष्ठ से द श्री वर पर्या वर्ष स स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वय स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्व ळॱढ़ॺॱॺॎॕढ़ॱॸॖॕॺॱढ़ज़ॖॺॱॶॖॻऻॺॱॸॆॻॱय़ॱॸ॒ॸॱॸढ़॓ॱॺॖॆॺॱॺॖॱॸॗॸॕॺॱॺॎॺॺॱ रेगामायायइदामवे सळव हेट्रियामवे प्राव्यक्ष केट्रियास गुन मदे न्देश ग्रुग्य ग्री का श्रासे ग्रिक स्र निवा मदे न्देश पेन यावर्यास्य भी देवा ही । यदी । द्वाया हा त्यस । ह्वर । सेवा वर रदे क्रेंट हेट ग्री क्रामविया मी शामान्य त्या स्वापित रहे शासेंट ग्री क्राम खुग्रार्था में हिंग्राया हेगा समुद्रायदे हें हें हिंदा में सम्बुद्रायदे वर्देन खुषा विवा सेवा वे हिंवा राष्ट्री वे सव विवा राष्ट्र सेवा राष्ट्र सेवा राष्ट्र सेवा राष्ट्र सेवा राष्ट्र मिन्य केंद्र देश

अकर्

देन विन्यसन्धानि विन्यसन्धानि विन्यस्य विन्यस्य

रहा ति Raja Ramanan 1925-2004 कुंगराग्री ह्या स्वरास्त्र सर्वे का स्वरास्त्र स्वर स्वरास्त्र स्वर

र्षि स्वरं ते प्वरं भी शिicolaus Copernicus 14731543 र्वे प्यत्र दुः क्रे अप्यत्र पात्र अप्य प्राप्त स्वरं पात्र अप्य प्राप्त स्वरं पात्र अप्य प्राप्त स्वरं प्राप्त स्वरं पात्र अप्य प्राप्त स्वरं पात्र स्वरं स्वरं पात्र स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं

क्ष्याने प्यान्य क्ष्या क्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क

र्शःस्वशःहेःशुःपवेःवदःरुःद्रःववेःळवःसेवाःवोःश्वेःळवःवेवाःश्वे। स्टःकुःवःधेवःवेदःळःळुदःरुःवर्वेःश्वेःश्ववःयवेःवुशःशुवाशःग्रेःळेवाशःयः भ्रें वित्र क् ने स् न न ने ने भ्रें क्वं प्यति वित्र के प्यति न के प्रति न

अन्तरम् ह्या (alpha) ह्या झ्व क्री क्रें न्यु ते सुवा ह्या क्रिया क्रा विवास क्रिया क

र्दिन्र्या [light-year] यात्र अन्य देशन देशा प्रते वित्त हु । वित्र क्षेत्र क्षेत्र

धे से खर की त्वाया ि EPR paradox रे यथ से कि किंदा के स्था के से के से

वनम्भाके न्भान्त्। झैनाअअन्यविष्नन्यविष्विष्

क्रियाया ग्रीयार्द्र प्रकेर प्रकेर ने ने प्रवेष मानवाया निस्या मानवाया यक्र-निवःक्र-तर्वियाः भ्रीयायाः श्रीतः यावतः श्रावियाः यक्रया वहियाः हेतः वर्ते त्यासूरसावहें व हो दाये हों त्यूव विवा पेंदा से दाया वससा हैं विदास श्रीं स्थापन शुः विवा प्यें । दार्के शुशायहं साम्नी दारे श्रीं वा पृत्र मुस्य साम्री त्रुनःमदे कु अन्यादेषा सुने प्येद दया देश स्ट हिन्य देश या ही हा ह रदानी नश्यासर दे नायदे द्वा है वर्ते ना से दे से स्थाय रदा नि द सी स वळर'न'बेवा'रेन्। वर्गें न'सेवे'न्यय'र्षेव'ग्रे'वें ग्रुं रायों ख्वारायका न बुर-दे-न-परे-नगायायन पर्के यानि येन क्षेत्र क्षेत्र में अपी पर्तन परि अपन विगापकर उत् पु सकेश देर रम्भ क्ष्य रेगा मी प्रम्य स्तु स्तर्भ केत विगानि वहिगा हेन शी विगायि वहुर मीन प्राप्त वहुर मीन प्राप्त वहिर के निव है व नकुन्ने अर्थेग्रार्भेग्रास्य प्रमान्ति स्थान्य । स्थानि । यात्रवः र्वेदिः रेगाः यात्रुरः यादः अदः विवाः प्रदः या छेवाः अद्धं रशः ग्रीशः र्वेदः ययरः भूरः है शःरेगः पः वर्गः श्रें विगः पेन नेवे गुरु कः सरः में विगः नेरः रवशःश्चीः स्वरं रेवा वी वावसः नश्चनः रेवा धितः वित्रः सुः वह्वा स्वरं सेवाः इन्स्यायायम् सेस्यान्द्रके स्वापी स्वाप्ति । रेव'शे'र्हेव' Princeton वर्गं के अ'अर्वेदे हें व'गहेर प्रदान क्या धेव मंदे ग्ववस न् स्ट्रिंग विस्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वित के Piet Hut लेश न्याः क्षेयायाः सवः द्वंवः यार्देदः श्र्याः वक्षः वस्याः हेवः विस्रयः केंत्रभेषि गुराना इससारिया ग्रीसायगुरा कृषा ग्री इसार्ग्यन भेषा भिष्टा रियो र्देव दें अदे जिन्न निर्मा पर्दे पा पर्दे पहुन के विवा मेन विद्या हेव की प्रमान ग्राराकेत्र से दे द्वारा स्वार् मुक्तेत्र देश उत् विग्रा कर पे द्रारा ग्राविर प्रविग्रा मी र्चिमान्त्रायद्देमा हेत्यदि रेस्यामी श्रायद्देमा हेत्। प्रस्था केत्र रेवि सामि कें अ'हेट्'डेपा'य'नहेव'व्या चुट्टा कें स्थायकर क्षेत्रा चेट्टा पर क्षेत्रा याट्या ग्राज्याश्वरेशाने भ्राप्तायम् विष्या राष्ट्रिया स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्व ग्री-र्रे-श्रिन्-ने-हिंग्या हेयान स्यान स् ळॅग्याय, पर्नेर लुग्याय थे गाव्य गार्वे य हे गो सर हे र र पर्हे र हे David Finkelstein and George Greenstein मिहेश ग्रीश कु भ्रीत प्रविव प्रवे प्रदेश हो मुत्र कु स्र है प्राप्त प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे वर्ग्यमायम् वर्षाद्रमेन श्रीत्र मुक्षान्य मुक् ग्रथार्से र रहत परे कु अळत विगाने पर पर रहे भूत क्रुर ग्रेश ग्रेश न्मे र्बेन्दि नक्षुन्त्र मान्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य न्य क्ष्य क्ष्य

न्देशावस्थान्त्री स्वाभावव न्यान्द्र वर्षे न्या स्वर्थान्त्र वहिना हेत गुन रहेता रेना पदे स्टानि । यह अपी अपी प्रामी विषय ग्री इस मानमा नेता वहिमा हेत मुन रहं वा रेमा पर विवेश तर मानस न धर रेगार्थः वेन प्रह्मामे प्रवस्तु विषयः वेन स्वास्तु स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं यहिरायदे स्वाया कः विया हि द्वारादे खुद र्सेट यो देवा स्वाय यो इसायावया ८८ श्रु र र रेश ८ १ से दे र के दे पहे वा हे व छी हमा य वे हवा य वे वा से व मन्द्रा दे निविद्यायाया से द्राप्ता मान्या प्राप्त से द्राप्त से द्राप्त से द्राप्त से द्राप्त से द्राप्त से द वहिना हेत ते सुरस्त्र म्यायसेय विष्य द्या मार्से द से होता है त से प्राप्त से स्वर रेगा नी पर्ळेषा विवाग्री प्रव्यासातु हो समस्यान्य विवेश स्टार्म विष्ट्रिया हेता गुनः खुंत्यः रेगाः सञ्चानः इस्र शः ग्रीः इन्तवे विकरः हैं ग्रायः नृतः स्र शुद्रा वितः क्रॅशल्ह्मी हेत्र श्री विस्रस् श्री श्रमा समार विमा धेत रुट र्टर से श्रमा सम्हर कु नक्केन्द्रमा अवस्प्रदेगा सदे नकुन्दे अ की न्वर नु पर्वे न्वे मासर वर्देन क्रवःरेगांगी वहिमाहेव ग्रुन क्रवःरेमा मवे वटा नु नु सरम् से भुः

राक्षेत्र-देग्न अक्ट्र्य-तद्देन-क्रिय-हेब-वीश्वा वृश्य-श्वा अश्वा निर्म्य क्षित्र-त्रे अहित प्राप्त क्ष्य क

म्बन्धित्याम् अत्तर्द्वाहेन में त्रिया प्रमानित्र क्षेत्र प्रमानित्र क्षेत्र प्रमानित्र क्षेत्र क्षेत

गुरु-भेग'यर्थ-गुर-पर-पर्देन दवे-गें-र्वेर्थाया ५धे-रद-रें- Fred Hoyle र्भःतुःर्नरःरवशःग्रीःवहिषाःहेतःग्रुवःद्धंयःरेषाःपवेःस्रिष्या न्नरःकेवःर्यः नुः सः प्यरः दर्द्धः यह्वः यदिः इसः यविषाः यदेः मृदः यहेवः होत्यावन नेता देन देशस्य प्रति क्षे प्रवास विषय । वर्ने दर्से दे वहिषा हेत् श्री विषा अदे श्रूद नदे क्रें र ल जित्र से व से वा वी । क्षुःकुषःगर्डं भें ने प्येव ने द्राभूनर्या पहेना हेन गुनकुषा भेगा पा ह्या नाया के'नश्कात्रिन्थ्रित्थानी'क्रुन्थाकुन्द्रित्यानी'क्ष्यानेथा वनराम्था केत्र रेवि दस्य पावपा पर्ने पारक्ष्य स्था स्था प्रति । सूर्व स्था स्था प्रति पारि । नुमार्थित्रायित्येत्राचेत्राचेत्राच्याः स्वताः विश्वेत्राचेत्राः विश्वेत्राः व विनायह्यावरान् अर्देव शुर्या शुर्वित निवादित है । के साम्रवास विनादित र्देव'सर्केंद'त्रेन'धेद'रिये'सर्केंद'र्दे'सर्केन'रुद्र'विग'धेदा स'सम्रद यापान्य के रायने स्वा अर्देन शुर्या के नित्र निर्माण निर्देश विश्व नसूर विगागी वर हैं र सूरा इर में विगा हो र पिये क से वर र हिराया कर बेर्प्यवर्पवेषातुरप्राच्या

र्यन्त्रं क्षात्र्यः व्याप्त्रं क्षात्रः व्याप्ते क्षात्रं क्षात्

न्हें न्यावियार्थे में विवादि बर्वे न्याये स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर् मक्त सें यम हेत सें केंट रायम मात्र राय क्षुत राय दे भीता हिट र वसग्रामान्त्रे भ्रेमान् विगानीमानुमानि वसानि वसा यामुन् न्यून निमान्य व्यास्त्र विष्या विष्य विषया विषय विगामी शरार्के वे प्रहेगा हेत प्रदे प्रहेगा हेता प्रश्र शकेत से वे क्विं प्र यश्रुभ्राक्षिरावर्क्षः निवन प्रते श्रुः स्वन श्री स्वर में विना प्रवास मन्त्र क्रॅशन्दरअळ्वाकेन्द्रेनासदेगाबुदासुम्बर्ग्याश्राम्यासदेगान्दर्भेदेन् गर मी मुन अवद विग में वर दिया हेत कग्र खुंय मी क्षेत्र अव्य रामारासरा मुराबेरा। स्रासेदेशम्या स्रास्ते स्रामाविमा मीश्राट र्सिय प्रहेमा हेत् मी मिया शाद्र है ये वह मी से स्थापित मिले हैं। यात्रा भीर रर मु मुन परे मुन पावि विवा मी अर्कें व मेर पेव पर र मेर र गठेगानु नेते कंन त्यः क कुट नु नर्गे के मुन पते मुल स्र म्या स्ट स्था स्र म्या स्ट में विवा नव्यान्य भारे द्राया प्रमान्य भारत्य व्याप्य भारती सम्मान्य सम्मान्य भारती सम्मान्य ने निवित खुः क्षं दशः प्रवसः निवा सुना वे विदेशा हेव निर्मे निया से स्वित प्रवे इस्राम्बनायद्रासेन् तुरा सुम्राम्बन्यात्रेना तुःसूरानदे प्रस्यार्वे सूप्तासुरा वसेत्र परि खुग्र अप्य दर्गे अप्त अग्र अहिंद विद विष तुर दु तु गुन परि ने अ र्रे त्यर्थात्रहेगाहेत् श्री त्ययेषात्युर श्रुट तत्र त्या सेस्र त्र रासेस्र श्रुट वस्थार विष्या स्त्रिः स्त्रा स्वर्था वर्षेत्र विषया स्त्रा विष्या वर्षेत्र कुंवायवत्यावदेवे सेयमान्तर सन्दर्भे न्द्रमाह्यावशुरशी न्द्रमा लूर्यायश्चित्रायात्राधिरश्चायित्राश्चर्या यहे.याष्ट्रेश्चरह्रायश्चरा ॻॖऀॱज़ॖॺॱॾॕज़ॱज़ॱॿॖॻॱॸॸॱढ़ॸॕॸॱॸढ़॓ॱढ़ढ़ॱॸऀॻॱॻॊॱॸॸॕॺॱॻऻऄॕॱॾॗॗॱॸढ़॓ॱॻॗॸॱ सवतः न्रा सक्र मा विवा से वा वा ना सवतः ने नवा वस है वा है वर यानहेवामित कुं न्दा के वार्ष कुं न्दा के विषा यानहेवा वर्ष यहार ना कुं अर्द्ध न् नवगान्या यहेगाहेन ग्री प्रयोग प्रशूर ने प्यर हेन प्रशूर गी रहें या हैन गिवि या न बुद व्याप में पानि प्राप्त में म यन्दरने असे वाहेशगार वहुग

वसेव्यामव्यक्तीःरेग्रायाकुत्त्रत्य्यकुत् अत्य क्रित्यावर्यालेयाकुत्या धुः र्द्धुवाशः क्रुवाः भः नदः। ने प्रविवः यसेवः अपिवः ने वे भः अन्यः ववाः नदः श्रुवा यरक्रम्यारम् विर्मेरम्थेनर्रा मेरस्या यरक्रमेरविरम् विगायानस्र र्पिनाम नेन स्निन् ज्ञानियात् ने मात्र न्यू माययात्रेन गलुःगरःविगाधिवः सेवा गलुः वेगाने सूर्यः प्राप्ता व्यसः संस्थार स् ने'व्यार्थ'र्क्षण'र्मी'नेट'रस्थ'स्रेस'नर्द्धग्रस्थित'नेट'विग'णेव'सेव'र्सेग्रस' ग्रेंदे न सर में त्यों द स क्षेत्र प्रेंद्र प्रेंद्र स्थित। यह मा हेत क्षेत्र में र ग्रेंदे न दे द मा त्य नेवि नेवार्था वर्षायाया वर्षा मारायने व्यापारा केर्पाया थेता वाल्य प्यापार गर्रें में अर्गेद में मुं क्षुन ग्रेश न बुद नदे क्षु कुंव विग वा अदश कुंश ग्रीशायवायायहरायदे कुष्यळवादे दे पारे प्रमाळे शाह्मश्रश ग्रीपिश र्थेन् स्वाम् ने दे दे ते ते न श्री मा या न सर परे न परे से स्वाम नर्डेयार्षेत्रम्भ। यम्याशुर्यायार्षम्य स्टामुः श्रुनः वेदः नदेन् सरः ग्रुनः मदे ग्राव्यामिक स्वाप्ति । स्वाप् डे.च.डे.क्.र्ने.क्.व.रे.स्रीया.क्रेट्या.व.वट.सप्ट.याबट.खयाया.की.स्र्या

ह्यः अवः गठिगार्वि वदे श्रेटः गी पहिगाहेवा

क्रुं त्र में देश विद्या क्रिं त्र क्ष्य क्ष्य

१ नन्यान्दरविषाःहेवःहयाःयाधिवःवया १ रे नित्रान्दरवहिया हेत्र से ह्या संधित द्या ३ रे नन्नान्दरव्हिमाहेवहनाः शेष्ट्रमामहेशामाधेववया न्यान्द्राक्ष्याः हेत्रः ह्याः श्रेष्याः याष्ट्रिष्याः याष्ट्रेष्याः याष्ट्रे ५ न्न्नान्द्रवह्नाःहेत्रवः र्वेनाः स्विनाः धेन्न्या ७ नन्यान्दरवहियाःहेतायः वियासिन्द्रभा ये नन्नान्दरवहिमान्त्रेत्रव्यार्चिमायार्धिन्यन्दर्भन्यमित्र्र्भागाधित्रत्या 1 नन्यान्दरवहियाःहेदायः विवासासेदासान्दरवियासासेदासाधान्यसाधिदाद्या () ने निविद्याने वायायार्शे द्यायारे हे या शुपाद्यायया १० रे ने निविद्याने वार्या सम्बद्धाः स्था स्था स्था स्था ११) रे निविद्यानिवार्यास्त्रित्यास्त्रे हे सासु वाद्यान्य सान्द्र से वाद्यान्य सानिकार्या क्षेत्र व्या १२ रे निविद्यानियास्य में दस्य प्रति हे सासु से माद्य स्थानिय प्रति स्थानिय स् १३ रे सेससादी खुरान्दा परिवासाधित दस्य

१८ रे असमान्दासुमान्द्रान्त्रिं के माधिवावस्य

वद्यम्भवद्गद्गाहेव क्रम्यास्त्र म्या स्त्र म्या स्त्र म्या स्त्र स्त्र

नश्रव नर्डे अ गार्डे ने वे श्रिव न में व न ची मा गावे व ची अ अहन परे के अ सर्दिन संस्थित। र्वेन स्विन स् ख्यायावियायहै। रुयायिं रामी प्राविद्या विद्या दिया है । विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या शुःगर्देग्रथः पदेः ग्रथः स्यायः हैं हे चेगः पदे नसूतः वर्षेयायाः केतः प्रायः नन्द्र्रेयाया अद्याक्त या ग्रीया दुया विद्या ग्री प्राविद्या में विद्या स्थया गश्रम्भागम् गत्राम्भागम् गत्रम्भागम् विष् इस्र मान्य स्वाप्त स्व नेत्। तुश्यान्यश्याद्याविवायित्वरातुश्यादित्वीः तश्रुव्यविश्वादिश्या इस्रयायेग्यासुराग्ने अत्वरार्वेत् प्रसुराग्ने स्वर्थाः विष्या र्ने ५ मी अरम मुम्रान्स्र प्रतेष्ठ पर्देष्ठ प्रतेष्ठ प्रतेष्ठ प्रति । र से न है न पे के न से से दें प्रति प्रति प्रति म हे न सुन रहे व सी म निर युग्रायाकेन्द्रा श्रीत्रभूत्रया त्यायह्याश्चित्रवि श्रीत्राचीत्रा पित्रपार्हेग्या सर्वेटार्श्वेटा अन्यादेरास्ये विष्याद्वा स्थानिक विषय स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स यदे में हिंग्रा बुर र अ विगार या भें न देते हिर र अ क्षेत्र न देवा गहेत् श्रीशन इस्रश्रामित सदि सदि मित्रिम् लुद्द स्थान्त्र स्थानित्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्

सर्दि सदे वहेना हेत् सुन खुय देना समा सदे में या से न से प्येत सं ५८। देवे अववायिं र.५.हे अर्५ स्त्रुप्त यात्र अर्धी या त्या शास्तर यो श नर्भेर र्षेर प्रराचन्त्र इस मन्ना विचायरे मन्निर चन्ना द यहे गाहे द शे से नर-विन्धित स्वि कुयार्थ से राम्य ग्री क्षित्र विन्द से साम के दान वि वि नेवे वर में क्रिं क्रिंम्य ग्रे म्रीट केव वे ट केंदि अवे में त्य पीवा म्रीट केव परे क्रॅं ने ने त्यवद क्वेद खर पाई राने राज क्रें र प्येद या दूर ने द्या पी जर द कु सर्कें के देश मिर्या वहिया हे देशी विस्था वहीं या देश या विश्विया व्यान हे द ल्रि:इर्। वावश्वाविदेः पराचर श्रूर श्रूर परे वर हुर वी व्रश्नेत्वश ग्रीभाष्यरावित्रविष्यार्षित्।यरावर्ति । श्लेवात्रवित्वात्वित्वात्वित्रात्त्रीयात्रवित्वात्वित्रात्त्रीयात्रवित र्वेदशः र्द्धनः द्वान्य दे निवान्य हिंदि स्वानु हिंदि से स्वान्य स्वान्य स्था यादमेयान्वराबेनास्य विवासम्बद्धा

नश्याम् र्हेन्द्रस्ति स्वत्या क्षेत्र स्वत्य स्वत्

यहूर संतु संतु संतु मान्ने संह सं क्षे का का स्वार संवाद सं

क्रीन्त्रः भीताला हुँ भावसान्तरः निवास स्थान स्

स्यितः वाश्वरः स्वाववाः देवाः वो स्वरः क्षुः स्वरः विसः क्षुः स्वरः विदः वाश्वरः वाश्ववाः व्यरः विदः वाश्वरः वाश्ववाः व्यरः विदः वाश्वरः वाश्ववाः व्यरः विवाः क्षेत्रः स्वरः वाश्वरः वाश्ववाः वाश्ववाः विदः विदः स्वरः वाश्वरः वाश्ववाः विदः वाश्वरः वाश्ववाः विदः वाश्वरः वाश्ववाः विदः वाश्वरः वाश्ववाः विदः वाश्वरः वाश्वरः वाश्वरः वाश्ववाः विदः वाश्वरः वाश्वरः

न्दानानहरूषा विवाया अर्देन प्रते सुवार न्दान्त राजे सुवार । यादेशःगादेःवरःवहियाःहेवःग्रीःवग्नुरःष्ठिरशःवःषःकुःक्वेवःर्यःवियाःच बुरः वशा टः केंद्रे वहिना हेव वही वहिना हेव विस्रास्त्र मार्स्स वस्य वह सामित्र वह व मी मिर्चिम प्येत प्रति देश प्रदेश में मुश्येत्। श्रुम्य मिर्मिश मिर्मि स्ति मिर्मिश मि हेव ग्री विस्रस ग्राह्म त्यारा विद्या स्वर्थ देव ही विद्या हैं व सूर्य हैं द ग्री सुरा ग्री स क्रॅंट के त से दे पदि वा हे त की । प्रथम ले या पदे वा क्रूंट पदे पत्रीं वा क्रेंट क्र नीटा र्ट्य.के.क्षताजात्री.धु.यह्या.हेष.ग्री.विश्वरार्टेट.वी.र्येट्ट. यस्त्रस्त्रा ने वर्तः भूरः म्रार्थः यह संत्रः वर्षः प्रदे वर्षः म्रेतः विस्रार्थः प्रदे यर ख्याया विया माया विया खेता होता देवे ही रात्र प्रायं का त्या न-१८ वा वहिना हेत् श्री विस्रका द्वेया से वा साम सम्बद्ध सामे द्वारा नकुन्देशन्वर्थाः ग्रीन् राष्ट्रम्य स्थान्य देश उत्र विवार्षेत्।

यःगर्हिग्र्स्ट्राम्यस्यः शुः नेत्र्याक्ष्यः स्रे स्वाद्याः स्वत्यः स्वाद्याः स्वत्यः स्वाद्याः स्वत्यः स्वाद्याः स्वत्यः स्वाद्याः स्वत्यः स्वाद्याः स्वत्यः स्वाद्याः स्वत्यः स्वाद्याः स्वत्यः स्वाद्याः स्वत्यः स्वाद्याः स्वादः स्वत्यः

देवे भ्रेरव्यापवे वहेगा हेव ग्रुव छुव रेगा पवे वय वहेगा हेव ग्री पिस्रश्र ते कु ते मार्चे दे हो सदे है य मार्थ या स्थाय सर नदे के के या लूट सर या वर्षा वर्षेत्रा स्वेत स्वी प्रयम् ने निया स्वेत निया क्य विवा वी वर खेर प्रवे क्ष प्राप्त खेरा क्ष क्य वरे प्रवा वी श वहेवा हेत्यायाम् मुन्त्र्वायाये विवासिन्यम् विवासिन्यम् विवासिन्यम् ग्रायानु स्वाद्या विद्या हेत्र म्रिया म्रायाया म्रायाया प्राया प्राया स्वाद्य स्वाद मालेगार्थेन्न्या वरामदेखेन्द्रियाक्ष्रावहिगाहेवायाम्यास्यास्यासेन् न्या धरान्यम्यायवराधेन्यावेषायेन्यम् राहेवेयहेषाहेन्यने सु यवतः सेन् सम् मुन्य । यन्त्र मुन्निन्य यन्त्र मुन्निन्य । यन्तिम् । यन्तिम्यम् । यन्तिम् । यन्तिम् । यन्तिम्यम् । यन्तिम्यम् । यन्तिम् । यन्तिम्त नरसाबन्धिराधेनाः क्षे अवराश्चनाः हेनाः हेना सेनाः निरान्या केनाः नु कवाशासमा टार्केंदे वहेवा हेत वहे जेंचा सबव से टार्स व सुर सुत हो टा यदे प्रहेगा हेत विगागी क न्या धेत त्या क्र के निग स क्रिंग न प्रहे क्रिं

ब्रैन्यः वर्षः वर्षः वर्षः क्रिंतः क्षेत्रः क्षेत्रः वर्षः वर्षः

डे त्र विग पेत सेत सँग्रा ग्री दे न सर में विग स्गा पेता

नु अरम् अरम् नु व राये व्यार क्षेत्र राये क्षेत्र स्थित हो व र से क्रिंशः वायाया श्रीका यहिया हेत्र पर्योद्धार्य स्टिन्स्य स्वाया स्वाया स्वीतः स्टिन्स्य स्वाया स्वीतः स्वीतः स्वाया स्वीतः स्वतः स्वीतः स्वीतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व ळ्ट्र.जै.ट्याया.श्रुय.प्रयाश्रायदे.जश्रायथ्य.यावेष.त्या.स्या ळ्ट्र.श.स्या वर्वायान्।विंदावीयाक्तुःवादाकीःविदेवाःहेत्रावर्गेन्यार्थवे देदास्वायाण्येया वहिवा हेव नर्गे द नर्भे प्याप्त स्थान ही पर्शे मा स्थान हो वा निवास हो निवा न्वाशः क्रेवः के नः इस्रान्यापाः पर्दा सर्देरः नसूत्रावरा निवा वहिना हेत नर्गे द नर्भे प्रें प्रें द प्रें के के निक्ष मान्य मान्य मान्य प्रें प्रें द र्ध्व-5-अँट-नवे र्ह्व-देवा वेवा वीया धुवा वह ग्री-विया पान्ट श्रीवे न्ट्रिया ग्राबुग्राराण्ची प्रहेग हेत्र म्रुवा हे। र्ग्रोकीर पर्वेद प्रविद्या कर्दर प्रदानर ने महिरामें में अरव मी क्षेत्र प्रमानी के मिर्ने के मिर् गहेशला व्याया न वित्रात्वा जिन् के वार्षित लें चित्र प्रवित न गहेशायाकुणी ग्रेन्याथ्वा

चुर्रावस्थायरे नभूति प्रेति विवासित क्षेत्र क्षेत्र विवासित क्षेत्र क

तुनः र्श्वेनाश्चा नावनः प्रदेश्चेनाश्चनम् न्याः द्वेनाः हेनः प्रदेश्चेनाश्चा नावनः प्रदेश्चेनाश्चनः प्रदेश्चेनाश्चेनः प्रवेश्चेनाश्चेनः प्रवेश्चेनाश्चेनः प्रवेश्चेन्यः प्रवेशः प्रवे

श्रुवाद्यश्चित्रः क्रिंशः श्रेत् श्रेशः श्रुवाशः श्रुवाश

नर्गे द्रारा से वे खुन्य अपदे व सार्के अ अवता अहुना के अ छे द्रापदे परे स न्वीं अर्थाविंद्रयी अया अव्यान विंद्रा विंद्र विंद् र्वेग्'स'वेग्'कु'प्रक्र्य'ग्री'प्रक्रेप्'नदे'र्वेग्'सर'नव्ग'द्र्य'कु'प्रक्र्य'ग्री' क्रिंश हेर त्यश प्रत्या सदे कु नाव्य विग र्षेर मा अध्य स्वर स्वर श्र नश्रुवा र्वेगायवयाकुः १८ में १२ वि कु क्रेव १ व्ययमा व्यव १ वि स्वर हिना यन्दरम्भ नवे दे विष्ट्रित्य विषा धित्र द्वीश दे स्ट्रिय धित्र व देवा यदे नित्रा के नि की के अन्तर कुर नि मुक्त प्रदे कु अप पर ने त्या है क्षेत्र पिन न्या श्रुमःन्येवःक्र्याचायाः ग्रीयः स्टायक्षवः यदेः कुः भ्रेषाः यदिः यदः विषाः यः कुः त्वर्या ग्री हो न त्यरा ह्यें न से मुना सर्मा सर्मे न स्था हुः र्वेगायाविगामविरादिवायवे सुरक्षयादि राष्ट्रभूराम् राज्य र्जुरायवे ग्राज्यारायद्राराये केंद्रिन्यम् केम्प्रित्यायार स्वाप्त्रायायाया स्वाप्त्राया स्वाप्त्राय स्वाप्त्र स्वाप्त्राय स्वाप्त्राय स्वाप्त्राय स्वाप्त्राय स्वाप्त्राय स्व

त्यास्त्रयावित्रात्ते स्वित्ते त्या श्रुव्या श्रुव्या स्वित्ते त्या स्वित्त त्या वित्रा त्या वित्र त्य

नुःश्रॅट्रानवेः क्वें स्वा डिवा सेन्र्यवे क्वें व्यन्ते खेवा स्वें वर्त्तः श्रॅट्रानवे क्वें स्वा डेगायी अप्यहेगा हेत प्यने न अनुतर्भा मिन्या में अपन्य प्येत न अपन यदे प्रद्वे क्वें देया हैया या बेर प्रविया व रे हिर क्व प्रविश्व के शहर यश लूरमाश्रीतर्यातालाष्ट्रीयान्त्रीयान्त्रीया क्रीत्ययाजीत्राच्यात्राच्यात्र श्चेशःतुःह्याःयःवियाःयोशःकुःवत्रशःयः भुगशः क्रेत्रः वेत्रशःयवेः तुर्शःयः सेदः नशःक्रिंशः वादः पदः वर्श्वेवः पः ददः वर्शेवाः पः हो दः श्रेः नुश्वा वाहेशः या श्रेः हवाः मदे मुन प्येन हेन हेर प्रमेण मदे प्रहेग हेन परि मुन मदे मुन प्रमेन ने न्या ग्रम्स्य स्थान्य अस्य स्थान्य प्रम्य स्थान्य स यश्रियामा कें राजीयाची राकें राजार प्यार सुराज विवा न सुरा से प्राया स व्यासदे मेव ग्रीया स्वा कु दर मेव ग्री पर् केंग्या या विवा मीर्याद्ययात्राची प्रमाप्ता विमाप्तसूत्र विदा देगिहेयाची प्रमाण सुत्र सेंदर मी रूर निवेद उद मी प्रमेय निवारिय पर रूप रूप में मूर्य रूप में विवास बेन् ग्रेक्ष प्रहेषा हेव प्रनेष क्रिंत न् केंद्र निर्मेष केंद्र प्राप्त केंद्र केंद्र प्राप्त केंद्र वन्य भागी वने वानवि से दाना समय से दान में हेन वन् दान में कि माने दान यविरःयवयाःवरुषःवहियाःहेवःवदिवेः चैयाः सःहैयारुषः दर्गेरुषः सरःयाशुरुषा विर्-र्-तसम्बार्यास्त्रेश्चेर्यात्रः विमा क्रिया वस्य स्वयं उत् ग्री विद्या वार्रिशाविद्व ने ने नामराभी विदेन प्रिय के निविद्य निविद्य के निवि

क्ष्य-द्रयाः याद्वेशः याद्रः याद्याः सक्ष्यः स्थाः स्थाः प्रम्यः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्था यादेशःगारुः इति कः वर्षः वहीयाः हेवः वर्गे दः यः येविः देदः ख्यारु। पर्यारे। येव प्रवेश्यळव हे द रेगा प्रवेश्य दश हुँ ग्राया हूँ या वर्षे हे ह रे वे रह राय या न्वीयायावियायेवा धेवाधारा द्वियायायादेयाव्याययरायायाळेवार्थारा *क़ॖॱॿॖ*ज़ॱय़ढ़॓ॱॿॕज़ॱॺॱढ़ॏज़ॱढ़ॱॸॕॺॱढ़ॾॖॏॺॱढ़ॺॱॸॆढ़॓ॱय़ॱॸॕख़ॱख़ॱढ़ऄॕख़ॱ विनायानुयामाधिनान्। यहेगाहेनायने त्यान्तान्त्राम् मुन्याने सुनामिन र्भात्रम्भवर्गः निवार्धेर्यः स्वार्थाः वस्त्रम्भवरम् स्वार्थाः वर्षाः विवार्थाः वर्षाः वर्याः वर्षाः हेव गुन रुष रेना सञ्चान रहें या हिन नु तसमाय परि रहें या हैन सुन्त विमा वहिमा हेत मी भें मा अदे मु प्येत पा और वर्दे द न वित द निका के त में द दिन दिन के वित पा के त में का वर्रे वे वहिना हेव नर्गे द स सेवे खुन्य र ग्री नर्गे द स से द द निकेश स सेव र्टायहेगा हेव नश्चव रावे क वया हैं या वा श्वर दिया या या वे कें या हेर वरी प्यट वही वा हे व न में दिन स्था है दिन स्था

र्वेगायाधेवासेवादादुराव्यापार्वेदा होदायवे दुयाया ववसासेदा दाक्षार्थेदा यदे वर्गा मार्के न स्मान विवाय वर्गी मने वर्ग मार्ग वर्ग मार्ग के स्मान मार्ग वर्ग मार्ग के स्मान स्मा श्वरःकुवाविवात्या रःकेंद्रियहेवाहेवाच्चेत्राच्चात्रस्य वर्षेत्रः हेन्द्र उटासर्वे विरा क्यायान्यायदेःयावयाः सूर्या नेया यया यसेया यसुर सुराया वित्राधिता वनरःगशक्तेत्रः वित्रस्यामावनामी कावन् स्रीतः वार्षिन हितः सुनः नवि नित्र न्यरः अः क्रेन्यः न्रार्वितः र्वे अः न्रेस्यावस्य स्वायिते विः क्रिया या विः विः न्रा क्रिंशः गुनः ग्रीः इसः गविगः गिर्रेशः पेरिशः शुः गरिगः श्रीयः सः ग्रुशः नरः नु यदेर्न्यमें द्रायदे यहेवा हेव न्युन छुष देवा यदे दे न वाद अद बिवा वा बुवारा विद्या भेवा भवे विद्या विद्या या या विद्या या य मी विनार्विरश्राश्री वरासदी कुल यायावहिमा हेवावने की हेवा गवि'नर'श्रूर'मिश्रश्र'द्रा शःकु'शे'क्कु'क्क'नदे'वर्गुर'न'नवे'नठशः पर्वैद्रायश्रश्राकं त्रश्राचीय। यर स्रैद्रायश्रश्रायश्रायश्रीद्रिद्रः याविष्ठः इश्रश्राचीः यावर्यायावि प्रम्युरा स्था सुरावर पर्रेत्। तुर्यायि स्था स्था वर बूट हे 'ॲटरा शु बूँट प लेग स जे दार न कुट जया ही ह्या झर न बूँट मवसानरः सूरावी ह्यानेरावावशार्थेत्। ह्यासारवाने हससान उत्तरासा यदुःयाञ्चयाश्वारुत्युः स्वाद्यास्य न्दाःयद्यायस्य न्दाः वदाः वदाः स्वाद्यायस्य वर्रे हे वर्त्युर्न न वि र्थे वर्षे वर्षे वर्षे म्यूर्न प्रवेष्ट्र हे वर्षे वि व भे की श्रायवश्रात्त्री विष्ट्रात्त्राच्छी स्त्रूर्या के स्त्रीत्त्राचित्र के स्त्रूर्या विष्ट्र के स्त्रूर्य क

र्श्वेन'न्धेन'र्र्षेन'र्श्वेन'श्चेर'ग्वेर'ग्वेन्ट्रेन'र्वे'त्र्युन'न' रुट्या क्षेत्रा विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया नुग्रायाः ग्रीः स्टायितः पुर्वेदः विद्या विद्युद्धः याविष्वे विष्यायाः विद्युद्धः विद्यायाः विद्युद्धः विद्युद रेंदि'गुन'क'रु'नहें अ'द्रअ'दर्ने'गिहें अ'ग्री'नर'ल'मिंट'में अ'हिट्'पर'हें अ' र्थित्। ययः केरः वा त्रुवाशः उतः श्रीः नर्देशः सें विवा वी स्ट्रेटः तुः वतुः तः केतः सें नले निर्वे निर्वे ने स्वाया कि ने स्वाया कि ने स्वाया नुग्राश्री मुद्रम् न्या न्या ब्रम्पा न्या क्षेत्र में द्रा में प्राप्त में नुग्री सुग्री सुग् यानहेत्रत्रात्त्रुरानानि संस्थानियान्यारे सात्रात्रारान्यान्या रेअ'नर-५'वर्गुर-न-५५। दे-५ग्-रग्रथ-प्रवेग्ग्रय-रेअ'र्य्य-वरिः ग्रवश्रियानरानु देशायशायर्षेराविषा हु र्शेटावश्राश्चरायटानराञ्चराषी। ह्याक्षेट्रप्रित्रवर्त्र, प्रविषा नर् श्रूट्र्ट्रिते ह्याक्षेट्रप्राक्ष्रका कम्ब वहिनानी न कुन्ने अर्डियार्से विनिदेश हेत्र निविधिता स्वाचे रामदेश श्रुन

वर्त्रभाग्वत्राक्षात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भावत्रम्भावत्रम्भात्यम्भात्रम्भात

वदःक्रिंशः ग्रीःवहिषाःहेवः ग्रुवः द्वंयः देषाः धर्यः ग्राह्वः यः धवः धवः वहिना हेत वसे या वसे ना सी निर्मा कर्म निर्मा करा मुक्त प्रमा सी निर्मा र्रे.चीय.राष्ट्र.योष्ट्रश्चेयका.स्टा ट्रे.वका.योष्ट्रश्चायका.स्ट्रिया. यदे वात्र अञ्जान्या वहिवा हेत विस्र स्वास्य स्वास्य विवास व्यापित स्वर न्य र र्क्षेट्रमित्रम्बर्भम्बर्भाग्यस्था मान्यस्थान्त्रम्बर्भाग्यस्थान्त्रे स्थित्रम् ग्रवशः भ्रवशःशुः वरः भ्रूटः ग्रीः ह्यः इस्रशः ग्रवशः प्रः प्रः दिः प्राः यशः श्रूरः लट.यह्मा.मुव.याश्चर.स.बुचा.मी.या ब्याश.वव.मी.कूश.वश्वरावरीया नरःश्रूदःनी ह्या श्रास्तादे केंद्रि वदः द्रिंश विस्र राग्ने वहेना हेत द्रिया सेंद्रे इन्दि कु न्वावराधित वहिवा हेव वही प्राप्त वारा वारी से दे सुर से इसस ग्री गुन र्रुवावाव विवास निर्मेत हो पर्देश विद्या हेन विदेश कु रु:शॅट:ववे:ववुट:व:ववे:सॅ:व:वर:श्रूट:वो:ह्व:श्रूट:ववे:वट:वः नर्जे-न्द्रीन्यार्वेद्रायदे तुयाया है क्ष्र्यार्वेदायदे नक्कून सेया नेयान्या गर्ने ८ दर्गे श

नरःश्रूरःगीः मुखाद्यः रनः वदे : र्केंदेः नुषाः शुग्राषाः हो। त्रागः याः श्री र नहेन नश्य महेन की नर्जे नर्जे नर्जे नर्प ने वे नर्पे कु अर नर अर आ श्चे प्राप्त त्र्री क्षे प्राप्त के समा उत्तर्ग विषय अवत्त्री के सामस्य प्राप्त गुना वह्रअसिटानी न्देशमा बुग्या ग्री अवर बुगानी कुने प्यर ने न के नरःश्रूदःमीः मृषः श्रः रतः म्रथ्यं रहे या अवदः या धीम् स्या श्रः रतः दे रहें। वनरम्बाराकेवार्से (वहिनाहेवारी र्वेनायम्विनाधिवादावा विवाधिवात्वा ग्राम्थानरायान्। देवारे सम्बेवानु विना तुः से दानि विना हेवा विगानी भूगा भुवा धेवा दश में र्डिश या यहिना हेत गुन छुवा देना पा ह्या न विवादः १ अः ग्रीश दः वेदि । वेदि वा हेदः विदे । विदः विवा निवा निवा । यशः तुरः नवे वसेया वर्षेना ग्री नरा नवेत नु वर्षे न पवे सु रहेया या कुना श्चिर्चेर्चेर्चेत्राचेत्राच्या द्वेत्वर्ष्यायावर्ते ते र्वाय्वेर्यस्यायाची वर्षे मी म्याधार्या स्वाक्षेत्र प्रवे क्रामावना प्रायद्य

व्रै शर्डे वा क्षें न्यों ते व्र श्रान्य क्षें न्या क्

मः इसः न्रें न्र ठ्वाप्या ठेया यो सः न्रेंदे त्रहेया हेव ग्रे वे यो सदे क्या सः रेस्रायाविनायह्याचेराग्री य्यायान्याचीयाचीयासेयावन्याच्या रादे-दिर्भापश्रमाग्री-क्रूमान्नियान्त्रियान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रम्यान्वयाः ग्रथर्भः विग्रापर्केषः कुःषः रग्राष्यश्यर्भरदित्। ययः केरः विरेष्ट्रिः वरःसवःद्धंवःवनायः नः सुरः नवेः सुः नवेः नर्ते न गेनिः गिरे यः है। स्रे यः गुनः न्दार्वित र्हें अप्यगुत्य श्वाय सेवा याचेवा अध्व नर्जे श्वेन दि वे र्जे र्जे अ या इसमावनायदीमिहेरामी मावे स्ते स्ते स्ते द्वार्मस्य मारेना समुन मेर् वे द से दे तर दे विदाय से दे ता के ता के ता के ता की ता की का ता ता की का ता की ता की ता की ता की का ता का ता ता की का ता ता का ता त क्रैं या ग्राव्या स्वृत्य यद्दर हे या निवा पेर्दर क्रें प्यर द्वा प्रवेश सक्रुं र या है या या नहेव वर्ष नुषानेष उव विवा वी पदी वा हेव विषय शेष्ट्री वा वर्ष क्षेत्र के हैं वा वर्ष व्यास्य निष्य देवा है। विवादिया विवास विवा हेव्रश्चर्यितः क्रम्याश्चर्याः इसस्य नेस्राहेन्याः सम्यान्ति वार्षेत्राः सेन्ति । श्रनःसरःनक्ष्रतःसः निते कुः सळ्तः ते मिति इते मात्रसः निसः नित्रस्याः हेव पर्ने मे अंतर के अंतर के परित्र की प्राप्त प्राप्त प्राप्त का निवास के विषय के प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्त विंद्र इं quanta विंद्र हैं स'न्द्र स'न्यस र ने न' सदे 'से द प्रदे 'यस'

यहेगाहेत् श्री विंगा अदे र्भू राया में हिंग श्राक्त कर विंगा पर्के या नदे यशगिवे परिमार्गेटान् निभाने वितासाने किंमा केंद्र मानि हैं ना परिमार के निर्देश न्गायरयान्वरविवार्धेन्। विवर्षेयायगुष्यः भुवायरमेवायय। वाविर्द्वरे यावरारेसर्खाः इत्याद्यार्थे सायावराष्ट्रद्यारेसाउवावीयायी वदारे विया वेत्रमर्थेवर्नमण्यव्याक्षेत्रवेत्रक्षेत्रव्यास्य वेदेन देवे वेत्रव्यास्य र्सेवे सम्बद्ध या स्वान्य नित्र पाने नित्र स्वाने में स्वाने स्वा हे सूर त्रा सूर्व राके प्यटा के राहेरा उद विवा वारा हुट व विवा वी र्वेवा यदेःगव्यासूर्यः क्रूर्यः क्रूर्यः क्रूर्यः क्रुर्यः क्रिय्यं क्रिय्यं क्रियं व्याप्यम् क्रियं क्रियं क्रियं व्याप्यम् क्रियं क्रियं क्रियं व्याप्यम् क्रियं क्रियं क्रियं व्याप्यम् क्रियं क्रि निवर्द्ध अर्के अर्दे 'न्या वी 'वर्द्ध र 'वर्द्ध र ची 'वर्षे वर्ष से व्यास्त्र व्यास्त्र र विवर्ष स्त्र विवर्ष स विंग शतः ह्याध्रवः गठियाः मी स्टानिव प्यटाक कंटान वियाः हेया शतेः ষ্বা

वरःकेंशःग्रीःग्वरःर्ःरःकेंशःवहेगाःहेवःग्रीःवेगाःशःकःकरःयःवेगः हैंग्रथा भे खुन प्रदे दें या प्रहें त्र गुरु प्यें । वेगा के त्र ग्री नसूत पर्वे या भेगा क्षें अर्दे नय केत्र की तर र् ज्यार या या या ये राये पदि वा हेत्र की विस्था ॲंद्र-मःद्रम् सेदेः ने सः ॲंद्र दे स्कंद्र उदः धेद्रः मं संग्रम् ग्रह्म सः यद्ग गुश्रुरःस्वानेवेःन्यमाः हुः सेन् स्वदेः से दुवे स्वरः नुः उदः सर्वे स्वदे स्वर्थः यावर्यानेटार्से वियानमें दिवसाद्यया हु से दायाद्या कदासे दाया गुवाह समदः प्रभागा सर्द्धः संभेतः संभेतः सम्भेतः सम्भेतः सम्भेतः सम्भेतः सम्भेतः सम्भेतः सम्भेतः सम्भेतः सम्भेतः सम्भ म्बर्याम्बर्यास्य स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थित स्वार्थे स्वार्थित स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स नर्हेन्-नुः सेन्-मःने छेन्-नर्हेन्-नुः सेन्-मश्च स्वाद्यः विष्यः प्रात्वेषः प्रात्यः विषयः प्रात्यः विषयः प्रा सर्यन्ति। द्वे म्याया स्वीता सी या मार्था प्रति। १०५६ सूर प्रमे स्वी स्वीता स्व धरामन्द्रश्चित्। अर्दे समाकेत्रश्ची त्रत्र्र् सेस्राया से देशास्त्रे ग्राह्मा ग वर्रे क्षें वहेगा हेतावस्था ग्री सेटाया र्र्ये राजादरा ग्राया हे राजाहेरा प्रते व्हिना हेत हमारा हुया स्वाया न श्रुमात्र राष्ट्र वा स्वाया मेरे देश वरा नुया महिन मदे पहेना हेत विना न दुना के। ५ ५ ६ । पर पहेना हेत । पर स्था शे । वर्'धर'गशुरुश्

गशुरःस्वःवदेवेःदरःश्रुद्यःवेरःवहेवशःधवेःश्रुद्यःदगःगेःकेंग्राः

नडन्'ग्री'य्यअ'त्र्याहेत्'डेट'य्रेय्।नवे'र्र्ट्रनवेत्'ग्री'य्देग्'हेत्'व्दी'शु' सबयः ज्ञायः नवे न न स्थूरः वी द्विवा सार्थे र सार्थः हिनः सवे से तार्थे के वे र दाना स्थे न्नरःस्वः क्रुवः द्योः इः नः वेरः नः विगान्दः नश्वरः वर्षा इः नवेः अरुनः सः रेः रेदे हेट लेय ही रेद से के रे पेंद्र रेद से के रे हा निय हेट ही है ग्वितः इस्रश्रायदर द्वेया पार्ये रायर सा वर्ष देवारी के ग्वितः इस्रश नेवे न्दर्र प्रकरा वर्दे प्रदेश द्राच विषा मी स्ट्रेर सेव से केवे क्रुव क पार विगायिव रुप्त रिया प्रमाय स्वापाय रिया स्वाप्त के से से देश वर्ष के से से देश वर्ष स नदे क्षेट मी देव में के मानव वस्त्र राज्य र न स्तर हिट प्रीय सर यावर्यान्वेरा दे दरक्रवर्या हेया सर हेत्या ववर श्रव्या उत् ग्री वर द्रायक्र नशर्मा हेन् सम्बद्ध स्थित वहिना हेन् श्री केंश मध्य राज्य श्री नराय हेन् वर्तेयात्रनार्से विगार्पेराममा वसमाउरामहिनामविगासेन के वात ह्या स्व निरुपा ग्राम् कार्यम् अ में निरुप्त अ में निरुप्त स्व निरुप्त स्व निरुप्त स्व निरुप्त कार्य निरुप्त स्व निरुप् ल्रास्त्राक्ष्रित्रास्त्रम् स्वाध्वरने न्यास्त्रवरसेन्यते विष्ट्रिता हेव विदेशे वर वी कें अ वस्र अ उर् ग्री नर य पें र प्रदे यही य न रे कें प्यर हैं वा अ र्वो अ

वदःवसेवावगुरः ग्रेदःसरः श्रिवायायदे सेसया उदःदवावी व्ययः ग्रीःवसेवा मुंग्राश्चेत्रप्रेत्भ्राम्यःदेशः उत्विगायः कुरःगीः ह्याक्स्रायनुः वर्गेः द्ध्यायात्रयात्रहियाःहेत्रची दुरानश्च्या देव्ययायेते ह्याह्यया दे दिया मठेगासळ्ट्र अ.श्. ५५ अ.व्या व्या विषय के.यहाळ इय अ.यश्चे ८.हटा क्. ध्यम् भ. में विष्टा में में त्र भारा में ते भरा में वर्षात्रमात्रीं मान्दाक्ष्रमानु क्ष्रमात्रमा सह्मानु स्थान्स्यसा वर्षान्यावर्ष्ट्रानाम्वराद्राचे या श्रीत्रात्र्या में प्राचित्रात्रा क्यामा वर्गेट.य.र्ज.य.यु.यर.र्नेट.विश्वमारे.वर्गेट.य.यावय.क्ट.शयु.र्नेट. र् भूत भे रा भी तुरा शुर्वारा भू र् तुरे रहा रावित र र वितास्या रहा है र या मुद्रास्त्राधिद्रामदेशमद्रस्यावि विमासे द्रास्तर्मेत्। नङ्गायान सेटार्सः सर्दिन शुस्र-नु श्रुद्द निर्देश निस्र सारी वही ना हेत वही वह वित्त वही वित्त ही व्यापन रःक्षेश्विर्ने नरः नुःवहेषाःहेवःवदेः न्याः क्षेषाश्वः न्याः नुःषाः न्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व भूराया कुंभूरा विरायक्रायदे स्वायव विःकः स्वायः श्रीना थेः स्वायदेगा बुग्यारहत प्राप्त का श्वाया विष्या स्वाया विष्या स्वाया विष्या स्वाया विष्या स्वाया विष्या स्वाया विष् नु न बुद न रा हो दे हैं प्राप्त है स्वर्थ है । विद्या है स्वर्थ है स्वर्य है

नियाने प्यरावहीया हेता की ग्रुवाक को नानु की सुनाव विया प्येता नियम व वहिना हेत्। विस्रका ही ज्ञा पा विना नी क्या का रेसा दे रहे स्रास्त उद र ना नी व यश्राभी प्रमेया सुर्वा अन्दर्भ द्वीया ना सना से प्रेंदि । प्रदेश सुर्वा पदी । तु अ वर्षिर-८८ अर्देव-रावे-ख्राम्य-पावेश्वर-गावे-वट-५-व्येन नेट-रन्य ग्री-भून र्द्धेतः राते में त्यान् सुते द्वाराम् गुनाया पान् विने वे सेन न्या प्रति । ८४.५९८.७४.७.भूर.ज.मुर.शूर.घ्रश्चरत्रस्टराङ्गास्टर क्रॅंश' इसरा उद्दायरा ग्री' तुरा हिया यरा ग्रुट पा सेदा बेर ग्री सेदा टार्केश देशस्तरः नुःषशः ग्रीः र्केश हेन निः। स्टः ग्रुटः मीः ग्रुः दश्यः ग्रीः नुशः हैतानरः याचिरासराग्रयार्थार्स् विगायचेरार्म्या क्राय्ययाची क्रिं स्वर्था क्रिं स्वर्था क्रिं वर् केंग्रास्त्राह्य विवानीय वर्षात्र वर्षिवाय देय उद्येवा मही मदे रह जुर में वर्षे खुम्र भी मारे । यश के गुक र्रेड विमा में श न र्रेड मदे नुःश्चे द्रायमायन्त्रमानु देश उद्याविषा यनु द्रायन प्रदेश विष् वग्राक्याविगानी वरामे जुराक्षे कीराज्या क्रमार्थी वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा नश्चन्यश्चर्यात्रः स्वेदः स्वे नहेत्रत्रश्विद्यम् शदे श्रेशक्षिम् त्रश्तुः नः द्रद्रश्रियः नरः वशुरः नः वेः स्वाया के स्वया के स्वया के स्वाया के स्वया क

द्रम्मानी व्यक्षः मुन्द्रम्मान् स्त्रीत्र प्रमान्त्रे प्रमान्त्रे

वदःसदेःश्रॅवःक्वुवःवःवस्य अःउदःसिव्यःयेःषेःभेन्यः स्वाधः व्योवःयन्त्रः विदःसदेःश्रेतः विदःसदेःश्रेतः विदःसदेः विदःसदः विदःसदः विदःसदः विदः विदःसदेः विदःसदेः विदःसदः विदःसदः विदःसदः विदःसदः विदःसदः विद

सम्बन्धानिक्षान्। स्यास्य विष्य मानिक्ष्य विषय स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त सम्बन्धानिस्य स्वाप्त स ग्वरापदे से सराउद क्रिस्स रायरा प्रशासे रायर प्रहें न है। सरापर तुरानी कु वत्रया ग्री कें या हेरा हेना पिराया ने त्या नहेता त्या में या ग्रीया विगायिवा ग्रवतः र्वितः वरः प्रवेषा वुरः ५ स्विग्राया रेगा वर्यः वे सः र्वे प्रवे र्श्चिम्याम्बद्गाद्यसान्वेसायाम्बर्गाद्यसाम् व्याप्तान्त्रसाम्याद्यसाम् ठिटा कुं प्रत्रमाग्री तुमार्हेषाम् । प्रतानि पाहिमाग्रीमाग्री । प्रमानि । र्केश ग्रम् से त्यम् निम्न स्वास्त्र में स्वास्त्र में स्वास्त्र स रद्दानिव द्वा कु वर्ष्य अ कि वर्ष के व यानहेत्रत्रभाने सार्चे प्राप्ते भागवे भागवे भागवा हो प्राप्ते है भागवा हो प्राप्ते है भागवा हो प्राप्ते है भागवा हो प्राप्ते भागवा हो भागवा हो प्राप्ते स्थापत है भागवा हो प्राप्ते स्थापत हो स्थापत हो भागवा हो प्राप्ते स्थापत हो स्थापत हो प्राप्ते स्थापत हो स्यापत हो स्थापत हो न्यगाने त्यानहेत् त्र या राक्षें सामे या त्रे वा नक्षु नामे या विष्या विषय क्रॅंशिंद्रियाम् जुन्ताचेद्रायाद्रव्यद्रायाच्याची सेवाया बेया श्रीट्रायहण्यास्य साम्बादित विवा हुः वाह्र विवा स्वा विवा स्व स्व विवा स्य स्व विवा स्व विवा स्व विवा स्व विवा स्व विवा स्व विवा स्व विवा

नेश्वान्त्रियाः प्राप्ति विद्यान्ति । विद्यान्ति । विद्यानि । विद

अस्रभावस्थान्त्रीयान्त्रीय स्वाद्वात्त्रीयान्त्रीय न्याद्वात्त्रीयान्त्रीय स्वाद्वात्त्रीयान्त्रीय स्वाद्वात्त्र स्वाद्वात्त्व स्वाद्वात्त्व स्वाद्वात्त्व स्वाद्वात्त्व स्वाद्वात्त्व स्वाद्वात्त्व स्वाद्वात्त्व स्वाद्वात्त्व स्वाद्व स्वाद्

श्रेश्वराद्धः वित्राचि त्रिं त्रिं वित्राचि त्रिं त्र

बुद्रास्ट्रियो नद्या द्वस्य धेद्र राविया साया हिया सायावद याट प्यट नहेंद्र येन देव ग्रम रुषायिक मी ग्राविक मी निष्ठ निष्ठ मान्य है वा हेव ग्री।पिस्रयान्दरनेते वदानु पर्के प्रवेश्येस्य अवत्र इस्य ग्री।सुर्यास्दरावरः ५८। ब्रेटेप्ट्रिम्हेन्चेप्ट्रम्चिप्ट्रिप्ट्रिप्ट्रम्येययाउन्छेप्य क्षेरावी प्रतुरान इससा ग्री नर प्राप्त नर स्वरावी वा त्रास्तर में न्यायी नत्न पर्ये अयी परमेयायमेन न्रा सेस्य उत्मी सुरासे रामे वशुरावदे वरावडराया वर्षेया वर्षेया वर्षे स्थित स्थान स्थान द्रिया वर्षेत्र शुःगव्दान्यस्य द्वां विष्यायाय दिने द्वां प्रमान्य सेस्य उत्विवायी हिंदा नवे निर्देश से विश्व के विश्व न्येरत्। हे वहेन न्य हैन से अध्या उन निया यी न्य्या था से स नायावशुरानानहराद्याक्षेत्रकार्यद्यादेवे त्युकासुराया हे सूरानुन्य में द वेनशः सुषः म्रायान्त्र न्त्र हुराः धेन्। वर्षेयः नत्र न्तेः स्वाः हिमा है। यर्देव-शुयानी-श्रॅटान्याधेवानयाळवानेवानीयाविवावहुवार्ळेटाक्षावेवाः चुरादाय्ययातुः हे त्रदा विवा त्युरारया सूर्या

श्वाति स्वाति । स्वा

केव से दे नार वया हुर रया कु केव नार विवा मी या द्यार नाया केव से दे नश्चेत्रत्या कुःसळ्द्राहेदेःस्ट्रेन्ट्राहेदेःसदेःमें त्याद्येयाद्युन्त्युन्त्र्या नेवे वर रु प्रयोग प्रमुर मुर नवे से समा उत् नर मी प्रवेग न के पीत वया क्व-रेग-प्रशः दे निविद्ये क्विं वार्ती क्विं ग्राट-लट सेट्र प्रस्थित स्वीं यद्दर्भिद्द स्थान्ते । त्रायिष्य के विष्य स्थित । स्थानिक स्था श्रेन्यार ने न्वा क्व रेवा वी वर्के व विच श्रेष्ठिन विस्थ श्रुपि विषय । पिर्याचेत्र से होत्। यार सूर्य ने प्यत्र धेत्र के सूर कुष्य पर्दे पाहेरा गारा पर्दे या हेव ग्री विवायि में राष्ट्री र श्री र सिंदे स्व रेवा वी लेश खेव वा स्व रवावा रेश उव-विवान्ध्व-सावशन्येव-ग्रुश-पिन्। द-वे-श्रुवाश-वाडेवा-ह-श्रुद-नवे-दिश-गर्डें श्चानवे वहेगा हेत सुरुं व विगागी वर् ने अवहें त सूर अरा परान वरायहिषाःहेवःयदिरःविषाः अपदरा अवयः अधिराध्या दयः यवराषा या छेवः र्रेदिः सः रेषः यः नव्हरान्य रेदेः सः रेषः यः हे विषाः हुरः वेदः सेरः सदेः यात्र अः सूर्यः ग्रीः बर् व्यायस्य यातियायः ग्रीट्रायरः ह्या विवय

अळव्

वेदेःहे। ि Piet Hut े विंदः वे 'खा क्षे : दे 'या दे : दे दे : के दे दे : या द

व्यादर्शे न विन कृति । श्रुना म विना सेना

ष्णयम् विद्यानम् (Alexander Friedmann 1888-1925) ष्ठाम् अप्तर्भ विद्यानम् (स्ट्रियान्त्रे यहेयान्त्रे यहेयान्त्रे

धे हे से ब्रा हिdwin Hubble 1889-1953 र्ष से दे गिरे ग्री से से ग्री ग्री से से ग्री ग्री है ज्या है

ने के 'त्रे 'प्यम् | fhelium ने नार्थे 'त्रगुत्य 'दर' सर्ने ना 'दर' दे 'स' से द

डेट'दवर'द्रगद्यदे'हुट'वा बुवारा'नेवा

वियावशुरारिनापार्ता यसाग्री इसान्न सेससाउनाग्री विनाहेन।

अश्वा । कें श्रेंगामी 'देंब' के 'धेव' व्रथ' वेश संदे 'दे 'च पदे 'हे 'हूर' नर्गेर्नायायार्थेश्वासम् द्वानायद्वियायद्वास्त्रम् द्ध्याविषाः श्रेयानमः नर्हेत् सदिः वेशाधेत् ग्रीः यशाविषामः यापाना प्राप्तः दयः विवाः श्रेंद्रः ग्रेः व्येद्रा देदः स्वशः ग्रेः क्ष्वः सेवाः द्दः वदः वदः क्षेत्रः ग्रेकः ळेशा इन्विर पावरारे सर्दे हिंदु सर्दा विपान्दर से सूर्दा से स्राप्त से स्राप्त विपापी क्षुः र्द्धयः विद्या में विवा वा त्या शास्त्र न्योः म्या साम्या व्या साम्या व्या साम्या साम्य साम्या साम्य साम्य साम्या साम्या साम्य यशः ग्रुटः। देवः देश्यरः यहेषाः हेवः ग्रीः विस्रशः विद्याः देशः वदः वीः दद्याः सह्याः सबदः सेन् सम् स्परः सम् स्परः सम् वर्गे वर्गे क्षेत्रः होन् होन् होन् होन् स्वरं स् यादार्स्टित्युर्यार्दिते स्ट्रेटाची ह्या स्वतः इस्यात्या स्ट्रिटार्से विवाची स्वतःया केश कुर वना रेट नदे अवियन् हिर्मा ग्री स्नूर सदे क न्या पीत्र

द्व्याचा हैं लियान्य से प्व न्य से से प्र स

द्यान्तान्त्री त्री वित्तान्त्री स्वान्तान्त्री स्वान्त्री स्वान्तान्त्री स्वान्तान्त्री स्वान्तान्त्री स्वान्तान्त्री स्वान्तान्त्री स्वान्त्री स्वान्ति स्व

१६५६ सूर्याचिया वर्षा सूर्या स्थानिया स्या स्थानिया स्या स्थानिया स्थानिया

श्रुट्। लेव.लटा दृःसुव.ग्री.पम्बाय.पग्रुट्र.ह्या.सप्ट.इस.यावया.ग्री.श्रूट्र.लः ळ्य. र्रमा. म. विमा. र्रम् व. र्रम् अ. य र्रम् य. विमा. मे रामे यो मान्य व ने ने में अरु, अरगहें ग्राया मुद्र से न हिन सकर न ने गाया दय इस ग्राविग वर्दे दुर विन सें र हैं ग्रम पर रें ग्रम रस हो द स्वान दे संव रे ग्रम विग अ'भेर'मर् र्के अ'स्वाअ'ग्री'अपश्च नर'विवा'भेरा वें रनअ'र्वा'रु' ८.क्ष्र्यायह्याभ्रीटाची क्ष्यास्यायाप्टा हेयायह्यायार्क्र्या ख्यायाय से वार्षेया विषया विषय मदिःवह्याभ्रीरःवर्देवे वरः रुःशेयशः देवः रेवा मदेः वया वर्षे ध्येवः नडर्भाग्रीः भूरायापानम् ग्रुमा दे निष्वेता थे पुरे के मासुवासाद प्रदासिः क्रॅश्राम्याम्याविष्यात्रार्धिन् श्रेन् प्रदेश्य श्रुव्याव्या ग्री श्रन्य श्रुव्य श्रिन्यः लिय्सित्रम्थाः कुषायम्यायः नहे से भाग्रुभार्श्वेदा लियः पदा देदः सम्भाग्रीः भ्रे दिर्भः रेगायद्रा भ्रगायर द्र्यो त्रमः वे । अत्। DNA रेशे भ्रे र त्यः टर्स्टेंदेरनर्गे सेटर्टा के स्वापितायी मार्यटर्ग सटर्गे विवासहे सरस्या थ्वर मदे श्रु निर्देश श्री विषा श्रुन निर्मे त्यन है । अन् श्री विन्न निर्मे श्री स्था श्री विष् नडर्भाग्रीसाद्रिःसेस्रायानम् स्वासात्रात्रात्री विगानविग दसाद्राःहित्ग्रीः ळवःरेगामी प्रमे मव ग्राम्य गाप्य म्यून्य रें प्रसे रें प्रस्ति ।

र्देन गुरा विंद मी अपदी पार्से अस मुन हो द से न द असे पे आ

कें श्रेंगानी ग्रयान में या नित्र वित्य समावि त्ये वित्य मानि स्वीति स्व मदेख्यत्व न क्रिन्ट केव में निर्म क्ष्मा सम्मेग्या क्रुव क्व मेगा मी ग्रायम न्रहे धिश्रान्त्रो प्रम् ते । अन् ग्री मार्के दे भे कि मार्थ के निक्ष निक्ष के । उ'नहरा रर्स्सि क्रे र्रे अर्देग रिवे में हिंग्य दी यय द्वी पार्के रर् 辛寅寅戊Robert Livingston from the University of California at San Diego र्वृष्ट्र सुन्य सुन्र मी निव न्यायी क्रिंग क्रेंब त्यायहेव व्यार्थिता या विया थिवा रें इं हे वे त्यह्या क्रेट यी म्यास्र अर्कें व किये नगाना क्षें अ श्री यश निवि ने म र्के न से समान महत से नरुरुष्यं नेत्र मान्त्र या श्वाराष्ट्र स्वर से होत्र परे पर कुर् मेर नि न्वो म्वर विवा रेन्। विंद वी अदाया वावद विर येवा अ क्षेत्र ये विंद विवा यशः गुनः मदेः ग्रुन् मदेः न्ये ग्रुग्यः निवाः धेन। नेदेः क्षेनः वीः ग्रुन् मदेः कः न्वराह्मस्यायासीटानर्गेटापेटास्य स्वान्ते द्वार्सिस्य मित्रास्य स्वान्ते स्वान्ते स्वान्ते स्वान्ते स्वान्ते स येग्राराष्ट्रीय वित्ते दे दे दे स्मून्य इत्याय वित्ते वित्ते वित्ता वित्र वित्ते वित्त विया यो स्ट्रेट व द्वर इते से दिया रिया प्रति याय यावद हिट वसूर्य हैया यः विगान्दा भ्रुवः नुः र्षेत्।

दृःसुन् ग्रीःवसेवावगुरःरेगाःचदेः इयाग्वगायरे । है । वीरादरः श्रीयाः ळग्रारी देग्राया वस्य उर्दे। वर केंग्रावर सेस्य उदार है निर वेर गर्रायान्त्र नित्र होत्र प्रति होत्र मित्र विवाधित। त्र हित्र प्रमः त्र प्रवापा ह्यून ग्रीयाया मुनारवि इया नावना विकासिया यदि में त्यवे सेट नी के र्सेना वर्ष सेत ग्री प्रमेण प्रमुक्त त्या के या यह वा अह्य स्त्री क्रिया मी में हिंग या हो या विदा र्रे.च्रे.पहेर्याचे.चीयाह्राची.वीयश्राचेशाह्री.च्यायाह्याच्याच्या श्रुवान्दरःवर्देशवयुद्धा दे निवेदना त्रुवाशःस्वाशःसवे वादशःसे अधिः श्रुः सुर वडरा यदर वार्यया न १८ जुरा थेंद्रा के र्से वा ५ र वि वा द्रश्र रा सबदःन्यायःवर्षेयःचन्त्रः होन् रावे तु साराय्वतः वदः। दृःसुवःहीः इसः मालगामी अरके र्श्रेमा ने राम के त्येत स्वास के अरम दे तर पुर अरम है तर सूर अर यदा क्रेस्ट्रिंद्र्यायायास्ट्रिंद्रक्ष्याक्ष्रींट्रिया क्षेत्राया विष्ट्रियायायास्ट्रियाया श्चेयाचे दारि स्टाचुटाची विवसायसाय्व साम्राचित हो भु दिर्सा ग्री विदार्केश नाय के तरि कें कें श्रेना नी में नें त्या के न नु के मुन्य ने ना धेत सम सा बना ५.२५ मायः के नदे के श्रेंगामी हिंदे के श्रेंगा ने श्वर है । वर्ष नि ठेगात्रशर्मी रेसार्धे द प्रवेश्वेषा ग्राविदेश द्वीत्राराय प्रवेषा वश्वर हो द प्रवेश वुरुष्यः भ्रेष्ट्रा नर्गेत् भ्रेष्या मीरुष्य व्यवस्त न्यः मेत्र negative entropy ने वेर न्य वदि । प्यतः सेत्र

देव ग्रम् वर पदे के अयदेव पर मुर्खे व वे अप पर दर हैं दि शे [life] वेरः नः यदिये में नः अन् ग्री किंगा क्वा कें ने श्री मा प्येता कें ने मा वि देश ठव विवा त्य मञ्जू न तिने वाहेश ग्री हिन यम है कि वार्ने व ग्री क व्यापीय है। दरमित्रे नश्रस र्ह्से सन्वानी शक्ते र्सेवा दर वर्के न सुन् तुवे शसूद नर्गेवा श्चित्र भ्रेत्र अवया विवार्ष से समाध्य या विष्य सामित्र विदाया से में। धेव'यदा देद'र्म्मश्री हो दर्देश'रेग'रादे'व्दर'र्रु कें श्रेंग'रेश'रादे' बःश्रूनःवनिवेःवनुःनेशःने कुःहिनःके निमा बन् श्रेःसुनः वी श्रासुनः वा प्यान र्वे किंग केंश सदेन प्रते श्रिया वी सक्त हिन ने श्ले ने स्था देवा प्रते विवास न-१८-१८ सं स्वतः प्रते कु सक्त मार्डे में ते वर के राग्ने स्वतः माते इर विराधित स्वेर गुव क्षेर वेर गुव क्षेर पर प्रवेद विरा गुव क्षेर वेर केर केर के

द्वे भे अर्क्षेत्र या दृश्च्य श्री प्रयोग प

श्रे में न्यान्य निक्षित्र मार्थित्र मिर्मित्र मार्थित निक्ष मिर्मित्र मिर्म 5. इस मावना परिकारे माया ह्या ग्री मावया रेस ५. रेमाया कुव ग्री प्रशुर क्रिंग र्वेय र्वेट र र इसस्य र र वास इस र वी विट है स्ट्रेट र दे सम सुवा विस्त दर्श श्रेश्रश्च वर्षे देवाश्च में वर्ष्य प्रायाश्चर प्रायाश्चर वर्षे वर्ष वर्षे वर्ष वर्षे वर्ष वर्षे वर्ष वर्षे वर्ष नन्द्रने रेग्या कुन्यो प्रमुर्यो देग्देग्दे त्रिंदे देने प्रदेश्य विष् यावर्षान्त्रेयान् । प्यान्यवेषाययुर्ग्यो हेवायावि । प्यान्यम्या मान्यूर्यो । वर्रेस्रसःश्चिमाचीर्यात्वरः इतःश्चे।विमा रिन्द्रमिनिर्द्रित्तरः इत्रान्त्वरः न्नरः इस्मिमा ने में न्रः क्रुमः क्रियः व्यायः रुम्यः वर्षे म्यायः वर्षे म्यायः वर्षे म्यायः वर्षे म्यायः वर्षे इते से पिया ने कें शासे समा उत्र से सित सून पा श्वा से ता नि सित से सित से साम है नविव रेगा शाली गाया श्रु र विश्व निवा वर्गे न से विश्व से दिया थिव । राष्ट्र-विद्र-क्रिंश-इस-विश्वाक्ष-विद्र-वि

सर्ने स्वाके श्रीणाणी श्रीणायि श्रीणाणी श्रीणायि श्रीणाणी श्रीणायि श्रीणाणी श्रीणायि श्रीणाय श्रीणा

यी प्यते अश्रभुया दी याप्य के दाविया प्येदा शे प्रदार प्रेंस प्रें Stanford व्रमः धेव निर्मेश निर्मेश निर्मेश निर्मेश के प्रमेश के प पिस्र अर्भ ने वा स्वरे के अरहे द्रा शे दे हो दे अरहे र हो वा वो हिवा वा हो द र परे द ने र सर्कें त'ग्राथर'रा'यगयक्षुत'रावेत'र्थे र बेरा कें र्श्या'गे क्षे स्टर्भेग'रा' नेदे स्व रेगा मी प्रमेय न निर्मावि या नविमाना अदे में या मुन न अरेरेर र्भे सार्वो र नर रें में पहें व पवे ग्रुन ह्र सावर वे अत् (RNA) ग्रुट वशामाराययरास्रामहेवासरासरामीसासराहेरायदानश्राज्य। रे.में वहें व परे गुन ह्र अपने कें नहव में अन सेना में व गुना र जुन भी यदेशश्राश्चमायायहेव वशायर वे । अप ग्री विष्ठ र श्वा विष्णु व रेपाया नह्रवःमवे में विदेव मवे ग्रुन ह्या हे प्रो प्रमाने प्राप्त श्रुमा (DNA) न्बो वर दे । अन् रेगा अ क्रुव ची गाव अ क्रुव १९ र अवे गावि इवे अहें न । पन क्षुनुःधेवा रूटाहेट्राग्रेःक्रायाङ्घेर्ग्यरायश्चर्यान्तेशानेट्रियाशःक्रुवः वळर वर्गे न ग्री पावर्ष रहें व्यन्ते वर दे । अन् ग्री वर न् प्रत्ये प्यर वि । रद्दानिव स्त्री दिन्ते न बुद्दाव या के र्से या विया स्वर स्त्री प्राप्त हो। नगरन्द्रन्ते प्रमुचिष्ठ्रा मिन्या देशः न्यो पर वे । अन् ग्री वर न् १ १३ र निये र ने वा श क्रुव प्यकर पर्वो न ग्री वाव श

ळ्यानमुन्यास्य स्थान्ची नर्जी नर्जे सुन्य यायस स्नि ने जेन

त्र्वेयान्त्रभून्द्रीः विश्वेयाः व्यक्त्रम् विश्वेयाः विश्वेयः विश्वेयः

त्युर्चे मिले स्ते कुं के व ते रूट यूट में त्ये अश्रम्या अश्रमित्र स्त्र मिल स्त्र स्त्र

रेग्रश्चुत्रःश्चेः श्चेः । त्यां गोः गें स्थानश्चेग्रश्चेतः । अस्थः से गादेः श्चेनः वहेतः । विद्येतः श्चेनः वहेतः श्चेनः श्चेतः श्चेनः श्चेतः श्चेनः श्चेनः श्चेतः श्चेनः श्चेनः श्चेनः श्चेतः श्चेनः श्चेनः

यर्नियायायम् त्युम् त्याकृत्यो सेन् प्रमाकित्र देवे से देवे सिन नियाय स्वाय रशर्गे सेत्। देवे धेर वेंद्र रे विव श्रेश देवे क्रेंद्र वादर वश्र अंदि हैं र्थेन् छे अ'यदी 'भूनशा विंदः वी अ'छे'न अन् ग्री 'र्थेन् 'रा'द अ'हें वा अ' से न्या ५८। व्हर्भनामी मार्थम हेर नेश ग्रुप्ति प्रदिश्याय केत निमामी हिन नश्चन्यायान्य नायान्य नायान्य नश्चन्य विष्यान्य नश्चन्य विष्यान्य नश्चन्य विष्यान्य नश्चन्य विष्यान्य नश्चन्य गित्रान-१८ हो ८ निवेद सदे क्या श्री ८ सागित्र शामित्र स्थापने वा निवास लूर्ट्रस्थाः भीशा वद्रम्पद्गेर्ट्रान्ताः वर्ष्ट्रस्थाः वर्ष्ट्रस्थाः वर्ष्ट्रस्थाः वर्ष्ट्रस्थाः वर्ष्ट्रस्थाः वदी सूर विंद्र मित्र मित्र मित्र मित्र सूर्व नह्रव वहीव मी सूर व्यापायर वर्गुर र्'र'य'नभूर्।

र्टे अळ र के निय ळ द रे मा मी के अ थिंद मा अर स प्र दे थे कु मा अर के निय के न

[Harvard न्याया न्याया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वय

शेयशन्दरकें श्रिमामी केंग्रायन् विमामी सेट न् से मे विश्वासी वे रेग्राम् कुत्र श्रे भे प्रमानगाय वश्चर द्राम्य स्त्र म्यायाय प्रमान विष् श्रीत्। नगायःवश्चरत्वे अदशः क्रुशः श्रीशः गश्चरशः सरः श्वागशः भेदः र्वेदः अन्- १ नश्च र नवे मश्चर र न श्विम श्वर र न श्वर र के व र में विमाधिवा विव नर्स्स्रम्भर्भः है न्व मु स्रवा वाडेवा स्रवा उसार्धे द सादे से से त्या पद स्विवा ग्रम्भः द्वाप्तकुः प्रभः अभः भेवाः प्रमा नगावः वशुरः श्रीः द्वे सर्वे वः वद्वे वे वर-रु-देग्य-कुव-की-भ्रे-विग-गी-देव-५-उदायश्या-स-देर-लेख-हे-लु-इ-याश्रुअः धेन्। वेदुः ने 'न्या चीशः नेयाशः क्रुन् 'त्रया श्रुन 'कः है 'लुः इः याश्रुअः सक्षेत्र प्राप्त प्राया वास्त्र स्या साम्या स्या सम्या सम्य सम्या भूर्गी:ळ:इस्र माय्या देवायाकुवारी:र्यायाकियायी:वर्र्भिया र्वेदःस्वाःश्रुम्रः द्वात्रभावक्कित्द्वः वरः प्यत्। वेदः देः केंदः रेः रेः वार्ययः वेदः

क्षे ने विश्वान्त्र विश्वान्त्य विश्वान्त्य विश्वान्त्य विश्वान्य विश्वान्य विश्वान्त विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश् वुर्न्ना दे के दे विक्रास्त्र मान्य स्त्र के स् नमः मान्यान्य विकास के स्वान्य वहते थिया र्वे र खेंद्र पदे न शुक्ष स दे क्षूर खर वह न शुक्ष याव्य विया यी । अ.ही.क्याश.हीरा लेगार्देर.वरी.क्रि.पिया.हिया.ग्रीश.रेय.रेव.रेव.वर.र्देव.वर. सबदःगडिगारुः भुगशः क्रेवः से ने न स्वा दिवः ग्रामा स्वा स्व सार्थः र्देरतिविकाष्ट्रियाची सहया त्या स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धिता वर्षेत्र स्वर्धिता क्षुःतुःविनाःयः अर्केवन्दः धेनार्वे रः निवनः धेवः धवः परः दन्ननाः केनाः सः धेवः सः विवादवावाक्षिवा फुर्केर वही हु अक्षेत्र है वा वी विवाद वा वी विवाद वा विवाद वा वी विवाद वा विवाद वा विवाद वा व गठिगाः तुग्रायाः मेवायाः सर्याया स्वाप्ते वार्वे वित्रार्वे वार्वे वार्व

ययर प्रश्नुर प्राणित क्षेत्र प्राणित स्थित प्रश्नी प्रश्नेत्र प्राणित स्थित स्या स्थित स्

८४।प्राचन्द्रमुअःश्चित्राचेरश्चेत्रम्भान्द्रभान्त्रम्भान्त्रभान्त्यभान्त्रभान्त्य र्देव'व्य रेग्रथ'कुव'ग्री'व्युर'ध्रेंग'रे'र्क्क'रें अ'रूर'ग्रुर'रुव'वेग'धेव' सम्बन्दि कु केर दर्भविन पर्या गर क्ष्म रर हुर में परे सम्भूग मी किंश हिन ग्रीश ने प्वत्रेत सेवाश कुत ग्री प्वयुक्त हिंवा प्वतुक्त भूवश पर्के यात्रशायात्रवः र्वेषायाः क्षे प्रतिः रेषायाः क्षुत्रः ग्रीः वशुरः श्रेषाः इस्रयः वरेस्यः मदे। मिना चेना चेना २००१ वें स्रोधका न्द्र हैं ना नी हैं ना का वर्षे हैं र ५ . ल. श्रे. में ने . में Goodenough বৃত্তী মানী বিশ্ব ক্রিন্ ক্রিম্ম মান্ত্র বিশ্ব ক্রম মান্ত্র বিশ্ব ক্রিম্ম মা गठिगा हु 'र्झेय' हु द 'धेव 'पंद 'दे 'द्रगा' यदे सम् क्षुग हो द 'द्रावे 'यम दे 'गें 'देस' उत्र विया सेन नेमा अळ व किन सेवा प्रते स्था प्रते क व्या प्रभून विषय कुन की 'वकुर केंग'रे कें रदा कुर र पकुर नवे 'वर्र र कुल वरे 'वे केंग'र उत्रः विगा भेता धेता धारा दे प्रगास्त्र विगा हु र्वेषा चुराधेता प्रदे थ क्यायनेशम्बे पर्देन क्विं विद्याया श्रेंम। क्षेक्यायने मः भुवाश्य मध्य र

माया यान्य स्थान्य द्वान्य स्थान्य स्

ळव रेगा न्दा से प्राचन स्वर संदे ग्वा बुर नु पर्के न विव संदे हुं भूव न्नाःश्रेनाः सेन् ग्रीः ने सः सं त्यसः है त्यूनः त्युनः नवेः श्लेनः त्यः नर्देसः वर्त्रेयः ग्रीः अळंत्र⁻हेन्-देग्-पदे-नर्गे-भ्रोट-विग्-भेन्-पर-अ-बन्। र्नेत्र-दे-अर-पदे-ते-सक्त हे द रे मा सबे मान द रें न माया के न विमा धेन सबे रें मा यहें न धर नुसामेना भूगामेन ग्रीने सामें यस पर्से निव मित्र भी भूत नुमान है। र्वेग्। अदे कु क्रें व र् अं पर् पर्टे अर्थ र र । वर्कें ग्रव्य श्री प्रथम वर्ष ठ८.२.५६मा.सपु.सर.वैर.मी.क्रूभ.धेरी ट्रे.मब्रेच.क्रे.पर्यं.पर्या. नडरायराधुन रेट सेंदे नट गुट नदे सह्या दन्य रहा धेन पदे नुग्रम्भन्ते श्री स्टिन्न्यग् डिग्ना वर्ट्स्य श्री ग्री प्रिन् प्रेन् प्रमा त्र-प्रते ग्रातुर-तु से समा उत् ग्री में में साधित प्रते ग्राति हा विगात्र सा श्रेश्रश्नास्त्र स्त्राच्या व्याप्त वित्र स्त्रीत्र प्रवित्र माया प्रवित्र स्त्रीय स्त्राच्या स्त्रीय स्त्राच्य र्रेश वहें व गुरा भें द्वा

र्दे : श्रूट : चु : पु त्य : त्य : त्य त्य : त्

न्याके राते हो नहना नहार की किना प्रदेश राते हो स्वापके राते है स्वापके राते हो स्वापके राते है स्वापके राते

र्श्वास्तुन्दिः याहे अः ग्रीः वर्णः इत्यते । हुनः याव्याः वेनः वेनः वेनः वेनः यो व्याः यो व्

श्रवा नश्रवा ने वर्षेवा श्रवा श्रवा नश्रवा ने वर्षेवा प्रमाय वर्षेवा वर्षेत्र वर्षे नडरानमून दिः भुः र्षं यायाने न पान् र में या नम्याय गुराति र या য়ৢ৾ॱঀৗ৾৾৾ঀৗ৵৻ঽঽ৾৻য়ৣ৾৾৾৻ড়ৄ৵৻ৼয়৵৻ড়৻ঽৼ৾ঀ৾৻৴য়৾ঽ৻য়৾ঽ৻ড়৻ঽয়৻ড়ঽ৻ৼ৾ঀ৾৻ ग्राम्प्रिक्षास्य स्वानिवास्य ग्रे।ह्यनः विरुषः वरः श्रेः श्रेंदः ग्रेः यहे गाः हेवः दरः वरः व दुदः ग्रेः श्रे अश्वः उवः वस्र राष्ट्रिया से स्यापस्य देवा प्राप्त इस नेया हें दार्से दे। नविदायसायन्य नडसाने सेससा ही प्रस्यायने वे में दुर्ग निद्यापा है सा याक्षेरगुवावतुरावदेवायावस्व वदेवायावस्यायाद्यस्याद्यात्राचीयाः ननेत्र-दरायम् ननेत्र-मानेशन्ते राज्य स्वाप्ती पर्केषा विना ग्री । विना विरस्स सु ळुं ५ : से ५ | दे : प्यर : वर्दे : वाहे श : इन्य दे : कं द श के श : ख्रा श : यह : से द : हे ५ : रेग्'रादे'ग्राबुर'र्द्रायहोव्य'नश'धेत्र

श्ची म्यान्य प्राचित्र प्

व्यास्त्रिम् अर्थे अर्द्धव केट्र देया प्रदेश्या बुट्र दुः अर्देव दुः अर्थे । ननेत्रवहेत्रविगार्थेन्याते विषयावश्य स्वाप्यवे विषया वश्य स्वाप्यवे विषया वश्य स्वाप्य विषय विषय विषय विषय विषय भ्रे.ज.पक्ष.व्याचे अ.भी.वोष्ट्रश्च अ.स्.च. विच.त्र.च.च. विच.त्र.च. धरात्रास्तान्त्रा भेषाः self-consciousness ने सेना प्रदेश वर्देन कुषान बुद्रावसा बुद्रार्सेदासाधिदासदे जादसान निर्देश विदेश होता से यर में विवा वी या यहिं से दार दिन से दार पहें ता पति के खें वा वी पर से वा कुरु ग्री वर र जावर र रेया ग्रुय है। श्रें मा से र ग्री ने स रें र र । वर्के नि र नः शेदेः रेग्रयः ग्रेयः रुदः दर्शे र्नः स्वेदः ययः विदः रुः दयग्रयः यदेः र्गेः वात्ररा नेवा व बुद र्थे द राये व राया के राये राया के वार्या राये राया विवास वीरा राया विवास वीरा राया विवास व न-१८ दिने के किंदा ने वा वी प्राप्त विवा से वा

ने त्यश्च म्ही वाया हे या राज्या हे वा यो शाव राया दे सक्ष के त

रेगामित नम्म हिं त्य विच त्र हुग हुम है। रुप्त विच प्र मिर्द्र मार्द्र सेससाय्वरणेवरमसार्द्रावर्षिते हे निरायसासित रेषासाया वर्षा हे निर क्षेक्ष्याविनाः विन्याः हिनायाः श्रुचा व्यक्तियाः विन्यः सामावि सः सामावि सः सामावि सः सामावि सः सामावि सः साम वर्त्ते गिरुषागार से समाध्य प्रदेशस्य प्रदेश स्यापित क्रिया गिरा प्रदेश र्नेत्र श्चे 'ने 'र्षेन्। शे र्सेन 'सूना'नस्य प्यम सम्बेन 'वेन में भून 'वर्से य नवे' वर्देन्'म'र्षेन्'म'त्रूम'तृन'वर्षे'त्यवर'ने 'नविव'र्षेन्। क्षे'व्य'नने 'सूना'नी र्केंम' नः हीं दः नवे कुरा ना जेंद्रा नविव दुर् दर्शे व्यवदा दे व्यवस्थित। वदः मवे व्यः द्धयापितिः स्वाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्र ন'শৃষ্ঠিশ্'মর্ক্ত্রম'শ্বি। বৃত্তীর'শ্লুব্'শ্রী'র্ক্তিশ্' consciousness ব वर्रे ने अपित केंगा कंग गुअन र्ने व राग श्रिम् अपि अपित से व वर्ष ने अपित वनःकः पॅरमः शुः क्रेंत्रः भेः व्रुन। तरः प्रभः भेः यः या हें ग्रमः भेरः परे निपाः ह्यान्यः भुः तुः विश्वः यो तुः से हो दः विश्वः प्रते : क्ष्यः से दः दः दुः दर्गिये : नर-त-र्थेन-प्रवे-विन-पर-ते-बन-र्खन-ग्री-मातन-नेत-विमा-प्रश्न-रेग्रशः ८८ के प्राप्त निया भेता

याल्ट्रियायायः विवागी व्यान्त्रात्ता श्री या श्री या

धीवा वर्पाये भू रहेवा या प्रहेगा हेव शी प्रमान वे पर्दे न प्रमान मान या बुवारा विस्रम्। या बुवारा से द्वापस्य प्रस्य वार्य स्था वार्य स्था वार्य स्था वार्य स्था वार्य स्था वार्य व वर्षानुन। विस्रराम्बुसादी स्वारायदे मात्ररासे सार्वरासा से दि मात्ररा कग्रायान्दर्भृगानस्यामी स्ट्रीताया प्रमायने दे से निर्देश स्ट्रायमें गुर्मित्र सूना नस्य ग्री हीं दानि है । यद से दानि मित्र में नि हैं से मित्र वियःल्री विश्वश्चित्रःयविश्वःसदिःश्रेश्वश्चः विवःश्चिः वितः विवः गुना ग्रम्भासेन्।प्रस्ति द्वासे दे द्वासे दे प्रम्या के प्रमानिक विष्या प्रमानिक विषय विषय विषय विषय विषय विषय विद्या सुर्यास्त्रद्याः केंद्रियाः ययः प्रेताः ययः स्त्राः स्त्राः यात्रयः रेअपदेर्स्केरपानहरार्श्वेष्ठ्रभाग्रीयान्द्रपान्द्रभेष्ठ्रयाञ्चरम् ग्राञ्चन्याश्वरञ्जीः अर्कें द्राजे द्रानें द्रा श्रेम्याः उदादे द्राना ग्राञ्चन्याः धेव रिये पाव रामावि वि व विमामी स्ट्रेट र पाव रा वर्दे द विस्र र मिस्र र मिस्र र मिस्र र मिस्र र मिस्र र मिस्र रेस्रास्ट्रिं र्यात्रम्यादे स्रुम्यात् प्रात्यम्याप्यस्य प्रात्यस्य प्रात्यस्य प्रात्यस्य प्रात्यस्य प्रात्यस्य बेर्।प्रस्थानिक्षानिक्षानिक्षानिक्षित्रानिक्षित्राचित्रानिक्षानिक्षित्राचित्रानिक्षानिक् वर्तराशेस्रशायावहितान्वीशायात्रे विस्रशायने कें सूचा वस्या वर्ने तायरे वरात्रुंत्रायात्रा ह्यायवे स्रायवे त्राविव उव श्री वराववे वी वयर विवा सेव

नर्से ५ वस्र अ भी रेष्ट्रे नर्स भी सामस्य भी ६ स्मर मान्य परि कु कित क्टरब्रिट्रा द्व.ग्रम् यश्यव्यश्चर वश्याप्यश्चर्त्राट्य स्थाप्यश्चर सर सूर न प्रशास दे में प्रदे सूर र से दे प्रदेश सर्भूर्वि कु के व वे विवास वे के वा प्राया भी व पर से कि वा पर वे पर निव्न श्री पर्के मान्य प्रति । कु निर्देश स्त्र या स्तर या श्री प्रतिस्थ या नहें न्वें राम विवाधिवा सेसरा उदाने कें सम खून द्राम रामे वी से में ५:क्रुअ:५अ:४८:के८:ग्री:क्र्यंत्रायांत्री:नहे८:ग्री:क्ष्मा:रे.८:५८:ले८। नङ्गयः नन्दर्भवे से ने कें लाख्न भी हिन के सासर में विवा भेंन सम पर्नेना ने नवा नह्र अवश्र भे अप्याद्या स्था अहे अपिट रेंद्र दर्शे ना दस्य न भे दिन स्था हु त्युवा मी त्यापाय्व पराया विष्य किराने विष्य मी विषया विषय वर्ळे नर नहें । रेग्या प्राप्त अक्षु न भू नुवे ह्या या अळव हे नुवे विवे न ग्री-र्रे-र्विवे-हेब्र-पावि-र्ज-पर्वे-पवि-प्रिट्-र्केश-पर्ने-र्के-प्यर-क्षे-रे-ह्रस्थरायासेट्-धरःवर्देन।

देश'यश'ष्ट्र-क्रॅश'दे'र्क्षें-क्ष्र'याश'याद्या वि'र्क्षेत्र'याद्याश'उद'र्चे' बश'र्वेश'य'यश'न्'र्द्यश'र्चे'र्याश'याद्या दे'स्ट्र-सुश'र्चे'श'रद्

क्र अस्त्र प्रे. क्री प्रक्षित्र क्षी अध्य क्षेत्र क्षेत्र या श्री प्राप्त क्षित्र क्षेत्र क्

यश्चर्यश्चर्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्येष्ट्राचे व्यव्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य

यदे त्यद्वे चुन्यय्याययादे सेययाद्वा चु क्कें द्वे प्यायाद्वे स्थयाय्याद्वे स्थयाद्वे स्ययाद्वे स्थयाद्वे स्थयाद्वे

८.क्र्र्याययावेयायदे वासूर्यदे नर्गेयार्श्वेर्न्ते न्या वात्राचा वे च्या भ विया ता वी क्रिया भर सा चर्या स्था स्वर्थ हो क्रियं केर स्टाय स्टायी क्रिया वर्रान्यश्रव र् त्यायायन्य या ग्री क्रिया हित्य दे सम्याय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्व नकुन्ने अ'वेग' हु' अर्बेट 'च' प्रश्रादिग'हेद' चर्गेन्' स'रें 'वेग' गेश सूरश' वहें व हो न प्राप्त । यह व वें वा अ हे न व अ वा हव । यह व वें न वें न ठेगा हु से सर्वेदा से समा उत्र क्षेत्र से रेशे दे त्यम सुद दम सुद से दि दूर त्रुव सेंद्र साधिव मदि त्यशानाद विना धिव सुद्र त्यहे ना हेव नर्गे द साधि त्यूर वहिमान्हेव श्री कें अ हिन त्य अ वन्य अ संदे में किं कि विमान मा प्राप्त वार वगारेगागे के र्येगाय कें नाय है ना होना मंद्रे वा गरिन स्टान बेव रव हो। क्रॅंश हेन् डेम हु नश्यान र्रेन्स न स्वा क्रंत निमानी सु क्रंय यायायश वर्ष

र्वत्रग्रम् कें श्रिमाद्ये समय महिमा हु स्रेशम्य म्यान्य मित्र हिंदे क्षित्र मित्र मित्र

श्रेश्रश्च वर्षी. यसे या प्रश्नुमाया यशा श्रीशा स्वर्धाया स्वर्धा वर्षा विष् नकुन्द्रम् भुग्रम् केत्र वेत्रम् केत्र वेगारादे द्योय नभर रे कें यद वेंग्य केंद्र में प्रत्या ग्रायर व्याय केंद्र ग्री'त्राम्भेश'ग्रिं'र्ने'विग्रास्रे'ग्रायर'न'यर्ग्यास्त्र'त्वेश'ग्रावि'स्ते' वावर्यानेयान् स्रोधर्यान्दानेयारेदिः वराया ह्यन् प्रमायाया हेवा हु । द्वीन भ्रे. ब्रुन् ने अर्थे दे क्रुप्य के अर्थे के क्रुप्य विषय के ते ने प्रेस्ति के स्थान नेशयान्द्रायावज्ञवाषात्रव्याचेत्रा नेशयान्द्रात्त्रीयाहेशवीन्जेर बेर्गी:र्रेशर्पेर्गावयास्यायाचेयामी:इस्राम्यायदानावियाधीत् क्रुट दे नार्थे न नहा क्षुयाना महिमा हु तर्द निर्मा स्थान प्रिका यात्रे हिते वहेत् प्रदे ह्या पान्द हिंगा प्रदे त्या हिन्य भी ना भी ना ने र नहेत्राग्रम् नारम् राष्ट्रमान् राष्ट्रमानेत्रा की । प्रयमाने गान्न नामन्य ह्मर-१८-इस-नेस-ग्री-१६स-स्र-वावस-स्वास-दे-सर्व-१ ग्रुर-स-वेवा धेवा

क्रूप्प्रम्म स्थाप्य स्थिषाय प्रमान् हो प्रहोत् हो प्रश्ने प्रहे प्रमान हो प्रहोत् हो प्रश्ने प्रमान हो प्रहोत् हो प्रश्ने प्रहे प्रमान हो प्रहोत् हो प्रश्ने प्रमान हो प्रहोत् हो प्रश्ने प्रहे प्रमान हो प्रहोत् हो प्रश्ने प्रमान हो प्रहोत् हो प्रश्ने प्रहे प्रमान हो प्रहोत् हो प्रश्ने प्रमान हो प्रहोत् हो प

ग्रीशरार्केंदेख्यार्यदेख्येरामी वर्गुरानार्द्राष्ट्रिया हेवा ग्रीपरानुरामी वर्षुट्रानवे नर्था वर्षे वा ना निया के निया विवासी में निया वा विवासी वि वःस्वास्त्रेयाची स्ट्रियाची साम्येषा स्ट्रियाची साम्येषा साम्यास्त्रेयाची साम्येषा साम्यास्त्रेयाची साम्येषा साम्यास्त्रेयाची साम्येषा साम्यास्त्रेयाची साम्येषा साम्यास्त्रेयाची साम्येष्ट्रीयाची साम्येष्ट्रीयाच हैंग्रथः श्रुन्। न्येरः तः नुर्यः र्व्यथः वर्षेः वृः यदेः वृः नुर्वे वृः यदेः वैन् ग्रीः नश्रमः क्रिंगः स्वाः करः वें रहुः नशः सरः हे दः ग्रीः स्रेरः दुः केंद्रः स्वा ग्रुशः नुशः हे । न्त्रम्थार्थः कुःनः स्टः निवेदः नुः विद्युसः निवेश्सरः हिन् ग्रीः श्रिनः नि । वयः स्रायद्वः श्वरः नः द्वे व्यद्वे न्या स्वरः स न्त्रम्थार्थी कु नायाद्युरानादर्भे नदे नुषादिरामी दिसेयान निन्दा लूर्याश्वामविष्या रूप्तार्म्यामा रूप्तार्म्यामा ग्री ख़न्य राया दार्के दे ख़र्या सुदानी या यही ना हे दाग्री । निस्रया के दारी पदी हिया मास्रास्रिते प्यसान्यास्र सार्केन प्येन्। स्राक्ष्यायने वे निन्न मी सान्याने सान्यान नरःश्वरःवीःवाञ्चवाशःस्टर्नरनेःन्वाःवीःवित्वावाःवर्श्केन्यःनेःश्वरःक्चःकेनः गुराद्या वितायह्या गुरायद्या देवे यात्र स्याया प्राया प्राया स्याप्या निया प्राया स्थाप्या स्था स्थाप्या स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्या स्थाप्य स्था स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य रेग्। यदे द्योष नभू न् कु राध सर में विग र्षेत्

श्चीयान्त्रविष्यान्यः विष्यान्यः विष्याः विष्यः विषयः विष्यः विषयः व

स्वाभार्ये स्थान्य स्थान्य विष्णा विष्ण व

तृःसुन् श्रीः तसे या त्यू माना ने सम्मान ने स

श्री स्वार्थ स्वीर स्वी

ळ्यः स्याची ख्रियः यह वा त्या या अर्थे वा चे त्या स्था व्या वित्र क्ष्या व्या वित्र क्ष्या व्या वित्र क्ष्या क्

भ्रे स्ट्रिं र्शे अपदर्के ग्रम् अप्ते में द्राद्र प्रमार्के न होना परि हेन्'ग्रे'नेवार्यकृत्'येवार्यस्य सुर्यस्त्र सुर्य होन्'यदे केन्'न्'येव स्वार्थे र्वेर्न्स्ट्रिन्स्टेन्द्रसुत्रः शुक्रा श्रीयाय विष्याय विष्या स्त्रीया स्त् ने वे वश्याया सहस्र हुँ न होन प्यान्ता के सामसा हे सु तु नु न वर्षे वे विन व क्रिंन्क्रिंगात्रया यार्डेन् छेन् प्रवेश्यक्रय प्रदेश छी। छार्श्वेन ने प्रवेद स्टा हेन म्र्रिंश्याद्वार्यात्रव्यायात्रव्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या सम्बन्धानियाः है स्वरम् क्यां कु स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षेत्र के स्वर्षेत्र के स्वर्षेत्र के स्वर्षेत्र के स्वर्ष यादह्ययायराग्विराग्चीर्य्यार्भेतार्थेताययादरे सेदेररेग्यायावेगार् अ'धेव'रार'शेशश'ठव'ग्री'रेगश'गवव गार'शर'यदर'थें । द्येर'व। ग्वत्यान्ग्याम् राम्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विषया विषया विषया विषया विषया विषय

पृ:सुन:ग्री:क्षु:न:कुन:पहें न:ग्रेन:सामन:केंश:र्रःकेन:र्र्वे अ:नहरःगे: त्रः श्रें दः वे प्रते पावव सव शे श्रें दः पः दे रहे या श्रे स्वादः श्रें दे दे पायः ह्या रेग्रास्त्रिःसरःश्वेर्प्यदेःमें भ्राय्याके रुप्तिः निर्वे ग्राय्याव र्धेन् प्रमान्त्र न्यान्त्र प्रमान्त्र म्या स्वीत्य स्व म्या स्वीत्य स्व स्वीत्य स्व स्वीत्य स्व स्व होता देव ग्या दिन के वित्र के वित्र के वित्र के वित्र वित्र के वित्र वित्र के वित्र वित्र के वित्र वित यामुरायनुः श्रून वर्षायार्थे : श्रुन् चेन धेव । धन । या यरा सम्मा विवा । तुः रदायदेंदाके नवे वि विवा मी वि सव मिले रामलिया व रापदे रायवो या न नदा ग्रीस्रायमुद्राया विवासित्रायम् सूद्रायया । भ्रिःसुद्रायवायः विवासिकाः रद्देन क्रिंग क्रिंग विद्या के क्रिंग क्रिंग क्रिंग के क्रिंग क्र नेर रन्य राष्ट्री क्री प्रदेश सेवा प्रयाह प्रवेशक व्यापालव प्यव खी छ श्री प्रवेश गुवःश्चिरःगोर्यास्याद्वीरःरेग्यास्याग्चेरास्ट्रियःग्चेर्यादे वार्चेर्यास्य यवरार्त्रे वार्था के स्वाप्त के

तृःसुतः श्रीः स्वान्यः स्वान्

ळॅं र नि क्रें र य में हिंग्या अर्चे में विग डिवे ही र हो र या श्वापित पार्या नन्तुं सारेश्रामावेगा नुश्रार्थेम। सास्रवराष्ट्रिम्म्नश्रामेश्रीस्रा पिस्रश्रास्त्रीयात्रेष्ठात्र्रात्रेष्ठ्रात्र्या विद्वार्थास्त्र्याः स्वार्थितः वक्रें के नवे शुँद क्रें र या ५ यथ रावे में खूद गुरा पेंद्र र यर हैं अ द है ८८.योवय.सय.मी.श्रेशश्राची.राम्या.श्राच्या. न्धन् ग्रम्भामा सुर सुर सेन्। सया केर विन्यर यने ग्रुर निर्मे भारें वा वे नेर र्वश्री सेसस्यिस्रियं रेवा प्रदेश्युव ह्यूर्य वर्षे रेवे के से देव र रेवास नियाहें वाया ग्रुया के प्राचें के स्वीत मार भूर रास्टर वी स्वीत मार भूर रास्टर वी स्वीत स् नससार्ख्याया रदायसाम्बन्याहेसाग्री गुःश्रें दादे दाक्षेत्र श्रे दिसा रेगामदेके श्रेंगमी में हिंगशन्दर्द्ध से संस्थान द्या अद्यु शुर्दि ग्वितः सवः ग्रीः श्रेस्रशाप्त्रशायेवः स्रीः ग्रीनः स्रीमः हिनः स्रित्रः वर्रे हे र्क्ष्व रेगा मे रक्षें वा हिना में सूर्य मार्ग क्वर रेगा मे नहमा न्धन् ग्री होन् वन्य ने इस गावना हैना नी ने त्र तु सर्व शुरा ग्री निव र्देव इसस्य वाद्युर न महिंद न संधिव पर् इसमावना दे नहें साम क्षुर चुरान्यायर्देन सुयादर्केया विनाग्री प्रच्या नुप्ताय सुन्या ग्रीता ने वि वर्राणेता रे सेत्रः क्ष्रमः विवा मुँत्रः प्रमः म्हाराये र मुन्यः वर्षे र स्वा वर्षे र मुन्यः

राष्ट्रातुःसेत्।

८४। नरामा माराष्ट्र सुराग्री प्रयोग प्रयोग स्वाप्त स्वाप्त विया यो । र्सास्त्रवरणरानेवे न्यान्य के नवे के लेख करा रेपावन नेव के नवे यदे त्रापद्यादर्दि पासे दारे देता द्येयाद्यु र रेगापदे इसाम्वमा मी हेत्रमिवेरपर्दे रायदे रायदे रायद्वारायस्य स्वेत से प्रदेवे त्रायदे मात्रा भी र्देन-तु-स्रेस्रस्य उत्र श्री-रेग्य श्राप्त प्राप्त प्राप्त ने प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वा वरामिकारीकरासवाक्षेत्रमी वर्षाक्षेत्रमी स्वरंतिक स्वरंति स्वरंति स्वरंति स्वरंति स्वरंति स्वरंति स्वरंति स्वरं धेवा येन प्रमास्य क्षेत्र स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वा श्चेषानी कर्पाविष्यमें में विवाग्रामार्थित। मर्केश्वा मर्मिष्ट्रमा श्चें द्राया विवास स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप र्षित्। कुः सळ्व 'डेवे: धुरनेट रनम् ग्री: भ्री 'द्रिंस रेग 'प्रमायम् व हिंदि । वि वःगविः इते गवसः रेसः ५ त्रह्मा प्रते के संवे ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ वा ह्ये ५ वि व प्रके चदेः श्रुः स्ट्रान्याची सन्देश्वन के सायाने साय है व होन न्या कु सक्व डेदे-ध्रेर-देर-रन्थ-ग्रे-क्रे-दर्थ-रेग-प्रथ-क्रेग-क्रेय-ग्रेव-ग्र रेसर्वत्वारावे के संदेत्र होत् रावे विकास शेशशन्दरश्चेदरहेरथुर्तुःवर्ळे निविद्याये शेशश्रास्त्र न्या यी विद्या क्रुश

ग्री:इन्नदे:पॅन्न, न्न निमा हु से सर्वेद न प्येत न स्य

वर्त्रे न से दे : र न वे व : र न व के : या व का या यक र : य दे : र केंदि : य र : नियाने किन्यावि के क्याविया या क्यानेया या यहेत नर्गे या से वादी र र्केशः क्षंत्रः रेगाः व्यादनुः नेशः के व्यनः निगान त्रुरः विनः सेनः व्याद्याया वर्षः वे क्वं देगा मी दे न विगाय धेव पर सक्वं हेर देगा परे हैं र भून ग्री गवर-र्देव-विगाधिवा ध्रिंगश्रामाठेगा-तृःश्रुद्द-प्रवेदिश्यामार्रे श्रुप्त-विगा मीया वसेवावसूर रेगामयागुन श्रुँ न न्दर्स्य भ्रम्ययाचे व सी श्रुँ न न से नदेःदर्गे नः सेदे हिन् कें या बसया उन् या गयया नन् होन पदे से या वर्देर-क्रुन-क्रुॅर-वेद-श्रेद्रा ग्वित-क्रुंश-वर्क्र-वर्क्र-व्यक्र-वर्क्र-व्यक्र-वर्क्र-व्यक्र-वर्क्र-वरक्क्र-वरक्क्र-वरक्र-वरक्र-वरक्र-वरक्र-वरक्र-वरक्र-वरक्र-वरक्र-वरक्र-वरक् नविव ने शहें ना श हो द राये व्यव ना विवे वद राक्ष द ने ना नी सर्वे द कु व्या कर नग्वादेश उत्विवार्षे द्रायर अर्बेटा विवा गुरुवा गुरुव रहेवा वी शके श्रिया ची विया अदे रे सूर ची दे न त्या कर ख़्र ख़्र ची त्यर विया क्या अ श्रुवा सर या वर्षा वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वात्र या ग्री का वस्य या उत्तर वा या या वा वर्षे वर यर हो द से शे द्वा प्राप्त स्थाय के स्था के स्थाय के स्याय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्था वर्राभेष्राभी भेषा स्रोते भूराविष्ठे स्थापनी वात्र विष्ठा मुना भूरा मन्द्रा दे निवेद्य प्रमुद्द विष्य स्था सम्बद्ध सम्वद सम्बद्ध सम्बद सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध पिर्यायेत्या श्रुराया सेत्र वित्राम् । दर्के पर्के स्रिते पर्द्य सीर पर्दे प्रदे ।

र्कें प्रमानिक्ष्य क्षेत्र क्

तृ:क्ष्रव:ग्री:श्रुं:केंग्रय:देग्।यदे:क्ष्रःत:र्श्वग्रय:पेंट्य:श्रु:ष्व्रतःय:द्रा नेवि क्रेव श्री राशे कुन ये वारा श्रुम मे वा पाया प्रमूम श्रुम श्रुम प्रदेश सह्या वर्ष्यश्रक्ष्यश्रक्षेत्रवारस्य विरावदे त्रास्यश्रक्षे भुः पदे विष्या स्वर्थाः र्केर र्ह्में नक्षेत्र है नारेग पदी द र्केश रद है द ग्रे कें राय है या नदे था न ने न्या स्ट हिन शे पर्देन हैं न्द सम्म श्रुव सम्म श्रुव स्वरेष से विषय हैं या अहेव पि ठव विवाद कें वर्चे न के त्या भें न के त्या कें न के त्या है न के की का त्या के त्या है। नःदिन्नर्गेषःश्चित्रंगाःचरः गुरुषः हे ः भूनरुषः दन्नदः रेरः श्चेरः नर्षः रेरः ख्यायान्द्राचे त्रेत्र स्याची केंद्र ये त्या त्या त्या त्या वर्षे न श्रेवे मन् द्वं न न न श्रे प्रवेष न न श्रे न न श्रेन श्रेन श्रेन श्रेन श्रेन श्रेन श्येन श्रेन श खुग्रायाम्बर्यसम्बद्धार्भेर् सेन् नित्रम् दे नियम्ब स्व सेम् त्यार सें सम्बद्धार सेम् ठे'यर् विग्'न तुर र्षे र से र त्या स दे र स्मान स र ते र स्मान स से व र से ग्रामी स से दे श्ची :र्क्षेयायाय प्रदार प्रदेश में यावयायाय केव :विया न श्चर : विया न श्चर :विया न श्वर :विया न श्य :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्य :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्य :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्य :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्वर :विया न श्य यशयदेवे वर दु विषय संदे रहत देवा संद्वा वी संदर है द री वु स नुवारान्द्रायरावादादेशाधरातुः हैवारान्वीराधादीः नेदातुःवायाके। द्रम्य के निवासी के निवास

ಶಹಕ್ಕ

तृःश्वत् (Charles Darwin 1809-1882) त्राप्त्राच्या पढ्टात्वा प्रतिः भूत्रमार्थः प्रति प्र

म्बन्नानी स्रत्मिन ह्या स्वन्त्रे स्वित्त स्वन्त्रे स्व

दर्शःल्या अर्देरःवा न्योःवरःवेःअन् कें श्रें वायोः दें विद्वार्यः युवः इशः त्रुवः सेन् सर्देर्या

क्रियम्बर्गः (chimpanzee) श्रेद्धारं ने न्या भी ना भी

 हीं स्वरंदे स

रेवाश कुत के त्रा (Chromosomes) रेवाश हश के वात्र श्रा विश्वेष विश्वेष विश्वेष विश्वेष के श्री के श्री के श्री के श्री के श्री के श्री के विश्वेष क विन् ग्रुमः न्ह्यमः प्र्वा विना ग्रुमः न्ह्यमः प्र्वा विना ग्रुमः नहस्यमः प्र्वा

প্ৰথমনি'শ্ৰদ'দ্বি।

अश | ४८.४५८.४५८.४८.४५.७००.८५८.४४.८००.४५८.४५८.४ क्षेट्रिन्दे में मार्थे विया निया निया क्षेत्र मार्ट्य मार्थे व मार्थे मार् यस विग में भूर ना निहार संस्था निहार स्था निहार संस्था निहार स्था निहार संस्था निहार स्था निहार संस्था निहार स्था निहार संस्था निहार स्था निहार संस्था निहार संस्था निहार संस्था निहार स्था निहार संस्था निहार संस्था निहार स्था निहार विषया विषया विष्टा विषया नश्रमान्त्रःश्रेषाश्चात्रः। ५.५८.५५.१.१.१.५८.५८१.११.११.५८. नविव निर्देश्य मार्थ विवा वी शास्त्र अव भी शास्त्र श्री राजवे सर निवन्युना शुँदानादे सिंदे वदानु है विवा स्व दार्थे दासे दासा स्व सामा स्रेस्र वित्राचार विवासी स्राम्य स्रित्त विवासी स्राम्य स्रित्त स्रित्त स्रित्त स्रित्त स्रित्त स्रित्त स्रित् यात्र अप्यायायाचे कें अप्रोत् अप्राय्य के अप्राय्य कें प्राय्य के या प्राय्य के या प्राय्य के या प्राय्य के या वशकेशसकेंगानुः शुरायाचे विवाधिवाधाराने नवाया श्रेशिये स्थातः याडेवा'अ.शुक्र श्री मेरे मेरे भारत्व विवा पृष्ठ प्रमासा श्री से माश्री म्हा मारिका ळन् अर्बे में बिया ग्रम् प्रिना ने प्यम् श्रीमान ने मुन्तु न् मुल्य हो नया रावियायी देशात्र रायात्र राया द्वाराया देया हिए शुरा उदा ही स्टाय विद लेवा देव ग्रमा विन् सक्म न विवाला म केंद्रि सुल उव ग्री में रूप प्रमाले

म्बर्भःश्वार्भःविदःश्वरः विद्याः स्थाः विद्याः स्थाः स्थाः

र्देव ग्यूटा नेश परे भ्रें र त्य विय तह्या हो र कु वे र केरे कंवर रेया गी हैं। या प्रमेषा यदे। यह गा न्युन् ग्री त्य शा गावि वि गा धेव स्पेरे में शा प्रहेव वियः यहतः नुः तर्वे विदा ने दिरा क्रया अवा भी अर्धि श्रूर खुं याया यहता न्धन् छेन् प्रदेन्धन् वनश्रास्त्र विषानेन स्वश्रा श्री स्वर सेषा यान र्द्रासेर्पियायेवावेवाग्राम्यायेवावेवाग्राम्यायेवावेवाय्याया ८८। लट.य. नेश.य. वा ब्याय. उव. की. वर्षे न गेरि. वा वहेव वया वर्षे वा नन्त्रचेत्रपिः वनत्र नर्हेत् चुर सेत्रपासेत्। समय परिना दुर निर यद्यास्त्रिम्यादे म्यानेयास्त्रित्रसेययाप्ययाद्यायात्रस्त्रस्त्रस्य प्रदेश स्त्रस्य प्रदेश र्श्वे द्रायते द्रायत् मुन्यावे स्याप्त्र प्रायत् या विष्याप्त्र या विष्यापत्र या विषयापत्र या विषयापत्र या विष्यापत्र या विषयापत्र या खुर्या ग्री ग्री मुंद्र क्रायम्य म्याय स्था मुक्त मुंद्र स्था मुक्त मुंद्र स्था मुक्त मुक् ञ्चर नवे वर्ष मुंग्रा है प्रमा हे वे कु गहिरा धेव विद्या Cartesian

विवाधिकावमा देःवःहवाहुर ह्वाध्यावः विवाधिकः व्यवः विभाग्ये स्वाधिकः विद्याः विवाधिकः विवाधिक

वर्पित सक्व कि र ने वा प्रते के स्व अ ने द स्व वि व द ने अ प्रते वा वर् र्देव पदि दें सूर ग्रुष्य पार्डें में बिया पीवा वर के शा ग्री पातुर रुग्व हुँ र रेग्'रा'र्रा केंग्र'ग्रे'द्रम्य'येव। स्या'नस्य'यम् म्या'क्र्यायाः नवे क त्र में भूर के नमा इस मर ने समित में राम में नि गाय केत विग कगाय प्रांता विया प्रांते से समा उत् ग्री में संस् ग्रेन्'सरे'श्रिन्'र्केश श्रुव्'र्सेन्'स'धेव'रा'वेग'रु'नश्रस'य। केश'र्स्'र्नेश'ग्रे' यश्रिटः रचः विवा विवरः चलवा वः सहस्यः मुसः ग्रीसः वर्षे वः स्रीते विदेश मी विशेषा में साया सूर्या विद्या हो दारि कु मार्ड में विषा है से स्था धीता धरःग्रीविष्या द्वेरःवा अद्याः क्रुयः ग्रीःग्राशुरः रवः ग्राग्यायः केवः विगः श्रे। र्केशःग्रीःकेंग्राश्चायहर्पादेःसर्वे स्वर्गे सुरश्चेस्राने स्वर्गायहर्षे রমঝাত্তর্থা ত্রিরাধন্য বাধ্যুদ্রমা

र्वेगासराध्यारुवाची हीं दानायायवीयान निर्वेतास्मनमा सूर धेना नर्गे ला श्रुं न ग्री भेना न नगव नया सर में विना सेन पर रहें राहे रा वयर। नेरावर्षेयानन्त्रीत्राचिरास्त्रीतः स्वीतः भूताधीगान्वानी स्वानि स्वानिता गल्र-१८। वें कुश नह र्रें ५ नठश ग्री कुन र्रेट्र राय वर्ष रे पें मुनार्धेरश्रायन्ताने केंश्रार्से विष्ट्रिन सूर्या ग्री र्स्सेया विष्ट्रा शेयश ग्री प्रकर हैं। नह हैं न ग्री मर्गेष हैं न ने मिन्न सक्त है न में मान मर्ग शेशशर्दिन देगा परे श्रिया कुन सायदा ना ने सकें ता द्ये राता थीं देन तुना र्श्चे गर्थः ग्रे मुर्धे गर्गा गे व्हर्र्स्थः भेर्यः दर्। f consciousness रे अंश्रम् f mind रेशेस्य ग्रीसर्व र्द्धार mental phenomena रे क्टेंन्स् विकार aware रेक्ट्रिन्य सूर्यायहेव वसाने सार्वे हिंदा यर पार्यायया यन्त्र होता वदा प्रवे से सरा ग्री अळव हिन सेवा भवे वर र ज़िंदी किये निर्मा किया मिंहू व ने सेवा fintelligence नेनिहेश ग्री में दिव क् के श्राम्य मा विद्रास्ति हेर्देगामञ्चातार्केशन्त्र्रम्भेयया हि रेट्या इसामेया विह्नुवरे

धीर् विष्य भे भेर्या भागार ने र श्चिर हो र

र्नेन अन् र्रम्य लेया वेरावदे किया ने र विवासन थी। वासून consciousnessवि'न्रान्युम्बा वेन् भून'ग्रे'केषा'वरेवे'वर्गेव' <u>५८१ अस्त्र ५५५५ वर्ष भेषा संदे इस ग्राविया मेश हैं मः विश्वास्य स</u> <u> सूर नवे श्रीर नवे क र में सावहें व हो द पवे से सस ग्री मर नवे व से पास </u> ययर यहुण दे से दर्दा महाराष्ट्रिय विषय है ते विषय विषय । विवेषाःसुःसःधेदःसरःश्चेंदःस्रेरःश्चेःश्वितःविद्यःग्वदःस्त्रंदःखेद्। दःस्रिंशः इसः धरः ने शःधवे : अर्दे द रहं वा श्री : भ्रें र वा अर्वे : क्रें वा फ र हर अर : से र से र धर र वर्षेयान १५ हो ५ मुन वर्षा भू ५ भेषा र्शे से दे मसू ५ छी : कर न गाया हे । धेरायावहें तर्वोश

धुत्यः उत्तर्भः स्वेत्रः स्वेतः स्व

वग'रर'हेर'धेर'वस्र से 'ह्रवा वि'र्नेग'र्ने' प्रोर्नर से देश कुरा क्रियाची क्रियाया वित्राची त्राची प्राची प्र न्यर में विगा सूर न् श श्रिंद यापव ने र सिंद न रे प्रदा विगा प्रतृद मी पेंद बेर्याययान्त्रन्तिर्धे मुना नेयामदे पर्केया वैनापरे हे मुहर्सेराया धेव संविषा धेव हो। दार्से वे वे व व हुषा ची व हें न हु है । बन गार से सस र्टायमेयाबेटा वेनायह्यामेर्यायम् पटासेससामी देने विनायहामा धेव'दर्गे अ'सर'अ'बद् वेव'वहुवा'वी'ब्रेट्'बनअ'ग्रट'शेअअ'ग्रे'रर' नविद्र-ठद्र-विगाधिद-दर्गेश गद्रश्र-श्र-श्र-दिश-विश्व-प्र-रिश्वेश-प्रदेश क्ष्यः रेगाःगोः वियायह्याः याञ्चरः प्रदेः र्गायः रयः इस्र असेयः वयसः त्रयः विदःविदःहुःळ्नशःळेद्रःधेदःपशा विशःधरःद्वित्राशःधदेःळ्दःदेगाःगोः वर्क्षेत्राविनावदी वसायदार्क्षदान्त्र विनाकनार्या सुनानसा

त्रें संस्था उत्ते की प्रहेग हेत हैं से स्वाधित ए सब्दा स्वरास्त स्वाधित के स्वरास्त स्वरास स्व

मुंग्रायाववर्र्यस्वर्य्याच्यात्राच्यात्र्यः मदेरम्मविव श्री श्रीमर्केम क्षुर्य प्रिया प्रमान स्थित स्थान इनिते क्रान्त्रभाभूषार्भू दार्नु निते नित्र नित्र स्वाप्त्रभाभ्य स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्व क्ष्यानावयःविवाः ग्राम् व्यानास्त्रमा क्ष्यामा व्यवस्त्रमा स्वाना गर्डेन होन परे हैं कें नर नर वर्त या वर्नेन या वहेगर सूर विराहें र्शेग्रथातकुन्। टार्क्स्यानेयामदेग्दिन्सूट्याग्रीक्रांत्रयान्यान्त्रान्त्र यासूरासूरसान्दावळरार्स्ने यसा हुदानदे धिन् ने सा ही त्सा है सा वाहेसा यानिरासरायनेराकेंग सामाने सामाने मामासामाने से से प्राचिता से से रा चिते खुल न्दर वर्षे लान न्यारी खें नि से साने वकर सूर दया से नि से सि ग्रःविषानभूरःइवःग्रेरःयःष्ट्रःग्रःथेव। वळरःश्वरःदरःवभूरःइवःवरेःर्ळेः न्नरः ने अरथः सूरः नवे रहे अर्दरः वर्ते यः नः महा ग्रामः से द्वी अरममः सः महा न्नरंभेशः भ्रे स्वास्त्रस्य स्वरंभरं मेर्

वर्षित सेस्र सेस्र श्री सक्त हैन स्वापित विद्र तेस्र स्वाधित स्वित स्वत स्वत स्वित स्वित स्वित स्वित स्वित

सक्ष्म।

सक्षम।

सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
सक्षम।
स

सेस्र रहे सम्दे स्ट म् से स्टी मुन सबद विमामे सम्हे न हुमारें वर्ति सेट.री.याष्ट्रेशायस्व वर्शायस्य री.री.याष्ट्रा के.क्.याप्टी.सेपाशायतः न्नानी अ र्हेदि वहें व पाने अन् रहेना अन् रहेना व प्रहिना पान हरे अपा सेन कुर-५, यादश्यादे या हे या श्चित्य श्ची स्टान्य विदाने स्वर्धाया न विदाने हो । व्यासम्हित्युम् नुष्य विम्रिक्षेत्रः सुर्वाया द्विषा गुन्येत्र विम्यसेया वर्षेत्राग्री:ररावित्राध्वापिरे सेससाग्री:रराकुषाने प्राप्ती सरागिवि रु ग्राम्या देवा वी के देवा में म्कृत महत्व बिट म्म क्वा मार्थ वर्के मार्थ वर्के मार्थ वर्षे मार्थ मार्थ वर्षे मार्थ वर्षे मार्थ वर्षे मार्थ गिवि इदि सेसस निगार्षेत्। दे वि गुव गिवि इस निस वेस विराध स ८८ श्रेम्रश्ची ८८ खुं या ब्रम्भा उट्ची पावि हेत पीत्। दर्वे स्रुमा पिते थुन भ्रेश ग्री क्वें वि ते ग्रव मिले क्या ने या यथ वे माया स्वाप के प्राप्त के प्

स्रेस्याद्वी स्वाप्त्र स्

 त्याः मीः श्रूं नः श्रुं नः श्रेनः श्रूनः श्रुं नः श्रुं त्याः मीः श्रूं नः श्रुं नः श्रें नः श्रुं नः श्रु

मु र्चित्र पार्वे अरग्री वित्र पार्वे स्थु व्यवित्र वित्र के अपि वे अर्थे। वा अव्य बिट-देग्।रम्भः क्वेदिःस्ट-नबिद्यस्र्वेद्या यदीसःग्रम्भयः बिश्रासदेः देवः वे सर्विन्यवसःसूर्वरात्रेत्रवित्रेस्रस्यात्रीः त्रायाधित। देष्यराष्ट्रिताः स्रो रेगा संते ग्राम्यरेत संने लेया सदसा दहेत संते हिंदे त्या साया विना क्रॅशयदी पद्म स्वराधि क्रेंश मादा धेवा प्याप्त द्वा प्याप्त स्वराधी का विमाया नही विट्राह्म अप्ते क्रिं निवन्यावे कु हिंदा क्षेत्र वह वा श्वनायवे श्वेते के शानिया साधेद यम वर ध्ययाउन मी अर्देन ख्याधेन। यया के राद्याय राया यदी प्राप्त भ्या प्रमा ध्या उत्राय त्रोय न्नि हो न सदे सून धिना नी स्नि न नामा न उर्था ही हु कुः र्वे भूः तुः द्वे वः वर्गे दः द्वरा ने रायदे स्टः चित्र वः वार्ययः चन्दः तुरा दिन्गीः इन्वदे विन्देश्वन किया विषया वर्षे वेत्र प्राचीत प्राच ग्राम्प्राप्त में मार्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वय स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स् याश्रयः नरः हो दः श्रापदः या देशः यः हि दः धरः देशः उदः विवा से दः धः यविदः

- १ नेसर्भे ध्रिवेग्वा बुग्रारुद्वा केंग्रा
- १ नेशम। वदःख्याउदानीः श्रीदान।
- ३ थ्वासेवावर् होना नससार्ह्वियद्सार्नेवा

र्शस्त्राचित्रस्य स्त्री त्राचित्रस्य स्त्री त्र स्त्री स्त्री त्र स्त्री स्त्री

५-५६-५६ अ.लू २ नाव अ.से नाव अ.से अ.से अ.स. विचा ग्रह धॅर् रे.वे.वे.वे.वा ब्याया उवा की मुनाक व्यया चुरान वे प्रें पर पर पर ध्ययः उत्रः श्रीः श्रीं दः या या है या या स्थाये वा ये विष्य स्थितः स्याः स्थितः स्याः स्थितः वहिना हेत ग्री निर्देश खेंद्र नात्र शास्त्र नात्र शासना हेना त्या खेंद्र प्रवे प्रास्ति गे हैंग्याग्री:ळ:न्यार्ग्याग्रुम:मदे:छिन्टेंब्य:इस्यारेन्। त्यान्ता वर्नेया गहराक्षेत्रायाची सप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वा सेससायादहें तान्वीयायाते नहें साथें नावसायुग्या ग्रीम्या स्था गुरुअ'रादे'द्रट'र्'दर्अ'रादे'र्केश'त्रस्थ ४'ठर्'रोस्थ'र्ट्'ग्री बुग्र्य'रुद्र' ग्री वियावित्रामित्रामित्राया ने स्वाप्तामित्राम वर् नदे विर के अ ख्रा

वदःसवेःमाबुदःतुःर्वेमाः अवसःमान्न विने नसः ग्रुसःसवेः द्रिसः विदः

यात्रशास्त्रयात्रार्थः इत्राच्यात्रार्थः विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र मी 'न्रें अ'र्पेन्' मान्य' शुमाय' ग्री 'क्य' मान्य' न्य' प्राच्या प्रस्ति । क्य' ग्राम्याने दे वित्तर नुष्ये वा हे वा हे वा ने वा विवा हे वा हो वा हो वा हो वा है वा है वा हो वा है वा गशुस्रायाचर्यार्थित्। दरार्थे वे के या ग्री विद्या हेव वसाग त्रुग्या उदा ग्री वहिमान्हेर्रान्या महिरायाक्षेत्रराक्षेत्ररा हिमान्त्रिया हिमान्त्रिया स्तिमान्त्रिया स्तिमान्तिया स्तिमान्तिय स हेवा गशुस्रासारमार्देशावसायर्वितायदेगाहेवाहेवाहेताने सेस्रासा शुः वृत्राहिता न्दः शन्दः भीतः परिः नश्रशः ह्वितिः यन् शः नित्रः विश्वायाः क्ष्र-र्सिः सर-ते व्हार्पिः सळ्व के हारी वाराया क्रु सासदा से हाराया वहा क्रूशःग्रीःन्र्याःस्ट्राच्याय्यायाःग्रीःम्याग्रान्यःन्रायद्वायस्यःभीगः विंद्राची अप्याश्वराचा विंद्रा सहंद्रा स्वादे प्राप्य स्वाद्री अप्यादी अप्य नश्रमः र्र्वाः र्र्वाः क्षेत्रः श्रीः स्वानिः नरः वादिः वद्विः देश्यक्षरः के निवः सब्दार्श्विष्रार्थित्रः वितः न्दार् ब्रुषा तब्दार् होतः भ्रूष्यर रूपः लेशः वितः स्वा नेते क्रें रायाविंदान्दा धुन दु होता क्रेंदा विचा के स्वीचा हु राये दाया चिन के आ श्चिर्याय भूता सुवा श्चिष्य अधि अर्द्ध स्वाप्य प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्वाप्त यहिरागराम्यम् परे त्राहे या दित्यावि या विवाय वर्षा ने राय हियारा

यम् यम् वित्राची वित्र वित्र

यान्यायशास्त्रे सुरुषायहेत्। यायान्यशाम् शाम्यान्याने सर्वे सर्वे । रेगा'म'न्र'न्य्यूर'त्रश'म्रारशाहेश'ग्री'त्रश'म्य'स्व'मदे म्रींग'ग्रान्'ग्री'न्धे' र्राचित्रची र्भे अर्कें त्रिया यी क्षें त्रा ने शास्त्रे का वर्ष के त्री चुराया वायमेवाम्हिन्मेन्यस्वन् नेरास्वर्णाम्यास्वर्षाम्याम् 5. नेशमान्य से सका ने सारायि नुका है या निया यथा यान्त धेता सेता *न्*रा श्रूरःक्रॅं र:न्रहीं र:क्रॅं र:ष्यः ह्यायशुरःषयः श्रुरः नवे वित्रः त्या निनाधित्र सायश्राम्बद्धाः धेत्र भेत्र भेत्र भेत्र निनाधित्। क्षत्र माविः डे ड अया पा पुरा उद ग्री श्रिट निवे पही वा हेद परी ग्राट पवे अपवा निट है। न्नामी तुर्भ हैं व्य मी श्रीमामानि व्य महेन न्या कन्मानि है स्य उत् निमाय नहेत्र थें न प्रानित प्या र्श्विमाया थें न सार्थी न हेत् न में या या या थाया उत् र शी. श्चिर्यानिया हेत्र ने प्रमुद्दान्य राज्य प्रमित्र स्वीत्र स्वत्य स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वति स्वत्र **न्या**

ळ्वः रेगाः गादाः गादाः गादाः गादाः श्रीः भ्रीः प्राप्तः गादाः श्रीः गादाः गाद

यः यानाश्राष्ठवः वनावः प्रदाः भ्रवः पुः स्वार्थः स्वार्थः स्वरः स् इक् विटः के अधि सुन्याया विचायः विचायः विचायः विचायाः विचायाः विचायाः विचायः विचायः विचायः विचायः विचायः विचायः क्रशःक्रेशःग्राथरःयः।प्रयःखेदःक्रेयाः श्रुदेःक्रियाः परः प्रदाः श्रुदःयीः क्रियाः वर्गायः धरःकशःगिहेशःदःषःनङ्ग्रदःधःददः। भ्रम्भार्यःदेरःश्चेःविगागोःग्चर्धःषः ग्निग्नर्वेशः होत्रविद्यारोरः दिवित्वराधेशः कैंग्या सक्वर्श्वर्शेतः। नक्ष्रामदे हे राश्वा ८ कें सम् नस्ट क्रान् क्षेत्र क्रव मेना व प्रिंत प्रवे रादे ह्रा प्रशुर श्री न शुर्र रेश वित् श्रुर परि प्रशुर रेष्ट्र वा वी से से राष्ट्र राष्ट्र वा वी से से राष्ट्र क्रेंन्द्रा न्वरः वेशः ग्रेंप्रहें वर्षा क्षुः तुर्द्र क्रेंप्रेंप्य उवर ग्रें क्रेंद्र पायर में वर्त्वूरानाम्बर्धार्थे । कुंवर्य्या कुंवर्य्या कुंवर्य्या कुंवर्य्या कुंवर्य्या कुंवर्य्या कुंवर्य्या कुंवर्य्या कुंवर्य्या किंविष्य किंवि ग्री'नकुर'रेअ'दर'गी'वशुर'र्थेग'व्यकुर्मेत्र'ग्रेत्र'ग्रेत्र'ग्रेत्र'त्रेत्र'त्रित्र'त्रेत्र'श्रेर् सर्वी सह्या गिरी राज्य सर्वे वा सर विद्युर के वा पा विवा वकर श्रुव से दि र धेवा

र्क्ष्य स्वाप्त ने त्र त्या क्ष्य क

क्रेवःविनाः प्रथम् विद्यान् विद्यान्यान् विद्यान् विद्यान् विद्यान् विद्यान् विद्यान् विद्यान् विद्या

ळवः रेगः यः द्रः अळवः छे दः रेगः यः श्चाः विषाः छे यः ये विषाः विषाः हे यः विषाः वि

यद्या स्ट्रें त्र श्रुक्त श्र

२००१ वें र र्भे सु हु था ये दे दर मी पिस है र दे (Canberra) सर्वे र्रेन हुन कंतरिया पर्देन विया प्रमुन व्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व ग्रीयाया वित्रापित से सया ग्री का ने दे हैं में माया नर्गे ने माने ने ना ने ना स्थाप ग्रव्यान्य प्रम्य प्रम्य विष्य विष्य विष्य विष्य Paul Davies ने ग्रन वना डेना नी श लेश रादे विंत हैं श ह्रा नावना है सूर ना हत प्रेने नश हो र मार्विमानी क्विंत्यातकमा श्रुना वेमा म्याप्यायेष हो मार्गिया क्विंत्र स्वाप्त नेशमित्रें में माया विवादिया दिया प्राथम स्वाप्तिया स्वाप्तिया स्वाप्तिया स्वाप्तिया स्वाप्तिया स्वाप्तिया स्व ग्रेन्भ्रवश्रात्मन्द्रे अर्वे वर्षे अर्थे । वित्रिक्त मान्यश्रियाः मर्था गान्न क्षेत्रा राष्ट्र स्था समुन प्रते ने दे तान्य पानि क्षेट प्रते ने नि न्ना क्रम्याक्त्राची मान्याक्षेत्रायान्त्राक म्याद्या स्राम्धित क्रियाची मेन ह्ये। ने निवेद न्द्र शेया श्रम् किये ने शासे निक्य के निव कराया निहेद द्या

 hippocampusधेवा यदीःयद्विःयदेंद्राःख्यायायदाःवःधिद्याः द्वाराङ्गतेःश्चेःद्वार्थाःश्चाराःश्चाराःख्याःवःध्वाराःविद्याः द्वा श्वेश्वराद्वाराङ्गतेःश्चेःद्वेश्चेःद्वेश्वर्थाःविद्य

ननेव पहें व पदे वे सर गावे र से समा गी र र नवेव क कर है। म्वित्वहें वारान्दार्के राष्ट्रदाष्ट्रियागा सुन्यवे व्या स्वाया श्रेया सुनायवे मिन्टिक निर्मा नुरम्भुम्या के निर्मे क्षाम्य सम्मान्य महेन न्य मुँदै वहें व पान्यम् प्रदे व्या में या प्रदे या <u> ५२८ इते ळं इ. रेगा में में हिंग रा हे रें साइ खरा न में रा संदे ळं ५ गांदी खा</u> क्षेत्रमा द्येरता सेससर्दरळे श्रेंगानी र्सेंग्सरद्र विवानी सेटर् श्रेस्रश्नाम्स्रभःरेग्नामः श्रुप्तःरेक्टरः हैं Richard Davidson न धिरायद्देग्राराभूगान्ता वे सूराक्षात्रास्व सेन् ग्री केंद्राना सरामें विगाला भे भुष्य famygdala ने ने रामित स्त्रीय प्रमान स्त्रीय क्षा निर्मा के स्त्रीय क्षा निर्मा के स्त्रीय क्षा निर्मा के स्त्रीय क्षा निर्मा के स्त्रीय कि स्त् ने क्रिंन्ट मून्य के कायने वे न्या की प्रवेष न के ज्ञान के प्रवेश के में पी का प्रवेश वियाक्षातुविः कें रामा के दामा नियाक्षा

श्रेश्रश्ची प्रत्ति व्यान्त्र स्वीत् क्ष्या स्वीत् क्ष्या

सळ्दाने नासयान विन्न होन् से ख्रुन निस्त्र नाम देन स्वा स्वा क्षेत्र से ख्रून स्वा स्वा क्षेत्र से ख्रून स्व ख्रून से ख

नेयायाने नेयारेवे हिंदार्केया नेवा वायान्य हैया उया दुर्ग राद्र-क्षे-क्ष्यायद्दे-त्य-विद्-तर्म्यादेश-द्रवे-क्रिया क्षे-क्ष्यायद्दे-चह्या-द्रव्-त्री-वनशायमानिया हिर्देश यहें व हो दारा दारा धर व यदे वे या बुवाश यद्या रेगामदे नदेव पहें व विगा पुष्य विद्या देव ग्रामा के या में या विद्या स्वाप हिर्यामित्रायाचीरायदेवायहेवायहेवायहेयायचेयाचन्त्री हैंराका केवा र्रे विषा पर्रे नि पर्से अप्ते अप्य है सूर हुए या वायया वन हो न हुन नमा सेससासे दान सेससा स्वामी प्रतेषा देसा दे हैं हिना नी सास हैं त वया वसेवावयुर्देगायवयार्द्राचीवियाः वहेययाः भूगायी इयापावयाः

यश्राचित्रक्षं सामित्र विवासित्र

श्रेश्रश्नाचेश्वर्भाषातुर्वश्चातुत्र्वश्चित्रः श्चित्रः स्वित्वरः स्वित्वरः स्वित्वरः स्वित्वरः स्वित्वरः स्वित यहें त'र्रा ने रापि हसामाविया मिहेरा हैं या राप्य कु प्राचिरा है। यह रापि हसामाविया ने नर्गे अने अपने वा कु वर्ष अपने विष्यु में निष्यु न निष वदःसदेः सळ्व हेर देवा सदेः वाल्द द्रा न्य द्रा न्य हेर हिर न्य वाल हेर विगाःकग्रमा व्राध्या कुर्यान् हो नामार्डे ने महिष्य हो हेरायेव ही कुर न्दः भ्रवः डेगा हो दः हो कुः धेवा इः अः भ्रः तुः न्दे वः वर्गान्व वरा न्वा इयिटेरें में वाद्युर्विदियाह्याह्या हेरावेद के मुन्दा दे व्ययार्थे वा है। क्ष्र हिंग हो र के व ही कु वे ह सम्ब ही त्या हता हा समाय सर हेन्द्रा हो वा विकास अपने स्था विकास अपने स्था मुना विकास अपने स्था मुना विकास अपने स्था विकास मानवः इस्र अः भीत्। कें अः नृहः चुहः नः नाहः भीतः तृतः हेते हेरः से तः नृहः सुतः डेगा ग्रेन में न ग्री मु गिरेश ग्री शिन पर परी वर परी लेश परि इस गवगाने हेंग्रासार के सामाय के दाधेदा दर सदे खु खु याय के सामानर ने अभे पार्व अभागा अभव दुव प्रतुर न पर्ये पार्थ हो न ग्राह । पर्दे पार्व अभव द्ध्वायाहेरायेवाग्रीमु रुवयायरावर्गे से श्रीन

र्नेत्रः स्थान्त्रं त्रः क्षेत्रः क्षेत्रः त्र्याः क्षेत्रः त्र्यः क्षेत्रः त्रयः व्यवतः व

त्र स्वर्ग्य स्वर्ग्य स्वर्ग्य स्वर्ग्य स्वर्ग्य स्वर्ग्य स्वर्ण्य स्वर्ग्य स्वर्ण्य स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण्य स्वर्ण्य स्वर्ण स्वर्

श्चून हो न पदी रहें या क्वें प्याया के वाया या है या या से के या दिवा मदे सुन् नुन् ने नु कुर न सर न सा न सुर र न नि नु कि र नि ने यदयाक्त्रयाद्या क्षेत्राची क्षेत्रयादे क्षेत्रया स्वया द्वयया वर्षेत्रया वर्षेत्रया न्वीं शर्या विवा रेना म्या कुष्य र की सम्बा कि सम्ब कि सम्बा कि समा कि सम कि सम कि समा कि समा कि समा कि समा कि सम कि सम कि समा कि सम कि सम कि सम कि सम कि सम क (Utttar Pradesh) व्दःमी ग्रायः विदः (Kanpur) रुः विदः स्वरू न्त्र दुः परे अर्गे क्रूं न पा क्रे अपित दिन् के विन में किया विन सम्म स्था रटाहेटायाश्वालवालेवातुराहेवटायाशार्थेटायरावन्तुस्रवशा याश यहिकाग्रीकार्ने स्वराग्रकाको राग्यरा विकासक्तरामिका करिका स्वरामिका नः श्रृं वः अदे । यः अप्ये वः वे रः नदे । अः ने । या है अः से । या श्रु या । भ्रून अः से अः वि यहिराग्री पद्या ने वादे सुर्ग् दे सुर्ग के स्वाप्त के स निह्न प्रदेश्वान्य रहेषाने प्रवासि वर से या या कि वाया ने या से से हिए या धेव प्रमा ट र्से त्य श्रुवा भ्रवमाय यावव वाहे म ग्रीम ग्राट से वि वि र्से दे वर भे भु तुर रें अ प्रदेश हो द हो प्र वि वि के भी के अपन वि कुष हो । ननेव नगर विवा धिव धर पर पर पर दे प्रति हुर न वे प्यय क्षु में र है य से न र गर्नेट से शुना

वर मदे श्रुव हो द तर्गे द श्रूदश हो हस या तदि दे श्रूव प्या दें हि यह दें

नेशम्य स्ट्रियाश्वास्त्र विचायह्या यो दिवाया विद्याया केवा विया दे ग्राम्बर्गाक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्राची विद्योवान्त्रन्त्रम् विद्यायाः विद्यायाः ग्री प्रहेगा हेत पा पहुंचा प्रदेश्वत देवा मी प्रकें या विच तर र र हें वा प्रहेर के नदे वित्रेह्यादगुवा भुग्रास्त्रीया पदे गात्र देवा सदे गात्र देवा सामित्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त ठ८ कु केर ५ र विर गर वग गर्य अया परि ५ स्ट्रिं वर्य अया पुरा गर्डे र्नेर्दित्रप्रे क्रिं रेग्यो प्रे प्रकेष विच प्रायह्म ही प्रेरिय द्या निम्त्र ग्राञ्चनार्याञ्चरा क्री प्रदेश हेत्र त्या पेर्ट्स प्रदेश क्षत्र से ग्रामी प्रक्रीया संभूत स्वर द्रा न्ह्रिन् चुते चुन क नाय के द द्वारा या यत् या या से द प्राये के दान विना र क्रॅंन्स्रो। जैव'जर। जिवाक्यमी:श्रॅंट्रम्ये।प्रमायदी:वे:श्रुंग्रामार्जेट्या वश्राभी त्र प्रति प्रहें प्रावि पावव विगारे पा गर वर्षा पाश्र भरि प्रहि प्र बच्चा की की स्ट्रिंग की स्ट्र

ग्राम्याग्रास्यान्यत्रेयाः वित्रम्यायाः वित्रम्याः वित्रम्यः वित्रम्याः वित्रम्याः वित्रम्याः वित्रम्याः वित्रम्याः वित्रम्याः वित्रम्याः वित्र र्रे त्रम्यत् केत्रर्रे विष्याण्या वेस्यायात् सुन् रावेष्ट्रम्य स्था स्ट्र थ्व विगा भेव ना शव में भानसूर सर्रे र नसूर्य पदि वे से दावरा ना या गरें। रेट्रश्रुया ळव्ररेग्गंगेयानेयानेयान्त्राम्यान्ध्राम्यान्ध्र यर सुँग्रास्युः सञ्चर प्रदे र सुँद्र पर सैंदे सुरक्ष्य ग्राबे त्य प्रविगान्स सर्के स निवाः क्ष्यः विद्याः विद्यादाः वयाः वाश्वास्य स्वतः द्यादाः व्यवसः स्वतः विद्याः मदे श्चिम् नवे विम् के सम्म प्राया उत् श्ची महाम विद्या विश्वा स्थान र्यते यादा वया प्रदारे वित् व्यवस्य प्रदा बुदा वर्षे व्यापे स्था यह के प्रदेश ८शःवर्देरः <u>ह</u>ेंद्र निवेदः पंदे वर्केषा वेदा ग्रीः बद्या याया दे निहेद्र ग्रुः दूरः वळ्यान्त्रीयामदेग्वन्नेन्त्रने धेता नेयामदे इन्वे विन्रे स्त्रे स्त्र

चन्द्र-स्थित्र-निव्यक्ष्य-निव्यक्ष्य स्था स्थान्य-विश्वान्य स्थान्य-विश्वान्य स्थान्य-विश्वान्य स्थान्य-विश्वान्य स्थान्य-विश्वान्य स्थान्य-विश्वान्य स्थान्य-विश्वान्य स्थान्य-विश्वान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य

च्यायदे त्या क्ष्याया ने स्वया विवा विवा विवा विवा क्ष्या क्ष्या

नहगान्धन् ग्री नहें न् ग्रु ते से सका ग्री स्टान वितान र ने वे त्रसमा प्रमासे क धेवा नेरःस्वर्थाः ग्रीः र्क्ष्वःस्वाः न्र्रः वरः न्रयः न्युनः वर्षः वरः स्वरः नवे क त्रामार वमा प्रामेषे के कि त्रामा विषय के निमान के नवे हिन्यान्या सेव ता हैं या न हैं न वव से कुव न हो न या है वन से स्थान सर्विरश्रमःश्रीःयसव्यायह्याःयदेः न्ध्रन्ययसः नियाः धेव। क्षेत्रः श्रीः रेशः व्यानम्पन्यः कंन्याधिवानिये पुष्यः उवः श्रीः श्रीनः नः व्ययः वृययः वेवः नः विगानीयानश्चरार्ह्मेयाधाराद्याधाराद्या देः नविव नार वना नविव श्री अ शार देश अ तो व रे हि र ता नहेव व अ से स्था ग्री मात्र अभि मा के मा सक्द र अभि मा पर्वे न श्रुन पर्वे अ। न क्रुन से अपने दे वर-रु-तिरमःश्चेतानेर-बियान्ने त्यर्यः श्रेममान्याने मान्याने साम्यान्यः यर दर्शे न से या है । हिन ह र्षे द नर दर्दे द

क्वा निर्मात के स्वा निर्मात के स्व निर्मात के स्व

विनायह्यान्त्रेन्यतेन्नम्नु न्यत्रेन्यते न्यत्रेम्यत्रेन्यान्त्रेन्यान्त्रेम्यत्रेम्य चुरादराञ्चर हेना भूर हेना या भ्रे नार्ट त्वाना प्रदे र्हें र नेरा ग्री प्रदेया वर्षीन'नेर'विन'क्षु'त्रेन्'मर'र्श्वेन्'नर्गेश वर्ने'वे'सर्नेव'श्रुस'त्री'नकुन्'रेस' विगाणिव विदायदेर महेव वसारोसमा ग्री क न्यादेव ग्री प्यार हिंग्या मदे खें नित्र मह के दे ता मह महि नि म नर्गेषःश्चित्रच्यात्र्यात्र्राह्मात्र्राह्मात्र्राह्मात्र्राह्मात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र क्रयश्चर होत् व्यापात्ता देवारे या से स्थान से स नर नर्डेन परे क्रिंग क्रून क्रयं के त्यं के राहे क्ष्र हो न हों न क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग हों न क्रिंग हों हों न क्रिंग हों न क्रि ग्रम्। म्यायने माना हिनान विकार विका व्यन्त्रान् प्रवेषानः वयान्तः सेविः स्रोदेन सुसः नेवाः प्रवेषः न्यानः विवाः । क्रॅंन सून र्थेन संदि र्थेना

देरःस्वश्रःश्चीः क्ष्यःस्वाः स्वरः विवाः वाह्यः विवाः वाह्यः स्वरः स्वर

८४.२.७५.२५.४.००४.१५२.४४४.१०४४.५०१५.३१.५. निषेत्र Stephen Kosslyn रेन्ट स्थ्रिंश सम्बन्धेन खेन सिंदर ग्रीशानश्रमार्स्निते प्रकरासूरायानहेत्रामिते स्त्रिते प्रमुत् सन्या ग्री तुर्यामिते भ्रॅंरायायायरायार्नेरास्टायावेव उव ग्री वियायह्या ग्रुयायन्या वट सेयया यान्ध्रन्यान्द्रन् चुरम्डिं नें स्न बुद्याने कें क्रम् चु से समाद्र कें खेंग मी किंग्राय प्रति से दिए में या विद्या के या मदेरम् जुरमी र्क्षन्यगागाने में अप्यहेव जेन कुमाय केव पीव मन्ता বাদ:রবা'উবা'অ'য়ৣৄ৾ঢ়'নৼম'উ'ঽয়'য়৸'য়ৢ৾'য়য়য়'য়ৢঢ়'য়৾য়য়য়'য়ৢ৾'ঢ়য়ৢঢ়' मनेशक्षेत्रमुन्मदेश्रुं न्देशह्राद्युर्चे नशेशर्श्वरान्दिर के'नदे'न्नर'इदे'न्न अेअअ'ग्री'ग्रेन्'ल्यान्चे'न्नव्यान्प'न्न'ने'वग्रुर'अदे' ग्रुन्यदेः कः निश्वार्थे वाश्वार्थे द्वार्थे वाश्वार्थे व्यवस्था विद्वार्थे व्यवस्था विद्वार्थे विद्यार्थे विद्यार्थे विद्यार्थे विद्यार्थे विद्यार्थे विद्यार्थे विद्यार्थे विद्यार्थे विद वद्वे देवा अ वे व्या श्वा अ के नवे प्या क्या नर्गे व क्षे द नु अ वया अदेव

वरःक्रेंशःष्ट्रःतुःश्रेंवःक्रुवःग्रेःवरःतुःश्लेंबःश्लुवःग्रेःववशःभ्लवशःहेः वर्जुर-व-५८। श्रु-र-विरुचे अस्त्राणी-र्यु-र-विरुचे दर्गु-र-वि गित्रेशक्षे द्वरार्ध्यायियायाथेव। वरायदे श्रें याश्चराग्री वरात्र से समाग्री न्ध्रन्याने भीन् ग्रेन्न्य वन्य भी व्यापाल्य स्वीत्राया यहेत् त्राया वर्ष गडेग हि सुर नदे खुय उत्र ही रर निवित्र हे तिहिता सूर नर केंग हैंग सुर तु'न्या'बेर'त्रेन्'यर'नर्गेष'र्श्हेन्त्रेन्। यर'बूर'यी'या ब्याय'स्ट त्य'विय' वह्नावन सें हो न पर कुर लेया नाया के न धिन पायने न विन न कुन नह्रवःविदःग्रायायः कः के निवःषीत् नेत्रुतः अभिन्ने निवः स्वरायाः विद्यान् । क्यायाने नर्गे या श्रेनि होनायाया सेनानु से सुनान विष्ट्रेताय श्रेनाय सेना विगाणिवा क्वःरेगाः स्रूरः न्ध्रनः श्रें सः श्रे न्ध्रनः पण्टः नश्रुनः रेसः न्दः श्रेगः यवि'सर'र्रे विया'रेस'सर'र्'यक्किर'र्वेश क्ष्य'रेया'यी'यह्या'र्ध्रापर नुःवह्यानवे भूनशळ्दानेगाय श्रुटानहर सेन्यवे ग्राटा बगा देगा गोश निर्ण्यस्ति निर्ण्यस्ति स्वीत् स्वित् स्वित

 स्वास्तराचे न्याते विवास्त्राची ।।

स्वास्त्राची न्याते विवास्त्राची ।।

स्वास्त्राची न्याते विवास्त्राची ।।

स्वास्त्राची न्याते विवासे विवासे

अळव्

ठेगा-तु-भित्रे-र्क्ट-र्निश-स्वाकाःयः विनायह्याः ग्रेन्-सान्नः र्स्त्रियः स्तुनः ग्रानः १ अरुषः यो तः ग्रेन्-स्तरे रक्टनः रेगाः सः विवा

विसाम मधुनसाम विख्य वा मिन

्रा । नेश्रामदे विचायह्या ने : इत्या अ विचा कवा श्रामम्। न्यमः इत्या न्मभुःन्द्रभःइशादशुराशुःगावशारेशान्। के शुरावानगायायशेयावन्। नेन्-ब्रन-यार्थ्याम्रीयायीयायम् नेयायायम् नेयायायम् नेयायाया न इस्र गण्डा वर दुर्ग प्रदेश दुर्ग वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग बुद्दिवेयानुस्द्दिद्दित्र्यं स्वाप्त्रियान्त्राचीयार्थेद्वित्राचेया रेगा'रा'गिहेश'ग्रेश'ध्राय'ठव'ग्री'श्रॅंट'नवे'र्श्नेर'य'ग्रथय'नन्दि'र्छ्द'ध्रव' विगानुन्भे मुना ने प्यर वर्ने मिहेश ग्री शास निवे क वर्ष पुरा मिरे वहें व परे पार व या या शुरा परे र यु र व य या वे या या के व र र वहें व र य या धेवा द्विम्रार्थेट्र व्याप्त नित्वा वे कुरावट खुव देट दे व क्षेत्र कुरा ग्रे र्श्रेल कुत्र न्या यो श्वर एए त्या उत्र ग्री स्ट न्य वित त्य सेत त्य वित व्य र्ह्में पार्श्वे दानहर हो दायापा के वाद्या निवास के वाद्या के वाद्य के वाद्या के वाद्य र्दे र्ने ल मार बमा प्र से दे र ध्रम बन अ न क्रुम क्र मा स्वाप कर से प्र न्धन्यायनेवे नेवार्या श्री वरान् होन्या से प्राप्त श्री वा विष्या नहान

५ १ देवे : कंव : देवा : ५८ : देवे : हेवा : नु हैं ५ : शे : शें वा सुव : वाहे रा शे : नर-रु: विर्मायि । विर्माय क्षेत्र क्षे र्वेर्प्यहें त्रप्रेयार वया या शुर्याप्रेय द्वार्प्य व्याप्त व्यापत ग्रीः क्षें वया वराये स्थान ग्री प्रमुत्राया क्षेरियारा अया प्रमुत्रा अवसा नर्गेषार्श्वेर्न्छेर्पायदेणी द्वेष्ट्रस्यायान्यग्रह्मेदेन्द्वर वनराने वार वना नासुस्र पिते पुरावा स्वर्थ प्राप्त विराध या र्श्चिम्रायाये क्रिक्त स्मामी पर्केषा विनामी त्राप्त स्मान्त स्मान्त स्मान होत् मुन प्रदे रे न प्रता वाद वया या शुरु प्रदे त्य त्र मन स्वर् प्रायहेत् वश्विनःवह्माकुः केवः र्यः विमा होनः श्वम सूनः प्रवेः र्सूमा प्रमः हो वस्यः क्रशः इस्रशः स्ट्रायशः तुर्वाशः के र र द्वेतः प्रशा र र द्वेते : प्राया विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः शुँदःचवे वहेगा हेत् सुत्र सुया श्रेया या या दे । स्व प्राप्यया प्राप्यया प्राप्यया सूर्याने। न्नरः इते त्र्वेषाय शुन्नरा क्रेन्ट्या ह्या त्युरा ग्री त्युरा

र्त्त्याः भ्रम्यश्चर्याः क्षेत्रः कष्टेत्रः क्षेत्रः कष्टः कष्टेत्रः क्षेत्रः कष्टेत्रः कष्यः कष्टेत्रः कष्टेत्रः

क्षावर-र्-र्षेर्-रवि:स्रु-रवि:र्स्तेन्त्र्वावर्ग्यःश्ची:यर-क्रशःवर्ने वःयहःयेदःर्सेरः न्नरहेशनकुःथ्नरुःरातुनाथ्वास्यायह्यात्रीरानीवरातुः केशन्या धर विवा ग्राट पिंद धर्दा देवे कें र द्वार वे क्षेत्र हुई वर्ष वहवा दुध् ॻॖऀॱढ़ॼॺॱॻॖॱढ़ॿॖॎख़ॱऄॸॱॸॆॴॱॲ॔ॸॱॸॸॱढ़ॾॗख़ॱक़ॺॱॸॆढ़॓ॱढ़ॸॱॸ॔ॱॲ॔ॸॱय़ढ़॓ॱ वर्ग्याची प्रमास्क्र परिवे त्रा रास्ते से स्वी रिवे सर्ची मात्र स्वी है। यश्रासावियात्यातस्याक्ष्यातदेशःश्रम्यकायवियाकःक्षेताःश्र्रम्यानर्गेशः सदे क वाडेवा वी वर र् जुर वदे सूर् सदे ह्र अ द्यूर खे द्यूर हैं वा केंट्र विया वियाले वार्ष्ट्रिया श्रुवि र्स्स्या प्रम्म स्त्री व्यापा विष्या स्त्री स्त्रा स्त्री स्त यात्रश्रायावि दे से तराया हैया यो का किया क्रेंट यो का या हैया यो वट द्राप्तया नगः र्वेतः श्रनः यः ने धिता

द्रा के स्थान के स्थ

गुःदगुषः इस्र म्रास्य प्रमाना स्रोता स्रोता

हेत्रहेशयादेरळ्यायादर्र्द्रियाविळ्यायाद्यादेश्य र्रिन् ग्री नह्यान् ग्रुन् ग्री क्या अदे व्यक्ष न् मेरिन् से सक्ष प्रमानस्य रेग्'र्भ्'र्भ'र्भ'र्भ'र्भ' Paul Ekman र्भर'र्भ्भेर'र्भ्भर'त्व्याम्भ सर्भावत्। विरागी शार्से सामाना वे निर्धास से सिर्धा विनाय विनाय हुना होता निव्यापितः विवासितः विवासितः स्वासितः स्वासित्यः विवासितः विवासितः स्वासित्यः ळव् देवाप्यश्विवायह्वाचेद्रायदे त्यावे कुश्चर देर देर वे प्यंत्र वरः जः सरः हेदेः गर्शेः नः रेगः गदेः श्लें नः ग्वः वशः धेवः गदेः ज्रः इशः Herbert Benson विवायह्याः र्कें प्रश्नुमार्भापः ने व्यायर्थीः मदेःगितुसःसदिःदस्यायेदःयःनवृग्यःनविदःमदेःस्यायःनःसदिःस्या पिश्रश्राग्री क्ट. ट्रॅन्प्रस्था प्रहेत सुर वी वर्षेत्र वे त्य प्रमुन हें वा हे चुर नरःविनःवह्याः ग्रुमा रेः करः हेदेः विनःवह्याः र्क्ष्यामायमः ग्रुटः नृरः हेः क्ष्म इन्स्यायायिके विद्राची में क्ष्या हे निर्देश यायायि में कुर वरी द्या मी वर मह्या द्या श्री रामर विश्व रामरे मिले क्या द्या या या वसुवाळ्यानेवे देवायापार विवास हुट वर र र विवादह्या वरे वा वा नाया

कु : केव : भें : विया : भें ना

बिनायह्मा हो न खुत्या की त्यो व स्वी क्षेत्र स्वी की नहमा न हाना या गुत र्श्वे दःरेगाःमः दरः वर्शेषः नवे गावदः देव स्वरः से विगाः सक्षेत्रः विदा कंतः रेगाः मंदे कें वाश है। विवादश ने कें तथ में सूर श्वाश के व हो न में सूर वी वसर्स्साविषाः धेराने। विरासे विष्ट्रिया वर्षा मार्गे वर्षे नार्या के स्वार्थित कुस्रसायेत्रायानम्यान्धन्।यद्देशायम्। क्रम् क्रम् क्रम् वित्राधिमान्याः र्वेग्। विंदः र्कें अदः रें विग्। यहग्। द्युद् यदिये देग्या अः ग्री वदः दुः विग्या अः यदेः वर्देर्-प्रासेर्-प्राने ज्ञायम् विवासित्। क्रुःसक्त्रं वावतः प्रमः विवा सक्समानायानास्य मान्युवाकमावित्रान्ये से वित्रसक्तानावा न्वराशी वर्देन क्वें कें या पर होना पायर निवास प्रियास पावत सर्वेट सेना ग्रान्थ्रम् क्रिन्ने वर्गियां भे वर्षित्र वर्षित्र वर्षित्र वर्षित्र के वर्ष के वर्षित्र के वर्षेत्र क वशुरावर्शेशःह्रेग्राशः कुं वे प्रशास्त्रित्रारो र के राजावा के व विगा हा सर्वेषः बुर्। रिदेशकुषायरीप्रदुर्भायम् नहण्यस्य मान्यान्य विद्यान्य विद्यान विद्यान्य विद्यान् रेग्रायायेग्रायम् पर्मुन प्राप्त प्राप्त प्राप्त म्या म्या स्याप्त स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर् भुषायानहरावेटा गव्राच्याची सेययाम्यागुरावयानभूरयाहे नह्या न्धन् ग्रे वर न् ल्वाय न्वे य प्रे नयस स्वाय क्षा नित्र हिंदा ने प्यर से सय

नहगान्धन्ने रक्षेत्र वर्ष्य अपन्य अपने अपने करण हे ना ना अवार्य र क्रूॅब्रम् विना देव्यामा नम्बूट्रान्यव्यानीट्रस्याम्ब्रुयाद्राध्या वा बुवार्य उदा की रहें रा भी वा त्या बैच त्यह वा के दारा दारा की सर्था मदे के अ वस्र अ उर पर् अ मदे अ अ मदे न हम र हर पर है । य शुन क गिरुशार्थेत्। दरार्भे ग्राटा वर्षा श्चेरा विवा गी ग्राटा शार्टा श्चेटा वर्षे वर्जुर-त्र-वर्दे-प्येत्र-प्र-द्र-। कःवर्दे-त्रह्मान् ग्रुन्-ग्रेन्-प्र-व्य-ग्रुन्-प्रवे-क्र्व-रेगान्द्रमिनेशः श्रुद्धि से अअभावअअभेगान्यमिने अप्याकः मेन वर्षः । दिनः ग्रम्। गुनः कः पाव्यन्ते स्विति वहेत् सम्मान्य स्वित्र से से स्वर्भन्य से स्वर्थन्य से स्वर्भन्य से स्वर्णन्य से स्वर्य से स्वर्य से स्वर्य से स्वर्य से स्वर्य से स्वर्थन्य से स्वर्य से से स्वर्य से स्वय से पिस्रशः स्वामा सर्वितः त्र्यूनः कुषा ग्रीः श्रिनः पाणे वा कः यदी मः विवायह्याः <u> ब्रेट्र प्रस्तात्र बना प्रस्थित सुन् अन्य अन्ते अन्त्र अन्त्र अन्त्र विनाधित्र</u>

वर मदे र्श्रेय कुव की र्श्वेय स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स ळव् देगांगी द्युद् वनशादे से द्युद् । वीस्थायदेशद्र वर्षे शावसूर होत् मुन मित्रे द्वेति स्ट निव्य हो द्वेत्र स्व के किया स्व व स्व में भिर्मा भी मा भा में कि कर सामित्री मार्स क्षेत्र में मार्स के स्वीमा मी मिर्वित रुषःह्रियाषःह्रायादः वयादिवे साद्याप्तायाः स्वयः स्वयः केर नमसम्बेत् देव ग्रम नगर इते रेगा मसमामसर दे हे र मदे ने स ल्य-र्यान्याम् अर्राक्षेत्रः श्री स्वर्रास्कृते स्वर्रास्य विष्टात्र स्वर्षः विष्टा रार्टे अर्द्धर उत्राधिन रानसूत्र १००० वेरि इ.स्यायायर सेयया निराहे श्रॅग'गे'र्केंगश'दर्दे श्रेट'र्'रश'गवर'र्देव'दिदे भ्रेंर'य'वेन'दह्ग' होत्रप्रदेर्वराइदेरळव्रदेग्यो व्यत्याके राजीया हो ग्रात्रप्रदेश सहेवरळ वशुर्भे द्वार्भे द्वार्भे विश्व विश्

श्रीन्त्रम् वित्तान्त्रम् स्वत्त्रम् स्वत्त्रम् स्वत्त्रम् स्वत्त्रम् स्वत्त्रम् स्वत्त्रम् स्वत्त्रम् स्वत्त्त्रम् स्वत्त्रम् स्वत्त्रम्

त्यान्यत्यान्त्वायत्वान्त्रः विवान्यः याद्याः याद्यान्तः विवान्यः याद्यान्तः याद्यान्यान्तः याद्यान्तः याद्यान्यः याद्यान्यः याद्यान्यान्यः याद्यान्यः याद्यान्यः याद्यान्यः याद्यान्य

विर्मि हिर्मुन ग्रेन्यम्य स्वान्त्रियास्य क्ष्यम्य स्वान्त्र स्वा

र्श्व-र्-भ्रिव-राष्ट्र-राष्ट्र-स्रावश्याप्य-र्-वर-स्रायश्चर-राष्ट्र-वर-स्रिव-

र्में दर्भें राज्याया या ग्रीया ये स्थाप्तस्य राजी के सामें दर्भ राजें दर्भ र मंदे से सम्म श्री वर्षे खुवामा नेवा हो ए पेटा ने प्यट विंट वी मार्के र न प्टर नरुषान्त्रे से स्वा ग्री स्टानित्र वर्षा से तर् रेक स्तुन्य ग्री वित र्विट्र सु: तु: विवा त्यः देश तद्देव : तुश् विवः विवः विवः विवः तद्देवे : वदः दुः दवायः ह्यः गुर्रायदे से समाग्री रदा विदाग्री देवा सार् समाने समाने प्राप्त के समाने समाने समाने समाने समाने समाने समाने स त्र्रोक्षः निया यी प्रत्वका यव रहेव त्या ह्या हुः नुयाका क्रेव खे वका निरा केंद्र यद्र-विय-विरम्भःश्रान्ने-सूर-प्रा विर-वि विव्य-सेस्रम्भायाः स्वामान्यदेः रेग्रथम् वेग्रन्त ध्रिम्रथम् वित्र राष्ट्रिम्यम् मे व्यास्त्र स्वर् सळ्य. क. चंद्र. क्रू. च स्थान मार्टि क्रिंट है। चर्टि श्रेस्य स्थान स्थित क्षुत्रदेन्द्रेग्रथःग्रहेग्'र्थेत्। क्वेंत्र'त्रेंद्र'ळेंश्याग्रथःग्रीश्याग्रुद्रशदेंद्र'यः वर्दे वर्दे के स्ट्रियं स्ट्रं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं श्रेयशः कुन् ग्रीः र्क्षेन् निर्माया निर्माण्या वित्र ने ग्रुषः नेषा उत् विमाया न्यायावत्रः द्वी देवे भ्रिम्द्रवी सक्ष्यक्र के नदे क्षेम् नदे भ्रियायापादे व्यादित्रकार्या अपम्या क्षेत्रयान्त्रवायान्त्रवायान्त्रीत्रायान्त्र वर्तरमा ग्रमान ने सक्त से दारे के साम है मारा विवादे स्टान वित ग्रीशक्षश्वरानिता वर्ने सूर रहा हेन् ग्री नश्वरा ह्रीं न्दा स्टिंग वर्षे राजा वर्षे श नश्चुर:ग्रेन्:श्रन

शेशश्यायर्श्वरावश्चराचेत्रपदितक्तूत्ररेशायदेविःग्वत्यःश्चरः नवगान्य निर्मे सर्वे निर्मे निर्मे निर्मे निर्मे निर्मे स्वार्के निर्माण हिर शुर्रायदे रें रायदे तुषा शुवाषा दे रायद सुरायद सुरायद स्वरायद ढ़ॖ॔ढ़ॱॻॖऀॱऄॕॣॸॺॱॶॖॻॺॱय़ॱॶॻॺॱक़ॖॆढ़ॱॺॱॿ॓ॸॺॱय़ॸॱॺढ़ॺॱ॔ॱॻऻढ़ॺॱॺऀॱ त्रुन। देव ग्रामा ने नम्बन्य के मार्क ग्रामा में अप्यान कुन से नम्ब गर्नेट्र न है देश श्री अप्य श्रुट्र न विगाय अप्टेर अप्रया हुए य श्रुट्र मी से दा केर-र्मे वर्ने वर्गे र भूनशरर हेर वर्के श्रेते कं निते शामुल र कर रुश वर्च अर्च : विंद्र मी : धेर् : खर्ज न्यं द्र अर्थ वाल्य : विचा : हु: क्रेंच : द्रेंच : वेंच : বার্ট্র-বর্-বাধ্যুর্মা

विनाधित्। तुर्यः श्वारादे त्र्रेतिः स्टानित् त्रीः सेनायः नित्रः त्रितः त्र्रेतः विनाधित। तुर्यः श्वारादे त्रितः त्रितः

यवि इते क्रेव से प्रमान निर्देश विषय । यह स्थान । यह स्यान । यह स्थान । यह स

श्चेंन'न्येंन'र्केश'ग्रामाश'ग्रीश'स्था'न्द्र'यत्रेय'नदे नुशः हैय'न्द्र शे' वर् वर् से समाग्री विंत्र हत् इसमाया समय से दार् द्राद्र विवा हो दारि वुरानार्षेत्रपराम्बुर्यानेता र्वे श्रुर्वात्यत्यान्तर कुरः अर्केरः ग्रेन् अपिवः ग्रीः शुक्षः सेवैः श्रेन् रः नम्मः न्दरः नस्मः नक्षाः ग्राक्षः नन्त्रम् स्याम् विगायास्याम्याचेत्रची सुर्यास्त्रम्या हिन् न् त्यमायास छ त्य विगार्थेन क्रॅन्यहें व होन्। व व ने म्रु र तुर्य स्वाय क्रिय स्वाय क्रिय व नहेत्रम्याविटः द्विते सुयारिते क्षेत्रया भुग्या दुट दया कु नक्षेत् श्रुत ग्रम्। वर्गे निर्मे त्रिक्ष रामे के सम्बेष्ट के स्वाप्त यश्चम्याभ्रे मुन् ने यशक्षा भ्रे भ्रे भ्रे भ्रम् या स्ट मुह मी किंद न माना

अळ्अअअन्येन्यन्यत्वेषाः क्रुश्यादिः श्रुता देवः देवः स्थनः श्रुतः न्येवः र्वेशः व्यायाश्रात्रेष्यः स्थन्यः क्ष्याः यात्रात्रः स्थितः स्थनः स्थन

बन् क्रिन निर्मेद के राज्या राज्य हैंद निर्मे क्रिन हैं निर्मे हैं। वरःमदेः ग्रुनः समदः विषाः वी सः से ससः वि 'द्रो सक्त से दः मदेः दरः कुषः विगायित मदि से साम मुन् नुमा नुमा मन्या मवि मदि मेगा के न मी महन नर्डेश निग क्षे हे नड्व नुस्र अर्गेव ग्री श सह द पर ग्राम श परे कु द हा यद्रा यर्गेवर्रे सुर्भूवर्शेशव इस्रयः यर्ग्यव्ययः रेटेर्केयः प्रीट्रियः नर्रेंद्रायानिकामित्राचित्रम्द्रिक्षामित्रम् नेवि-दी-साइसमार्श्वेसाश्चरायानहेव-वमार्श्वेर-श्वरायरार्हेन्श्च्रयानुमा नश्रूव नर्डे अ पदि र्स्टें अ अद्यास्य स्यू अ ग्री देवा य है र ये स्था उद वस्य अ उद प्या वर्ळटाकु नवे कु नट हेट ला ख़्व क्षेत्र शु र्लेट सर वर्देट सवे देव क्षे वदे गिविः इरः न बुरः। देः गिरुषः गिवे वरः दुः से स्र श्रः दिः कः द्रशः द्रोः शेशशा भी भी निया निया निया मुन्या सम्प्राप्त मार्थिय । सम्प्राप्त सम्प्र सम्प्राप्त सम्प्राप्त सम्प्राप्त सम्प्राप्त सम्प्राप्त सम्प्र सम्य सम्प्र सम्य सम्प्र सम्य सम्प्र सम्प्र सम्प्र सम्प्र सम्प्र सम्प्र सम्य सम्प्र सम्य सम्प्र सम्प्र सम्प्र सम्प्र सम्

यहेत्वस्थान्यत्ति । यहेत्वे प्रत्ये प्रविष्ण स्थान्य । स्थान्य स्थान्य । स्थान्य स्थान्य । स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य । स्थान्य स्थान्य

यर्याक्यां में या यो देव स्थि तरे ते वर्ष वर्ष या प्रस्थ या स्थ नर्डेशर्श्वर्थेययाग्रीः इन्निदेन्देन्तेने न्दर्गनिवाग्रीयाधून्ये नार्धेवा श्चन्द्रभे अर्कें व अर से निर्मेन वर्षे व के अन्ति है स्थान हैं न परि अर्थे र यर्गेत्रस्यमुत्रुत्रुत्रम्यस्य स्वर्धित्रस्य स्वर्धित्रस्य स्वर्धित्रस्य स्वर्धित्रस्य स्वर्धित्रस्य स्वर्धित् स्वर्धिते स्वर्ये स्वर्धिते स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्यते स्वर्ये स्वयः स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वयः स्वर्ये स् क्षें न्यायेयया ग्री में में प्यून येन पाने येयया ग्री है यान्द कें न्या न क्रमायानसूरव्याद्यन्तरायम्वर्षेत्। सेसमाग्रीखून्सेन्ग्रीररः वरमी सरसे। रें भे वर रुखा मिरे भूत से रुखे रिव के वर में तुरा स्वर स्थानित्राच्या स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित् नुअन्यत्यत्याम् वित्रित्त्वे अन्य देव केव ने दूर हैं भी वद वया हैं या

यर्ने त्र न्य स्थाने विदेश के स्थाने स्थाने

क्ष्यान् वीत्रस्य में न्यां वित्र व

यद्याः या अर्क्षव्या व्याप्ताः स्वाप्ताः स्वापताः स्वापतः स्वापताः स्वापताः स्वापताः स्वापताः स्वापतः स्वापताः स्वापतः स्वापताः

८४७४५ देवा वी ५५५५ वन ४७५० नहेत त्र ४४५४ क्र ४७ है वा ४१ ग्री:इस्राम्वमायदी:र्क्षन्याधीदायारःश्विन्दिन्देन्दिन्यायादे प्रस्थाः वर्देन ग्री से दिन देश निया अप्यान में दिन हैं दिन हैं किया हु नश्चुर्नान्यः वृद्दः स्वेरः श्रॅलः श्चुवः श्चेः वृद्दः द्वानः वर्षेत्रः वृद्दः विवाः श्चूदः नदे वित् नेत्र सूरमायनाय विना नामाय न्यत् नेत्र कु उस धेता न्यतः इते ळव रेगा मी ग्रुन् पते अहेव ळ बेर पते द्वा पावण परे वर ळें अवर यावयः श्रुः से या व्याप्त स्यापावयाः यदे व्याप्य ये विद्या स्योपः चन्तरः हो दः प्रदे वट के राग्ने वासूट क्यर हेंदि वहें वायदे कं वायी वायी वट दु न में वा हेंदि वे पदी गाहिषागाषा से समादी नार्डे सान हुन हो नार्डे ना सदी महान विवासिय प्रतिर्दित्याने सेत्। नगर इते श्रास्ट्रा वे सहेव सेवि सरामित विवाधिव परि स्था कुंवायने शासूनायां ने जार सहेता से विवाधितायां महत हिना हिन्याया

यहेत्रव्यास्याप्त्रव्युक्त्याय्ये श्रुवायान्त्र विष्या विष्याः विष्यः विष्याः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य

शेश्रश्याचिष्ठं श्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र

शेश्वशःश्चित्तविः त्यश्चाः स्वतः विवानिः त्रितः श्चे त्राच्याः श्चे त्राव्याः श्

गुरादारळें राग्टागुटामु । पवादु । प्रमुस्रायाये । यस्य मुदि । यमुद्र । देश दे र्क्टर बुन हिरा वर्ने या नहेन न या राक्टें या रे या श्री या हीं है हो र से न या या या रावे कु न दे द्व प देश श्रा श्रा ये व पदे व व श य श य य प व व श व व व प देश वहें वा इव पार्श्वे दाववे व्यवसायस ५ ५ त्वा सारी कु वा वदसाय दे ५ वो । सक्तती न्युम्यायेत्रयाते हें यासेन्यम् सुम्यो सुम्यो यायेत देवे भ्रेर इत्र य कुस्र राष्ट्र येत्र य य द्रिया राषा वत्र विया पर्के य देत मेन में समायदेशयम् भूत्रायदे द्वाप्य प्रमुत्य प्रमाय द्वाप्य प्रमाय द्वाप्य प्रमाय प्रम प्रमाय प्रम प्रमाय ८८. छे. त्रिंस्, रे. क्रू अ.८८. श्रीट. या. क्रु अ.स. क्रु. विया श्रीट. त्या. स्ट्रीय. या.स. र्केर ने शर्ज यश मंदे कि ए अर्घे में विवा न ही न श्रुन

इव्रयदे द्रम्य अव्याचित्र क्षेत्र क्ष

ग्री भें मुर्ग मेर सेंदे दर भेर ग्रेर भारती प्रमासी र न्यायीयाययाविनेरास्यायनेयायाचेराळेया वरायवेर्यययायया रेगामदेवरा धेर्नेर्नेर्नेर्भारेशरुव विगामी वर्र रेकेंद्रे केंद्र वेशवा बूट निरे पुष्पत्र से व निर्मे के शामित में मिल में निर्मे नर हो द रावे से समा ही त्या है वा विवा हि देश वही सुनरा विदेश विवा हो न दे ने से समारी कुषा हैं वा नाडिना मिं वदस दमाद न्या पे व से व नि न निवरणेर् होर्ने र्नर्र १८५ अर्थरे नश्या हैं नर्गेया हैं र्र्र्राचित्राया लेव.शुव.शु.कं.चनु.कट्या श्रीयाया श्री.यावट.हूव.स.शू. स्थया विया वया ८ व्हें राजी ८ हो ८ हो १ से त्या ही १ के राजी १ है राजी १ हो । इस राजी १ हो १ से राजी १ हो । इस यर होत्रयदे से सस्य विवा कुर्देश यह व होत् कु भेवा भेत् होत् हो सर केंद्रे हैं से खुया गडिया गी से टार्न नहता में रावहें या पर रासा स्वाप्त या श গ্রীমার্শ্রবামান্ত্রিদা

भेटा विक्तित्वा स्थान विद्या स्थान स

ग्री पर्दे द स स्वर त्युव पाठिया या शेश्रश्र या हु द दे पाव्य श्रा श्रुव स पर्दे से दा कुं क्रेन ग्वन विगाने में अशम् विशादर विशा धुया विगाय में अश वर्देशसेन्यने उसाम्रीशास्य निराधिन मेन्या मिन्य स्थित । नर्हेन भुग्रा केन हो द दर्ग्या धेन थर। श्रु द नहर हा अन्य में अर वर्देशः विचः क्षें प्रः विचरः वर्देवः श्वायः केवः हो द्यो यात्रे विचः सर्ज्ञित्रात्राद्यात्रात्रे त्यस्याना विवाधित्र तदर्ग विस्थादिस्याया निहेत् वयाधियासुग्ययागानेरासूरावविवायवन्।वर्हेवाद्येन्से।नर्गेयासदीः क्रिंदे क्षेत्र मि मि स्वाप्त स्वाप्त व्याप्त स्वाप्त स्वापत स् ह्रेंग्रायावे या नवगान हुन नशेर्या भेरामें देया ध्रमाये हें नया धर <u> चे</u>द्रायामें समायदेगाचेदायराद्राचेनायनदावर्हेन भुगमा केदा चेदा न्वीयाग्रमा नेयाग्रीयाने यागीययापि ननम्वीयापनम् नहिन् सुमासुम यश्राभी यवदायर वन निर्मेष के प्राप्त निर्मेश प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप नविव श्रीशवश्रूमा

धेन् होन् त्याची स्रमान होन् निया विषय स्थान विषय होन् निया हो हो निया हो हो निया हो निया हो निया हो हो निया हो हो निया हो निया हो निया हो हो हो निया हो निया

धरावर्डेवाद्वेश वस्त्राचेवावदेवेव्यत्र्रेत्राच्या सेवायायवे सेटार् यावर्यायम् होन् प्रवे द्वर्यान्ना हैं है या है या हिया है निर्वे या रूप कर है व्रीट्राचार्ट्रावर्धे वार्श्वाकात्याष्ट्राचिरावेकाचित्राचरकासेस्रयाग्री तुर्वा क्रियामहिराप्त्रा हरारायेदायेदे प्रियाराध्याम् रेते दे विसरा वर्देशवानहेव वशक्तुव नह्व प्रवेश्ये न होन न्ये ग्राया वर्देव प्रवेश सेससारी मासया कतसा नेसान विदानिसान हैसान हो ना से ना हो ना सा निस्ता के साम हो ना से मास करा हो ना से साम हो ना साम हो साम हो साम हो साम हो ना साम हो ना साम हो ना साम हो साम हो ना साम हो ना साम हो साम हो साम हो ना साम हो ५.२५८४४१७वे ने ने स्वाप्त नी अर्थे अर्था ग्री प्रमार में अर्था प्राप्त हेत तथा ध्याची के रायान्यन संदेश हैं या केंन्य हैन होन न विराधित सर हवारा वःक्रॅशन्नेरःश्चॅरवर्रेषाश्रामवेरहेवरायकेरवर्ता यद्यसेस्रश्चीर्यः क्वायान स्वाप्त्री

वर्ष्ट्रणः श्रुवः सर्यः अवत् । अय्यः द्रः द्रियायः विवायः वर्षः विवायः याद्रः वर्षः विवायः याद्रः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः व

क्ष्र्याची क्ष्रयाचे त्यदे क्ष्र्या व्याप्त विद्या विद्या

स्वार्थः स्वार्थः वित्रः त्रिः त्र्यात्रियः त्र्याः त्र्यः त्र्याः त्र्याः त्र्याः त्र्याः त्र्याः त्र्यः त्याः त्र्यः त्र्यः त्र्याः त्र्यः त्र्यः

ख्याया ग्री हिन के या ही ज्ञान पा लेना या विन प्राप्त प्रति प्रति हैन ग्री में हिन या गितराबन कुराहित वर वर्गे वा नित्त वर्ष स्वर बुद विरोधिक विष्ठ विष् रराष्ट्रेराग्री नश्रमार्से प्राचित्र स्वामक्ष्य म्या स्वामक्ष्य स्वामक्य स्वामक्ष्य स्वामक्ष्य स्वामक्ष्य स्वामक्ष्य स्वामक्ष्य स्वामक्य स्वामक्ष्य स्वामक्षय स्वामक्षय स्वामक्षय स्वामक्षय स्वामक्षय स्वामक्य स्वामक्य स्वामक्यक्य स्वामक्षय स्वामक्षय स्वामक्य स्वामक् वेनशः केंग विंदः वीशः वहेंगः श्लेंशः दृः स्थ्यः वीः केंशः विवाः यः न्ध्रदः सः यिहें द्राप्त निर्मा के अप्री निर्माण कर के अरा अप्री विया विहें त्र द्री अप क्रियायायरायात्रियाधीय। ध्रायाची क्रियाची स्रेटार् क्रिंचिया चिया है। वर्हिन्यायान्यावार्याय्यायायायायात्रायाचे अन्तर्भे अभार्ते अन्तरीय क्षेत्रान्त्राया न्मा यम्बर्भस्य केंस्र कें मन्त्र निम्म निम्म स्वर्थित केंद्र स्वर्थित स्वर्थम भूगा'अर्बेट'य'अर्ळें त'वर्'यर्'गर'यि'यें 'त्र्युं र'वदे'से अस'ग्रे' ग्रु'द्र्युव्यरेस व्यावियान्वी क्रिंगानेते स्यायया हिन क्रिंगाने वा त्या विवाय विवासेना

र्श्वनः न्यात्रः विष्णः विष्ण

न्यन् । इस्रमासेन्यने स्थाने स्थाने

नेश मुदे से कंद गावद द्या द्र प्रदान मार्से स सून ग्रे क्र स्यापेद वर-रु-वनशः नेशायानहेवावा वर्ळिया वेन डेगामी हेर-रु-रर हेर्-ग्री हैं। हे गडिग ह ग्वर्य श्रुवा ध्रय उद ग्री श्रुव्य व श्री श्रीव्य व श्रीव्य श्रीव्य व श्री श्रीव्य व श्री श्रीव्य व श्री श्रीव्य व श्रीव्य श बूर में यानर कर हो र ख्रानया न हार क्षेत्र हो पर्केषा वेन पहिन क्षेत्र यःविषाः ग्रेन् : यदेः व्रवसः नेसः यः नेसः यः उतः ग्रीः न ग्रन् यः वेसः वः सः नुदेः क्रेंब्राची वर्षायया विदः र्गात्रवायाय वर्षेत्र दे नविवर् र्पाद्य क्रिया ग्री नहें न ग्राह्म अराग्रम मानुम ख्राम अराममा कुराम हा मान्य विकास मान्य विकास मान्य विकास मान्य विकास मान्य क्रिंस्यायायाः स्टाकेट्रा क्रीया ने दि स्टान् जा के या निर्मास्य स्थान् स्टान्य या के दि क्रिंग न्युन् क्रिंय श्री निर्देन यावि विवा वे रम्प हिन् श्री पर्वे वाव्य श्री क्रिंग मदे रह र निव र वह र मह्म र र से स्वा मित्र र मित्र मित्र मित्र मित्र र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र म श्रुवाग्री निर्दे प्राप्ति वार्षिया प्राप्ति विवार्षिया विवार्ष्य विवार्षिया विवार्ष्य विवार्षिया विवार्षिया विवार्षिया विवार्षिया विवार्षिया विवार्य विवार्षिया विवार्षिया विवार्षिया विवार्षिया विवार्षिया विवार्ष्य विवार्षिया विवार्षिया विवार्य विवार्य विवार्षिया विवार्य विवार्य विवार्य विवार्य विवार्य विवार्य विवार्य विवार्य विवार्य विवार ह्या परे दें त देवा या यय हिंवा या श्वा यह । यह हे द यो श्वी तह यो श्वी द । यह । स्ट्रेट र् जे हिंग्य पदि र् र्रेट र मुन र जे स्वेट र ये प्राप्त विष्ठ र र जे स्वेट र जे भू मान्ने भाष्ट्र मान्ने प्रत्ये क्ष्या मान्ने प्रत्ये मान्ये में मान्ये में

विवास्तरक्षेत्रकार्वेद्द्रन्ते स्टाची सुकान्द्रन्त्ववाका ग्री कु नवे र्द्वेग्रायाद्य प्राम्बेर् व्याष्ट्रययायेष्ठा क्षेत्रया सुरस्या स्टेरिकेट मे वशुराना झार्से स्रे। न्त्रमाया वहीत हुन ग्री नराया है विमा शुराना वहीत मदे रहे स्ट्रिंग् ने स्ट्रिंग निक्षा निक्ष स्ट्रिंग निक्ष नि ग्रवसायवाद्याद्यां राज्ञेन प्रवेश्वेस स्विता स्टा हेन ग्री पर्वे प्रावसाय राज्ञ सेन्सिते हीं निर्माण भीवा भी होता हस्य सेन्सित हिना या श्चेनशर्गात्युरार्धेगार्हेगशर्ये स्टारेन्टरहेर्यी स्ट्रिंग् स्ट्रिंग् नुग्राराकेत्र में विगाकग्रार रा निम्ता होन् प्रम्य निगाने पर कें गर्भेर-स्र-तक्षः नर-ग्रेन-सरे-कु-क्रेन-ग्री-इ-कु-स्र-स्र-त्यानस्र गिविग्रारा होत् कु दे 'भेर हिर हुर हुर हुर हैं दर्के दे पर्के मान्य रहे गि सूर होत् वनसःग्वितःविगाने सुसःसेदिः तुसः हैत्यः तृतः होतः यस। भूगाः परः का नन्दरमुद्रमिद्रभूद्रम्भूद्रम् न्याद्याद्रम् स्वित्रक्ष्ण्यास्त्रीत्रम् स्वाद्यास्य स्व विगाया श्ले प्रदेश मेगा प्रदेश विशार्षेत्र सु केतर विगार्षेत्र के विष्ट स्टर हेतर

 यतः स्त्रीं त्रा श्री त्र प्रमान्य प्र

वदः यदे : श्रॅल : कुव : श्रे : वह दे : विवाद द्वा : विवा : श्रे वा श्रे : श्रे अ श्रे : श्रे : श्रे अ श्रे : श्रे

सर्देव-दे-ताः श्रीयाः प्रत्ये विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र स्थितः स्यतः स्थितः स्थितः

५.५८.श्रॅंश.मी.श्रॅंर.ज्य.क्व.रेगा.ग्रेश.विय.वह्या.मेर्ट्यायांची र्नेन्गी केंशन कुन्तर देन्या अव्यक्ती श्रीत्र न विवार्षिन्य ने प्षेत्र वर्रे वे वक्के नवे मान्या भूनया शु से क्वं स्था से नु र ता भून के मार्च साया सर्देव-र्-प्रश्रूर-विद-क्रेश-विव-र्-पुः श्व-विव-विवा-र्-वर्देन नेशन्यस्थे वदेन्दर्श्यासक्दर्श्यानिषान्त्रस्थित् होत्या ५८। इब्रायावर्षेराया गहेरास्त्रमार्यात्वाया विवार्शेराणे वर्षेत्र मन्यस्य में नुस्र भूतर्य माव्य नुस्र भूत हेना ह्या व्याप सुरा से स्राय स् ॲॱज़ॸॖऀढ़॓ॱॼॖॸॱक़ॕॴॹऻॕॱॸॕॱक़॓ॱॸॸॱक़ॖ॓ॸॱज़ॾॱज़ॴक़ॱॸॸॱऄॴॱऄॗ॔ॸॱॿ॓ॸॱऄॗ॔ॸॱ सेससःग्रेःस्टरविदःवदेःवनसःयसयःयःवहेदःदसःकेदःद्रःवस्रेदःवुनःसः ८८। वक्रे.यदुःश्रयमाराचयावर्षः वर्षः स्थान्यस्थान्तेषः वर्षः नेषायासः र्शेन्देव:कुन्देद:नुन्देव:मुन्

८:ररःहेर्ग्णे:र्षर्भःवहेत्र्त्त्रेरःसेत्रःसेःकेःर्वेर्म्भःग्रःह्वाभःरुभः वर्देःवर्द्वःलेश्वःयःखःसेंव्यःवहेत्र्त्रश्हेत्व्यद्धःव्युस्यःश्चेःसेरःव्यःवत्व्यशः र्षेत् श्चत्र्वःसेवाःवदेःस्थःत्रश्चर्वाःस्वरःव्युव्यश्चः वार्ट्रायार्थ्याश्रुर्यार्थी:हवार्यायाराष्यरार्वेद्रायेत्री कुःवाराय्यरार्थेवार्यार्थीः क्ट.चॅर-क्र.चद्र-अः विवा-प्रः र चर्र-विरः विदः विदः विदः हैं वा अः यः चेतः मदेः श्रें अपायाव्याव्याव्याव्याये अपाया श्रास्या स्वार्धे विष्ट्रे वा व्याप्त्रे स्वार्धे व्याप्त्रे स्वार्थे नव्यायायन्त्रा वर्तावर्षः भ्रान्यायाः भ्राम्यान्यायम् ग्रीः सेस्याप्यस्य ग्रीः यावरार्चे अपन्ति । विद्यानि । विद रेसर्अर्घरळें सर्युः शुर्मर्भित्र म्याया है विया पित्र सेत्या है सर्विया स्वाप्त सेत्र स्वाप्त स्वाप्त सेत्र स्वाप्त सेत्र स्वाप्त सेत्र स्वाप्त सेत्र स्वाप्त सेत्र स्वाप्त सेत्र सेत्र स्वाप्त सेत्र सेत्र स्वाप्त सेत्र सेत्र स्वाप्त सेत्र सेत्र सेत्र सेत्र स्वाप्त सेत्र ५८.य.५ड्रेब.स.ब्रेया.सेन्। रे.कर.ड्रे.५८.पिंट.यो.सश.र्सेयाश.क्ट. इ.रस.स. यर प्राप्त भ्रम्भाव भारति कुषा यदी र विवाय हुवा हो द यदे द के वयदा भ्रम्भा येग्रयायययायायेग्रयायादावेगाये द्यार्था यन्तर्थे श्रुवायादा यादा क्षरःभ्रम्य अपेर भ्रेस्य स्माना शुःष्य में मिर्या अप्यान

र्देन ग्रुट्। याट बया प्र दिंदि प्रम्य श्रा हिंदा प्रम्य श्रा विवास विकास वितास विकास वितास विकास वित

सर्न्यूर्व सः श्रुं सः नृहे सः वावि वर्षो सः न इसः प्रवे श्रृं व वः वर्षः विवासके श्रीमान सम्मान सुमान विवास के निवास के न नव्यायायळ्टानदेरे सुगान्टासे समाव्यासे ग्रमारी सादिर से समा गणेट्र अं वह्या सूर्य परि से सरा मुन् केया केट्र नु ने द्वी स्त्र से सुन सूर्याने क्रिंयाची वृत्यदेवे देरार्दे से स्थापन्या संद्र्या पाहेयाची । र्ह्ने स्वित्वा क्षित्र मुद्रा भीत्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्व वर्हेग्। कुं ने 'धेवा वर्ने 'वे 'याय' केव' वे या 'धेवा ने 'धर' वर्ष श' यं वे हीं र य इस्रभानभूर:इव्रचेट्रायवस्य वर्च्याः वर्च्याः वर्ष्यः वर्षः देश्यः प्रमान्यः वहेग्रअसूर सेंग्रअ ग्रीस कुत्र रुप्त केंद्रि से समाग्री ग्राह्म सामा प्राप्त पर नश्चरः ग्रुशः त्र्या दः र्कें व्यद्याया देद्या यादः सुदः विया यी व्यदः सुपावया य यश्रात्रस्याः श्रीः श्रीतः नः नदः भ्रुतः नुः पात्रशः श्रुः तेः नः उदः नुगीतः सः धित। ददः हेन्स्रिं अ.ची. बुद्रायान्द्रिं अ.शु. वृत्रायाः भूत्रया से स्याणीया तर होन् परिः ळॅं दायरें वा प्रमंत्रे सें प्रमंत्रे से दाये से से प्रमान के निष्ये का से से प्रमान से प्रम से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रमान से

क्रवाश्वाश्वा श्रेम्श्रुन्त्श्रुवाश्चित्रः श्रुवाश्चित्रः श्रूवाश्चित्रः श्रुवाश्चित्रः श्रूवाश्चित्रः श्रूवाश्चित्रः श्रूवाश्चित्रः श्रूवाश्चित्रः श्रूवाश्चित्रः श्रूवाश्चित्यः श्रूवाश्चित्रः श्रूवेश्वः श्रूवेश्वः श्रूवेशः श्रूवेश्वः श्रूवेश्वः श्रूवेश्वः श्रूवेश्वः श्रूवेश्वः श्रूवेश्वः श्रूवेश्वः श्रूवेशः श्रूवेश्वः श्रूवेश्वः श्रूवेशः श्रूवेश्व

यदे स्ट्रेन क्षेत्र स्ट्रेग या लुग या भूनया कुत कर से दाये कु त्ये कु त्ये मुद्र य वर् सेव विवायकर य हैं वारा विदा प्रवो से प्रवो वार वर्ष विवा पुः स्टूर सेवः वासार्द्धेश्वासरावश्वसार्द्वे दे द्वार्यर द्वार्यो रदाव्या न्वीया नयसः र्से ने न्वा श्वाया के सः वाहिन नवसः वर्षे वा वाहिन हो ना यद्दार्थवार्थाकेश्वर्वे विदेश में दिन्दार्थित विदेश वि भे किया ने क्षेत्र चित्राच निर्मा निर्मा निर्मा किया न नश्रम्भेति कुन्नश्रेट नर्भेट नर्भेट न्येत नुष्म नुष्म नुष्म नुष्म हिते कुत्रायाविताक्षात्रेत्रायमायवत्राचेत्राचेत्रमा वर्ताक्ष्रमासुनाकुः यशः हुरः दशः श्चरः षरः कुदेः दरः दुः दन्ने यः यः है । प्रविदः प्रापेरः प्रदे । प्रथाः र्ह्में दे द्वारम्य द्या भुवाय ग्रेय सूर पर से सय ग्रे दर दु पवा दर्शे रेया ग्रीया वराये सया ग्री उर्जे दे हिंदा वर्गा वि गारिया हु पहें वर्गु स्त्रिं नश्चर्या क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र स्त्र स्त्र क्षेत्र स्त्र स्त्र क्षेत्र स्त्र स्त्र क्षेत्र क्षेत्र

ख्रेन्य कार्षेत्य क्षान्त्र विश्व न्या कार्य क्षा क्षा क्षा कार्षेत्र क्षा क्षा कार्षेत्र क्षा क्षा कार्षेत्र क्षा क्षा कार्य क्षा क्षा कार्षेत्र कार्य कार्षेत्र कार्य कार्षेत्र कार्य कार्षेत्र कार्षेत्र कार्षेत्र कार्षेत्र कार्षेत्र कार्य कार्षेत्र कार्षेत्र कार्य कार्षेत्र कार्य कार्षेत्र कार्य कार कार्य क

याक्कुश्रासद्याके नद्रास्या न्द्रिशामस्या क्ष्रित्री में निर्मित्र स्वामी निर्मित स्वामी निर्मित्र स्वामी स् क्रॅंवे बर् ता क्रें र क्रेर लर फ्राय संत्र वहना र धर है क्रेंचे सर्व शुम ग्री विन क्षायानहेत्रत्या ग्रुटान प्टा विन प्ट्या केंद्र क्षाविमाया कंत्र देया मः इस्रशः ग्रीशः सळ्दः हिन्देगः मदेः क्षुः द्धयः वदः स्रेदः न तुनः व्येनः स्रोनः याः सः क्रिंश'मरा अवतः अवे 'वर्ळे व' विच' ग्री' वर 'तु 'चा शर 'तु 'हे त' पवे 'के श' तर ' ननेवर्परमिले इर्मनविष्यिये सर्वे अर्देव शुंश ही विष्य सूर्य निवर्षे विषय लियःश्रेवःव्याःगर्डेन् हेन्। यनैःन्नः अद्धंत्राःसम् नेर्याः यदेः स्टः निव्यः वे ग्राञ्चनार्याञ्चराधेवरभेवरम्भीः अळवरहेन स्यापिते स्थान्तुः ख्यानान यह विवार्धिनः ग्रम् ग्रम्बग्नर्भेदेन्ध्रम्बन्धःवर्भःवर्भःवर्भःव्यः ८८.५७.४४.२८.के.५४४.गी.५गी४.५गूर.५गूर.५गूर.७,५१.न यश्यादार्स्केशाश्चराना होतार्सेन

पर्ने पर्दि स्वर्ते स्वर्त्त वित स्वर्ते स्वर्त्त स्वर्ते स्वर्त स्वर्त

नन्द्रश्रीत्। अर्देन्द्रयानेनानित्रस्यानेनाग्रीत्र्रीत्यान्यास्त्र ग्रम्थायन्यानेषायवे प्रदेशम्बे विष्ट्रित्रम्या बुरः तुः प्रविष्या व्याप्तयः स्टा हे तुः श्रीः श्चित्रान्त्रस्थराम्बि स्त्रायहेन् प्रदेश्यहम् मात्रम् श्चित्रः श्चित्रस्य स्विमार्मितः वीशावश्यान्त्रन्त्वश्रास्त्रा देण्यरावाराञ्चवाचिश्रासळ्त्वेत्रर्देवाः यदे स्रु द्धंया श्री त्या रा स्विता रा स्विता त्र स्विता स्वता स्विता स्वता स्विता स्वता स्विता स्वता स्वता स्वता स्विता स्वता स् वह्नानी नर्गे असर्विदे केन न् नम्बर्भ सून्य वास्ति हैन से स्वर्ध बुर-दु-वर्हेग-दर्गेश-ध-वद्दे-धोवा देव-हे-स्रय-च-वद्दा रह-हेद-ग्री-सळव-क्षेत्र देवा प्रदे सुर द्वारा इस्य स्वरूप व्यव्य प्रदेश स्वरूप स्वरूप स्वरूप स्वरूप स्वरूप स्वरूप स्वरूप स्वरूप विवानेर रम्बरा शे क्वर रेवा वी व्यवा खेव नर्रे राशे व्यर मुंखें । नरे र वा गर्डेन् गुरु सेन् द्वरा क्रेन्स्य स्वाप्य स्वा बेदर्र्युन कदे क्रेंन् ची में हिंग्य कर्ष वे में विगर केंन् क्रुन खेंन्। वर्रे न्द्रमार्थिया अर्द्ध्रम्भास्य प्रदेशाम्यस्य स्वापिये स्वरम् र्वितः र्हेश्रायगुत्रान् भुवाश्वारीया प्रदेष्ट्रा भूदर्श्या प्रत्यात्रा स्वर श्रगाने 'हे 'बिया' धेव 'क्षेव 'क्ये 'हे 'न 'हे ने दे 'त क्ये या निव 'क्ये या का हर वज्ञेयानवे वर्षे निष्टिं व सूर्या शे मान्द देव सर में द र्दा माया नन्द्रभाग्नुमार्थिद्रगुद्र्य क्ष्र्याये क्ष्रिक्षायी से क्ष्रिक्षाय सुवाये

न्रें अ'विस्र रा भी में हिंग रा ने ही 'इ' एस रा पिटे किं न 'वि वी 'वा से न रा नेशनायाविनायह्याः क्षांत्राचीयाः चेत्राम्यान्ये सारेशाधेतः मवि वनशायश्रास्त्रवर् न्या क्षत्र मेया योश न्दर् नु खेत वर्ने न पाने में न्द्रभाषीत्रक्षे अस्रभान्द्रन्तुःग्रिं नें मार्द्रन्त्रभाषेत्रभी स्रोक्षेरक्त क्रयश्राश्चित्रःश्चित्रायाः विष्यायाः होत् क्रुं दे क्विते विष्ये क्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्व विगामी र्श्वेद्रान्द्रम् श्रीः कः निश्रादेश उत्र विगाधित द्वेष्य विश्वेष्य दि । षे हे से व हे दे के खे ता दर सम्मान विरा देव हैं सम्प्राय कर ही हीं राम दे शेशशाग्री इति गुन काणे दाशश्मे शामि के समिता भी भी निमादह्या परि नश्चेत्रनश्चेत्रन्त्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याः नाप्त्रात्र्याः नाप्त्रात्र्याः नाप्त्रात्र्याः नाप्त्र बेवॱडेटॱसर्देवॱशुस्रः रेगा'रा'गावे ॱहरः प्रदेवः प्रदेगाट बगा'र्टा सेवे 'र्हाट् वनशः निनाः क्षतः रेनाः नीशः नदः दुः यो वः दुनिशा निवशः सूरशः यदि ये वदः वरःक्र्याक्षानुःश्रियः क्रुवःश्रीःश्रीयःश्रुवःश्रीः गतिरः स्वार्याः भियाः भीयाः क्रवः रेगान्दरनेवे न्युन् वनशासुमा हुगा हिरानर रसायदेगा शारेश उत् विमा होत्रकेंग व्यास्मित्रारात्रहित्रशेष्ठा अळव्य हित्र देवा प्रवे स्वा सुव हो वर नुवर-नेर-स्वश्राश्चित्र-सेवा-वीश-वार-अवा-नर-सेवि-न्ध्रन-अवशन्द-नु

अळठ्

मून्यदे र्सेवायम्य वर्षायायम्

garux अवन् युद्ध विष्य क्षेत्र विषय क्षेत्र

शेर्देर्द्ध्यदे। serotonin निर्मानिहर्द्या इसेर्

विवाधितःविदा श्रीट्रास्ट्रें ताः स्ट्रेट्र स्त्रीः वावश्यः स्ट्रेट्र स्त्रे त्या स्ट्रेट्र स्त्रे त्या स्ट्रेट् श्रीः वश्चुर्ट्य व्याः स्ट्रेट्र श्राप्ट्रेट्ट्र स्त्रेट्र स्त्र स्त्रेट्र स्त्रेट्र स्त्र स्त्र स्त्रेट्र स्त्रेट्र स्त्रेट्र स्त्रेट्र स्त्रेट्र स्त्रेट्र स्त्र स्

भे हे सेंब्रें ही बिmund Husserl 1859-1938 रे इस्र स्वरूप वहु प्रत्या प्रदे वह स्थायहर स्वरूप हु स्रे स्वरूप के विद्या स्वरूप स

सर्देन खंया ने नापा (phenomenology) हीं द्रानित प्रक्रिया ने वितासित खंया ने प्रक्रिया ने प्रक्रिय ने प्रक्रिया ने प्रक्रिया ने प्रक्रिया ने प्रक्रिया ने प्रक्रिय ने प्रक्रिय ने प्रक्रिय ने प्रक्रिय ने प्रक्रिया ने प्रक्रिय ने प्रक्रिय ने प्रक्रिय ने प्रक्रिय ने प्रक्रिय ने प्रक्रिय ने प्र

विश्ववि'इअ'ग्रद्य

चर्चः पर्मितः न्द्रः । श्रुः न्द्र्यः श्रुः ग्रुः ग्रुः श्रुः श्र

नश्रम्भ न्दर्भे द्रायायादे द्रायायीया शुवाया मे त्र है विवा चे नश्राया नहसा यानम्यान्धन्यार्षः स्राचेत्। यन्ते नेत्रान्यस्य मेतियार्थः यक्रिया गहेशमा वरमिट कर्मियाम्य न्यान्य म्यान्य वर्षित्र न र्शेवायाचे नदे नेयापदे कावर सेव ची में हिवाया रे किं रावकर सेवि सेवा गवि'वेग'नश्चर'मरा हैंगशमान्द्राया वहेंत्रमित्रमें केशमित्रमानवित सबयःसरःवासरःस्वासःहिःहे वेवाःसदेःश्चेत्रःश्चेतःश्चेत्रःतः विस्तान्दा नश्रम्भ न्दर्से न्दर्से न्दर्स निष्ठित सुरायुर्दि न्दर्से स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य क्यायर्ट्टिम् क्री खुरार्श्वे मान्न प्राप्त क्राय्य क्री याय क्राय्य क्री याय क्राय्य विश्वे यश्रायासुर्वाश्वात्राश्वीराश्रेश्वराश्ची हित्रहेंद्रा स्थान स्थान सुराय स्थान सुराय स्थान सुराय वित्रार्टे में हिन् ग्रीया गुन हिन ह्या पवि स्टान वित हत ग्री से स्या ने स्ता विगायायळें याविना हो नाया धोराया से समायया निया निया विता हेंग्रायायायहेत्त्राय्यायेत्रायायेत्राचे हेंत्या हें त्रायायायाये विष्टा निव्यार्थरास्य विवायान सुरावर यन प्रमुद्र सामेत्र

शेश्रश्नाद्दरशेश्रश्नाद्वीत्त्र नित्राची कुर्वश्राचित्र विश्वात्र विश्वात्य विश्वात्र विश्वात्य विश्वात्र विश्वात्य विश्वात्र विश्वात्य विश्वात्य

नहगान्धन्। वे कें अधिन्यम् वर्षः यो कियान्य वित्रावित्। वे व्यव्य वित्रावित्र वित्रावित्। वित्र वित

र्वेनासर हैं देना श्रुट्या हैं देना है तें नकु द ग्री विन दने छ या नश्रुवया हेश वें न्गु न्द नड् या सें द परे मु गर्वेद इससाय सें न हिन् हेन न्र व्यान्त्रे र्लेट्रा प्रदेश इस्रायन्ता स्वायम् भूवर्यान्त्र भूवर्यान्त्र वि र्रे के अ शे अ अ चुर में अळ द हे र र र अळ द मादी रे न दि द के र र र र र अन्य देर र्या वरे र्या यो देव या यय सेर स हैया य ग्रार वर है या वर से गहरायनेनशानुशासदे शेशशानु स्टानविदानु । अळदा हेटा ग्रीशा ग्रा बुग्र अं उत्र मी के अन्दर विवाय प्रति । धुया उत्र मी स्टर प्रविव विवाय के वि रा ने शहें वा शहर। वा ब्रवाश उद ही के शहर सम्माय वर सूर दर्वी वा सदे ळ ळ द्र ग्री दें ने खूद प्रथा धुया भ्री के शामाबद अर्घेट पर वर्गे मा में द भेटा द्य. ग्रम् अंसम्मी स्मानियाने स्वेम क्ष्या मित्र हो स्मानियान ग्री:श्रुॅट:नवे:र्दे:र्ने:न्यानुन:म:निग:रेन्।

रेट में बिया या र्सेन र्सेट राज्य रिटा प्यट केया ग्री रिटाय है। यह राज्य हिन्यम्य विवादी श्रिम्य विदेशमेग्य श्रेग्य म्य स्वाय प्रमाय विवादी त्रे त्रमाना विमाना महेव वया प्रतृत मानि । प्रता विमाने स्विमाने स्विमाने विमाने स्विमाने स्व यात्रान्द्रायाधीत्रायस्यात्रा देर्रे से खदर त्रुव सेंद्रायाधीव यदे पहुण ध्यारे भेत्र अग्ने अञ्चल्हेर् अः व्याप्त प्रम्य स्थितः अग्ने स्रावरात्वरात्वाचीरायाश्चर्यात्रस्य श्रीतित्वह्वाःध्याचीःह्याः इस्रभाद्यदः लेशायाञ्चदः भ्रवस्र। तुसाद्यावस्य ग्री होदायसाया हिदासरः देश उद विवार्षे द राद्या अवा वेश ग्रेश सुवा ग्री कें रादे क्रा द वा देर र्रे विवायमायहेव मुन्यता इ.वेश ग्रीश मुन्यवा ने यश मुन्य विवा गी'वर'र्'अ'गर्नेगर्अ'स्ट्रेंव'से' श्रुन दे'सदे'स्ट्रेंर'न'वे'रे'यर्थ'ग्रुर'श्रुर' नदेःनरःवनाःडेनाःनोःनरःनुःद्युरः। नेःयशःध्रेनाःक्षे। ननरःनेशःनावनः गिर्देशके भेरान्ता सुराने या ग्री श्रीता नाय ग्रीता नाम स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत वह्रवा'ध्ययः ग्री:कें अ'दर बद'ग्रास्त्रेवा'दर्वे आ क्रवःस्वा'वी अ'द्रवर ने अ' वह्ना'ध्रय'ग्री'र्केश'यश'ग्रुट'नवे'श्रुवे'क्रनश'क्रुव'न्ट'र्वेन्'ग्री'र्म्गा'ह्य क्षे.ये.रेट्र्याविष्ट्याची.क्र्यासासुनुःत्याच्याच्याचीया

नन्तु मुगायर सूरा

ग्राब्यायार्वे के प्राप्त के व्याप्त में विष्यायां यहेता के प्राप्त के प्राप् हिन के अञ्चर्त प्रायाय विवाधिता धेन ने अने ननम ने अधि होन न नश्रुव परि ने अपि त्रु अर्डे वायसर अविषा धेवा वर परि ने अपि हास ग्वग्नानी वरात् खॅरायदे खेराके राजेरा वर्षे दे दे ब्रीग्रा हु सूरायदे शेशशा भी त्रा कें वा विवाय शे विषय वाद वा किया वीश थी द द विद विश ये हिंग हेगा य सु भूनमा देवे सुव सुय स्ट न मार्थ हिंद स्र मार्य निर् न्वीन्यार्थेन्यान्येयाययावन्यारावहेत्याने येत्राने या ग्री हिंदानवे र्विट्र शुः वर्षिवाया बे र्हेवा देर सुरस बुद् द्रया वसूय स्टेर सेवा क्या ग्री वहें तरि वर्षे वर्षे दे विष्यि है या पि वर्षे या सुन् श्री रहा त्या न सुन् हैं या बेना देव ग्रमा भे हेंगाने राष्ट्र निवन्त ने देव प्यन्त सान्माप हेंगा थे ज हिन् के रा ही ज्ञा पा विया यी से मानु रा से या भी रा ही पहीं ता या हिन् परि अन्यासु से समायान्यस हैं विवायिं राजा धेता है है पीट के या है स नश्चेन्द्राचेत्वराक्षेत्राचित्रा धेन्द्रकेराक्चित्रन्तुः क्षेत्रकान्त्रा देवःश्चेः यहें बर्ग के कि विकर हैं। यह दें प्राप्त वर्ष के विका है जारा इव या र्शेग्राययमार्सेदे त्यार्स्याययम् उत्रहित

न्नरःनेशःग्रेःश्रॅमःनःवेः वन्गमःधेवःवेनःवनेःवःषेनशःशुःवन्शः

मदेः महामित्र कु के के के मिन्ने के स्थाने के स्थाने मिन्ने कि स्थाने मिन्ने कि स्थाने मिन्ने कि स्थाने स्थ न। टर्केंदेख्यारेदिक्षेट्यादेदेकेट्या नुवायान्य स्वाया र्त्ते.वार.लर.स.चेर.चर.वर.वर.वर्.वार.श्रीर.विचा हे.जस.ह्या.ही चर्यस.स्री.वे. में दियादेश से द्रा के द्रा के शारेश कर विवा मी हिंद के शास्त्र इसाय वे व्याप्य विया बुर रु य बुर व्यापह्या प्यर सूर विरा कु से से हिंगा देर विनःक्षुः हो नः भूनमा देः सन्दे छुटः सुर्नः विदः से समान्यमः दूदमः सें नर्वे नः <u>५८१ अर्देगान्ते सेससान्ते नरान्ते द्वरान्त्री स्वराम् केरासार्हे नसा</u> वहें समान्त्रीं भारा विवारे न स्रुसारिया में भारते मस्य हैं वार सर विवा रम्भेर् केर् केर् केर् क्षुनुःवानहेत्न्वराध्याचीःक्रियायावह्य न्धेन्न्याङ्गन्यायायेः दिट नदे से 'हें गा 'डे गा सर्वेट 'तु सा ट स्टें दे हीं ट न ने सुमा से 'वे गा पे त सर या वर्षा विषा शुरु श्री रहा निवार्ग विषय । धिवाधहा विषय । विषय । वन्नःसः धन्यः सः स्रुः तुते स्रे : हैना नी । हिन् : कें या ग्री : ब्रें नः त्यः न यसः व्लें : नाहें नः निवंद:र्गव्याद्य:र्थिद्य

कुत्र-५ र्रेनिया पवित्रपार्टे त्या इत्यापि प्रेने सर्टेन प्रायम्य प्रेन

विनाः धॅन्यं ने स्टार्च न्यान्य न्यान

त्राचक्षत् क्षेत्रः स्वाचित्रः स

ग्री १९ सम् क में त्र प्रम् ग्राया मार्य स्वरं स्वरं १९८ में या प्रदे पा बुद ख़्या मार रेगा'मदे'ग्विर'ख्यार्थ'ग्री'दर'र्द्द्रा हुँग'में 'दर्नेष'न'र्द्रा नर्थर'हूँ दे' अवयःगाडेगा रु: अन् वा नहेव पिन सेन सेन से नवे गावन में वा विश्वायः र्ने श्वर के त र्ये गुरु प्यें । वर प्रवे स्मान्य प्रवर के स र्यो प्राय स्मित व्यवस्थाः र्से द्रान्त्रम् किये वर्षः वर्षे येव नुरार्थे द ग्रम् १ स्वरे क वया निष्ठ द स्वर्भ द दि स्वर्थ । र्बे.लट.लूट्.सर.पट्टी रहार.वी २२.५क्. त्या.तर.चेश. र्याश्वरालीय. बेर्यान्या ने वे प्रकेश के विषय के प्रकेश के विषय के प्रकेश के विषय के प्रकेश के विषय के प्रकेश के प्रिक के प्रकेश के प्रकेश के प्रकेश के प्रकेश के प्रकेश के प्रकेश क नुःषःमहेवःवशः हुरःमःविषाः भेवा

द्यानुनः र्हुन्या ग्रीः से स्र स्वान्य स्वान्

क्ष्यान्तर्भे अभ्यान्नी विद्यान्तर्भे अभ्यान्नी विद्यान्त्र अभ्यान्त्र विद्यान्तर्भे अभ्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र अभ्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र अभ्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र अभ्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्य विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य

न्वरः इते श्रुः न्दें अरेन्या प्रश्न श्रुं ते व्हें द्वः प्रान्त न्वरः स्वे अर्थः श्रुं न्वरः स्वे अर्थः श्रुं न्वरः स्वे अर्थः स्व अर्य स्व अर्थः स्व अर्य

यावयः र्विते वदः र्के अः ग्रीः रूपः अः रेषाः धरे वदः रुपः प्रवदः भे अः ग्री अः ध्याची के या ने ना वहें न पा क्षा नु ते ने या पते न् या के या वा वा वा नि बेर्भनशः सर्पायायः केवार्पात बुरा सेन्। खुरास्टार्मा ख्रुवापरार्पा नेयन्दर्धन्नेयाग्रीनेन्ययाद्यन्तुःग्रद्यादेनमेन्द्रिययाग्रीन्स्य गिवि से नाथे तायि देश विद्यान स्थाने विवासे नाय ने प्राप्त के नाय ने प्राप्त के प्राप्त मालियामेत्। कुः अळव वे विदासि अळव के दिन मेया मारा अर्देव कु अर्थ मेया यानार्रे ने रावहें वाया दरान वाववारे विक्रान रामी मार्थे वार देना यवे वरात् सुर विस्र सः गुन रहं यः रेवा प्रदे ने सः धेव वन से विवा धेन धिव प्यरा वरायदे ग्रायरास्याया है हे से गायदे ग्रावरा, पुष्प उदाग्री श्रीराया सूर्यायहें व हो द प्रते क्रूट देवे वाव्या ध्या वार्डे के वि हो के तु र्थे द प्रते हा यस विवाधित सम्मर्हित्

स्त्रिश्चित्रः त्विषाः पर्वे वाः विष्यः विषयः व

सर्रे वा क्षेत्र वित्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र क्षेत्

व्रत्यत्रे स्वर् स्वर् व्याचित्र श्रृ स्वर् व्याचा स्वर् स्

चल्विन्याचहेत्रन्विभागायदे थित् निम्त्र्वा त्यान्याय स्थान्य विवाय स्थान्य स्

द्वारानिक्षाहे स्वारान्य स्वारानिक्षा स्वारान्य स्वाराय

नक्षु, नवस्य से नक्षु, नर् ख्रिं क्ष्रेर क्षेत्र से निष्य के के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्व

महिरान्तर्भः म्यान्यत्वे कुः क्रेन्याः भ्रान्त्वे न्याः स्वान्यत्वे न्याः स्वाव्यत्वे न्याः स्वाव्यत्यत्वे न्याः स्वाव्यत्वे न्याः स्वाव्यत्वे न्याः स्वाव्यत्वे न्याः स्वाव्

र्विट्या दिने सर्वे स्ट्रिंट स्ट्र स्ट्रिंट स्ट्र स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रि

८४१ बेट्र १८वाद १०४१ थ ५ नर्स इते छंत देवा ५८ १ वर्षे थ नदे दे । न वर्ने नर्गोन् श्रेम् विम्यम् वर्षे वरते वर्षे वर नेशपासदिनकुषानी कार्याननित्रात्र केंद्रि हैं ता वर्ग राहेंगा वर्गे नदे नकुर रेअरे अर्वेट मुना नियम । रहें अर १९६९ वें सम्बर्धि (Neil Armstrong ने क्षेत्र अपने कु अपने क्षेत्र अपने सम्भावा निष्य स्था क्षेत्र विषय बेशमंदेन्द्रेन्यत्देन्यर्गेर्न्यर्कःयव्यात्वा व्यास्यर्यार्व्याचेयाचीरादे वे कु अर सेग रसर धेव परे धेर के राजुरा पर दा रे वरा हे कर कु अन्यान्य । विष्यान्य । विष्यान्य । विष्यान्य । विष्यान्य । विष्यान्य । विषयान्य । विषयायः । विषयायः । विषयायः । विषयायः । विषयायः । विषयायः । व मश्राणिद्र क्रेशन्द्र में कें क्रिया क्रेश्वर क्रिया क्रिय ग्रथः स्र्राह्या ग्राह्या न्या म्राह्या मा म्राह्या म्राह्या म्राह्या म्राह्या म्राह्या म्राह्या म्राह न्यर्या भीत्र प्रमः ह्या निष्ये प्राये सह्या ह्या हिमा हो ना प्रमाय सम्यास स्था मान्व प्रमान्य में प्रमान्य में कि प्रमान्य प्र त्र्यायानर्भुत्याचे व्याप्त्र व्याप्त्य व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्य व्याप्त्य व्याप्त्य व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप

श्ची र विद् श्ची स्वर् स्थाने स्थान स्थान

 येग्राश्चुरःभूनःग्रेज्दःनुःनक्ष्याशःवेत्। र्देवःग्रमः। र्वेनःग्रेःवेंरदूःनःसरः र्रे न्दर्निर्स्ट से विक्तान्त्र में ज्यान के ज् र्नेन्भून्न्वभूव्यक्रिंभाने प्राप्त प्रम्यान्य केन्य क स्राप्तराधित्र प्रति प्रति क्यां का स्राप्त क्यां प्रति क्यां क्या नश्रव नर्डे अने र्केंदे र्ने द त्युर के अण्य द न्या धेव प्रश्ये या श्रुर छी. यान्ये क्रियं के विष्या क्षेत्र मान्य के मार्थे क्षेत्र मान्य क्षेत्र में व्यवस्य क्षेत्र में व्यवस्य क्षेत्र यः विष्याश्रासे न् ग्री सिंद में ग्री स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स न्दीमामहेन्दी अर्देन या अर्देन महिना ने राति के राति महिना महिना निमान का नि मदे से समान्यमा देवा मदे हु नदे हैं न देव धेवा र सह न म सह न येग्राश्चुराग्चीःभूत्रत्येद्राचेद्रायर्वित्रायागुव्यक्षावे कार्थे क्वरायावित्रा ल्रिन् ने नक्ष्र्व नर्डे अ वदि र्क्टें दे र्चे न्यदे द्वर र्क्टे अ ग्री जाबुर नु अर्देव पा र्वेद्रायां भ्रें वाया येद्रायायां येद्रायां य ख्यायाचेरावादियाची इस्किया धिवा सेसया चुरावी चेरायया दरा द्वे न-१८-१८-१० वित्र निरुष्णि । दिः ने राधें त्र मी स्वरे स्वर मित्र पावि । यह निरूष् नर्डेश वर्दे कें धेता

सेग्राश्वरःभ्रदःदरःग्रदःविदेशेदःभ्रदःगिष्ठशःग्रदःदेरःस्वशःशेः भ्रदःधेग्राप्तगःदरःसेग्राग्वदःवदःवर्गेषःश्चिदःश्चेदःसवेश्चिदःस्वरःशेः

femotion वेतर्परिष्यः श्रुप्रायम् । त्यायक्ष्याप्रवेशकेषा क्ष्या सेपा सेपा ने 'अर'रश' श'श्रुन 'यने वे 'यन् 'ने श'न्र 'सर्कें न'र्ने न' श्री 'श्रुन 'यने ने न् श्रु गहिराया सेन्या निर्मा सेन्या स्थाया निर्माणी स्थाया निर्माणी स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्था रुअन्वायनन्ता क्षेत्रायास्त्रित्त्वान्तेवान्त्र्याक्ष्यात्र्यान्यायस्त अन्यायहेग्यासूराक्षेपायस्य में नायस्य में नायस्य के प्रायम्य स्थान ययाकेरावरी वह वे किया केया से दाय वे कुं सक्त के कुं या राद्र में दार न्मः नवे से अस्य विस्रस्य देवा प्रवे प्राप्त प्राप्त स्व स्व से प्राप्त से विष् नश्रमः र्सेदिः यद्रशः स्त्रीयाश्चान्य श्रमः भी विष्यः स्त्रीयः नः विष्यः विषयः रेत्। तुनः श्रिंग्रयाय्यः र्क्षेरः तृत् म्रययः रेग्रयः ययः वित्रयः शुन्गरः नः क्ष्मा वर्ष्यते सेस्राम्यस्य देवा प्रते वर्त्त हैं वे प्रहेव प्रम्स्रस्य हैं र र्कें र प्यश्र वें वाश्र शु र हो से र वर प्रते भू खु प प्य हें व से र श र र हें व बॅर्यासाधिवामिते सेस्रामी हिन्यम् यदी वे क्विये यहिवाम न्याहित ग्री:नर:रु:र्षेर्प्यते:विर्प्यर:य:र्ष्ट्रेश्वराम्यःकेत्रःधेत्र। रेम्बर्यःप्रप्रः वर्तेयानन्याराष्ट्रान्यते क्यायर वर्तेन पति क्वायार केंत्र स्या भी रदःचित्र उत्र धित्र श्रेत्। द्येर त्रा गर्धे श्रुवे श्रें त्रा शे ग्रें द्रा प्रवे प्रशे ग्री प्रकर ग्रिवि प्रमें दिस्त हैं से प्रमा है या है। कें र प्रदेश स्वार्थ में

द्राप्तान्त्रम् वा वि क्षात्र वि

वर्षिते से समाप्तसमारिया मित्र वर्षित है। से समारि वर्षित सर्विन्, वर्षुरक्षरमावद्यसेव श्री नराया विदासरावाया सेवार्ये । सेससा सर्विन् प्रायुर्भ्रस्याने कें यावरायवे जात्रान् सेस्या सुरा वेस वा रश्या निर्धित्र में विष्य में विषय में विषय में ति स्था में स्था मे स्था में स्था विगामुनायान्दा अध्ययायदे प्रदेश स्वास्त्र स्वास्त्र मिर्मा स्वास्त्र स्वास्त व्दानाक्ष्यं स्थान वुरः वसरा उदायः बुदार्से दः दुः पेंदा पदे गुदार वे विश्वेष के स्वा वर् नेया येययाया धेर्नुति रेगायानस्याधेवा मैंग्यायास्यादित्रोः सर्वेद्वायदे या का नविना वा वेदाया दूर में दा या क्षेत्र स्वा सुद्वा या विदायार र्थिन श्रेन वने ने श्रून खुवा ही हैं या ही ह्या पान न हैं या ने श्रून या ह्या परि भूत्राशुःक्षायात्वातात्वीःश्रेस्राशीःवहित्रःसूर्यातिशायार्याः यथा गुन्दर्भे प्रेन्प्त होन्य राष्ट्र स्था राष्ट्र का मुन्य प्रेन् गुर्ग शेस्रश्रायदे यहेत्र क्षत्र गाडेगा गी त्रा हैया धेत्र यायश्रास्ट से से स म्वर्याप्तरे से स्वरा ही स्टानिव विमासिव। ही टार्के सम्बर्ध से स्वरा से स्वरा दिए

श्रेश्वरा शुराविश्वरा शुर श्रेश्वरा रावेर श्रेश्वरा शुराविष्ठ श्रिया श्री विष्ठ श्रिया श्री विष्ठ श

श्चेर्सेस्र मुद्दर्दे ने स्थानी स्थानिया स्थानिया स्थित स्थान वसवारायां विवारा से दारी रावा प्रवादित विवास सह दारा दे विवास सुवासे दा वसाप्रसायेव होता यदी मानिर मन्या व से स्राया स्राया होता । व्यूटानी क्रूटाची पर्नेश्वीया मुस्तानी न्यानी ल्यानीटाना व्यूटाना विश्वानीया वर्ते। खेर्ना नेते केर र वर्त्ता क्रिंग मा क्रिंग ने कर र नरुशासुत्याचे न्वापाया विवापेशाय देशास्त्र स्मानशास्त्र प्राया प्राया विवापेशास्त्र स्मानस्त्र स्त्र स्तानस्त्र स्मानस्त्र स्तानस्त्र स्तानस्त्र स्तानस्त्र स्तानस्त्र स्त्र स्त र्रः शेस्र अर्गः नवे नदे न्दः नविव श्रीः मावसः भ्रान्य शः विदः नदः नदः नदः । क्र-नेशना विवाधिताम् वर्तेन क्रमश्चेन मा वेश्वर सेन मा महि सुमा म्रेट्सा चर्ड्स्व त्यामा निव श्रुट्या चना प्या चन्द्र श्रुस्या इस सर से वळें न न उरु न्वो न न दुः विद्या भीता न हो न विदेश न न न हा स्थान न न श्वेट हे सुरतु द्वो यद के नदे कें र नदे रे मुश्र मी श्री मिट्य शु मिर्मिया वयायः नुषाः भैवाः भैवाः भैवाः भैवाः भैवः दिनः हिषः भैवः विवादः विवादः विवादः विवादः विवादः विवादः विवादः विवादः विदा दें कर वे रदा है दारी रवो से वर्षी रवस से दिन हैं दि से से वर्षी वर्षी रामित से वर्षी रामित यदे र्से र नदे तु अ र्से न अ लेवा व विं प्या विव र्षे र ने सून अ वरे र ग्वित कु अर्ळत् नु चुश्व त्रश्चे न्वो निवे नश्य हिं न्व चु हिं न्य स्ट हेन वहें अरविरशेअअरगी । हिन् कें अर्भिना धिव रवश वने गिरेश गान कें नरविर कः वियाः भ्वा

यश्यास्त्र निष्य कुष्य क्षेत्र मर्डि में विमाने निर्मान सुन् नुष्य श्र कुरुण्ये में वयर देव र्पावेर प्रतियार वया देया यी राष्ट्रिव सेंद्र राक्ष कर्कर नःश्रद्भद्दवीर्याययाधीता इन्हेंबर्च्यान्ही वर्द्दरक्वाया विदःह्यि दर्क्या सन्यामा वे कें सा वेपा भ्रम्य स्थापी वर्षे कें त्यस विपास पाश्वस व क्रॅ-रावेरळः निग्राशकेवरविगायवा ने वसाहेरहेवरहेर नुः हो विरापरा वक्क माना विव्यत्वेष अमार्चम इसामरावके मा रिवरी द्वार्विट हिं यश्यवद्भारी श्रेरःश्री क्वियश्या क्रिन्या वक्षयःया विरावा रिवरीः नवाः वर्देन्रक्षम्भावम्यान् मुस्त्रा वे वे मान्त्रा वे वे मानिक्षा लिव्या रिक्ट्रेर्वास्थर्भक्षात्वुरारे वार्ला ह्या देखां सेर् विष्यः सेन् नवाः सेन् इस्यम्याषेट्या वहस्य भेता दिन् नवाः वहिः सुवाः न्द्रायर्देन्रक्षम्भा बुद्रायद्येषात्यायहेव्यक्षायद्युद्रा ने वदेन्द्रद्रम्भायदेः श्रेश्रश्चात्रुट्रास्यर्भे विवा श्चिट्रार्से र श्ची रद्या विवाधीव या वाश्रया से दिन् समयः सर्भेसरा चुराष्ट्रा व दुः रा वा वेवा वी वरा वी वा वा वा वा वा वि से मिन्नेन्द्रा वर्शेन्या हैमाया नश्चित्यानहरूषिमा मान्नेया हैन्या न्वीं शर्ने व वे श्रेयश्यी पावश्रम्भ रश्या यहेव वश्य वि र्कें न्वो क्षे न्वो न्दःसुदःनश्रृवःन्दःसःमश्रृवःग्दःसुदःसःभेवा

तुनः र्श्वेन् शाशिश्रे स्वर्भात्वस्य स्वाप्त स्वर्भात्वस्य स्वर्यस्य स्वर्भात्वस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्भात्वस्य स्वर्भात्वस्य स्वर्यस्य स्

वरः र्के अः श्रीः नालु रः नुः अ अअः श्रु रः शः र नोः भीः नि नेः भीः श्रीः र नेः र स्त्रे अ अअः श्रु रः र नेः र स्त्रे अ अअः श्रु रः र नेः र स्त्रे ने स्त्रे अ अअः श्रु रः र नेः र स्त्रे ने स्त्रे अ अ स्त्रे ने स्त्रे अ अ स्त्रे ने स्त्रे स्त्रे अ स्त्रे ने स्त्रे स्त्

रदावाडेशवहें व ग्रीशर्द्र १ वार्वे द प्रिया विद्या श्रद्रायाम्ब्रुव द्वाया विव विश्व स्थाप स्थित स्थित स्थित स्थाप स्थित स्थाप स्थित स्थाप स् भूत्रशत्र्वयाग्रीमुद्रायानहेदाद्रशत्रो श्रीत्वेदागुर्शेत्वारायराभूया र्श्वराचेर्क्य र्र्धरार्क्षरायदेर्क्ष्रायये चित्रार्थेराचा स्वारा होत्रयंत्रे हें मायद्देत्रके वित्र वर्षये मातृत्र्र हेर्ने स्रेत्स कु केव हु य र्षेत्। नेत् अत्र र्वे वर्षेत्र अत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर वदःशेयशःवशःद्धरःगतुदः नःविगाःयःग्। हेवःस्रानेःस्रिः। व्रुदःस्रानेः गर्डें में विगाने रूट हेट ग्री सेस्य बट बेट र् नहर द्यार हेट ग्रावद नगर-तु-वर्गे नर-होन-पदे-लुग्राम् कुन-वर्न-धिन। ने-नगः भ्रे-भूनशःसरः क्षेत्राची पर्देत्रपाक्ष्रपायकाया वर्डेव्याये प्रमान्त्रपाक्षाय वर्षाय हिन्यः ध्रेत्रः है विवा कुर्सेन्य निवा की सान्वर में कुर होन्यो विवा से ग्वित ५८ कु के अवश्वरापद्गा हेत ल ४८ गाउँ अवद्गत की क्षें त्रापद् नियायहें वाया वे हिंदा से द्यारे केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र विया केंद्र केंद्र विया केंद्र केंद्र केंद्र ब्रॅटशर्ने द्वा श्रे अवशर क्रेंदे श्रे कु देवा हु वर्षी

 त्रिया द्वीया सर्ह्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स

ळेट्रायश्रास्त्राम्श्राम् स्थान्त्राम् स्थान्त्राम् स्थान्त्राम् स्थान्त्राम् स्थान्त्राम् स्थान्त्राम् स्थान्त्राम् नर्गे मेराया के दार् मेन या या या थीता दि एयु दि दि में दि से या प्राप्त में में Daniel Goleman वि नर्वे न्यों से न्या कि न्या प्रमाणिया यार वया दिया यी से सर्थ ग्री यात्र संस्ट्रिश प्राप्त संदि पर्देश परदेश पर्देश परदेश परदेश पर्देश पर्देश पर्देश परदेश पर यायत्रेयानान्यार्थे विवार्थेन् सम्बून्यते स्वार्थेन् सेवानी विवायह्या वी य5. यदे ते क्षेट. रे. ट्र. ट्र. त्र. के. Lan रे. व्या Ekman रे. य. श्वा. यश्चर व्या. यश्चर व्या. यश्चर व्या. यश्चर न्दा विद्वे श्रिटळें र या वे दि न शुर्या त्वाय विवाय विवाय ह्या शुर्या श्चिरःनदेःश्रेश्रश्राप्तस्रशःरेगाःमःन्दाःश्चितःस्याःमःश्चानःगानेता र्विट-८८- मुना अप्यना हिन्देन निहेश ग्री नर या हैं मना है नदे र्कें र न वे नि वर्ग मिंदामी वर्षामिविदे सम्मान् गुन् र्सूदास्त्र से दारे वा विदास्त्र न-११-१५ वा वा विकाद के वा विकाद के वि का विकाद के विकाद के विकाद के विकाद के विकाद के विकाद के विकाद क कैं अ'र्अवार्था ग्री'र किंदे में हिंवा अ'हे 'येवा अ'र्अ' वहर द्वा र कें अ'दर्शे 'वा अ' यव कुंव गहेव हे दे पद् ने या दे में दाय या में दा हुन। द द द से या या हें द हुन। द द द से या या हें द हुन। द द न्वेन अन्योः विवादयाययायाय विन्या अन्य विन्यो अन्य विन्यो अन्य विन्यो अन्य विन्यो अन्य विन्या विन्य विन्य विन्य रत्रप्रश्राद्यादारया सेन्। स्मः हिंग्या शुन्

८शार्विट वी प्रयोग नित्रायश श्रीट स्ट्रीं र भ्रीट खेर देवा वी वीं

हैंग्रायः केयाग्यरायायर सें विगान्येया चुरा नेरास्त्रया ग्री ह्वेंदे पहेंद रादे :ळव : देवा ची श श्रिंद : ळॅं र :या इ : या दे : श्रेंद र दि । शे :यवाय : १ श : यो श : ळन् अर्बे नेति क्वेति पद्देव पति श्रिंट रेकें र बेर न न न कथा पढ़िया शुः न हो न ८८। इ.य. श्रीर. क्रूर. वेश. य. वे. ल्राटिय. विय. ते अ. लेव. यर. यहूर. यदे श्चिर र्कें र प्राप्त वी वर यदे वात्र र से सम ग्वर वी स्था ग्वर स से । वर् नाववा हेवा खें न सा सूना कं त नेवा खवर हैं मि कें स न हो हुं वा से वर् नःवनायः वर्षाः विवायन्त्रा नारः क्ष्रमः में त्ये सः नार्हेनः प्रवे स्राम्यम् सः नेमः वरः गर्भराग्री न्ही न न इ खून है। विंदा स्य विर्यास्ति रेजस्या रेयायः भेरी यार्ष्ट्राया वर्ग्नेर्यार्था हुः व् नरुराधेत। तरामदेगाब्रान् र्षेन्यदेशेस्राज्यान्यक्रमः शुँरःर्कें रःवर्रे द्वारे रे देश कें र ववे रे वाशाववा रेवा सर्के वा कर सर्वे र्वतः र्रेतिः वहेत् न प्रते र्रेतः र्रेतः र्रेतः प्रेत्रा वित्रः ग्रीः स्टानित्रेतः स्वापितः र्रेतः र्कें राम्या राज्य से वार्ष विवार विवार विवार विवास के विवास यर में विवाद पर्के निवे में अराव विवास वा विवास ८८। रक्षिया स्वार्चेवास्त्रस्त्रस्त्रित्रस्त्रित्रस्वायास्यानेवाया क्रवः रेगा'मदे'सु'र्ख्यायास्नमदे'र्स्चेरार्सेराने सममागर्दे में सूर्पाय स्थान subcortical structures of the brainवनेवेवन्द्रावहर

ब्रा विकास के स्वास्त के स्वास्त के स्वास्त के स्वास्त के स्वास क

य्या न्यात्रः स्वात्रः स्वत्रः स्वात्रः स्वात्य

श्रुंद्र-विदेश्वः विवाश्वेद्रश्चेद्रा विवाश्वेद्रश्चेद्र्र्यः विवाश्वेद्रश्चेद्र्यः विवाश्वेद्रश्चेद्र्यः विवाश्वेद्रश्चेद्रः विवाश्वेद्रश्चेद्रः विवाश्वेद्रश्चेद्रः विवाश्वेद्रः विवाशेद्रः विवाशेद्रः

श्रॅट्राक्टॅर्स्या के स्वार्थ स्वार्थ

लेव.सश्चातम्बारम्यानम्बारम्यानम्बारम्बारम् क्रिंयानि विनारेन वरेते रेंब के क्ष्यरेना ने या ही राक्षेर के रेंबि ननर इते श्ले प्रें प्रें हेत्यावि वर्षे वावि वर्षे वरते वर्षे वर्षे वर्षे वरते वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वरत न्वानी विवासि वुरस्प्रम्य हिंग्यासर यन निर्देश विन्य ने प्रेया दिन र्रे अर रशक्षेय वशुर ग्री शेयश वियश रेग रा बेर पदे र्द्ध रेग गी में क्ष्य विवार्षित्य विश्व हिंदा विषय विश्व स्त्रीय प्रवेश विश्व यहेग्रअस्प्रद्रा विराधि वर्ने निक्याश्वास्त्र स्वते श्रीर स्वर् निम् मी र्ह्मिया स्रिट सुर्थाया म्याप्य स्वित्र देश उत्र विवा होत् सुरा स्वर भूता देव'ग्रम्। श्रिमकें मार्था श्रीमार्था के स्वाप्त के मार्था के स्वाप्त ब्रेन्यते न्वर इते भ्रेन्द्रिं रेन्या राष्ट्रा वते त्या वा वि सून् वसे वा वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वा रेगा'रा'गवि'हर'नवग'रादे'न्ध्रन् वनश'वनेदे'व्रन्तु हिंदर्से राग्नी । प्रथ्य सुन्रश्रमः र्क्षेण्यापाने प्राप्तापान कर्ना मुन्ति । मुन्ते । मुन् कु वे प्रगय से पेरा

क्रिं-अन्दिनायायामिनायाकुत्रियायाकुत्रायीत्वर्मायाया हेव'गडेग'गे'र्श'णुव'क्ष'तु'ल'क्कुव'नह्वा ग्रिश'कुर्'वे'रे'लश'ग्रर' रेटरनुःग्रवशःभिटःभ्रवशःवग्रनःकैंःग्रटःवेर्यक्रुरःवःभेत्। द्येरःव। न्वायः नः न्दः श्चेष्टः वित्रः स्वाः न्दः स्वाः नुः श्चेतः ने वः ने वाः निवाः यानहेवावयात्वुद्रा देवाग्यद्रा नदेःनाद्रम्यानस्याक्षेत्रयात्रस्याग्रीः र्रायित्र भीत्र भार्त्र ने प्रायित्र में प्रायित्र में स्वायित्र में स्वायित्र में स्वायित्र स्वायत्र स्वायित्र स्वायत्र स्वायत्र स्वायत्र स्वायत्य स्वायत्र स्वायत्र स्वायत्र स्वायत्र स्वायत्र स्वायत्य स्वायत्य स्वायत्य स्वायत ने न कु ने त्यम भू में भेता वहे नाम सूर ने हीं र किं र विवा प्येत प्यर से सम श्रेश्वराधिताचुरेत्राष्ट्र भूष्ट्रीयाश्चर्याश्चर्यात्र विचाल्त्र क्रि.मे.चे.चार वचा नेवे गानेश कु ५ ५ ५ ६ १ वर मिवे से समाप्तसम ने गामि वर ५ हों र क्रूर-दर्भ अभावअभावराया छ्रान्यर-दिसासु स्रेभा से द्रान्य । नह्रव प्रान्द्राक्षे नह्रव पदि से समाग्री स्टानिव पद्र सेव नर्स्त्री हिन्यर इटाने द्यामी यावे इदे वसेया सुयास स्यास रिसाद है व सुरा धेरा

पिस्रश्रास्त्री में हिंग्राया परि ही हिस्राया प्राप्त है । है प्रमुद्धि । प्राप्त । वे सूर प्राप्ति हि सु तु गर्वे प्रके के नवे श्रिप्त के स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध मदेरहस्रायेत्र गर्डे में विया मी स्टामिन थेता सेस्रा शुट हो ज्ञा पानिया यी कु त्वर्य ग्री तुर्य र्क्षेत्र य द्वा दे द्वा यी श्री दे से वा क्षेत्र दुर्वे पर्दे स्व-५-५विन्धिस्य स्वाधित्या न्या ने निविन्द्वित्य निव्या निविन्द्वित्य निव्या निविन्द्वित्य निव्या निविन्द्वित स्वाधित क्रॅं-राग्री गुरानावावन निरायने या स्वाया स्वया स्वाया स्य न्धन् चुर्राः चुर्राः वे क्ष्यराये व ची चुन क गार्डे के विवाधिव। चेन्रायर र्रे विवाप्य दश्ये अश्वाप्य अभिवास्य अपित्र विवास अपित्र विवास अपित्र विवास अपित्र विवास अपित्र विवास विवास अपित्र विवास वर् सेव वर्षाणेव पदि से सर्व तर् प्रति प्रति स्वाप्त प्रति स्व सर्द्धर्मा ग्री दें सूर होत् ग्री प्रत्म दि नसस स्वाप या प्रति सम् नश्रूराग्री से समाप्तसमारी ना परि श्रे कितारे के समाप्त में ना परि है। गिर्देर् न्यर त्यर निर्देश हो र सर हैं अला रे स्टिंग्ड निर्देश स्थान स्थान **अट** व्यट प्रति द्रिया माध्युय प्रट सक्दिमा

त्र प्रति क्षेत्र क्षुत्र क्षेत्र राष्ट्र राष

स्वा नस्य है दर। स्वा सर स्र स्टर्ट तहे व नहे स्वा नस्य है स्वा यर-र्-गर्हर-नर-रसप्देग्राम् केत्रिंग्न्य्या यस-र्नेत्वरेन्ते ५७८८ येग्रास्प्रद्रात्र कें किंद्र सम्दे व्यस् सुरस्य सुर् द्राविष्य कें स्वर्षे रे'न'न्नन्न'व्यं व्यापिता देव'ग्या क्व'रेना'यर्व'न् क्वेर्'नेन' पियर सर रु पर्यो विर धुवा त्य श्वा का मुक् चे न का न रहा है के दें सर वर्त्ते निः से से दे विषय क्रिया क्रिया की प्राप्ति विषय में प्राप्ति क्रिया की प्राप्ति के प्राप्ति क्रिया की प्राप्ति के प्रा बेरअर्दरर्भेरर्द्र हेर्यार्भेवयावया ग्रीकेर्द्र गुवर्श्वेर्यो वयावर्षिर विगामीशक्तं भेगामी यगानसूम रहसासाधित प्रमा वसुवायसा न् न्रेंश र्थेन् ग्रम्थ स्वाय ग्रम्य वर्षे ने प्रविद विच प्रह्या मी प्रास्तिया नडरायासूटरायद्देत् नुेन्द्र्ने रायदे नुरायाननराषे न्यान्याया स रेत्। श्रेस्रश्वस्थार्भयः रेवा मः दूरः दूरः होः होः दूरे सः रेवा मदे विवादह्वाः <u>५८१ ने निवित्र दर परि सेसस ग्री इस मावना से मास नर्गे वा श्री न ग्रुस है।</u> न्नो अळव स्व प्रवे शेयश ग्री रूट निवेद स्यश के न न न से न नुसार्कानने ना सुक्रामा के रहेला सम्मन्ता निवासी के विवासी के कि स्वासार पर हिन्द्रा र्दिहेन्वर्के अदेन्द्र वृद्यावस्य केव सेंदि क्रे व्यव नवा वी रेगायाकुवाकी गायदाह्यायायायाँ दावदेयया केदावर्षा वह्ययाया वे प्र

र्स्वियः वहें व स्वयः क्षेत्र स्वा क्षित्र व्यवः क्षेत्र स्वा क्षित्र स्वयः स्वा स्वयः स्वयः स्वा स्वयः स

নশমার্রিরি'লার্ন্তি নের্ন্তিশার্ক্তি cognitive therapy বিশ্বর্মনার্নির নার্নিরের্ন্তির নার্নিরের্নির নার্নিরের্ন

श्ची द्वा विवासी विवास विवास

गुन्रञ्चित्रेन्यायात्ता देनासाक्कुन्रजी खन्दिनानास्या

७७। |रेग्रांशः कुंवः कवः रेग्रांग्रांश्वरः प्रवेश्वयेषः कुंशः वः रेंश्वरः **बेट्र**न्नबेद्रन्थते से नाट सट विगा में रान्हें द्राच्य प्रदेवे स्वर्ष्य सट कें नारा ग्रीशः र्सिंगिलेट के वर्षे ग्रीट्र निविद्य परिवाश मित्र विश्व मित्र मित्र विश्व मित्र मित् वश्रीम्थाङ्ग्यानर्गे न्यदेश्यान्य ही मवन्देव वश्या उन्तर प्रवेशः नः विनानेना वह्या ह्याना स्वानान स्वान स्वानान स्वानान स्वानान स्वानान स्वानान स्वानान स्वानान स्वानान कुंद्र-वर्डे व्ययायार्श्वेद वर्डेट् छेट् छेट छेट छेट वर्ड देवाया छेट बेंद्र श्वेट व्य वसरः र्बेन गुरु हे वहं साम्नेर में से वर्षे र वसे वा निन पा वरे वे मार्थ ही र गी'र्नेत्र'त्। रेगाश'क्रुत'ळत्र'रेगा'रा'ळेंश'र्वेत'यनन'श्रूर'यश'ळे'वेट'त्रन' रेग्राराग्री मर्देन पळे सूर नविद्या से में मारा दे हैं किर में भ्रे प्रसेय ग्रासर मन्त्री मुन्न क्रम्सेनानी नेश प्रमान्य स्थान मुन्न निर्मा क्रम्सेन क्रिया यव खेंब के दें अर्कर के बिर अर्देव ग्रायय देता न वव न उदे देगाय कुव

द्वःग्रह्मा हर्ष्ट्र शहेर्यं स्वाधित स्वाधित

रेग्राश्कृत् श्री तशुर र्थ्या दे र्थे र्रें र तशुर र्थ्या से र ख्या यी दर र

म्याया त्याया चीन निर्माण क्षेत्र ची ज्याय प्रमाय निर्माण क्षेत्र ची स्वाय प्रमाय क्षेत्र ची स्वाय प्रमाय क्षेत्र ची स्वाय प्रमाय क्षेत्र ची स्वाय प्रमाय क्षेत्र ची स्वाय ची स्वाय क्षेत्र ची स्वाय क्षेत्र ची स्वाय ची

त्रविष्ट्राची निविद्दिव विदेश्च क्षेत्र स्वाप्त विष्ट्राची क्षेत्र स्वाप्त विष्ट्र वि

यदेः ने अः धें तः द्वे तः हें त्र या विः हः धेव। यदेः हं द्वा यो यावदः देव देवे वे यावे हः धेव।

रेग्रअः क्रेंन्रअः दे 'लेश 'पॅव् ग्री 'द्रम् मुश्'द्र देवे 'वुश क्रेंन्य 'ग्रिश'द्र' सक्रमानक्रीं न जुरार्धिन देव ग्याना क्रीनिर्म राम्या क्रुव ग्री क्व सेवा वी . नुश्राञ्जनशावाश्वरायदिरागुन्धुन् ग्रीरिवाशास्त्रिनशान्दारास्त्रिवा यश्यी तुर्श्हेनशनर मी हैं राक दे नीत हु के बिराई द्वा भीता देवारा कुत्रक्तिः रेगा ग्रायर प्रदे त्र र प्रक्रें न से दे ने य प्रेत्र प्र र प्रसूष प्रय ग्रयरमित्रिंगी प्रमेय क्रिया शुरायय। दास्रेरेग्यु र श्री दारी से म्राया ग्रीश्वर्युर्स्वारे र्वेदे हेश वेद श्वराय ५ त्या विवारे रेत् रेत वर्गे र नवे व गुर व गुर भी वर न देश शु व गुर शे न भ वे क व रे ग भी निशार्षेत्र'न्दाक्ष'नवे नर्जे गल्रामी'न्ययावर्डेरान्या कराश्चित्रमार्केरायशान्या वी वुरुष्याचर्गोष्यान्वीरुष्येवाने पावनानेवा वेष्यर्था नेष्यर्थागुवार्श्वेन्थीः वनात्र सिर्वे ना नावि स्र न्यवना त्र शं की शः धें त ना शर मा वरी निर वरी वे व्याक्षेत्रअदिशानिदायळ्यापदे क्षेत्रमान्ये वार्श्वेदाहे सुरानेदाकु ने ग्वर-र्देव-विग-धेवा

देरःभ्रम्भन्यःग्रस्यः देवाः यः देवः देवायः क्रुद् रक्षदः देवाः वीः वायरः

नहेशम्प्रम्भारः भुग्राशः क्रेत्रः वेनशः शःग्रार्डः र्वे विग्राधेत्। द्वेः विन्राशः शः नेट अट वार्से न नेवा प्रते केट व्यस प्रास्ट में विवा वीसा सेते नेवास कुत ग्री के विया मी में रिया नक्षेयाया पाया नहेत त्या क्षे रिया ह्या वर्ग र में मदेगार्शे नर्डेश ग्रे अप्रोध प्रश्ना स्वारा रेगाः सरः ग्रेन्यव्याः प्रदेश्यार्थे पार्थे प्रश्चित्राः स्वेगः स्वेत्राः स्वेत्रः स्वेत्रः स्व भूनर्याय्यस्याविषायकरानवे धेराके या होता के प्रान्ति वर्षा सकेंद्र वा अधि'सदयर् भूस्यासम्मान्स्यात्रकासर्मे विमान्दर्भे राग्ने से दि रेग्राशक्तुव्रक्षे देशव्यायुवायाय्यायर पुरिक्षे हिंग्र्या सुदान्य। वर रेग्राश्रास्टर्भे विग्रामी अळव हेट्या एक्युर प्रायमें प्रमें रहेग्राश्चेता वट् रेग्रभाने र्के त्याय विवा त्य रेग्रभा क्रुव की नर्के भाष्यस्थ प्या रेग्रा हेन धर्प, प्रमुद्राची विष्या विषया व सर्वेद्राची सेद्रा स्वा रेग्रास कुत की पर्वेस वर्ष प्रदा पर्दे प्रदा वर्तेषानवे सेवाश ह्रा ग्री नर्गे न वर्ते स्था भ्रवा पर सेवे सुसा सवे वात्र स रेया शुःरेपाया इया नर्गे ५ प्यर्ने यया नडया शुः पाव ५ रेव प्यर्ने रेव या १ रेव वसार केंद्रे गुव र्श्वे द ग्री रेग सर्वे वसाय दगवर व्या केंद्र विवार्श्वेद नविव थें ना

द्वे क्षु स्वाया न्याय द्याय देवे के स्वार्के में विवादे पर से सामेश

र्षेव्यायम् स्थायदे त्यया त्रष्ट्रम् हे त्रुम् हे द्रायाया श्रुया र्षेद्रा हे व्यायेव व ८:क्रॅंश-देवाशःह्रशःदेशःउवःववावःन्वशःनेवाःश्चेंव्यदःदाः भ्रवःवदा घवः म्बर्गान्यक्षान्तीः क्रुव्नम्भेव प्रत्ये नार्हेग्या येत्। दार्के या पराष्ट्रित त्यावतः रेगारायदे द्यायीरायदर कुः सेद पर प्रस्थास्य प्राप्त प्राय है वदे न्वाचीशः अवरः कें रः कें शःवार्देरः खेवः ग्रुशः खेन्। देवः ग्रुरः। रेरः सेः शेः वर्गेर नर रेग्र कुव र्क्ष्व रेग्र ग्री र ग्राट वर्ग क्षेर रें रें रें र्निट वर क्षेर थ ब्रैअप्यन्दर्दर्याय्दर्द्दर्येयावड्याग्रीनुयाञ्चवयान्यः सुदर्द्दर् हेन् ग्रे क्रिंचा पर्वेन् स्वया रम्हेन्य पर्वेन् प्रके क्रिंच क्रिक्ष के निर्मा के न्द्रव्यक्त्रियायाः श्रीः यळ्वः हिन् यवव्याविवाः तुः वश्चुः स्वता न्ये रः वा वादः वना डेना न देन न ने वर धेन प्या स्मान की निकार के निकार की निकार क विगाः धॅर्के विष्यः अर्गुम्यः धॅर्वर्गं अष्मानुरः नः बेरः नदेः भेरः विगाः वर्रेग्राश्चेत्। दःक्ष्रिंगवर्ते वर्त्ते भेषाण्यम् श्चेष्राचेत्र विग् श्चेत्र द्या दःक्ष्रिंग वर्दे वर्दे ने अधित वस वें न हु स से र नर सत है न अ खूद र वे हैं दिश नर्गीयार्श्वेन् नेन् प्रदेशवग्राह्म नेन् मुन्यमा विष्यार्श्वेन् स्वार्थः न्दायनेयानदेगान्दार्भेनाते। श्रुप्येयान्दा गहेनाहेदेवियान। श्रुपा यश्राल्याया हेत् श्रुट्यो र्स्टेंट्यश्र र्से यायाया भुवाया मेत्र वेचया देया स्थानिशार्थे निर्माणि स्थानिशास्त्र स्थानि स्थानि

देवा श्री क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्ष

वदःग्रेःहें व्यव्यान्त्री श्रीदः प्रवे देवा श्री व्यव्यान्त्र विष्णे हें व्यव्यान्त्र विष्णे वि

हेन् ग्री में हिंग्र प्रायहाय सेन् प्येत प्रति देश प्रासेन् प्राप्त न ने निवेत तन्ते यर्स्सिन्द्रिन्द्र्यूर्चित्रं निष्यं स्थित्। दःक्रैं वदि वद्वे देशसे द्रा भेषा र्धेव विवा वी वर्षे द श्वा रा शे विवा र हिन्दू र वर्षे वाद अवा विवा वी र र र वित्रायावत् ग्री देवाया इया वित्रास्य विया हिवाया श्रुट के देवाया इया दे प्राट्य गठेग'राक्कुन'यहें व होन श्रेन'राये रन्य में वन श्रे मावव नगाय नवन नर्गेश्वर्भमा ने निवित्र नुष्टिते श्रु केंग्रिश ने वर्षे न निव्यक्ष निव्यक्ष क्षुन्तुःत्यः ने अः धें त्रः दिने देने अः श्रेष्ट्रा निष्यः श्रेष्ट्रा व्याप्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विगाः अर्देव : नृ : त्यु र : श्रेन : प्रेन : स्र र्षेत्रपदियादः वयाः क्रिंत्र श्रुद्धारः भ्रेष्ट्या वर्षेत्र प्याद्वा देवे द्वाद्या वर्षेत्र प्राप्त प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर प्राप्त वर्य प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर प्राप्त वर्य प्राप्त वर प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर प्राप्त वर प्राप्त व यन्दरवर्षेयानार्थेद्राचार्यस्याधित्राचरागुत्रःश्चित्रिनाचायवदावर्षेया वर्दे 'द्रया'यी अ'याद : ब्रया'ठेया'यी 'श्रेश्रश्च (व्रश्नश्ची 'यदे 'व्रदः त्यः श्रुया अ क्रियः वेनरारेश बुरायदेश्वेरर्उवर्रेग्यायाग्रीरियायाह्यापेर्पर्यं रिद्री वहते वावसा सूर्या वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे प्राचित्र हो विद्या है सार्वे र्णिट्य श्री क्षिया श्रामी स्रोधित में श्री स्राप्त क्षित्र श्री मार्गि क्षित्र श्री मार्गि क्षित्र श्री मार्गि क्षित्र स्रोधित स्रोधि होत्रत्वे अरुया वर्त्रियाया हो ज्ञाप्य विवायी दे वित्र पर्वे प्रदे तेयाया इसाइससार्स्या वहें व ने न प्रति वन सायसाहे सूर सर्गे न सार्ये न र

यस्यः चेतः स्वतः व्यव्यः क्ष्यः स्वतः स्वायः स्वतः स्

वह्रान्त्रीरःग्रारःश्रमः विद्यान्ता भ्रमः विद्यान्ता भ्रमः व्यान्यमः व्यायः व्यान्यमः व्यान्यमः व्यान्यमः व्यान्यमः व्यान्यमः व्यान्यमः ५,५२,५७विष्टान्त्रः लेषाः विष्ट्राचीः श्रेः क्ष्रं निर्म्यागुवः श्रें ५ देवाः या बेरावः नेविन्द्रियाहेर्यात्र्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या नर'यनद'यनुद्रशः होद्'शे'र्थेद्। रद'हेद'नेश हादे हिन'र्वेदशयदे रहें'या क्रयशर्श्वेद्राव्यत्रप्रदेर् नगरामी यादयाम्य न्यू देत्रप्रदे प्रमार्थे व्याचनया ग्रीः ययानियाः भूवा देः परः क्रुं यळवः यानवः नियाः वेः यर्देवः शुयाः शुः वर्देर्ना ने वह्र अधिरामी ने अञ्चर्मा करा स्थान स्थान विन्य राष्ट्रिता न्वीं अः यदे वावन् नें व वावा केव वाव न्याय न्याय अर्वे व यय व न न व या गुनः श्रें दः देवा प्रदे बदः श्रे द्वादः द्वादः दिवा व्यः वार्दे दः वेदः श्रेदः स्टरः क्वाराधी पर्केर नदे ही विन रर नदे विन ही सप्टें व विन हे नाम कि विश्व कि विन हो स्वार्थ के विन हो स्वार्थ के वि

५:५८:देवाशः क्रुवः ळवः देवाः वाविरः चववाः घवेः वार्शेः वः देवाः घः ५८: वर्तेयानियान्तियाम् मिल्याम् विवासक्षेत्रान्ति ने म्ह्रम्यायानिहेन न्या गुनः श्रेन् ग्रीः नगवः नवः क्रियाः वहेनः उतः यानः अनः वतुनः विवः विनः पन्। नशः अन्यायदिराक्षेरानविवायवे पावरादिवा विषयि विषये हिपाया हिपाया हु 'यम क्षेत्र की प्रें के (Dolly) वेर नियम् मान्य के व की ख्या ने ' वर-रु-भेवे-रेग्राश्राह्मवे-बर्-त्यवर-ग्रायर-वर्गुर-ग्री-वर्गुर-त्यस-विग्-हु-रे-बूट कु के त विना गुरा भेटा अदे बुबा सदे देना या हु विना स दे दा स यासार्द्ध्राधरारेग्राह्देशमान्द्रार्द्ध्राप्तरार्द्ध्याप्तर्द्धारा रेत्। रेग्रास्ट्रायाङ्कीययान्दान्येसावनसाग्रीरेग्रास्ट्राग्रिसार्धनः डेटा व्देर्वित्रियायम् द्धंम् स्रीयद्धंस्यायम् मन्त्र वर्षे या वर्षे स्रायम् स्रीयम् इवेन्दरनुः शुक्रास्टानी कः निका निवा क्वा वह वाका हो दार्वे दर्वी का क्षि विं विदे के न् न् निका हुते त्युवायका वा नहेव वका या सुन वाका निवित के निवित्त के निविद्या के निवि

८*য়*ॱक़ॣॱॸढ़ॆॱख़ॱढ़ॺॱॻऻऄॕॱॸॱॸॆॻॱय़ॱॸ॒ॸॱॸऄॕॺॱॿॸॺॱॻॖऀॱॸॆ॔ढ़ॱॸॖॱ रेग्रास्ट्रायस्यायसाक्ष्रन्यानर्गेषार्श्वे दान्नेदायायार्टे में यानेदान्ने स्व ग्रवश्रम्भरशायदी र्कें कंटा अदे व्हार् स्टा हैन ग्री व्या गर्कें दाया ग्राविव स्व ग्रीःगुवःर्श्वेदःविवानीयःस्ट्रयःवहेवःग्रेदःद्वेदःद्वेदान्वेदाः लुय.स.बुया.कुर.री.याश्चर.यज्ञ.यीश्वर्थ.रीयुःखेश.सीर.युं। क्व.लश.स्यश. नर्गेषः श्रुं न हो न प्रवे प्यश्रायने वे से वाश्राया ने वित्र वे वाश्री से स्वार्था श्रुवाशः इवार्सि विवाद्यर से दर्भ विवाद सार्विया दर्भ विवाद सार्विया विवाद से सार्विया विवाद सार्विय सार्विया विवाद सार्विय श्चेश्वेश्वेतिस्त्रिन्। नह्न्द्रतिनायान्ध्रयायाधेवा नेवित्रमानुः स्त्रीनास्त्रम्थे स्त्रेमा नु नर्जे राजे दार्जे दे निष्ट के राज्य या रिष्ट्र स्वे राजे राज्य मने कें अराय विदेश अर्थर प्राचेत कें या भी कें राय भी या अप कें में से श्रीमा श्रीलायश्रामित सें माना वर्षे ही हु अस्त्र श्रीश क्रिमा वि श्रीम सें मानी रम्यविव विवाधिव यायशाववव हे प्यम् सेव यायश्चित्र दिव ग्रम् द्वे भू रहे या या गुव र्र्से दावाद वी या गुद सा व सुत्य विदे द र्रे वे वे वे वी वी वी ळ्ळाळा. प्रमानिया क्रिया कु. यह महिता कु. य

श्ची त्रवेषाची ते वाका हु ते त्र त्र त्र ते वाका शु त्र त्र त्र वाका शु त्र त्र वाका शु त्र त्र वाका शु त्र वाका

न्द्रःश्चे न्द्र्याणे न्द्रः श्चरः श्चरः श्चरः त्राणाः यथः निष्यः विद्रः श्चरः श्चर

दक्ष-निन्ना स्थान्त्रे न्या निया स्थान्त्र निन्न स्थान्त्र निया स्थान्त्र निया स्थान्त्र निया स्थान्त्र निया स्थान्त्र स्थान्

रेग्राम् कुत्रः क्तः रेग्। मी व्युव्यः व्यमः व्या नसूरः हो दः यथः हुरः नदेश्चे केंग्रान्द्रियायाब्द्रियो प्राम्य केंद्रियो द्रिया मार्थे व्याया मेंद्रिया में रट गुट मी वशुर वर्शे अ वा स्नूट अ वहीं व गुरा वर्शे व र शे वे रे मा अ शे ! वर्तुर वर्तुर यः भुग्रास क्रें द ने न राजी खेंद्र पायदी खेता सदय द खेंद्र सुन्तुः विवानी से सिदे में विद्याय में दे के सिर्याय दे नुन्त विवाधित द्या ५ क्षेत्रमायदी पर्या होता ही पर्या होता होता स्था पर्या होता होता होता है साम होता है साम होता है साम होता है स शेव के पर्से न महेव है। नियम वा सुग्गाप भगवन हम्म परिव नियम विया या ने र न ते व द र श्रें या श व श्रु र न ते र हे द । या कु अर्ळ द र र न व या द श व र र वर्ते वर्मान्य मान्य विनायह्या विनाय र्भे प्रदासीय क्षे प्रदेश्वर पुरिया भाइका यह वा पाय देश देश खेव से पुरि के वा गमा टःकें अप्रकर्षित्रपरे श्रुमा अप्राश्चमा अप्राप्त वा के ना ना अर नियम्बा वियम्ब्रियाप्तरम् अस्यावियापर्योषः श्रीन् गुरुषे नेयाया सुव

च्चित्रभः स्थान्त्रभः स्यान्त्रभः स्थान्त्रभः स्थान्त्रभः स्थान्त्रभः स्थान्त्रभः स्थान्यः स्थान्त्रभः स्थान्त्यः स्थान्त्रभः स्थान्त्रभः स्थान्त्यः स्थान्त्रभः स्थान्त्रभः

देवायाक्त स्वान्त स्वान स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान स्वान्त स्वान स्वान्त स्वान स्वान स्वान स्वान स्वान्त स्वान स

श्चितः रेगाशः श्चुतः यः नर्गे दः यर्देशशः श्चे दः यः द्वा श्चितः यर्वे वः यर्वे वे व्यय्वे वः यर्वे वः यर्वे व्यय् वे व्यय्वे व्यय् वे व्यय्वे व्यय्वे व्यय्वे व्यय् वे व्यय्वे व्यय्वे

खुअ'सुट'न्ट'रेवा'रावे'क'व्यास्र्र'य्यायायेवायारावे विन्कें राष्ट्रवः सेसरावियः र्सेट्रिन्विराविराः र्ख्याः विवाः धेत्। वावराः सूट्राः ग्रीः न्वटः वीराः यार बया श्रेर श्रें श्रेंदे प्रराथ कु र्देर प्रा श्रे र्वें वाश ग्रे ग्राय प्रेंद नुसान्सार्वे नासे दे स्टानिन सी सामित्र सामित सामित सामित्र सामित्र सामित्र सा गहेशःग्रे नुशः क्रेंनश सूगानस्य पश्चाम्य विदः नदे क्रेंद्र पर्वेदः गठिगासळ्ट्र अ.श्.लूट्रा रेग्राश्चित्रची.पस्तात्रश्चरास्तर वर्ग्युर्व्यात्र्युर्व्यात्र्यं त्रायुर्व्यात्रे स्वावस्य विवाला ममा वर्ने नर्गेषा श्रेनि होन न् न स्वा के एत ने नर्गे विवा पा से दे श्रे क्रियायाणी कः निया कुर हुं विया के पर्चे र ख्वारित्य या या हियाया विरया शु

श्चित्रिंशः श्चित्रा वर्तः श्चित्रः त्रेताः स्वाद्यः स्वाद्यः श्चित्रः श्च

वर्रे वर्षे रहे रहे रहे रहे रहे ते वा कर है वर्षे वा कर रहे । वर रहे । वर्षे वा कर रहे । वर र श्रेन गुनःश्रेन् र्रोग्यायम् प्रम्ययायो श्रे र्रोग्यायायो ग्राम्य स्थान् रदिया ८:क्रॅंदे'नर्भी'विट्'पर'इसस्र केर्रु'नहर्ष्य स्कृत्नर्भेटस्र मेंट्र बन्। हिन्यम्ने न्वान क्वें वा हु से न्ययम् वर्षे ने कन क्षेत्र न्य र वर्षे व नवे ग्वन्दिन्य अर्कें न न प्रेम शुरु न दिना प्रवे नु स स्नि म शे क वशान्त्र-त्रायम्यार्थः मुःसळवः तुः नवमा वर्षः श्री नः नन्दः वहितः परिः म्याः रेसम्बर्भरम् विवानश्चेत्रिर्भे गुर्भेत्र्या गुर्भेत्र्ये गुर्भेत्र्ये गुर्भेत्र्ये गुर्भेत्र्ये गुर्भेत्र नर्डेशयायानहेत्रत्ररातुरानिः वित्राम्याये किंदे देग्राया ग्रीयार किंदे हा नदेःगुनःश्वेन्श्चे त्रश्चे स्ति अव्यामित्रं भ्रित्राक्षेत्र क्षेत्र अवस्थित स्ति मार्गे हिन्दे अति। वर्त्ते नः श्रेते स्नाने वित्र केंश्र इस्र म्यत् कुंत वा श्रुत्र सेंदर् प्रति प्रति देश वहें व वे कें र ने अ दे वे सर गावे थे व दे व दे व व या न स्र र शे अ व शे र शे श्रे नेरान के विवाधित मदे पर केंद्र वर्ष के अपेर र जुवाश क्रेत के वर्ष विवा वेनशःकुं ते व्यत्रः रहें ते धेन यदर दहर हो व्या मानिया सेन रशः दर्शे न से ते से या शक्ति हो न से न से न से न से न से स्था होन

रादे वित्रवर्गायमाय से दे कि स्वर्गा से दे प्रति स्वर्गा से दे प्रति स्वर्गा से दे प्रति स्वर्गा से दे प्रति स रें निजि अपदिन होत् पर्राट कें राजाते रावहें जा नी अस्य वित्रा निकें कें रा ब्रूट विवादियर सेट्र से विवासी के विवासी के बिवासी के बि र्वित्यार्सेदे मुद्रेत्रम्याप्त्रा देगार्स्रेन्या दे निवेद सुया स्वामी मुन युन्सुं अरशुः विन्धित्र से दि से निर्मे निर् व्यार्थ्यावहित्। वादानेरास्वयाग्रीम्यार्थान्यत्यात्रास्त्रीयाम्यार्था वर्त्ते.य.भ्र.का न्या.तर.भ्र.कृष्ट्रम्या.भर्ष.यदे.यर्थे.स्या.तयायः नश्राम्भेयशः शुः तुस्रशः श्रुॅट दे रे दर्दि याया के ताविया धेता राया स्वार्य रे रायश्रद रेटा रेगा'मदे'त्रार्श्विया'द्युयाया'दे'ते'सूद्रामदे'ह"नदे'द्येषामुयायापा केत्रविना धेत्। नार बना ठेगा नी सेदे रेत्र बर दे नार बना रे छेट खा तर रेग्रायान्द्राच्याः स्वीतः श्रीत्राक्षः स्वीत्रायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्व लर्थियोक्तर्भास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्राचे नेनरः इत्यास्त्रा चर्मानेसः क्रयश्रायदे त्रन् सँग्राया मुद्देन् रादे देग्या ह्या ग्री प्रयेया सुँग्राया सेन्

त्रो निर्देश्य अर्थः निर्देश्य के सुर्वे निर्वा कि निर्वे के सुर्वे विष्य के स्वा के विषय के स्वा के विषय के स्व के स्व

दवे सु रहे या या देवा या कुव से । विवा वी र्स्ने राया खें दा रवे दा र्से वे वे वे हैंग्रभारेदे सेस्रभावन्या येत्रभारादे नुसारा विनात्री वह्र सम्भिराने सेदे रेग्रायाय सेत्र सेत्र से स्वाया से स्वर्ध स्वर्य स् यश्रासेन् प्रवेश्वनेव नेव नेव नेव नेव स्वरं स्वरं प्रवेश नेत्र हुव नु विनेव नि अन्। भेन कें अरख्याअर्नर ने या अरक्त ने अंग्रा श्री विन् प्रस्ते स्वानित कर व्यादार्के क्ष्याया वियापा धोव पाये स्टाप्त विवाद राम्यू राव देव भी रायार षट्र से द्राया के त्र के त मायदी साद्र साद्र स्ट्रामा हिना माधी तामा के सात्र वज्ञेषाधित्र मित्र मित्र प्रेमाने । पर भुगमा के मुन्म प्रमा निष्में वि रेग्राम् कुर्से प्रमान्द्र भेरे नियान्द्र भेरे निया में नर ला हिन् सर सर र्रे सेन नेवे भ्रेम्प रेके भ्राम्य मन्द्र हेन मंद्रे मेग्य कुत्र श्रेम्य प्रिय प्रेम्य

रेग्राम्मुन्द्रव्यायमायानहेन्द्रम्भानवद्यन्द्रदे रेग्रम्भुः ग्रीप्ट निव्यान्य मान्यानियायात्रा विष्यान्य विष्यान्य विष्यानियायि वह्यान्निर्यो से वर्षे र वर्षे र वर्षे यार्थे क्षेत्र र वी कित्र त्र वा वर्ष के वा वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष यर्ट्सं अपर्दे अपर्दे अपर्दे द्वीत्र होत् द्वीत्र होत् प्रदे अपर्दे व्याप्त विष् लेव.कु.८.कू.४.५वाश.केव.पत्रीतात्वश्राक्षी.लव.जवा.पर्. पर्ट्र.कुरी र्देव ग्राम् भ्रुव निर्मे राम्य पार्क यान निर्मा स्मा सुन हो न स नवे क त्र म के दाय म ग्री वि सव हे । धुव दे द में द म में म वहें म हो द हुन । श्चेर्नेर्निर्यर्द्रा रेजिवेद्यस्यायस्य विहेद्यस्य स्थिति स्थिति क्ट्रेन् भ्री द्रियावस्यायमापटाया नहेत्र द्रों माराष्ट्र नुदे स्टियमारी गुनः र्रेट्रा विवायावि नर्डे या पेट्रा विवाया विवाय वि देश'सर'र्'यई'गुर्डे 'व्रव्यार्थे 'विग' हो र'र्वे श

भ्रास्तर्भावियानीयानेयान्यक्षुत्रची क्षान्यक्ष्यान्यक्ष्यान्य न्द्रंशः विवाधितः भ्रीतः न्ता ने स्थायायायात्यात्याः भ्रीतः विवाधितायाः विवाधितायः विवाधितायः विवाधितायः विवाधितायः विवाधितायः विवाधितायः विवाधितायः विवाधितायः विवाधितायः विवाधित्यः विवाधितः विवाधित्यः विवाधित् स्यायाम् इत्यायन्त्रयान् उत्तर्भात्रयास्य स्थान्यान् । ल्या क्ष्य-म्यानविः स्वायान्त्रेन्द्रायान्त्रं यायान्त्रे विन्त्रम् श्रीतिः त्रम् श्रीतिः विन्त नर-दे-वे-ब्रियाय-वाडिया-वय-ब्रिव-ब्रिया-वदे-क्रि-श्रुव-यानव-ग्री-वर्ध-हिन्। मी दिश्वस्य हुरा नर्गे द है। मार्थय दि न मार्थय विमा से द प्रश्न हुर न विमा शुःश्चें दःसम्बदः इस्रयायायायायाय विदः होदःपादः। स्टः हुटःपीः मिस्रयः केवः र्यायाने नियायमार्येन र्र्भेतर हैं वियाय हुन यी खेन सेन ग्री सेंग माया है। ग्रथाय्यात्रम्याय्याय्याच्याः क्रुं प्रवस्थाः स्रो मुं प्रदेशाय्युयाय्यसाप्रम्यायि । वनात्र भेता वितः विना ने ना ने सामार्थे न निन् स्वान स नवे नने त नगर से द से ने के ने के निक्त में ना ने स क्षेत्र क ना र प्यार से द से स्थान से ना के साम के ना निक्त में ना निक्त में निक्त म हो ५ १२६ १८ के अपयम यो व हो ५ की खुन या ग्रामय में से द

नेट्ट्र्स्य ग्री देवाया कुर् क्वर देवा वी प्यत्य क्ष्य कुर क्षेत्र क्ष्य क्ष्

दते सुः द्धं या या के अा सुवा अा शें अदि सुः विदे या या अा सुवा अा अा सुवा अ

स्वान्य विद्वा व्यान्य विद्वा विद्वा

श्ची क्ष्या विचानी का वश्या क्ष्या विचानी क्ष्या क

देह्न ने न्या अवाहित्र विवा क्षा के त्यों वा ने न्या के त्यों वा ने न्या के त्यों के त्या के त्यों के त्या के त्यों के त्या के त्यों के त्या के त्या

द्धन्द्विन्विन्द्विन्द्विन्द्विन्द्विन्द्विन्द्विन्द्विन्द्विन्द्विन्द्

यार्श्व स्थराख्य स्थराख्य स्थराख्य स्थराख्य हुँ न कु या हे या स्थराख्य स्थित स्थराख्य स्थराख्य स्थित स्थित स्थराख्य स्थित स्थराख्य स्थित स्थित स्थराख्य स्थित स्थित स्थित स्थराख्य स्थित स्थर स्थित स्थि

वह्रान्त्रीरार्श्वे वा भुवारा में दा के दारे विवरा ग्री विद्रास्था क्रदारेवा मी विन पह्नामी पर सुमार प्राप्त क्षा क्षा भी भी राष्ट्र है । भूम मो वा से प्राप्त है । भूम मो वा से प्राप्त है । होत्या वसुवावसामस्य विष्ठित्या विष्ठा विष्रा विष्ठा क्रव देवा य दर्ग विद्राची वर्षी वहीं वर्षा दे निविद क्रिट यथ य निवस्त्री थी श्चानित्रास्त्रित्वा पुरदेश्या स्टिना से स्टा टार्के राग्य स्थित से वार्य से वार से वार्य से क्षेट्र-ट्र-पहेंचा क्षेत्रवा सट केंचा राष्ट्री राज्याव प्येट्र प्राप्त क्षु वे । पाकं दर्गे रा यातृयार्थः भीवा सेता अवा धरा च कुत्र तथ्या विवा च कुत्र वर्षः वर्षे से से तत्र म्रा यहात्र यहार्के वाराया हैं विदेश है निया दे निविद्या विदेश यहार ळॅग्रार्शी मार्देव भुग्रार ळॅग्रार हे विना गी एर्य वर्ग्य सेंग्राय पा नहेव वश्यवायार्वेद्रश्चे त्यश्यविदेर्भे योर्वेषाश्चेद्रद्वीश्व

५१% दे निया प्रत्या दे के अरक्ष नश्च के द न द्वा व स्वा व स्व व

व्यान्यम् नुष्यत्र्यात्वीं नः श्रेते श्चे त्याक्षण श्चे केत्रमें त्नुम् नवे हेत्। विते केशः इं द्रमा धिव पदि भ्रम्मा राष्ट्रीमा नद्रमा मी नरासा सम् कें राष्ट्रमा राष्ट्रमा मुनःसमय देःनविदःकनःश्चेदःश्वेषाशःग्चेःश्चिषाशःश्चरःगोःश्वःनवेःद्वरःद् यः शॅरः नरः रः र्कें र्क्षरः यथा यथ्या रु ने ने र श्वें न हो न र्के गा पदे गुवः श्वें न रेगारादे सुँगशर्सूद पर्वेर तें विगार्वेश सुँगायूद वस्र उर र र र रे न्यामी हेव या वि वित्र ख्या मी इ नवे हेव यहे या ही तर नवे व ने देश वहें त्रिंदि। वर्गे निर्धा क्रिंदि ही क्रिंग्या मित्र में साम हिंदी कर्म क्रिंप्य क्रिंप क्रिवाःश्चेत्यः नुः नवः त्यद्रश्यद्रशः श्चेवाराः नेवाः गुतः श्चेनः देवारावेः श्चेवाराः श्चेतः वर्षिर वें वरिवे गुन क गर्डे में विगाधिव दर्गे श अदे रिकेर ने श भीव में नश्चेत्रनश्चेत्र होत् कुर्द्दर हें श्राक्कुत्र दुः वर्शे ना श्चेते स्वाप्त विश्वेत्र विश्वेत्य विश्वेत्र व शेशशायात्रहेत् कु प्यरानेवे तरा रु तर् रुवे शा क्वारेवा रु शेवे हा वन्यायान्वराग्राम् भेत्राया वर्षे प्राप्त क्षेत्रा क्षेत्रा कष्ट्र वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व र् जिंद्र दर्शेषा दर्से अर्दे अर्घर र् र्रेट्र र हिन् श्री र किया के वर्षे स्व वर्ष्टिन्याचेन्यम्यवन्याचेन्यम् अयान्या ने सेन्युर्याचे याव्यास्य रॅवि:८८:व्यार्कें राजे या हैं 'में 'दे 'हुया में 'महें दे या वर्ने वर्ति गुन् र्श्वेन सेवा सवे स्विता श्रेत वित्त से विता है सूर

वर्क्षयाहेन् चीन् म्यान्या वे ना नार्क्षयावर्षे नार्ये सम्मिन्या विवादी नवर में भेत्र पर भेर केश वुश्वश्र यश यश वि दे वर्गे न इस दर्गे श भेर । धीन् के अपदेने प्यें न्या शुः विचा पदे गाव हों न से वा पदे गावे हो हो दि वा पवा यानिनर्डेयान्त्रीया नेप्परकेर्स्यानेर्डक्त्रन्त्रव्हेन्यन्ता स्टाहुर विस्रशक्तेत्र सेदि वट र ज्ञा है स्राया निया प्रति स्वाया वि हियाया वि हियाया वि क्षेत्रप्रस्थित्रम्थार्भे प्रमान्य भेत्रा विष्य क्षेत्र विष्य क्षेत्र विष्य विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय यार्डिं ने ही रहे खेदाया क्षेट्रहे ने लट्स्याया क्रिट्यो सहया व्यवस्तिया यदेः ने अर्मन प्यम्पन्या हेया प्रम् इतः तुः प्रमेषः प्रमेषः प्रमाय अर्थः विष्टिः इत्देन विया यो निर्देश वर्ष र र्यो या गुन श्चिरिया यो स्वि इत्वे स्वि वर्ष हैं। ক্র্রিমান্ত্রের ব্রুমান্ত্রর প্রান্ত্রর বার্ট্রিমান্ত্রর প্রান্তর বিশ্বর धरायशायन्यानिया वर्ते चार्की विष्टि विष्टाया से दार्ची विष्टा नदे-द्रश्वे-वह्र्यात्त्रेद्राची हेत्वव्येयाची द्रियार्थेद्राम्बर्यात्यम्यादि कु सक्तर्र्मु सुरुष्त्र राट्से राट्मायाट्या दे प्रमायायमें प्राप्ति राधियामि गठिगागी देश दशमिर्टि खेत् हो दाया था कुया विचाद । भे देगा शे केंश स्यायार्श्यम्यार्थः र्रोदे र्वेमान्या हो द्रा स्वीत्र स्वीत्र

यावन के विवार्षेन्त्रा।

द्रशत्दी ते त्युद्ध व्यवाय विवाधित यस्य विवाधित स्वर्धे के श्व हत से छित् छी स्वर्धित स्वर्येत स्वर्य स्वर्य स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्येत स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्व

सवतःवर्धियानः विवार्हेवार्याश्ची सेन्या सेस्राया देशायमः नुष्यदेव न्वीया टार्क्स अवर्गे ना से देन मा सा कुता ही रहे। प्रमानी में दिसा दा सुन से मा सा हिता ग्रम् देवाशःहशः ५८ वित्रः ध्याः नरः ग्रीः वर्षे वायः देव व्याः हिवाशः श्रुः वरः विंग वन्दर्भग्याह्यार्थे सिंदे हो द्रायय द्राय सुद्राय स्त्री प्रदेश प्रायः क्टर विवा हैवाश राखदर के टें न इ ख्वा दवाद नश नेवा दर्वे र श्रेन रेगायाक्त्रुव्याद्यायाचे विद्यायाय्या हो हाया पा विया यायर याहित होता भूतर्य। नेट सट में सूट होट खुय गर्डे में बिग हे ने दे वहाय सुग्र मंग्रे वर्ष्यश्चान्ता देवे विर्मेन में अहमा वर्ष्य प्राचित्र में प्राची प्रमानिका यानेशानुग्रामुद्राक्षेत्रा वेनशामानवशाधिद्या नश्यार्भे वदे कें व्यासु सक्त स्त प्रत पर ने निमार्मि त्रा पर्न स्मी से ना वर्मे ना से वे स्त निमार्थ वकर नदे र केंद्रे वर् ने यान क्रमा वा हे नया नया केंद्र यह दे द्रमा में अर्थेर नुग्राम्भेत्रचेत्रम्भेत्रप्रेत न्धन्याम्हिन्द्रम् या वर्षे नः सेवे ने मार्था महिना सुरस्य धेत्र सम्द्रायस र्यादे में त्यादे स्ट्रेट मी कें र्से मा बस्य उठ गी त्याय प्राप्त है ते त्या हि र्सि न वर्चरावर्च्य राष्ट्री राज्ञ विवा अववावर्षिया वालिया है वा सामे । स्वा वा से से स

सर्रेरानसूर्यात्रा टार्केंदेरगुदार्श्वेट्रियायदेर वनसायसाद्य दर् यान्वरायार्थः श्रीः देवः यावदः यावाः क्षेवः वदेः द्याः वर्द्धः द्वीं या दरः ये। दः क्ष्यागुत्रः श्रॅटाया यहवायात्रया रिया सटावादी श्रेटा हे प्येताया वाहता विया नर्वामा निहेमाना मर्केदियम्बर्तिक्षिन्यमान्यम्बर्तिनार्यम्यम्भकः केव सेवि क्षे वया महाकेद प्रहा केवा इ देवे वमाया प्रवेषा वा प्राप्त केवा र्धेन्यः हिंग्रयः न्वेंया ने व्ययः ह्रिंगः नः ने स्रोते व्ययः ने त्वेगः वी मुनः ह्येंन्यः वायनेवासमुन्नेन्याम्डेग्राम्याधेन्यास्य स्वायास्य वार्यास्य । नुःयदरः नर्भसः विवासः देशः दक्षः हो नुः निर्मेशा वासुसः सा नः केंसः हेवाः इ.विगायान्धरायानेंदाञ्चनशः श्चेंग्या शुः विद्यायान्या श्चेंग्या वेदा बेर्'या रे'नविव'रर'वी'नश्रयार्श्वेषाश्रास्टावीशार्हेषाश्रायात्रश्रायगुराना विष्यः श्रूरः वी निवरः नुः वर्वे निवरः हेत्। विष्यं निवर्शे निवर्शे निवर्शे निवरः वर्तेयानवेरन्गवर्वयावेषायाम्द्रियाचे त्रित्रम्भन्यर्वे स्वार्वे साम्ब्रेसा स्ट्र อुरावराश्चे प्राक्षेराग्चे प्रेराणे वार्षे वार्षे

इत्रे-तश्चीमाश्रास्य प्रति स्वर्धन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्यन स्

रादे में पायदे दे द केंद्र हिया गावि मिं द पी द द दे केंद्र केंद्र दे गा गी नेश पॅव त्य निवाश व के श्रेंग नी हेव निवे र गुर पवे कु अर विंव पर ८.क्रॅंदे.वह्स्य.व्.श्ची८.वर्ट.लुवा ब्रेद्रःस्यव्य.र्वेटस्य.वस्य.वंट्रःसदे.सदे. वें लिये तर् नर में वा अरे अमें ट र् अर लिये में वा तकर ही हैं ट न श्वाय इना डेना भ्रे अ र्श्वेटा इटश पदे अळव से विना ने क नाट हा न न विव देंद वर्से बिटा यटमामदे सम्बद्धिरमा ग्री देस न मिये न मिये हैं न र्रे विदेशे वर्ष स्टेश स्टेश स्टेश स्टिश्य मिराया कुरा दुः विवा सहसार्श्वे दा होता नविव मने हि अ गवि गठिया मी वह सी धीव मने हे अ विश्व है र खार्कें र नियाश्चर्यास्त्रियायो त्यस्यस्य स्ट्रिट्य वर्ग्या दर्ग्या स्ट्रिस्य विस्ति स्ट्रिये मित्रे क्षेत्र स्थूद विवा स्थ्रे राजिदा द क्षेत्र नित्र प्रित्र प्रित् प्रमाने प्रवास ।

द्ध्यात्वावः द्वे विवाः प्रेन्त्या विवायः व

अळठ्

देवाशःह्य हि cloning देवाशःह ने प्रयाक्षेत्रः श्रीः ध्वतः है न विवानी स्वरान्त्र स्वरान्य स्वरान्त्र स्वरान्त्य स्वरा